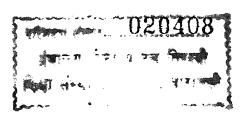


apacas acay togates



च्यान सम्बद्धाः विकासः विविकासः विकासः विविकासः विवि विवि विविकासः विविकासः विवि विवि विवि विवि वि



# ₹5717.84 |

ज्यानाह्या		
2	इन्देहिन प्रमान समा	***
3 44° V	यर ब्रेट मही	0 6 9 7
n del. 30	सर. खेडु : इर. झॅ. बस. सर्वे ख	49 64
३७ वसं 🕫	यन गुरी स्रोधारा बेट क्या प्रकृत स	9 99
100 del. 20	बर खेतु सहस्राया से द छै पदे य	C 20 30 G
८० थ्या. १८	बरमुवै.यधु.च। बूर्रेटा विश्व.यष्ट्रश्र.व	1971
ve an oor	यर मुद्ध माना पश्च प्रहेमा	60000
294 gr 233	नर्भेद्धस्य न्द्रभा न्द्रभा न्द्रभा	***
933 451° 240	नर से वु न जुन न नहन न जुन न हैं। हैं	'यम्
940 AN 900	वर जुड़े जुड़े ता चे नर नर शहर	
१११ १३० १३०	यर खेतु द्रमु भा हेट वृत्ति ।	****
१७१ दशः ४३१	नर में हु न हु सा हु सारे हु के र ब	47 #4 4
333 del. 321	यर. शरे 3. यह नाहुना ना चय् व. चूला	*****
2012 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 1	यर. जुवै. चवै. चवैश्व. च श्विचश्व. चर्डूण. च	] <del>.</del> ફુવ'વા
34.5 24. 373	तर से तु न इ न <b>इम मा र क्ष र दा म</b> े	रूट्य.या
373 देखे. उ₀उ	नर मिर्नेन दरनी बर पते द्वेस ग्री	174.
•	क्ष्यायवत्। ""	5+11
३०० देख. ३८७	चर.पि.ड्रीर्थ.ची <b>३श.च</b> ी भवेश.पंड्रील	ĐM.
	कॅनस ग्रेन्ड्स वुन्द न्त्रें सकेंद्र। """	<b>998 68</b>
	-	

		देर वर्डेश हैं हु सेन	nder 7 description (* Production - Medical des description et al. 1995), description des l'extends
र्बेनाः	खैना	The state of the s	ব <b>র্জ</b> .
म्बट्स.	AL.		
<b>3</b> ?	クセ	मित्रुश्नमाः	H H H H
32	<i>33</i>	व के हिन	\$4.4.4 <u>\$</u>
<b>3</b> 0	2	म्ब्रिंग रहा.	HKOE
<i>37</i>	23	ନ୍ଦ୍ର ଅନ୍ତି :	बें है भु उ नहीं।
	ઙ	र् 'व'हरे'मा	5 শব ন শ
≈γ	33	Z.12@C.	<b>7.</b> 37.1
ve	3	<b>ผม</b> รัฐรฐั <b>ฆ</b> .	ଜୟ,୬ୁଜା
<u>()</u>	<i>39</i>	देग्रसम्बद्ध <b>राम्युद्धः</b>	ইন্ধ'ন্দ্রম
<u> </u>	<i>33</i>	वडस.४स.	494.4124.441
<i>€</i> ?	24~	9.4.42.	원.보. 홋.너테
ر ج	ש	ਭੇਨ <b>ਾ</b> ਧਾ	55°81
v=	<i>ე</i> ၁	ना देवयः	미 <b>연· 4</b> 조기
VL.	23	<b>৺≟র.ঐ.</b> স.	<b>ৰ</b> ইম-গ্ৰুমা
200	٨	बद्ग सेर्	<b>दॅ</b> ब खब सेदा
20L	9V	याम्बेन	यहरी
238	۳	¥E. {ac.g	76.412.41
234	<i>37</i>	34.L.	397F1
200	2 h	<b>581798</b>	<b>5%</b> **********************************

ब्नाः	श्रीन:	<b>7</b>	বউদ।
שלבצו.	Ŋc.		A COLUMN ASSESSMENT AS
252	32	वंद्रं के द्वट त्रहेंद्रं	22.0.20E31
30V	20	श्रेव:र्निश्च	क्रीन्द्रम्
20L	<b>33</b>	ইানা নহাৰ হ্ৰম	मूट हि. शैन नशेब देश
२००	٨	में सद्या भूगावई	क्षेत्रहास्य
373	クピ	लट द्वीस यहेंद	लूट्रन्स. लुस-पहेरी
<i>33</i> 0	22	\$'F5'3'44	क्षे. पट. वस. है। हव।
3 <b>~</b> 3	æ	चे.रथन.मु. चे.रथन.मु.	प्रम्यानीस्य स्वस्त्रान्ता वहतः स्वस्त्रान्तानादसः
१७७	<b>38</b>	તેશ.ચંદજ્ઞ.	44.9.4EM
3140	v	₽.x.₹<.	श्रस्था
2V*3	20	9.94.gc.	37.3r.1
27.6	<i>37</i>	<b>बेरा:प</b> ्रे:मोबैट.	64. Eg. 40c.1
320	<b>3</b>	रे-बिसस	हे और हिस्स।
<b>3</b> 20	<b>3</b> L	37. MC 3.	हेर्देश.धट.यू
<b>3</b> 70	22	45 21. at.	वर्णिक बरा
32L	e	awr'	AZ WET
<b>2</b> 30	٧	जिस्राज्य	জেম'জা

#### क्सीतर कुष्य दे प्रमुख्य है।

- ऽ ही.म. १००१ ब्रूर.चनिवाधपृत्र हैट हैं र प्रेंग्रेस हैं पर
- हुनस्त्रभावविष्यं विष्यात्रे में स्वर्त्यं स्वर्त्या स्वयः स्वर्
- शह. हुर् तर्द् मी. वट. चेवेच शक्ष मा । इ चेवेट. वट्ट. चे. वट. चेश वच र च श्री मार्थ वेट. ववट र खेला है.
- न् विमासन् मोडेशाच्याचर वडेवसाय**ते** श्रापर॥ च विमासन मोडेशाच्याचर वडेवसाय**ते** श्रापर॥
- v गुन्देनिकेयन्ने निवस्तिने महत्ते विकासिन ना
- e दूर.व.शुट.सप्रे.सेंब.**दस्य**.व.संट.॥
- ण्यासर् स्य स्वाहित्यी । ज्यासर् स्य स्वाहित्यी हसार्यसा
- ७ द्वयः मुः द्वस्य द्विर भू श्रद्धा ह्या स्था सुः सुवा स्था
- ०० रेजे. ८ जेर न जेर इंट इंचर्ये. इश. जेट वर्ष , वेंचर हैं दश हूं के हो।।
- १३ हैं के १०८१ व व से सिन्
- ही. जू. २७४० जूर. के. श. र अ. श. र वे. से. संट स. जयस. मी. श. सी. ही. जू. २७३७ जू. होचा. पंट्रूट. वंस. झे. सर. जुरास. जय. देंट.। ३३ के. श.र. खू. हुनु चिह्न जिल्ली जिल्ली
- नुश्रासद्भानीवेट.वेनश.क्ष्रा.श्रम्बाश.भहत.शहर्न.प्रा। ३० क्षे.शर्व.मद्भालना.चिट.विशश.रष्ट्र.लट.क्रंट.थस.चगार्व.चेना.
- ० वर्षे अपना

### कृष्त्र प्र. हें क्र निक्र परे अवर हिं।

- १ क्रैं तो १०४० तेर क्षास दस कु मार पु स्वेदस पहेंद सा
- चिट.**त्र.चे**चेश.चूट.चूट.स्टूट.चूट्ट.चिट्ट.चिट्ट.ची
- नश्चिम् स्वाप्त स्वाप
  - म्युःसदः द्वुशः स्राप्तकः चित्रस्य स्राप्तकः चित्रस्य स्राप्तकः स्रापति स्
  - ७ र्नार स्व पुट प्रमा केस के सम्बद्ध स्ट्रिंड निवास स्वराय
  - थ द्वाव : इत्र द्वाव : द्वाव :
  - ८ वर्षेत्रार्न्द्रे, व्राक्षेत्रव्य व्यवस्य व्यवस्य
  - e मुक्षापुष्ठायदे क्षेद्रे के मेहादहा महेद के के मेहा क्षेत्र का दूका महेदा
  - ० हॅ चॅ रेव चॅ के**वे द**्व चे चे चे चे चे चे चे च
  - १० वित्रसम्बर्गः स्त्रेन् प्रते स्त्रेन्दः स्त्रुन् विन्नासा।
  - ११ वस्त्रमुल-नुःस्त्रने नेवसः सुदैःनुद्दः वः वह्न दह्ने दह्ने हुन हुन
  - १३ में में अम सर्हे हैं है।
  - ०० सामने हैं नाद्याहिंद् नु लियस घट नीस खेतस पा।
  - १०० वट सट वस पहुंब प्रेन्स है के वस प्रा है कि विम स्म स सुन .....

#### क्र में. तर क्रि. १५ में भी शंभ तत्र अश्वे से से

- ० वर्रान्सनामः श्रुविद्याः र हिना नहिन।
- स्वसाने विश्वसान्य मान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान्य विश्वसान
- ३ अ:सर-बु:द्वर-ध्वासर-५वुर-भ्रत्यस्य होत्। १
- न्य १००० व्यापत् हैं । नुस्त्र हें नुस्त्र अहम न्यून
- भ वर् कुरे मुन्द्र चयश क्षेत्र श्री तथ कुरे हुने त् कुरेट होरी.
- ब्रीट्रेट्स्स्यत्।। ७ ब्रीट्रेट्स्स्यत्।।
- थ श्रेन्ब्रॅन्यू किंग्या
- र व्याप्तरप्रति। १ व्याप्तरप्रति। विस्तरप्रा ट.स्ट्रिस इस.स्यान्यसः
- e हैं यें १८९७ हैं न्यू स्थान स्थान स्थान स्थान है सार् के स्वाद स्थान स्थान
- अंचरा.में.श्रीतम्।। २० मोश्रेपार्द्धेश्रहेट्टा.जा.मोथ्सार्श्चेयसाम्भे.मोविटामध्यमार्थेटा...
- ०० विश्वसायवे प्रदेशम् श्री विद्याः श्री श्रीटः नुः यहरः स्राप्तवा।
- ०२ जुन्नर श्रेर हेर्न ने न ड सकेन र द ने न न न न न न न न
- 🤧 सञ्जुरीर महत्रामानाद्राया।
- १८ के त्रा १८४७ लूर के सार्थसायी नार दे रहे तथा लग के आहा।

क्ता १३.र्थ.प्र. क्रिंट्य.श्र.श्री सविष.ध्यातर श्रीचारापु ज्री. क्याय. रेश तमिर भु पत्र तारी हाई अर भी अष्ट्रमा रेशव सह सू विमारिश . . . **भक्ष्यत्त्रियानिनाने अञ्चरति नुरानी याद्यत् र्येश यदेश स्थारी स्टार्स स्थारी स्थारी स्टार्स स्थारी अवशाप्तेन वह्मज्ञान के नचे ते सामिन ता नका प्रतिन कु रहेते** और सर दशार्चेर कु. चाइसा द्वीया नास्य हुनाया नारा के त्यु हा खन्य प्राप्त हिसा देवाम्बिम्बरावहस्रमञ्जूषायायदानुष्य । स्वर् विम्याके स्वन्य प्रकास सराधेंशारे वसुपायुरावापृत्र हेन्यरा ने विविधापराळवशाहिया च्रें की चरेश चर्ना नश्य सन् मानु राष्ट्र या स्था के ना हिंग हिंग हिंग नि **बुटा कु.मी.स.स.स.स.** ते.चबैंर-श्री.चबुटाइचरायाङ्ग सूरः विशाने विशासायने निमार्ट्र ब्रीटा र टान्यटा यर मिटा वशासिन ড়ঀ৾৽য়৾ঀ৾৽৸ৼ৾৽৸য়ৢ৾৽৽ঀ৾৾ৢঀয়ঀয়৽৸ৼ৾য়ৣ৾৾ঀ৽৾ঢ়ঀঢ়৾ৼ৾৽ गु.क्ष्यारी मी.चीर.तराप्टह्याङ्ग.रसाकः। र्रे जपु सि.मश ही जू ७०९४ से च.चरीर. यते छ्रानेर द्वा विंद् रय ले ०३६ क्रम्ना मित्रुचा सहित्र भाने राष्ट्र 친크도.<u>九</u>.네



#### क्ष्रीर गुल्।

## <u>क़क़क़क़ॣॣॣॣॖऀक़क़क़क़</u>

्रा । श्वे.ल. १०० ल.मी.श.रंभर.मूं तु.रंभची.रंसीट.सूरे.वेट.ल्ट्र. हे. त्र्-प्-प्रः हुन्। सः मी दशः त्रहाः श्लेतशः ह्राः द्राः तुः शिः श्लेः श्लेः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स भटः बसःचाटः कुषु व्यवसः जुंशालः ची राष्ट्रीयः नै विद्याने अवसः स्र भेषः . . . ठमुंत्राचीता.क्र्यंशादरा। ठह्मामुँदाचीतात्तवा.क्रोतमातातराचीयाथा ल्ट.चर्. खयश. पुंश भुं देत्र जिट. विश्व सूरी श्रुश जिट. चर्ना ह्यूर अ विकार् द्रेश बदानार । अराक्षा विराश विद्रा । देश देश । जुलाका का यहार वर र्सःस्तरासः सं र्सा वर्षः गुराह्मय हिना हो। दहें से दे ले वर्षे तर्षे तस लाक्षेत्रकेशन्ता सनाकेत्रहेत्ति क्षेत्रहेता देवि वि वे वि स्वासना भी.च्रीट.वेश.सेच.च.रा.शरश.सेश.भी.टेश.तपु.क्र्य.पुर.च्री.च्री.चीर.वेश. र्चर रु रर च या चरे क क्षा चुर च भे का र र कें के स स्क की कु या सन हिंसा गु नु नर नहें र १२ दें द समा हिर गु १२ ते दें द से द है र है र हे र क्षे चुेर्पा लेगा भेरा स्वसार्या त्या तर्चिरा ची समुका **चे**रा तर्हे सका चा सेरा .... राष्ट्र मिन्। मिकामियामीलकारमा मुर्जान्य स्थानमा स्थान त्त्रं प्रत्ना पुर विना र हैं त्यस सु त्र र हुंता 🗸 स्नवस देर र हें स क वेहिंग विसेर निर्दे केट्रा भीग वेहिंग निर्दे केर्र में हिर नु क्षु कंप निर्दे भटा नमर प्राप्त द्वा प्राप्त की सामिश ने पर है ने पर प्राप्त के समा प्रहम् प्रति स्थिम् कर सेट म्मास प्रदा सेत् पुर प्रमित् पर्य सेत्। यद् व.रेयट.चोश.रेह्नो.यद्भग.तप्रे.म्रॅश.भवेष.रेर.ट.क्ष् प्र.चीबेट.चीश.. ह्यें स्था से र जिस्ता दे स्थानस से व स्य विश्व दे र स्था सह विश्व स्थानिक र

रेट.हेर्.भुव.केर.रे.ल्ट.मै.ट.क्श.चश्रा.त्र.भह्ट.चेर्वश स्था मधुकादे द्वाद्या द्वाय दिवा मेक्या मध्य प्राव्य दिवा मध्य मध्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त यसः हैने तपु रेपोप राया भ्रापिष्टर कुरे रा रेटा । सपु मिबिरा वेशा मुँ श सबुद:देर:क:वेर्हना:से:वेद:सबु:सेद:वुदः। वेद:कुद:ने्स:सबुद:देदे: बरामी देव : कंब : इसका रे : बिना : यर : दव : नार्ख दे : श्रु : दवना : नी : दर्ग का स्वतः द्याता पर्ने व रीमा प्रकार्दे व स्वतः स्वा सर म्वा सी मि र दा र्देश सामावसः यर.चर्त्राचलेचाश.विश्वास.हरी\्ट्राह्याच्री.वट.वट.वटाश्चयश.देचाश. ङ्ग्रन 'बुने 'बद 'बेच'क' निर्म 'प्यंत' पत्ती । देच' पदेने 'बद दिस' बस 'द कें " च्रि. शु. क्रु. पु. शु. क्रु. स्ट्रा मायका क्षा क्रिमा मा बिमा मीका सहमा मह्या मार्गी र्या पर्य हूका मि य'न्लिन्'नस'नेन'५नेने सम्भिसहम्'नु'दर'य'स्टसंसुस'यने केंस्रे ग्री'स् यपु.येबायाचीबारा.ल्रंच.कुटा। लाटाभ्रा.क्ष्.र्झची.यर्जाता वेबा.यर्चे.यपु. बटा. चर्नेर्न्स्य द्वार्मियम क्या मुद्रिम्य स्था मिन्स्य स्था दिन् । स्था ल्या र प्रामी जा जेश क्रिया जेश सिंहा है स्वापा है है है प्रापी है है ण्याहेबायरान्त्रेन्यायदे सञ्चायसाञ्चर देरासा त्रावरा स्वायायर स्वायादे ।।। शरश मेश मुश ह्राना सर निश्चरश चीरा। र क्रु चे खे रचका पर्देर में मरमी क्रियरियं निर्देश में प्रिय हुई स्त्र हुं साथना से अन्तर पर्देश देहें " सेर् ले पद पस रेर लेचे संप्रे हैंस प्रेम त लेचे खेर हो राम परेंगे ८ कें वे र्रा र्वा केंद्र र्ट नियानुन महीन स्पेना महीन करी प्रमाहिन नेन पाने हिना नहां में

स्विकः देशः क्रियान्ति स्वकः विकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः क्षेत्रः स्वकः स्ववकः स्

खे.चयु. स्ट. श्र. श्र्युं श्र. श्र. श्रें अन्य स्वित स्वत् भ्र. स्वत् स्वतः स

र्षः प्रदेशके द्वाप्ता सुराप्ता सुराप्ता सुराप्त स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वापत स्वापता स्व

#### क्~~~क्~~~क् रह.च्रा स्थ.थभ.राष्ट्र.वी

हटा क्रेनात्रक्ष्ट्र-दु-मु-सक्ष्ट्र-दश्यम् क्रियः क्ष्र्यः क्ष्र-स्यम् न्याः क्ष्र-स्यम् स्याः क्ष्र-स्यम् स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः क्ष्र-स्याः स्याः स्यः स्याः स

द्वा दनाशक्तम्भुस्ति स्वाप्ति द्वा स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वा

ब्रिट नहीन देने हैं। देश में नियान बन समा सर्वे न विना स्पेर न देरे

भुट.पा.का.भुश.भु.इ.चुरा लेज.भु.कूश.इ.चार्थताताचिचा.भावर.लट. चुर.बुटा इ.ट्रेर.क्षेज.झे.चोबस्र.तर.चीचोश्रा इ.झॅट.ज.चुट.बेचोश्र. **५८। देवे. व्**र-१ सिर-१ देवे. हेर-वना-१ अट-हेर-नटश-स्व-सु-**ॲ५ॱ७८। नारस-५े.५८५:२५स.स्वरःस-प्रत्यः ना**५४.दे.नाबस्यःस्टा इ.र्वु.विट.ल.वीचा.च.रटा विश्वार्ह्स्ता बेर्टाटा कु.पर्वेषु.रूचाशार्ह्स्त चुदावर्चशामु हूंदास् अदास्तिन। भुर्धेचार्द्यात्रे स्वासदास् छ्ने | सन्। सन्। ज्ञाकाक्षाक्षाकुः मु १ सुर । सुर चि.रटा चुवि.क्र.क्र्माश.रटा चु.२माश.नि.चा मिटा झुवि.रटा मान्य. मोबरमोब्रम रिस्रो सि.स्.स्मेशल्सरे.हटा ट.क्ट्रं दे.लेय.स्.सट.ष्ट्र. ব্দেশক্ষির নথাপ্রথম হয় আন্তির্বি এই সে নীথা ইবধা দ্বাধা ইপথা कुर ५ हेन्या या सेन् यर यना खेन्या कुर्केन्य रेन्। र र पुर पर्नेन् য়য়য়য়য়য়য়ঀৢ৽ঀয়য়ঀৢয়য়ৢ৽ঀয়৽ড়য়য়৾য়য়ৢ৽ঀয়ড়য়য়৾য়ৢ৽ णक्षःयःक्षुःचेः विषे यः र्रेशःयवे रे हे हे सं स्वनः यह या या रे । विष्यः या विष्यः या विष्यः या विष्यः या विष्य विद् वटक्षास्त्रे पटक्षेत्रे देश विद् चित्र विद स्वा स्व द्वी द्वी देश विद स्व स्व स्व देश देश देश स्व स्व स्व देर-र्बर्म्यकायकुरविष्यदेष्ट्रहेर्द्धः विषयः केष्ट्रव्यक्षः मुक्षः मुक्षः किंश क्षेत्र विना सरामा कुना साना निरास है । सार देनी सुरा सार निर्मा सा मक्रियायालीमार्थित। देवे स्रीटायाखासदे निष्ट्रान्ति स्रोटा द्रमें स्नुवा रे या यहेर हे अदि यस कवारा स्ट्रास सहस मिटा देवीर यद आट खेवा नु नासेर बदस गु कु सेवस न्दा ने वले । के स गु निर्मर मि प्यं पाने । ৼ৾৽ৢৢঢ়ঀয়৽ঀৡয়৽ঢ়ৢয়৽য়য়ঀ৽ঀৡয়৽য়ৢ৽৾ঀড়ৣয়৽য়৾য়ঀয়৽ড়৾৻ৢ৽ঀঢ়ৢয়৻ न्मिंद्रायाने नृष्टीयसायमें रामह्यापिटायहेन् क्यायावदा लेगानु सामन्

श्चु'नाश्चर'मुन्यादेव'सर'न्यात्वरात्वर'देदे'द्रात्याद्वाकेद्र'वेना'न्द्राक्रेट य रेत्। मूं द नाक्षेत गु की क्ष्मक त्त् पते द्वाक मक्ष्य मुक्त प्रदेश सर् विना नर दर हिना भेरी हुन प्रहेर है हैं वसायर का मय हैन ही अक्स.चेड्र.च्.च्री च्र.ढ्रेचा इस.चा ना सरा हा कट. हेस.च. वसामीस प्रस्त ताली मा पडस रेता 🔨 वटा पत्र से कें. भाव मुत्रे से र पश्चमः वितायर सेरा हा हूं नहा छ्ये ग्या ही रायर प्रायय सेरा ही र चार्याचार्वंत्राचीर.बुटा। इं.कूटे.ग्री.वचरे.वव्यं.हुरे.सर.च्.सुरे.बंचस. 'वे.भ.त्र.पर.पिश.पेष्ट्र.शे.वेट.ल्ट.भ्र.वेच.तर.चहेरे.त्र.तीत.रे.वेट इश.स.रर.मूट.वश.मेंचश.स्याम्यस.मेंचश.रे.केर.स्री रे.केर. म् जिंदी मिल्य की खूँना नोर्ड र क्रीर क्री क्रिक्ट समा निहममा ब्रिक्ट बुरिक्टा रटनीकिरिक्तियर स्त्री रटन्त्रमा निमान क्रियायायाकेशाद्रीनाशास्त्राक्षास्त्राक्षास्त्राक्षास्त्राच्यात्राक्ष्याः हैना उंद निर्मा हेनाहा हताहा कर हेना नु नहें न ने निर्मा में लिना प्रमित्तिम् देशका के रिया में प्रविधार्यः। इ.स्टायर वर वर हैं रें हो हा मुं गरा रश्चायास्ति मुर्दरा मुद्दा स्मया मुं हूर क्यास्त्र न्य व्रास्त्राहे के व्हार होता से सार नी मिंदा करा है चेंदा की मिंदा करा सामे मिक्ट ही मिनायामाया विस्टा म् न्यं हेम ली हा ही वा सी म पा.श्च. रे. रेसरे. मं. यकु ट्या लाया रंगा सैंगा सैंगा प्रवंग सी है. वट प्राप्त. क्याप्रह्मामि सेत् वृत्वतामात्य सुप्तामुद्राष्ट्रत्य द्वार्य प्रित श्चिर रिश्व व्यवस्था वया निश्च निश्च विश्व त्या स्थित स्थ मुंद्रान्द्रा रक्षासम् के सेनाक मुंद्रिंद् मुद्र केंद्र न मून केंद्र देंद्र पर्यात्मित्मे स्त्री रिमेनाश पर्यात्मी रेश सेप्यात्मे रेश प्राप्ति स्त्रात्मे स्त्रात्मे

अम्.मैय.वंश.भुंद.अक्षश्चराचर.श्रीयश.चतु.मीव.क.चर्च्यश.च.दट्। न्तुन-नुस-सु-ह्र-स्य-पन्यायने सुन्-द्वर-न्र-। पन्यस-प-स्वुन-चिद्ध-वर-पे.विश्वासपु.सै.य.स्वे.व.स्वे.प्रे. ८६भ.श्वीर.चाल्य.ट्या.मी.श्वेट.रेश्वय. . बरःम्बेर स्गापळर बरानी भ्रीतात्मर ळेंचा गुराने सकेर चेर ग्री मुरा क्दै देन्सायायान्त्र ये नेता द दूर हुद दस्य दस्य सामा मुद ने द मुदे तम्भाषम् त्राप्ति स्वरम् मुराया द्वीया दिसार्य स्वर् में स्वरम् या दीत् र्यूया र्ख्रा के श्रूर प्रवृत्यापार्या क्षामय सरावार्क्य प्रवस्ति श्रुर श्रुर श्रुर हा मश्रामक्री विद्यान्ता क्रिंग्यम विदेयस्य पर विद्या विदा सार्यस देवे वर्क्के मिन हे ब मिन के का किया किया मिन मिन किया मिन किय स्रे, तथा वि.सैंचा १८८ हैं। तहूर विवाद्भ वंश ग्रीट हुरे नोशिश लूरे. श्रद्भ के किटा ने तम्में मिट तमित म् बुर सर्टा कुर खुर ने शक्षालट क्षीयर प्रें के प्राचान्या अर्द्धर प्रविधानी यन सिं में राजेर हर। रहानीयर दरानीशक्ति मुन्दुन खुनासराया होता मुन्देन । सेराङ्गा खरारे खरासा नीर्ने या सुर् भारतिया सैना स्वा भारति । देश भारति । पार सेना ... यस.स.प्तरायबुरसारानेरा। सष्ट्रायस्या दस्तात्र्रास्त्रीयान्त्रास्त्रा वि.सं. भागी व्यापर प्राप्त रही विष्य हो रागी है है। के कर युग में दे विषय नुःसर्हेर् निर्मेश्वर रे प्येर् हिर। निने प्रनुदायर पश्चेद प्राप्त हे स्था ब्रुट्-अह्र-ने,पड्ना ।रेश-नेश-शिक्ष-श्रह्म-प्रा-रेग्न-पर्य-यंग्ने स्वा-न्दर वेश में शक्क होते न खर रच में ना कर रच हो र रच में र त्र. प्रूर. लट. मुक्टर. र त्रिमश. कट. ट. र. रटा शटश. मेश. में .सं. सं. हेर संस्पित हिमा मुक्त दुरा से त्रुवा मी रेता सर्वित सम्मान है.च तस हैं नरा है। लेट। रहा नले रे.ची रच र है। च राज राज हा

क्री नेश्रातका है। नेया रेटा क्रियाहरी महिंद स्ट्री क्रा स्टाईन का के ना विश्वराष्ट्री है स्वरायाळ्या श्वारानाशास्त्री चवरारेता सहराखाँचे. केश्चित्वासम्बद्धाः विभागी रहिमानु विभागति स्वासी सिकाः व भार्स्सरम्भीसान्द्रमा । मिन्नामीसाममास्यासम्बद्धास्य मुक्ताना इन्सान्कुरम् सेसार्वे रात्तुसास्याओंटान हिगार्थे। दे ऑटाब्र्ट्स है। कर के एके र मी नायस अर वि र मी नायस से स् र र । स् वक् से नायर च्.चन्म.चद्र.रंश.च्रं.रंग्रे.ष्ट्रश.चेंश.घट.र्ज्यः वद्रश्चनस्च्रं.चेंर ंक्र-सिन्धाःशास्त्रश्चरासुः सुनः ग्री-सिन्। स्रोदे दिन्ना सटा<u>स्</u> न**्**न दिंद्रमा दार्हे वे खुया क्वेंन साथ चेंन न्तुसाय में वे प्रानी नुसना से न्वनार्केर वर्षा । वे च सेस केन प्रनासि है रना दस पुरा देर निर्देशक्रियुमाञ्चर्तात्राचिर्त्रमुखाचर्यिते करानी खुमा भरावन्तरावद्याकराया प्रवेशवा सवुरासाय विसावाप्ता विराधाया छुद्र दे हो स्या अपने हो । दा अपने विराधाय हो अपने हिला स्वापा हो अपने हिला है अपने हिला है अपने हैं अ दशसम्बद्धिः देवे में प्रस्कान क्षान्य में प्रस्कान है । से स्वति । म् न्यं विश्व विश् ळटाचावदैराकुरानुन्नावार्यावन्ता विराद्यहराक्ष्रवसार्नेटान्नेवा जार-मित्रेच दशास्त्रे : जून <u>लूट तपु तमाब</u>्द की प्रेष्ट्र जात विना .... इथ. बुरेतरा ट्रे.सेचर्यात्त्र स.मुद्याची विश्व किट ग्रीट नेमुच अग्रहट. रर्दे अहार या क्षा हो असे या के रा तु हो हो असे से हो । हा ही अ क्षर बुगार्च १८१। मर्च में लिगाय क्रेंश कर व में मर १५ व में यदे सूना है व्यद् दस्य देश हैं नहा सुन की सारे द प्रस्ता पा की रे जिल्हा

पट्टी.चाट.जुनाश्चारी.पेज्ञी.च्यु.चयश.पेश.वेश.च.कुश। क्ष्मश्चानोश्चात्त्र.पेश.कु.क्यूर.चश। श्व.भाट.भ्य.थेट.क्यू.चे.चश्चर. विभाःश्वर.चेश.जून.बुजा.लाश्चेश.हेयश.शु.३ १.३ट.हु. च्यू.चेश्वर.व्यू.च

नहेर्ज्ञानहेश्यं। दर्जे या राजि नित्ति नित्यर हेराने प्र कुटा। रपु.भुैरासरासु.सुनापङातु गातिहासाग्रहा। **रमा**.कुटातुसानसा मुँदशन्तुन । १८ के कंट साम देन पहेती प्रदेश प्रदेश प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र स.चैशक्षेटा है जिन्न मिंग्स्राम्य लेग निम् क्रिंट सम्य मिंग ग्रीम देन भेरारवराक्चराराकुरारेटार्ची अर्थिन विदाना अगसार हेरास इंदर लेग सेदाया अदर देवा अदर देवा अदर हो। रहा चलेदा की श्चर वे दर्भ मुर्दे लेग हे । अग यर राया राय वे वे वे एक्ष्य पर द्रेयःस्टार्चः विष्ठुः देत्। ५ विष्ठुः द्रेयः पद्रेससः वश्चनाः यास्यसः चुटा चर्द्रशःवचर्याता.लटास्याचराच् ल्री टर्टालासाचिसरासुससः केर विविधाने। कर सर सर्भेनय हैर हेट। दवेर हा से मालर हेर् हेर्याश्चर न रे. के. हरी कीर टे. रेट सु. कु हु हु त में तम्हेर ने सल महेते दरायमानाइरामा हे । विदासे करासर यहे सम्पर् नश्रमञ्जू कु के र पे निर्देश समा ले गा है। हे र रहा रू पारी ज्ञासदी हिंशा उद्दर्भनुस्द्रिस्तिम्दर्भस्युग्नम् नुष्मित्रस्यस्यस्यः स्र्र्यः स्र्र्यः स्र्र्यः स्र्र्यः ह्यूर मुद्रे रक्षेत्रसायस्य मु तम्ब प्रदेस महत्तर र रेगा

 ३.चर्रे.चर्चे.छं. रु.चर्चलाच्चेच ट्र्चालाचा १.३लापह्चा मु.छ्रा। सर ख्वया हे बुद्दालयाचा १ द्यालाचा कुराचा याव्या याच्चा प्राचिता प्राचिता

न्युन्यान गुन्न्ता विक्रान्त्र प्राप्त क्रियान क्रिया

청구· 그런그 · 다 · 저도 · 구리 · 첫 전 · 연 · 그리 · 이

सक्सा-नेसर, क्टा-सका ट्यांचान प्रत्र के ट्यांचान प्रत्र क्रिंच क्रा-नेसर, क्टा-सका ट्यांचान प्रत्र क्रा-नेसर, क्टा-सका ट्यांचान प्रत्र क्रा-नेसर, क्रा-ने

क्रेंब्रक्ष:यः ५६ वर वर्षे इं ले वर नगानः ना इटः ५५ ना॥

च्रियः च्रिया।

क्रियः च्रियः च्रियः

तृ त्यत् म्या प्रकार हे भ्रूया प्रदेश मार्थ प्रदेश में क्षेत्र प्रदेश मार्थ प्रदेश मार्थ प्रदेश मार्थ प्रदेश मार्थ मार्थ प्रदेश मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्य मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार

क्षे.सं.भी.क्षेत्राचित्रां त्राच्ये क्षेत्राच्ये त्राच्ये त्राच्य

म् दिश्ही ज्या १०३५ की ज्या में दिश्य प्रमाण क्या के स्था के

तर्र अपका बीचा ची ज्या ची का हा श्वा का ले चा का श्वा चा हुर तर्ने ना ची का स्त्र स्त्र में ने स्त्र स्त्र में स्त्र स्

मार्थः द्वारे देशः त्वाराष्टः श्वेरः वर्षेयः से मार्शेयः द्वारा मार्थिनः त्र.चक्ष्मा चक्कामुका नृक्षायानेत्र तानेत्र ताना हेन चारेका ताममुका हा निहिन दे 'बराय' देर पर्क्षित हरा। देने स्नवस विरार्क ने ने ने प्रवित हे का से र ज्रामिद्दे हा मे दु कदारी हा से के प्ये हा गुहा मिंदा मी सामिस्मा से दी मुखा ग्रेट. ट्र.चील्चा. चर्डश. ट्रे.च्स्र्रे. ८ प्रि.चेश प्रट. क्र्. घट. चर्च. चेश से छे. पर्सिश शि. प्रति म् अपशाद्ये ताम क्ष्या ने हिं। दि मा जेश सेवस सि पानट विश्वायाने निंदा के वे विने विश्वेत से देन देने दिशा है । विद्वार से विश्वेत स्था विश्वेत से विश्वेत से विश्वेत मेवु कंट मुः सन्दर्भ म्लर् रमा वयः कंट नुः चल्या है। देर मिंद केंस स्नामु रूट रहर ने नहें र रहा। सुनामु रहर रहर रेस स स सर्वर पार्द म् सर्वे यह रुष्ट्रेन पर्देन सुका पत्रुमा । यमाका कमा किमा सिक रिने सिन पत्रे हास्रे क्षे था य कुमान्वर में रास्रे सुमा खेर विना विदेश स्रिन पर्ना मान बुनानुसन्देन ने देश देश पुराने परी पराने देश हैं परी साम स्वास स्व मस्तर्द्रात्रेयात्र स्वर्किन् नाश्चरस्य पर् स्वना नास्तरम् ना संस्कृष्याणारीन वहिता दिन के से स्कृष्ट से दे वहित वहुना दिनस म् सम्बद्धान्य द्वार्य दे शुर् दे हेश द्र भ्रायम सुना गुरेस पर्दे केट सामर कर ने ना में कु कर कर नियम के स्टर्स ने हुर नहें में रहे ने ने ना रियर में सामर कर ने नियम के स्टर्स में में सामर कर ने नियम के स्टर्स में में सामर कर ने नियम के स्टर्स में में सामर कर में सामर के सामर कर में सामर कर

स्वान्तिकः निहान् स्वान्तिकः स्वानिकः स्वान

मिंदा सदी प्रेश पदी खेदा या है दस्सा ब्रह्म सारी क्षेत्र मिंद्र पत्रमा छेदा। है है स द्रेरायाकेरार्वि मुहेशायहिरावकायहमान्युन् हिन्नियकार्मारायहिराहिरा विदेशमान्ता देहिकातामा देखानामा मुलान्यतासुमितासदे सुमान्त यर भ्रद्भात् यह मात्रह में हेना दहा के या हुआ वहर त्या माह्येर मुं क्रव है दिन। मुर्क सहिरास विश्वासम्बद्धना वर्षाम् हैसारि हिर मुदाय वस दशःदुदःयःदेःम् रसस देः लयः दर्दे अस्य संद्र्ये संस्ट्र स्ट्र द्र्ये संस्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र स्ट्र दे.थशार्याप्तराचीचा चाकेशास्त्र चिटातायशार्याचर चीचा हथा साट्रेट प्रकटा . बसासुदार्स्टसाङ्ग्रान्यसानुसादे देसात् अति स्वासदास्य दारादे स्वास्याः तर्वेच । दश्यतिहरः मैचित्रात्रा झे क्ष्या देशातर मिंदा क्ष्या नश्या में निर्देद .... श्चेत्रारीपर.मैंचा.€श.भ.ट्रे.लट.श्चेत्रा.तुचा.ज.~मेंजा.ट्वट.ग्र्ट.भश. • न्यूसराहेरान्नासान्तर्वनातासुरा देशानुरानेतुर्दराहेराचे हेरा नायर प्रास्त्राचा क्षेत्र वर्षा प्रमाप्त प्राप्त क्षेत्र विद्रा क्षेत्र विद्रा क्षेत्र विद्रा क्षेत्र विद्रा क्षेत्र क्रेन्पर भेन् केश के दे क्षेत्र या रेन्। मुल क्य मुल कर्त मुक्ति मार्वे मार्थ मो नश्चिमार्ची दे त्यदर भेदा है सा मुदा हुव है। भी मे दिस्सी सा है सा सर् विशास्त्रायम् निर्मा गाने सुन्तुम विशासनि हितानि निर्मानि स विंशानेते केट केना न्दार्य के बादमा अद्भाव माना के मो नाके कर्ये **५२:३**म्बरामळ्यः प्येतः मीः रेन्॥

र्ता देश श्रेन्य में स्वार निष्य निष्य के स्वार के स्वर के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार

 द्युः माद्युः त्यान् कृशः श्रीः प्रविधाः नृत्युं स्तयुः श्रीः मात्रः विनाशः श्रीः पर्ने मा द्युः म् त्युं स्त्रः त्युं प्रायः प्रविधाः प्रविधाः मात्रः मात्रः स्त्रः स्

चर्चा त्री ह्या त्री कृता मानु त्री त्री क्षेत्र प्राप्त के क्षेत्र क

शुं द्वन इमस दस दगान प्राप्त हैं हैं सर नु दर्गिश हैं भेर दूर स्वस

बुब्द्भात्म् रिन्ना सम्बुद्धाः सम्बुद्धाः सम्बद्धाः स्त्राः स

**ने ऋंग्रास्त्राम्येश है । यह नुस्राधे । इस । यदे । यह नास अहर** मूर्यातारम्भे तयदश्राष्ट्राभग्ने अराष्ट्रशायहरे वि मी वर्षर क्रेयमायायाया के बे.स. वेसा है। लटा ही रायक सामा सामा देते हैं। प्रया र्के **दे प्ये**द्र केश दे प्रदेश्य मार्के भद्र एय प्रदास मानु ए विदार्के । मीर्राह्म मुन्राह्म पुरानुका गुराम का क्रिया हो दे भी मा का के प्रिया की ना नौं अर हो र अ इ य र र दूर र निर्माद स अ र र य स र रे र 🔻 🔻 र से द र से द **ઋત્રસ**ાજા સામગ્રચાયુરા દાસાસુરા ગેંદા ગુલ્**રા ૧૯૨૧ વર્ષા ૧**૦૧ વર્ષા ૧ मक्रे मिर्नस् ७४ तमार प्रशासित मार्थर मे । तर्म वित्र प्रशासित निर्मानी रोमसाया द्रमार्देना के राया लेना व्यन्यारेता नाम व्यवस्त्र ने सा म् स के वे चे लिया यी मु हु त्रिष्ट्र राज्ये खुता देर द्याद राय के व चे .... ल्रा हिं स्ट्रिय के राज्य स्था है साम है साम है से साम ह पेष्ट्र-विद्यातपु र्ह् व तयकालाकर क्रि. रहा वव प्रकाल क्रि. य दे.ज.लेज.ध्र.ष्ट्रश.लेज.वेश.पेवैट.केटश.ट्रश.में.बैंज.७चे.लेज.लेज.लेप.ट्रन.ल्रट. न्त्रवसार्भर्गायात्र विश्वाच्चीर विद्या अनास्यर राष्ट्री वरारीर वराक्षी केंबर स.कुर.पद्ग.पर्व.र.तूर.र च.सुर.सर.च्.पु.च.स्यास.वर.स्र.क्र्र न्गान राम हेन सं मुराम रेन प्रमाणिय ने हें भी मने मु सर्म नेसामी सेर हूरी ट. म.सीश तर्य मिना नेश द म.म्टि. म.मीर नसूर

हे.च विष्यात्र अपने हे. सामुन समार्थित साम्री हा सुन्य स्ति हिंदा हो स मुर्नेर्न्स्युर्न्न्वि मेर्न्यर अर महित्य वया वर मी महेर्न्न्न्य मार् सर्व सक्रेर् से स्माया प्रतिया नावट सहर छटा। स्तिर समारे हिंव ३०० बर.च बेनाबादा दे.पाबा.पा.घ. श्रीदायर प्रेपा.च. ४२.च श्रीटा **स**न् र्भःत्रभः रः रंगः पर्वेगः पश्चरशः है। यदश्यायते छितुः रे सः प्रेशः भागः । र्मिर पर वट रे पर्या ल्या स्ट्रिस रेट म्या मार्थिय स्था में पर्या द्वे मुहेद में न्या युव वर्ष्ट्र वहिन्य से दे दें में चु दूर। मुहेद में নারীপ্র.ব.রেহানরপ্র.বাইব.গু. ৯ সা.প্রীবর্পার.বাইপ্র.ব্রাই.বহ... ल्रं शिक्ष. हुं । व्रि. च व्यार. चर्मा नार्य व्याप्त हुं र त्र में व्याप्त हुं ने व्याप्त नार्य য়ৼয়৾ঽ৾য়৾ঀয়৻ঢ়৻য়৾য়ৢঽ৾য়৾য়য়য়য়য়য়য়ঀয়য়ঀ नार्वःश्चितःश्चितःश्चितःश्चतःश्चितःत्रनानाःदेरःश्चनाःवश्चरःदे स्मावशःदे दनो नावः मुकासम्मिन्यासर स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त र् दे लार रेव नेश्रम् की तर्मा रेमी में के से लेव से नम नम में श्चितः खुदारेते स्टाः हेर् स्वायायाया या व्यवसाय द्वाया या रा

सःहिन्द्वा स्वा क्षेत्र स्व क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्

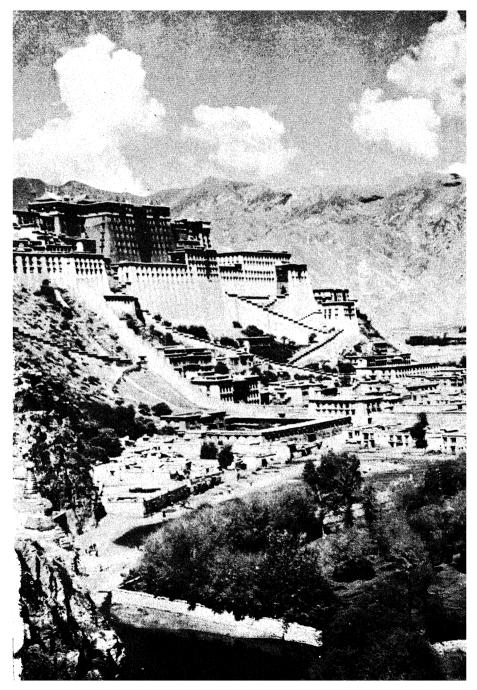
स्टार्बेट,सेची,श्रेभ चमे,टुं.सैंच तंक्ष्ताभ विचातर मि.भुंटुं चि.कुं.सेन.कुं. वंसाई. सेंच्या हुंचे,चे.मैंचुंटुं.चेंस.कूंटे.टुं.सैंचस हुंचा। चूरं.मुं.सैं.क्च.कुं.वंसाई. सेंच्या हुंच्या १००० चूरं.सं.लूंचा वेंक्षा भारता चूरं मुंचा कुंचा कुंचा हुंचा सेंच्या सेंच्या सेंच्या सेंच्या

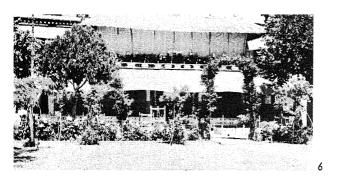
द्यार प्रस्ते मा हे साम या क्षा पर्यो में र जु हैं र साम कर का है या सर ... र.च्.रे.च्रे.च्रे.रे.ची.रेटा से.क्य.च्रिटस.वेस.चर्चेस.च.व्य.चारे.सर. ह्या ्या ःक्षासर परे स्रेपस पुरामकंग्रस सु त्रुस र्मे र पर मेशर संश्रामी नेपार एचीर रहा। ट्रायह सि.स.सी.सुहाय शिस. तत्र त्यवत्र का क्रामिक्यामिर्टा देव्य नहें । यह त्या है । व्यक्षा द्वा । वना पवन वर्गाण हा के र पर्वेर के मेर हैं से सर्गित समास से से र रेने भ्र.मी.तथर.श.यंश्रम्भारी. की.शर.चट्टी. त्रीर.वीर.एटी । र.जू.चर्चे । त स्रे तपु पर्वे स्वा पश्चा हुसार हूं सालिंग रेश ह्रे रे जाया पर हिं ब्रा सालिया हे देशिस्मासानलना से सेनसा निसानुसानर नुगसा हैं। या वुः के ता कुं अकंत दी। अ दिस्य यर नार दि स्मेर अर मिन्ने देवल विद्या है। इ.क्. ह्या भर ह्ये लिट स्रवस प्रे दि से कू.रटा चूरकी श्रीक्या चारका नश्चर हा हा हटा पा श्रीर भारका हा कु.कू. नवसाक्षा ४० स्था ५८। ६ द्रिया ३४० झूर खरी साम्राक्ष्य दार्ध नावे हैं। स्चितात्र्यं द्रिम्बीयात्र्या ७८८। स्थितवारात्रकानीरेषेत्रा लास्त्रीयकाता मग्रमानु तिहित् सेवला नेता ने नुसामेन् अतातम् माना विकार वि इत्याप्ति प्रमाणेद्रायामानेद्रा वसमानाद्राद्रा देद्रानाहेसाद्रेया चैसरा बटा ल्या न प्राप्त मा विश्व के स्वाप्त पर्से हे हे हे भामा हेश ही स्वयं यह राज्य राज्य हो समा स्वयं से नेता देशीयल्यास्य द्रान्यालास्य निर्मानस्य स्वासावसारे

त्र्व्यास्त्रे, क्ष्यास्या त्याः क्षेत्रा त्याः क्षेत्रया चुद्याः साने व्यव्याः स्थाः स्

द्धः म्र्यं वसः द्वः द्वः नास्त्रमः भ्रतः ।। द्वः म्र्यं वसः द्वः द्वः नास्त्रमः द्वः न्यं विद्वः द्वः नासः देः द्वः विद्वः विद्वः द्वः नासः देः द्वः वसः विद्वः व

लूर् स्माप्तिः क्टाला तम्मेता हुं , पंत्रिका कुरा खुरा तपुः मूँ टाई, ट्रेटा पर्मेटा हा , प्रेरा सार्था हुरा प्र



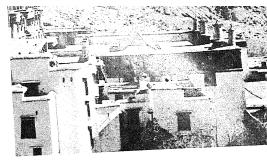


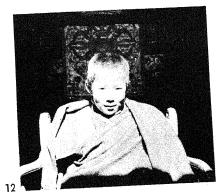


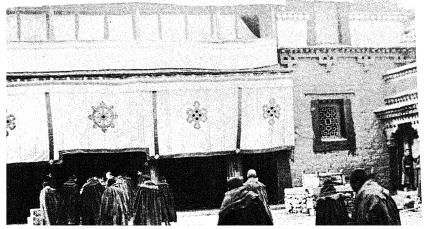


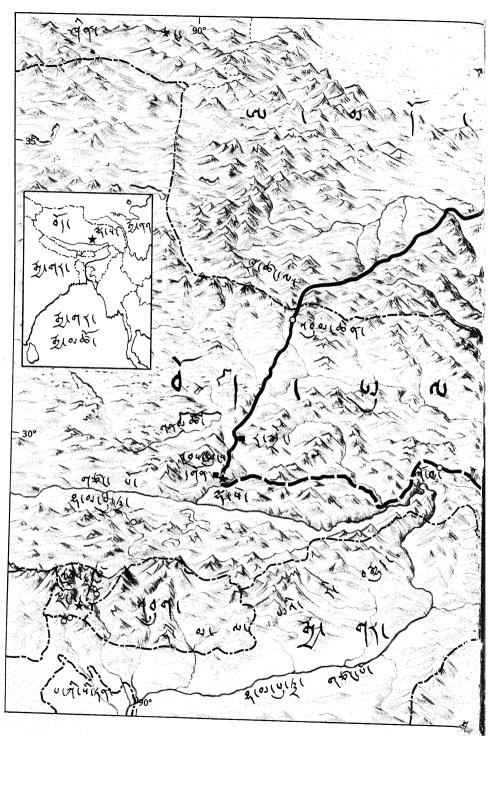


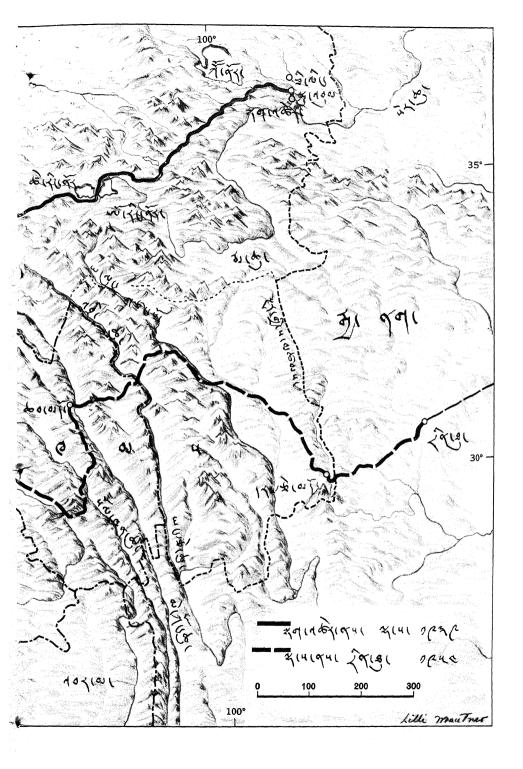


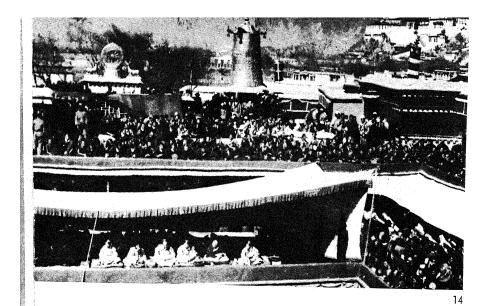




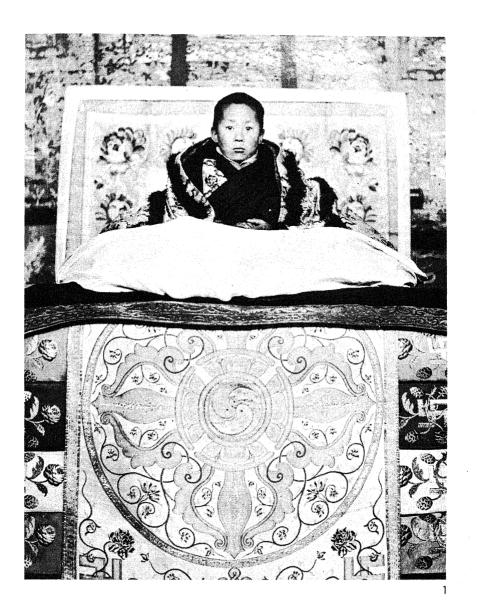


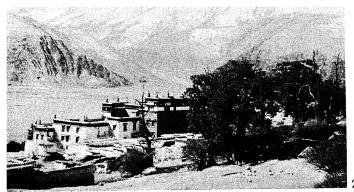
















झारा वरा के वा पखरे रामावरा सामावरा सामावरा माना माना में रामावरा सामावरा सामावर सामावरा सामावर सामावर सामावर सामावर सामावर सा इ-ड्रेल-सदार्च- मुना-चूदा देवे-वर्गा विद्यान्याव-वर्गान्दा म्बर-सद र्वेदरित निर्वासनाशुक्रानी भरा है सेनास मुस्यारा महाया प्राप्त सहरू में निश्च महिमा मुद्दा द्वार में मिन हें के स्वार मिन मिन स्वार मिन स्वार मिन स्वार मिन स्वार स्व प्रत्म । दे वस दस से वस यदे मुंब कर सुद दे मुं कर मुंब पर भेवा ट्रे.बंश.सें.चक्र.च.४चोठ.चंश.चंबना.चैट.। ट्रे.बंश.चंबट.सुचश.चेशश. नुनायर खूर न खुर। र खू दे कुनका नीया ने अर ह मिका शि है वे दर्म । यस दिवस र्में र मंदर्भ में र मार्श्व के र सर है। द्वी वर्तक के वस से र स्त्रेट प्राप्त का स्त्रीट । देवा से प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प् भक्ष्र-जुर्चाश्चर् दु.स्ना-वश्च-वर्श्वनाश-मीश-जानानेश-वर्ण-सूर-दे-देनाय-तर्य देश-देनीर-रे-अस-देनाय-वश्च-देन-क्री-१-८र्नेन । दश-स्रेनश.चेश्वरात्रं तेश.चे. १ क्. १ क्. १ क्. १ के. १ श्रम्भुः तर्नम । यामार्यामार सर र्नार महार म्यू मालस र्रा ल्वस म्मिमा स्मिन स्पट तर्मा।

दे दंशाचीया कुष्ठा साचादशायत्या यदा यदा साचारा होरा मूर् मु.मीज.क्च.रा ही.विय.भावन मू.वे.वंश.रचाय.वश्च.वावट हो.ये.हीट. निर्मित्रपर क्रेन मासुस प्रध्य प्रभी मानुद स्थित निर्माद प्रसुद्ध स्मानु के य'दे'वर्देर्'मु'बर'वाह्येवस'स्नवस'मुर'व'रेर् देर्' वर्देर्'वर्दर'कु'रेर्देर ह्यूरे.८८.। यम्पेर.पेम ।८तूरे.रुमोश.एर्स्स्र.क्ट.भ ८८.। मो८४.स.मोशिभा रेन देर झ्रासर व्येन प्रवे निवेद है वे सुर्क्ष कुर में निवेद है दुर्र उर र सर.८८.। चण.स्रीजा अर्चेचा भि.रचा.स्रे.श्च.चक्स.रचार.चश्च.खेस । दे.यश.ट.कु..ट्र.येच्र.चम्.वंचा.घट.त्र्येचेश.च.वंघश.दे.चीय.इट.त्र्यंचश्चेट. दे.क्ष.सर.पर्शे**्श्रे**पश.तमानीलश.चील्य.दे.चे.त.ह्र्ट.स्ची.भट.<u>घ</u>्येश. मक्रें हरा क्रें क्रुपेश के स्रोत महीता था है महीता था है महीता था है स्रोत है से स्रोत स्रोत है से स् रिमा सर वेंश निवि पश्चि मावसन्त रिय के महिंद मी विद् है। **रमनाक्षर कंद अदे दर्नो रमना दश उ नक्षिर कुंश मुख ५ रू ने हेर हिरा** वॅर्न् अस्य व्यर्ने स्वर्ने अस्य भुग्वे क्रीं क्ष्मिय वस्य मुख्य व्यर्ग स्वर्मा स्वरम्भ स्वर्मा स्वरंग स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वरंग स्वर्मा स्वरंग स दशःमुद्देरः क्षाये २ विद्यामु मात्रवासकेर सुष्य हे दमाव वसु दरा मुख नितृत्वु नरः श्चेनशानुन्। । शेरिः र्केश तः श्चेतः प्रतः शेरा नरः स्रोटः वेशः भेर. तम्येत. त. अस्ट. वैट.। ट.रट. वु.श्. त्र अ.श्र त. केर. श्रीट. चा.मी. कुर. ह्य . विना, यट. ४ ट. पविय. मीस. भेशानप्र. भु. ५ूना. मै. क्ष्माया पविर. कुटा। सेना. क्रियामसेयामीसाद्वीयाद्व न्रास्त्रायसुर्वायासुर्वित्रायास्य वित्राचितात्रीयाः मिति अर्थियोट हुं है अर प्रेंट्र इं रे अग्रिट हैं जिस है विदे हैं दान

स्यः स्याः स्याः त्रिक्षः स्याः त्रिक्षः स्याः स्यः स्याः स

यद्द्रम् दे इ.स. लर प्रेचेट हे ह्रि छर। यापर पेच दे ह्रि स्थर प्राप्त प्रेचे ह्रि स्थर प्राप्त प्रेचे ह्रि स्थर प्राप्त प्राप

अपनि स् विश्व द्वार के त्रित हो ते कि स् स् । स् विश्व के स् । स् विश्व के स्

स्टित्रमा नासेर सि. परे परे परे में प्रेंच के लेग के प्रेंच परे स्टित्रमा नासेर के प्राप्त पर्य के प्रेंच के लेग के प्रेंच के प्रेंच के लेग के प्रेंच के लेग के ले

मिन्न प्रति विद्या मिन्न प्रति मिन्न प

स्वराख्या ने ने च्राची स्वराप्त मीरास्तर है अपवेता प्रवास मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर सम्प्र के मिरास्तर मिरास्तर प्राप्त कर मिरास्तर मिरास्तर

भक्ष. र . मीचास. रे. चर्या. तुस. तद्र. हस. के. चेर. मुरी हे. हस. चार्स्य. रस. मनेनान्त्रे 'रेम'मस कटामर न्यास्य हास्य हेस त्रम्य मस्य त्रुव न्तुः रेता पर्ने के वे भ्रवसानान्य सदी सामसायाना केस दस केस की नर्ने ब्रोट प्राप्त ने हिंदा सुना ने प्रनाद प्रवाद वार्ष के प्राप्त के प तिस्या लटाक्स की चर्ची सीटा सहना समुद्र दे हुस है। देवे स्मनस केंसस के देवे द्वरास्त्र द्वर् प्रवेषात्र विष्टिंग स्रेश पद्या स्रम स् र्सिन्साक्षे सदामु केर प्रक्षेत्राकाने। दे सहस्रवामुय ह्वा द्वा प्रदानिहा मी सहस्यात्रहेगा हे इत्येष्ट्र स्पेर् सुये हर लेय सुषायो राया स्टिमिडेना वसायगायः जना नहा। नहना वसा है। मिया सामव स्था पर्ना है। मैया क्या वसायवर्तातास्त्रान्द्राम्बद्धाः मोशामश्चरसामस्या वर्ते कुः सः **इ.**न्दःवरुषःवदे तदःन्न् विदःणः द्वेनः सुदः देवः विवः क्रेषः तदः र्टास्तुन्यर द्वाच्राच्यानुट क्षेत्रार सेर क्षु व्यट्स ह्यास न्याम्येर हिं - प्रासद्य निर्मा बुकायने निर्मा निर्माने दे । निर्माने न यर विर् कु छूब श्रीर दर कुब दर। से सर परे श्रीर व्यट केर दि र क्रें केट क्रिं क्रेंद्र 'द्रमें अपनिश्वा दे हैं अपने द्रामित है क्रिं क्रेंद्र मित्र देवा प्रमान र्टाम् निश्चरम् दिस्तिरास्ति। र्टार्मराख्या दे छस् स्रेर्मिनेश्वर मु र्यट कर् र्यायामक्षेत्र रेत्। यम प्रेश येनाय प्रहें स्था में र देवेया मु द्याशासक्य वर्षा क्षा द्यां शायक्ष । क्षा वर्षे दे दे वा शाक्ष क्षा वर्षे व मीतासूर संपर्वरस्मित हुर सामर त्रां श्रेर सीतार हीर तय रामर मारेना प्रमुश.पर्रंर.प्रीय.चेश.पुर.॥

સૈના-રેવદ-રેદ! કું.વેશ-સું.વેલ-સં.વ્યાસ્ત્ર-વ્યાસ્ત્રના સેવશ્રાના સેવશ્રાન

विद्याक्ष्मसामर्गेर् मानेर के व स्वत्यास्य प्रमास्य प्रमास्य । दे वसा হুষপ্ৰ প্ৰথ পৰি বাষ্ট্ৰ নাধানত প্ৰদান্ত প্ৰথ প্ৰথ প্ৰথ প্ৰথ প্ৰথ दे.हस्य-इथानस्यक्षः स्टान्य-प्रचीससः ह्यूर्-हस्यक्षरः स्टान्य-र्टा सः क्षरमा मा दे म मायासमा के तमही महिंद है व स्माय में दिया दे **८**चना मुद्दे ता नीया चस्त्री नीया वेशासीया या सुद्दे ते पद्दे ही मिलसा नीर्ट्र ता . . . ५८१ दे.ह्रस.कर.मे.चर.मे.ल.५८.लय.तर.५८चन.मे.१४४४५५ **ल**ट.चौज.रिर्ड्स.च.च्रूट.चे.च.च.कुस.वस. लूट.वंब्र.चोर.प्रस्य च्रं मु.मुयःरवस्तरानी व्यमुक्ष मु. १ वेसामार व्याप्तियः सहना निर्मे स्त्रीट प्रानिश्च प्रानिश्च प्रानिश्च प्रानिश्च स्त्रीत्र स्ति स्त्रीत्र स्ति स्त्रीत्र स्ति स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्ति स्त्र क्र. इ. च्र. चर्या पर्टा क्र्य. दं में या त्रा व दे व व व व व मी द्वर करे देंग है वरे दर। अर मुक्ष अर व क्या का की के र वहर श्चेंर। दश. विर्यामी विश्वामी पर स्थित हैं से हिमाश नक्ता ता निमान से दी राया विश्वास मिर्टामोर्डेश या नुस्रेमाश प्रस्था मु सुमा न्वर्मा । वि वर्गमाश रे मार्थि । श्च रविर्रे रीम्ब देशस देश र लि किट किट कि ए मेर मिट सहिर हैं रेर हिर् र्बेटकार्टा चे.केटका.में.क्षा.पचीराये.कटा.लचा.मु.चैटा.स्टा.बुकारचीर. च् नेर्के तरेन १रे वसाना ने अक्ट से अक्ता कर प्रेर प्रक्रिय वर रे से व यक्षेत्री स्वराह्में मात्रा पर्टेर् प्रिष्टी क्षा यात्री पर्टेर् प्राची पर्टेर् प्राची पर्टेर् तमुव डेंश म रेत्। देवे दर मार्शेर हि सदत मार्श्य ही सहत होंर छेंद यते द्वित्र रेग्या सर्वे व कंट स सेवस हे हु यदे स्व सदे द्वर करे द्वर स्ना देशसार ता स्नी हे देशस्त्र मा क तमार निश्र दर हर

पद्याप्ट्रिय मिरामिल द्वासाय प्रमासी ।

पद्याप्ट्रिय मिरामिल द्वासाय प्रमासी मिरामित स्थानि ।

पद्याप्ट्रिय मिरामित स्थानि ।

प्रमासित स्थानि ।

प्रमासित स्थानि ।

प्रमासित स्थानि ।

स्

## **শ্রেক্তিক্রেক্তি** নাৡধ্য.বা বিম.প্রব.ওঞ্জ্য.বা

वर्षामना ने नाकुषार्श्वेन श्वेंट चेंद्र हैरा दे प्यट सट हेरा सून हैरा द्रा क्रियःसमा क्रियःक्क्रिंदः स्मित्रायदेशसः ग्रीः देता द्वसः ग्रीदः नेमो प्रदुवः विदस्यः गुरुर नहिं वर सिन सिर मेर मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ सामित सामित मार्थ क्रेंन्यर रेमाया वर्षे रेमाया वर रेमाय हे त्यायरे क्रेंय की सक्ष केर चरुराता सर्वे चत्रा के चत्र रेगा गुरुर होंच रहे व से होरी हे के होंचिर्य दशः सब्दः सादे नायः के विंदा भीता है त्या अदः दाना से साना सा है : वराष्प्रतायमा सुक्षामा संक्षेत्र देशा महीता महीता वह देश देश रतः गुःषः र्देवः सुर्वः परान् । यदः महिमाय। सहुसम् । १२५८ द्वः वेशयक्ष्यप्रताया ष्यद्भिष्ट्रसंवेशयक्ष्यम्ब्रिया स्मान्यस् बेसपार्क्षप्रसम्मायाचे वृष्पित्। न्द्रस्यत्रवेषानुसम्स्यायः द्यावट रूपा पर्ने ग्राह्म क्षेत्र अट । अव समा स्त्रे वट तहमा निर्मेश प कै.लय. ८८. लय. य. भूषे. त. श्रुचीय. इ.ची. तथ. देय. तर . स्वेश.वंश. तर्हेष. मी. ल्रें मार्ट्य वेना के मुन्य के किया के देक्सरा वर देखें हिंद व देशिया हिंदा है से मुद्देश वैरणे रेरा हर्षणे मानर रेन रे महिस वय संस्थेन मानेश रेन हें सर न्गान नस ने त्य हों न हों दिन से प्रमान नियम में सम्मान हम सह से हैं ने निया

द्ध बसा स्तानिक त्य बद्दा मुँ नेहा ने ते त्रीय ता मुँ निर्मे ने क्षा निर्मे ने स्तानिक त्य बद्दा मुँ नेहा ने ते त्रीय ता मुँ निर्मे ने स्तानिक त्य स्तानिक स्तानिक त्य स्तानिक स्तानिक त्य स्तानिक त्

यः भाष्ट्रशायः भेद्वे न्यान्त्रस्य प्रत्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्र स्थान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्

मानुकार्काः (वक्षामानुकाराक्षेत्र) मुनकारकार्का क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क्षेत्र मानुकारकार्म क्षेत्र क

रवः रेवः देनः वा मान्यः क्ष्यः वा स्थानम् क्ष्यः विष्यः विषयः विष

श्चा व्राणाः निर्देशता निर्देशता स्थान्य स्था

सट्ची सेम् अम्म स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्त्र स्वर्धात्र स्वर्धात्य स्वर्धात्र स्वर्य स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यत्य स्वर्य स्वर्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य

इनाशह में श्रास्त स्वास्त से स्वास स्वास

स्ति द्रम्भैर न्यक्षय ग्री न्तुय खुळ्य ग्री म्ब्रुन्य स्ति स्य स्त्रा मिल्र खुय न्यक्षेत्र। । स्ति द्रम्भैर स्त्रा मिल्र खुय स्त्रा क्रिंग् स्त्रा स्त्रा मिल्र खुय स्त्रा क्रिंग स्त्रा मिल्र खुय स्त्रा क्रिंग स्त्रा मिल्र खुय क्रिंग स्त्रा मिल्र स्त्रा मिल्र खुय क्रिंग स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा

मिश्वेदश्यत्वक्षाम्भीत्वद्दश्येत्रात्ता विद्वान्त्रात्ता स्त्रभाम् त्रात्ता स्त्रभाम् विद्वान्त्रात्ता स्त्रभाम् स्त्रभाम स

ह्रीयावर्षे स्वास्त्र त्रित्त ह्रीया संवित्त ह्रीया संवित्त स्वास्त्र स्वास

द्रेश्वास्त्री द्रेश्वास्त्री ह्रिश्वास्त्री स्त्री स्त्र

वसमाञ्जामाः वीनिर्दानिर्दानिर्दानिरा दे वार्किर सम्भासमासे हासीना देवीसा यदे में द में अपनाय दय है द र्ये चुर लेट। हें द य दे हैं ह हैं द सर ये दे वरः मुनादर्ने शःगुरा देन ररः मी श्रूरः देरः खुदः ४ सः से हेन् सः सः हे सुः वैट। दे.यथ.सटस.चीत.पब्स.र्बर.पटेश.प्रीश.पुनाश.पर.पशिटश.पप्र. क्रिंग या क्षेत्र ह्याँ स्वर क्षेत्र हो निका है सिम्बर साम होते हैं ते प्राप्त होती होती होती है है है बैच.प.सूर्याक्ष.म्रीकार्याप.सुं तु.सूर्यकाता.कुब.सुं सुंका वैदा। प्रामादास्य मार्केर स्वास र्नुर मुका गुदार राद्या सुका गुर में द्रयदा साद विवा गुर यर र तु हें हरे मु अवत् विचा में सूर्ता भर क्षेत्रा ता परेच । कुरा में हिंदा हिंदा रिका रका चविद्यादित्रे च १ सम् द्वियाच १ दा ह्युं स्थाने सिन् मुद्या हिन । ह्युं मान १ दा महिन । याञ्चन'तम्याञ्चे अर्बे र्'यते भ्रम अर्ह्य ग्री के तर धेर के रहे र हुन या न्या न्यात्राच्याक्री स्वार्क्य क्षेत्र क् नष्ट्रभानाद्रात्र प्रमुख्या अदार्केश की स्राप्त निर्मे स्वर्म सुन की प्रमुख्य निर्मे रट्टीर्टलायःश्चेराभ्ये र्यामालकालयद्द्यायस्याश्चेत्रास्या वर्मे न मेदे रे नाय द्या द्या द्या ह्या कनाय दुर वर्मे हुंद रे य मेर सेमय वर क्टा भर रेट्र अपर्यंताय है। श्रेस अप्ति हिंश ता रे सका से बे विश्व था। भन्त्रिम् सः से प्रवृद्ध लेटा हिंदा लेटा से स्थाले सः से दा स्कृत ना स्वर् किया सन्तर गुर्म इत्राक्षेत्रवातान्ति। दर्भोतात्वात्ररावेत्रे प्रेर्माचनवा नुर्यारे महाभी श्रेमशयान रेचा सेर्वा प्रह्मानीहा वहानुताहन सन क्ष्मान्ता मेनाव्यास्य र्द्या यहसास्य प्रदेशमानामात्र सामुद्रा हिनाने स्पेट व्रुव पद्मा आ

क्र्याची लट्टिं नेटा टार्टे प्रधु में भागति राष्ट्र नोवश मेंट्र मुट्ट

टार्केस मु मक्त्र मिट्स न्ना नीस प्येन हेस होन मिन मानी में न्दर ब्रॅम् क्रम्य है दूर लिग में उट क्षर हुं य से द य दर्ग हुं य तर्र र से म्ब कुरायरे सेना जोट तर वैट य रे से य हैं अ से जेश के श ने ट यह र यह . प्रवश्चर प्रदेश वर्ष चुर हैर । र द्वेद ही पायर प्रदेश माने व्यक्ष माने व्यक्ष गुरि कु अदे परे स्वा रेर त्वार प्रामा अद्यास्त्र मुन परि स्था सम ग्रमा लेकानेना नेकानुनातमी विकासीना सी विकानुनातमी में से लूट्। ह्या.पीर.बु.चर्.स.स.कुच.रेश.रेचूर.सर.कु.चर्.मी.११४८.स.स्री वैतृत लेशयात्ररायायदामार्चे दसदारेसायासाय स्पूर्वे हिन्। देवे वैट.य.क्ट.भर.वेथकाचड्रेज्रेश्चराड्डे.वेचो क्रे.च.क्र्रे.भ.रंभराश्चराश क्ष्रक्षश्रास्तानी यामञ्जूष मूर्विश्वास्त्र सामुद्राया नेवान त्यान मेरा न्त्रात्र मुन्दा वर्षेत्रा मुन्दा क्षेत्र मा मुन्दा क्षेत्र हे नउस गुर प्रदेश वुन। सुभः सुद्भार दे देस मास विनास दर्भ मुरा है। वह ना देस मा न्मन् न नुद्रक्त संमयन्यन हो। ने हे या नु नि नि स्थान नुद्र न ल्री लट.थे वर.व.क्रु.व.ट. भ.क्रु.व.व.द.३४.४८.भ.क्रु.व.व.द. श्चित्रायः दशाग्राद्यात्र स्त्रीतः श्चितः श्चितः

क्रम् स्वराक्ष्यः विद्यस्य वि

कृतभेति च्वानक्ताने के के कार त्या प्रशासिक के मान स्वास्त्र के किए मी। ८.क्ट.क्ट.अचल.वल.कु.चेव.त.चेट.च्येक.टे.चॅर्ट.टे.चैंची.ची. न्तियम् मित्रम् प्राप्ति । स्यामित्रम् न्यान्य । स्यामित्रम् न्यान्य । स्यामित्रम् । स्यामित्रम् । स्यामित्रम् वर्टा सुना नुने नार्या द्वाय स्वर मुक्त द्वाय दिया विना हर हर व्यक्त मी है। वनायः व्यावसः चें नृत्यः दवे वर्षेद्रामदः भ्रष्ट्र अदेव मी व्येद्र श्री गुदा म् रे.ज.रं.द्रे.लटस.पूट.मे.कु.य.ख्या.लूर.चस.पह्य.मीट.वट.मी प्टर.च. के विस मेना भेन पर पहिं के भेर सर ने न विस मेर मेर ने न पहिं ग्रिट्मासट्ये मिट्र प्रकट्स नेस मे मुना मिट्र पर्दे हैं नेना में हैंक कन्याभित्ती देनामित्वित्वामित्र देवित्व वर् ने नुभाव क्रिंट वर्ड व समाव क्रिंस स्रें में सुव नाव ट खुभा नु विदर्भ वर ल.मैंदे.रेशरचश.चक्र.चरेश.चंद्र.थर.चर.चरें.पर्ड है.भ.से.सेर.के.चरासे मक्किन् नायदाय देवा देवे प्रशेषानु विनामक्के नाया महामार्थित स्मार्थित य दे द्वारा मिंद्र मी यगाय द्वार य देव है न वेदार सेदा में में यह नास म्केशद्रम्भेत्रभ्रत्मित्रम्तिः द्रमेत्राया हैन्या त्रुम् । भु द्वेतित्रः नुर्द्र वर्षे रुषासु ववस य सम्रित्ती विद्यीस हे सेर व्यामुक्तरवद २८ १९८ सेर् माल्य द्या मेथा है मलेट्या मह्यु व मी याया गर सर मेया मे नेत्रकृर रे विना नायर म नु द्रोद्य मासुरय य वृत्र झे खेर क्षार् स्यत्रे मुं मायदान्त्रे द्वो प्रदुष या देवा पर्या है वि पर्या में वर्षे स्था प्रदूष 

मु अर्ग्य में भारत है हि स्थर अर में मान हे मार्थ मा है शाय है श्राय है श्

च्रार्चे त्राचे त्रविष्य शुक्रीं विद्यादा । सहत् स्रार्खनामा स्रार्ची के जी. म्बराया मुना सुमा के सी हैं है सी प्रेर्त र दे किरावर्ति रहा किंद देश स्मारा उत्तर सहित से के के में पर्दा ने के दे दार दू मिन मा मु देट न् भी मी पूर्व न मुन्ति मा सा सुमा मिन में महर्द है व यते व्यादेशक्षशहेश शुं मु पश्चेर हैश या ही देशे वट मु या पत्ति देहे सर्वे देव हेव हेव से की हिंदा मुग्नित। हिंदा में प्रश्नातित के कार्य के की प्रश्नातित । के वास प्रश्नातित । के वास प्रश्नातित । के वास प्रश्नातित । वास प्राप्तित । वास प्रश्नातित । वास प्रश्ना कुं कुं ने अध्याप्ता में तिराविरावशास में विराध सुप्ति प्राची प्रति पाते. केर खेना द्वरानी ने रार खेरी यामर सेना रहे खेरी हुता नु हेरी या रेट है. ढ्राचु चु न्यु नर्ष है प्राष्ट्र व्याम मेर्न हरा। नेने हिना सेना का का कु खेरा हा मने सहर माइस र के रासर्टर के सारे से मेर मेर हैं निवासर है सारे नाइन १४४ विद्वार्थे अर्था देन महाम्या कार्या कार्या व्याप्त विद्वार कार्या कार्या विद्वार कार्या कार्या विद्वार कार्य भ्रवशः हैना विन्या के के के क्ष्रकाय जार जार है लिन हेर के प्रेर के न

क्ष्र-ची-४-1-८२। अ्निच् प्रेन्ट् भाक्ष्रभाग्रीकात्रप्तान्त्रम् अस्ति। अर्थ्-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्री स्त्र-प्रम् क्ष्रभाग्र-प्रमा स्त्र-प्रमा स्

ब्रिट्स-मन्नाक्ष्यक्षयद्दा द्वा स्थान्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

व्यापुर्वित्वपुरम्बुद्धार्म्यप्रमादम्य द्रम्याने वुदार्ख्याकामार्खुदानुदान। सन। इसार्ट्याकार्ख्याकार्ग्वकानारान्द्रीय मर्देन्सार्ये स्प्री 🐰 न्याये नुष्यते नुष्यते प्राप्ये प्राप्ये प्राप्ये निर्मा अवस्यानाद्यत्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्यान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् स्थान्यात्रम् अप्रे प्रस्ति विकास क्षेत्र । प्रतिकार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क अवै वर्षे रायट व्येट या द्येर या देखें रहें व की पायर वह से व्येत बुनिश्चान्त्रे ताश्चरा भुना मुं के दानु नम्भूरा हु रहे दहान है हैं देश हो दी कराया अदशासेट की के यादे पर लेगा मी पर पुरस्य हिंद हीं पर । हुना मीप्रे.श्रेपश्रामी हेर् श्रु.श्रुचेशिक्षिराताल्यी राटिश्चेलातिहा हेरे लारेचेठ. में भेर्गु गुर दे हैं है नाइका हुंदा यहें र साम्ब से ता र हर हर हर हा स्वर २सुग्र-कथायान्ना २ सिर्फेर्ना सामिका की कि कि के हैं र कर मानका ना रत्। भ्राप्त मी.चाच्चत्रास्चारात्यितास्त्रितास्त्रान्त्री स्राप्त तर् र्केर मुद्र रेट हेर से पहेरा पामि दर पर्रे पास हिएस पर हेराहरा र ર્જી વર્ષે ગુલ ? કે કેમ વર્કે શર્ભે દેશ કેમ હિવા છેલ ? જાયા હેમ સુમારૂમા नविश्चेत्रातुनाकुः भेर्राकुः। अपश्चात्रात्रात्रात्वात्रहर्ने व्या

वर्गे वर्षे र वर्ग सिनास महीदस में गुरु में से स दि है द करा क र्कट्रमिकेना भेर्द्र दे। दे दश्य दृद्धः नाद्रश्चः दा स्त्रीना नीश्वास सर्वेट ने ने दश्य दृद्धः नाद्रश्चः स्त्रीना नीश्वास सर्वेट ने ने दश्य दृद्धः नाद्रश्चास स्त्रीना निश्चास स्त्रीना स्त्रीना निश्चास स्त्रीना निश भे दरा अर्वे अन्याम यह भे भेदा है शास होना यह व है र के हैं र वटः दशः श्रीनानो त्यशः गावै नादशः द्वतः होना होनः यादो दशः श्रीना मनुने नावदः ब्रॅन्।सर नेश वृता दे य ब्रॅन् सून संग्रह व व्यत् विद वर क्रिय विशाने नायर देससामानेशाचर नहेमा सुराममें विमार ने मेर् की लेरी दे हैं सामि व दे त्यना वदेनास रु हैंद हैना वकीनास वर्षेत्रसमुद मुदा है क्रिन्देवे मान्द्रक्रामान्द्रीमास्यसमार तुन् मान्द्रमामेदान् स्विम सुसरे

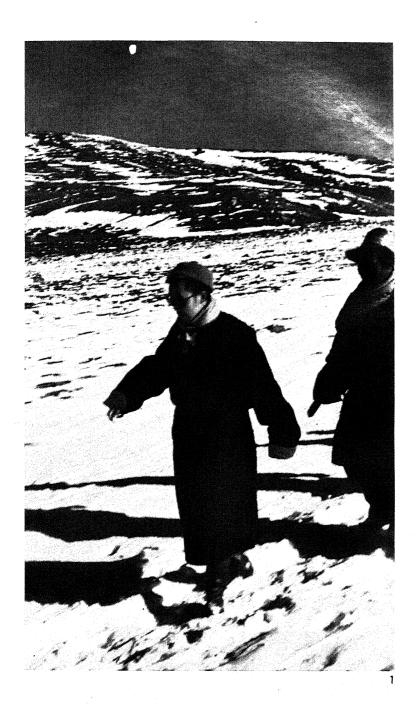
श्चर पश्चेनाभाषा देश र पुराक्षेत्र सेर पुरा केता पुरा

ल्याम्बर्धास्त्राम्बर्धास्त्रास्त्राम्बर्धाः द्वा वर्त्रिं वर व्यवस्थ क्षेत्र कुत्र मूक्त कर्त् कर। वर्ष विष्ट्र दर दे सेद क्रसं भुनास मु महर में मह में भेर्ता व्यामास र दूस के द दस प्रकर था चॅर्न् यद्रिष्ट विन् ने हेर हु रे हैं सम पर ने ट हैं रे सुन् श की सहर में हिना स्त्री देशन्त्र निवस निवस निवस निवस में देश न्स्याहार्काची देखुरानु विदायदेन व्यादा देखन देनु रत्याहियाः सुरमेषाः वर्षेत्र्यात्रे वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रात्ते स्वर्षेत्रा इत्रानी मुक्तकर भेवर मि.च. मुन्यत्य पासेर की लूटी रवेर रेस टर्टर लूट्य.पेह्र्य.क्य.त। भक्य.बेट्य.क्ट्रा चिवेट.ची.जस.पिटस.पंचीट. न्यानक्यान्त्र-नुसानी में नार केर नार नम् निमान देने भगम इस्ति के कर ममहायामर प्येट मी रेता देर मुन्नी मार पर्मे मुन्देर क्रिन्द्रनात चे लेद् हरा क्रियक्षर ना वे बब की बर मुख्य भी ब्र मु

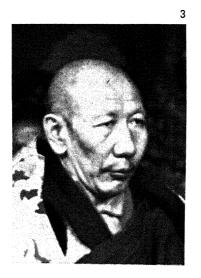
स्वयास्त्रित्सं विक्रेस्ट्र्स्य प्रित्या स्वयास्त्र स्वयास्त स्वयास्त्र स्वयास्त स्वयास्त्र स्वयास्त्र स्वयास्त्र स्वयास्त्र स्वयास

दर्ररानो श्रिंग श्रुंग निर्मे नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति नी स्त्रामा निर्मे नुस्ति निर्मे निर्मे

पर्वेतातिष्ट्राज्यानुसारिष्ट्राज्यानुसारिष्ट्राज्यान्त्रान्त्रान्त्रा र्टा देश से अस्ति कर के र के र के र के से से से में का मुद्दा दे.ज.भ्रुर्.च्र.अवशास्त्र.लट.लट.वज्र.वेच.क्रे.ल्र्री टश.हचे.व.ट.ह्र.. सर प्यूरे पर्वे भ्रा प्रस्केर प्राचित्र हुए । स्वापित स्वीत म् १०२१ वटा मेर्ने पत्रे स्वया हिते क्ये संगान हेर पत्रे में तर्ने निर्मान स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया नाडे गार्डक गाले र्व स्ट्रिस नाडे ना द्यार कर केर प्रेय लेटा परा है ब्रॅ १२३१ इट विद्वित्ति हिं बेर पदि विद्वित वित्वित वित्वित मार्ड्स् मुर्गेरामाय्विमामाय्विमान्याविमाविमा ने देशकान्यामाये समाय व वैगक्ष ने व चेर व्यान क्षा रेर ब्रोट हो न वे गुर कु विद्राला के विद्राला है विद्राला है विद्राला है विद्राला है विद्राला है कि विद्राला है विद्राला साम्ना गर्ने गराहेशने निगाने निमाने न म्वेच.४ रेच १९.ष्ट्र. ग्रेट्र.वेच.व.च.च्ड्र.वर्ट्र.ष्ट्रश्चर्त्य.वेट.कंचक्व.ची.चार.ज.ध्यू. नवें होते दा को को को देश में देश की की कार में देश पाय है का पाय श्रेनकार्ने क्रूट र दर्मार जू जे नावका क्षेत्र हिमार्न्य ही मुला ही नावका क्ष्यानेसान्द्रिक्षात्र्राक्ष्यास्त्रा विता रे.चलेरकामिले ग.लूर्.च.ट्र.फा.लट.लट.ट्र.केंट.चीय.चनेंस.ट्रे.सेच. दैरानी खुता ने के विजय की के क्रिया खूटका है जिन लेना लेन नहां कुंका करा। युर्य ने के अवेर होर पदि में शुलि ग गुर वर्ग गर तर्रे में गृत्वास से न है. १स. एस. १न जुने १स. ५३ १ है. र ट. श्रुट १ में नव नास ना की टाई है. मुनामळें सन्तुमाम्यावने माना है से पिर्निय के देवे हैं है है ति वह सम्बोद दशगकेंग्रन्थियः दाहाश्वर व्याप्ति विराम् देवी नावस्ति हुर्वाणाः स्रुग-वेर्-भेगानाबर-वेना-पु-वर्णेर-य-वेना-सर-रनो-नाब-बस-होना-नाबद-नी-













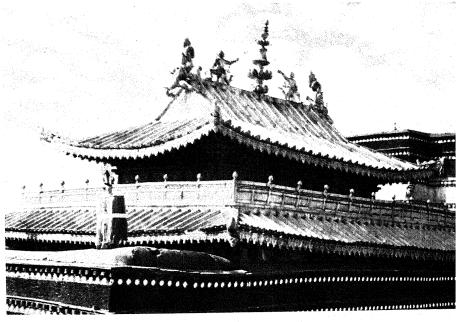
-





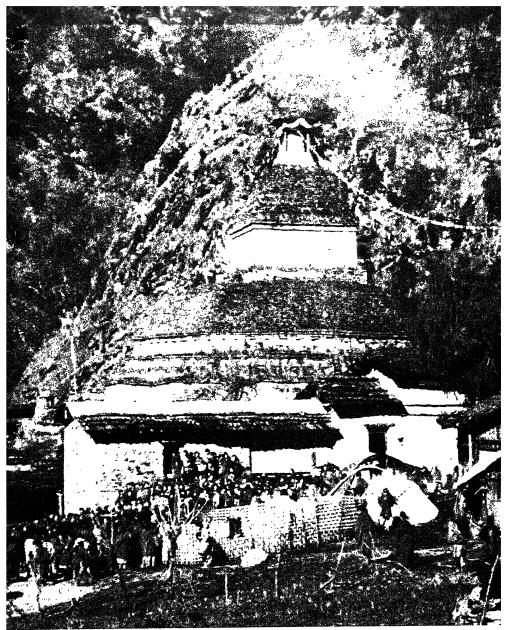
















स्त्रिंग्हा द्रम्याश्वासां केर्याद्वासां के

म्वीत्वर्तित्व स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम



## न्सुस्या धेर्नुने वर्ने य

मु न्यूक्ष चर ह केर हुँट् व्या क्या नहूट् मु क्या । चूट्-टे होना नहीम ख्या मुक्त स्थानहूट् मु क्या।

चर्रावना हेते. ब्रियामद्भानीय प्रियास द्या स्त्री निराद्य विष पार्चि,थेचं देटः शूचं,च्रा निरः देरः भुःशुः वथः वश्यः लूट्। चै.चार। येवरः मा चयात्रीया वर्षसारविचा चस्याच्ट्रणी हे हिन्स से ल्ट्रा देव. सुर्गश्र.श्र.त.णु.श्र.धव.८८.। व्यय.चाव.श्र.२व। व्य.२.श्र.चन्थ्य.णुट.धच. के ल्यूरे संदुर्ग रेशार तथा अदार्च है हि ए हिसास है शासिय हिन है है चित्राव्यासा वे दिन त्रेयाच वुन लिता द्वना चर कुन नर दिन हें भी त्रेत्रयातः हेर् व्यास्त्रात् यासा स्ता देत्रचना नी स्री नी त्री स्मार्मात् स् म्राव्यानुदानाके। वृदानिवे द्वेयान्ति न्यान्ति स्वानिविक्यान्ति । मर महेब केंब इनका मेर् क्षेत्र प्रेस हें न्या चुन मने हैंब हु मेर की फी में लिग र्नोस्य पुराके। मुनार मुज्य नोर र्ये हार सर् प्रवेस। मु बनार्टा स्नाच्निक्ससामा हर्मा स्नाचन मान्या वर-वर्षा वर-दे.मू.झ.बराजातारधेवज्ञात-वेश्वश्च.वैदाकु.रेश. र् इंप्यर पर निर्मेर् की करा में बाइस पायर पायर व्यर्गित नि के वर्षे व्यक्तिमानमा निष्या राज्या के मुख्यते पर्ने व्यक्ति हिंद है है है है है है है हर खेर दे की प्रमुख प मुद्दा मिल सके अनुवान के र प्रमुख पर क्र-मुद्दान्या वर्ग्णुकेरम्यक्तिरीयाम्बर्ग्नात्रप्ताने र्रे. हुर्गे, दुर्गे एकू प्रमिष्टिंग स्ट्रिया स्ट्रिया विनास सूर्यः मस्यानियायक्यासुन्दासीय्राचित्राचिता ने मलेव रेन्य मुक्ति से १ १ ५ हम ब्रीट नाट स देश से नस सामद के र द्वात महा लु मु

स्ति भूर्। म्हिक्स कुर्य हुर्य कुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य हुर्

भूत् मुं क्रिंक् स्वार्थ स्वार्थ मुं क्रिंक स्वार्य मुं क्रिंक स्वार्थ मुं क्रिंक स्वर्थ मुं क्रिंक स्वर्य मुं क्रिंक स्वर्य मुं क्रिंक स्वर्य मुं क्रिं

द्र-पर्योद्धियापार्र्या। १ व्यद्धियाद्ध्यास्त्रित्वर्धान्यक्ष्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् १ व्यद्धः स्त्रात्त्रात्र्यास्त्रात्त्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य

दर्नोर्गमनाक्रामिं रार्के वे दर्नोक्ष क्रमिं वर्जे अपन्युं मु रेनाक्ष व्यन नेसन्भंत्रहेट'। २मार-नसन्सर्हेट्यमिंसगुट-स्रानुदेर। द्र्येद यान्त्रात्रः त्रसायः सर्हेर् मिविसासास हेरे विचित्रं से हो। वनातः व्यायासास য়ৣ৾ৼ৾৽ঀৼঀয়৻ঀৢ৾৾ঀ৾৽য়৸ঀ৻ৣ৻৻৻৻ৼয়য়৻য়৻ঀ৾৻ঽ৻ঀৢয়৻৾ঢ়৻ঀঀঀ৻ৣ৻৻য়৾ঀয়৻ बुरी मिट.कूर, सुर, त्मान, यक्ष, रर, प्रविधा, बै, श्रीप्य, श्राट, त्यूर, । यचीय. यदे मि क्षेत्र के में प्रेय सम्बर्धा पर अर्। क्षेत्र पर मिट के दे द्वाराय हिंद वर्कें मानेट देश मेन् हैट। मट माने वर्कें मनशम्बुट या महें वर्षें र मानेदा मीबिट, मीलिबी ह, धरा क्रिश, मुहूरे रेटा। मीबिश, से हरे, पिट, बेटा दे.क् पु.लूट.पटस.द्री हूट.चिष्ट्रस.स.स्यास्य पु.सूर्यितसाहकार्यय रेदा दश्यत्भग्रस्ते स्रूरं पहिंद्वा दर्स्टर्मा स्मिन्या स्मिन्या स्मिन्या मेर्। तसायनाम नार्षे . में बैं शासकंसरा श्रुट हैंच रटा नावट मी नातर लिस्त्रियं सेन् प्रते से देनाहा सिटा वर्तेना से का सेन परि में ट्रिंट पिना नी नहीं र मुचदीन्न्न्रविष्ट्रव्यस्तित्राण्येव। क्ष्रायिव्यत्त्र्यस्तित्

ल्रा अन्त्र के दे नियादा। एक व्याप्त वर दे र प्रामित्र वरा इर-दु-गुस-१८-दु-न्द-भ्रेन्स-छेद। दुस्न-भ्रेन्द्र-हि-दि-म्युक्तिन्य-स्मान्दर्भ लेना:स्रा लिख्यक्षरं मार्गःनित् इं भु व्राटास्यान्स्य द्रस्य देट नुस्य दि स्त्र स्तर्य दे त्राप्त स्त्र र्नो म्यान्नार न्यास्य मुद्दा रे स्थान्य होता दे स्यासी मुकासि र्यानाट लिना केनाय सम्देनाय स्वत्यामना निक्ना क्षां द सुन्टा। मिनी, नोकुकी, प्राप्तु वी मिनी, नोकुकी, प्राप्तु वे दि, चन्द्र में जी जी नी से हुत्य. श्रॅन श्रॅट विश्व पर दिवेश है वे अगरा श्रें ये दे विश्व श्रें विश्व वेट स्वय पर् रसना क्सस-रिवेद हु दे समाय सर स्रोना पहिनाय उस पर रेता पिवेद हु दे न्ने म्बर्के वेर् क्षा धुर ने से विना निहन सं है र स धुर रे र गुर ৽৽৽৽ বম্বুয়নায়ৢ**ৼ৾৽ঢ়ৢ**৽য়ঢ়য়ৢয়৻য়য়য়ৼৢঀৣঀয়ৢয়ৢঢ়য়ৢঢ়৾৽ঀৼয়ৣ৾ৼঢ়ৢঢ়৽ঢ়ৢ৽ वॅर्भूर्वराप्रमाहेर्गु केराकेन्द्रियर्भर्वरा निवस क्रमाद्रायमाध्यादे दार्चे हेराचर्टा हेराकु रुवा द्रोद् सक्रम मुक्षमुयार्चे श्रुवस्यविन । देशारा स्मृत्या स्प्रेर्पारा स्त्री वर्षा मे स्वाप्त कुं, कुन, राज्ञ, जेश अंतर, लूट, केट, तुर्व, बंज्ञ अं, नहेंद्र, दें के रेट हो राज्य रेन। वॅर्न्स्मन्द्रिंग्द्रिंग्द्रिंग्द्रायपुत्रमदिःव्युव्यटस्यद्धेत्रक्रमेन्ख्रुंन नुरक्रिःसविवाक्तिवार्त्त्रकार्त्त्रकार्त्त्रम्। सुःमुत्यानिवार्त्यान्यवार्द्वा वेव गुप्त समा में विदे हमसा है ए दूवा डेबर**क्टा भुँग प्यॅन्य मेन**। नित्राभेर्-द्रन्वसम्भीभेर्। स्र् र् द्र-तमान्नाम् नित्रालेन्सानस्र्वस शुक्का अन्। मिंट कें न्यार सहत्सन् स्था पार्के पारेन्।। 

बर्द्भिक्ष भेर्न्यनुमान है है के बर्ग विमिष्टमा बर खार्स हुए है र पर्दे सहर में दे रिवास रहा। रुका केंद्र हिना वित्र हिन हिन कि मिना मीस ही ही र महिंदा मुक्तिस्स्रहेर में स्ट्रिंग होट स्रेर प्रमें देया देवर हुस दे विस् श्चिटःना निर्दे त स्ति सान् विद्याना स्ति सी सामि दिस स्ति । वार्ने बटा व्येन् यार्केशाने किंपवृश्वीना निन्तुन पनिवादशाङ्ग स्वाने वटा सी कें। मुराम्द्रास भेर सर से तही मु मेवा हार र दे के वर पहें स महिंद श्चित्रभूत्रअः सुर्रान्ते 'सेक्षर्य' यसार्विद र्द्धस 'बे्द्र' के के त्यसेस 'भेर्द्र' के देता <u> २वर रेक श्रीत चर ४ची च ३ क्ट अश्चनाय क्रा वेर तपु श्री शट वेन । </u> लुवी दश्यस्ट्रेस् पुर्रे हेल्थायुर्य दिल्यस्य स्थान स्था स्थान स्थ ৼয়৾৾৾ঀৢ৾ৢৼ৾৾ড়ৢ৾৽৵ৼৼৼৼ৾ঀ৾৽ৼ৾ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়ৼ৸ৼঢ়ৼয়ৢয়ৼ विद्रयालेनारेना द्वराता वित्रायर हिंसा सन्सा गी प्रहमसादा। देंस म्रीट नु क्रियान र स्वासास नुसा मिट क्रियाट सामर्थेट मा हु सा निर्मा क्रिया है मी बटा बका सङ्ग्र भी भी विक् गुटा ही र महार समुक्षा सार्के दे नावका द्वारा देरामर्ज्य देन नामहर्ता वर्षि के के सार्वे के के सहित है है हिन सर्हा प्रकार स्निया स्ति वि देनिया करा निया सर्वेर से निर्पा परका ता ब्रॅंट' अ' भेर प्रते ' खुत्र' मुी 'हमा अ' प्रता | कुत्र' या मात्रा के 'या किया है पा मुन्यायसम्बद्धिर्म्द्रास्य ने स्ट भेन से देश के से सम्बद्धा के स्ट्रा मुन्द्र नि र्केर्निर्परि परि नुस्स्त्रवस्य सर विं विना केरियो मेरिता विर्मेश क्रास्त्र विन्तु र र्बेस द्राप्त्याद मुद्देर स्माय लेगा के विदा कुरा मुन्य स्वराद्य दा ळंत्रसाळेब'चुट'ब मानार्नेनाबागुरे हेर्न्स्निन्। न्नाव वहं मानी इसावगुर 可有一种"别"之气

साला ने स्थान स्य

वेर्म्यर अर्वे देन्न्यमन्त्रि हुन वेर्न्न कालक्ष्य प्रके या से प्रवेर कर हैरा पर्के या स्वरूप परि र हिंद या है आपेश वेर् सवतः सन्दर्भक्ति समान्य इत्यमः पर्हे छेट छेन्छेन हैं। । असन पर्हे ह्यान्त्रिकेन्द्रास्त्रम् याप्यार्थिन् क्रीते स्त्रिक्ति स्त्रिके न्यन्यात्रनान्त्रं सुन्यात्रात्र्वे सुन्ते नेत्रं नेत्रं सार्या स्टालुस केर् यदे त्रहंशक्कें एवए नी नवस हैया शहा समार वें रहें हैं परेंद्र या राहेद्रा दर्भन्ता के विद्रां का का की समाप्त का श्री मानी खराहुन कर सदे कर " व्यन्ति वर्षे के क्षका श्रीन वर्ष पुस्का के अव है। (२१ वर्ष के द ष्परः करः म'दे 'पदः प्येश' र्ड्डप्राप्त प्रमुक्तः हेदः श्रुविता हेव 'हुँदि पदना विस्तरायनायायर्डेशयाष्ट्राय्येत्। द्वे निक्नियहेत्वा नर्डे निक्निय सन्दे व्या मिर्देश्यमे हेर वित्या का विश्वा नुन'हमा मा रेमका मुद्दा भेर निरंग्ने निरंग्ने के लिले क्रिंग्ने मेर मिल्य हर् शुँव केन तम्मूय र्ने समार्थे वर्षे वर्षे ने त्रीं के रेना दि शुक्र स्थाप श्रु-विट.चंट,स्र,पियाचोरस.चंतु,पिसस,र्चास,देसस,हिसस,सरीर,ट्, ह्यूरे सिम्ब छिद ब स्तर। मिर्ट ह्यू स,रेट्य सूर्य चिवि रे च त्रा साम मार्थ सरे हैं स

स्यात्र्यं विश्वात्रं द्वा । स्यात्र्यं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं द्वा । स्यात्रं विश्वात्रं विश्व

तालुब्र-स्टा <u>इट्ट्र्स्स्य स्ट्र्स्स्स्य</u> स्त्र्य स्त्र्य स्युक्षर मी तम् मूब्र-स्या स्त्र्य स्त्र मी स्त्र स्या स्त्र स्त्र

करं तिचारं त्यां सामा विद्यां सामा हुन सामा हुन सामा हुन त्यां सामा हुन सा

स्थानमीनिधानुक्त् । दिनिधानश्चेत् मुद्रान्याक्त्रम् । स्थानमीनिधानश्चेत् । दिनिधानश्चेत् मुद्रान्याक्त्रम् । स्थानमीनिधानश्चेत् । दिनिधानश्चेत् मुद्रान्याक्त्रम् । स्थानमीनिधानश्चेत् । स्थान्यस्य मुद्रान्यस्य । स्थान्यस्य । स्थानस्य निधानश्चेत् । स्थान्यस्य मुद्रान्यस्य । स्थान्यस्य । स्थानस्य निधानम् स्थानस्य । स्थानस्य प्रमानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य निधानम् स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य निधानम् स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य निधानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य निधानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य निधानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य निधानस्य स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य । स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य सर.च.लुरा। तर.चंद्रच संत्र्यां क्ष्यं स्वान्त्र्यां स्वान्त्र्यां स्वान्त्र्यां सर.चंद्र्यां स्वान्त्र्यां स्वान्यां स्वान्यां स्वान्यां स्वान्त्र्यां स्

सास्यालयः शिक्तः स्थाना सास्यालयः साम्यालयः स

र्जस्यक्ष्यत्वान् स्ट्रान् स्वान् स्वान्यस्वयः स्वान्यस्वयः स्वान् स्वान्यस्वयः स्वान्यस्यस्यस्वयः स्वान्यस्वयः स्वान्यस्यस्यस्

पश्चर रहेश्याया मान्द्र के जिंदा ने केर हैं सामा मान्द्र के जिंदा ने केर हैं ती हैं है है दिन हैं म्बिस्याम्म केर में इससाधीया दे इससाधीयाम में दिस्य में में में दिस कर होर." एम्। र्डिम्कुर्दि सिंह र्डिव सम्बद्धाः सुरुष्टि देवे हिल रेटि हैं। उर द्वित दर देवे उ विग दसमा हुर वयस मुख सु स्ट्रिंट देवें से है। त्।तःत्यः रखः नातुरः या न्यायः व्यायः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः वरवामानुस्य अतुमानुस्य देवे विष्य देवे विषय देवे विषय देवे मिनिर विन्य के में तर् पर्वे प्रहार के मिनि है है। वित्राक्षित्वायाः विष्यु पारे विष्यु मातुः मी बन्या रे कु नेवा दिन्याः नु अंता विर्देश स्थानी सुनास र्वेत स्थान स्थान व्यन् हिंदा दिंदा वया है राष्ट्रां यर व्यन्ति प्राप्ति प्राप्ति वर वित्ति प्राप्ति वर्ष चिंदार्ड दे मोरेर सेना हूर हैं र जी जिंदार र र विमाल र दे हर हैं माल यान्या नगतः नगान्यास्य स्टा की सम्बार्गे स्टा नि तान्य नि नि विद्यान्त्रे प्रवास्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्षया बह्द के नु कि से नियं के नियं नियं के ख्नस्यात्रेम् त्र्वेद्द्रप्रस्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद

मार्थस्त्रीच्यात्र स्वयात्र स्वर्ण निर्देश मार्थस्य स्वर्ण स्वर्

चाल्य, ख्रेचात्य त्या हुंच् क्रिया टक्क् कुं जिचका ख्रेंचा यट हुंचे केटका ख्रंच क्रिया व्याप्त हुंचा हुंचा

त्र-भुत्र-श्रम्भावान्त्रणे द्रम्भुयक्षणे प्रत्याने प्रत

देर-विदेशकंट सम्भित् विभिन्न विदेश प्रित्य देश प्रित्य विदेश स्थित विदेश स्थित स्थि

দ্রীনা নুন্দে। দ্রীমামসুধানীবিদা।

त्रदर्भ देशकान्त्रम्भेशस्य देशकानुस्य देशकानुस्य देश दाख्ट वर् रेर्रेरे तमार विमायस से र्हे न्य के किर स के प्रमानित हिर यस हैंर वेर. य. यट. वैट. पश्चामप्र, क्षेत्र दें. यावशालू रे. याचेरी लू. हेर्ट. सेना,मु,मुर्म,भुक्ष्यं स्ट्रिश्यं देश्यं कुना,सुष्यं मुश्यं पूर्ं मुष्यं रूप् मारेमा'न्'मुर लेरा देट न्या ऑट्य मार मु मर वट मी नहीं र्ह्या केर.होरे.त. ची.वेच.त.ब. १८४.पश.पटेश.वेश.पहेरे.यंथ.प्. २०४ श्रम् हिमा ही ल्या निमान प्रमानिमान क्या निमानिमान स्था निमानिमान रेवट.चर्चेर.चर्च.चेंज.च् र्च.ब्र्चे.स.चेंबर.धि.चर्च र.च्.वैट.। ूर. रस.मितानमेर. ३४. नरेब. इट. मुर्. मी. क्रा. ८४। मीतारपश. ३४. पर्येट.त.झ.ब्र. व्.इ.स.चेश्च.चर्य.यी.श्चेच्या.थी.यट्य.यी.या.यी.क्यूया. म्री न्यम स्थिम पु स्थि तस न्या प्रते द्वार गु प्रति पहुंस। मुल म्यस श्र.चिश्वम.प. प्रूस.चैता.श्रंट.चव्य स्था.त्.ह्री.त.चीचेचार.प्र ३५०३ र्टा हैं लें ९४७ श्रमाट लॅर तिविद्या क्रिय कुरा की पार देने हैं निव्य वरी नेश स्व भाषी मार ने मन्द्र मा स्वीर विष्ट हिंश न हेते ने ने प्रीमा निर्ने किना सर वहस्र है सेया द्वार्ट्स देने व वह दिए। से ह्रश्राम्ब्रह्म प्रति है। ह्रिश्च ह्रि मिर्ट्री ययायत्रत्र वहरूरा मु यत्रत्र मिर्ट्र विर्म्भ मिल् मिश्रम, प्रथा, पर्देव, भूर, पर्देश हि. च् त्यी, श्रे.वे.रेट.। हि. च् भू. यस्त्रे हे. मानव द्राया ( स्वर स्वर स्वा सर द्राया सर द् परेतुः संभागत्य प्रमासक्रितः नार्थाय परेनय प्रमा ॥ इः स्वर्धियः यदे मिर्यन तम् मिट रेट । र में हे मिर्यन तम मिट स्रेट है मिट मेट

त्यं चर्ने त्रं रे. यं दे. सं सं स्टार कर निश्च श्रेन्य रेर मु र्यार बना रटा वया खेता खेरा बंबा चंडा हमाबाया खेरा चते त्येरा का सटाची नर्मा मिलाध्यामे स्वारा मिनामे स्वारा स्वार वर् श्चिर् मुक्ष यर अहर री मुलर रवका सं दुना य मुलर ये हि हे नाद्यना, चरेथ. थेथा अंश.काना. क्ष्यांमी. रेंश. मी. रेंचा. रेंट. नुर्. चालिज. विष्टिः वैदः श्रेवशः वृदः हित्रः हिनाः हित्तुः निरुषाः निरुषः नवसः निरुषः वनान्। खेतानी अपार्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त हैं सामित हैं सामित प्राप्त हैं सामित है सामित हैं सा चिं तु त्यते सतु व त्या व्येता व्येत त्यते त्यत्या व्या व्यव प्रा ही व्या प्रक ্রাম্ন ব্রামানবর। র্যাবর্ষ না ক্রমান্ত্র নুনার র্মান্ট্র র্বার বির নার বার্দ্ধ নার বির নার বার বির নার বির ন अवस्था चुलार्चा पर्देश सुं हराला मु मार वसामाय के व हैं है। "अ'र्रेन्द्रा र्ह्नेन'न्द्रिंगचङ्कार्थ'ङ्काभुःस्नाबान्तन् 'द्रद्या द्रयायः यक्षमः लग्नः भु त्युरः सु र मु श म्यु यादि न दिनः लगः । मटः यते ह्या ্লাম প্ৰশান্ত মাথে মালা মুল্লামান্ত্ৰী থ নাম্ভা মালা নুল্লামালা ্র্ন'শ্রী.মব.বিচ্লে, থ.ব. পচ. ব্র্নিশ্র প্রথম বীপ্র শ্রী.ব এব क्रिक्ट देशस्य में मुंदिर निया श्रेन मुंदे रेश नुनिया नियान क्षी हुं रायी पर्याया १८०० रहा। ही या. ४९० मे. मियार नकाराष्ट्री नकार के सामित करा मिया मिरिया मिर वक्ष्या रेजे.पर्य.कु.कु.कु.कु.र.रंग श्रेयथ.र्र. त्या वेर्-१८। कु'दना'म'मधुद'यर वेर्-१नमना'दशक्ता'नो खुर्या मर दं नहरूमश देर ग्रे ल निर्देश में क्या ने नह कर निर्देश में निर्देश में

सट. त्रा पर वर्षेषया यह्ये मी. वेचा.ची. त्रीया ची. मी. झे. हर . तूरे. ८८.मी.४च.स.भक्षस.मी.क्र.५चारा.ट्र.५८.पदीचारा स.भक्षस ৾৳**৾**৻ৼ৾৾৻৴৸য়৻৸য়৻ঀ৾৾৾৸৸৾৴৴য়৸৻৸য়৾৾য়৻য়৾য়৻ড়৾য়৻য়য়৻ঢ়ঢ়৻ড়৻ঢ়ৢ৾৴৻৻ यदी मुर्चिद कुरियो मेर् रेट दे दिया मुद्दे स्वारा सामायत्यासु वर्ष्यायात्रे देन्द्रायावर्ष्यास्त्री क्षायते देन्द्रादेशयात्राहः श.चिर्वच,जची,पट.ची,भटें १.लूरी चिज.रचश्र.श्.चिश्वभ.स.टें हो सं.चर्यता चढु.पश्तरं स्थयाता प्रश्नामाश्यादेश. श्चर, येच्या थ. कु. र. ए. येज. त्. च श्विभ. रे. र्. स. ५६४ . ग्रेश. रे. ट. सर. सर. . मक्नि.त.मिट.रेट.भ.रेश.हेरे.तपु.उरेश.मू. १००० ही.मू. ७०३ ब्रु-नुःविक्राक्षेत्राच्याः कुषाःविक्रियः वर्तुन्तिः विवादः বর্ষ্ট্রবর: বৃ. কুম. শু. কুম. শু. রুম. দ্রিবাধা বেছে বৃ. ধ্রমা বেশ্বর चिर्मेशक्षेत्र, हुर ज्यारीय, वर्षेत्र हुर हिर चिर वर्षेत्र, पर्वेच विष्य हुर, र्वेचास नाअप हि पर ब प्राप्त बन्ना सार पर पर स सि से से ना प्या नी स क्र्यासी र व्या हे रया है त्येय र से रा

स.स.ष्ट्रं प्रियः संस्थान्यः स्था स्थान्यः प्रियः प्रियः

चीक्ष स.च.भु.सूच्या.चीक्षभःमु.सू.५०० ही जू. २४,२२० भु.सूच्या.चेका.चीहरा.

स्त्रेन्द्र्यक्ष्यं भेषक्ष्यं अभ्यत्यद्वरं क्री स्त्रेन्त्रं क्रि स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्रि स्त्रेन्त्रं क्री स्त्रेन्त्रं क्रि स्त्रेन्त्रं क्रि

याते व्यात्र सुर्येद यू यादे विषेत्र केंद्र क्षेत्र की सिव की मित्र कु के वहा शरश मेश मी तर्श सूर ४००० रेटो ही मूर ७००८ सूर मी वेची भवे. हर्न मिल स् हुना भ नी ३ इस मी यना ने नार व रहा में स्था हुन हुन स दशः व्याप्ता स्थान नीयान है अवेट्या के वे प्राप्त के श्च.भ.रूभ.तस.रेयट.यश्चैर.चोषट.य.वश्चो र्थ.रयश.७० च.६्भ. नर दुः त्यते हा अप्टा कु क्या में र अदे द्वर वहें स्वाहु दिल्हा दे दे सुन्या महिना केंस दूर। सुन्या महिना सुद् गु देने द्रित्र पर मिर्देश निर्धे पर्दे ने शानुका मिर्ट हैं र द्वर का मेट दिक्ष शास्त्रें गुट । ननःकरेन्त्रायदेश्वायदेनानुनन्त्राद्वर्षेत्रचेत् देवर्षेत्र स्टि:क्रि.र्यट.कः ३मश.रा.हुनी » स्वा.तर है लयु.स.स.से.हुट. यहः मश्चिमः स्त्रे : तुष्यः शुः वेदः विष्यः श्वेदे । वदः विष्यः स्त्रे । वद्येषः यः विषानिया मिर्याद्वर् से हेरी से हैं विष्य मिर्म की साम होती । श्चैना विवास पर्वस तहीनास मार्ग्य पर्योग प्रेन *ब्रिं*ट बबाक्षे क्रियानमा या प्रदेश न सहंद र े क्रिंब खुना न र र न प्रा वृर्यंत्रसम्ब्रीम्। यद्मा वर्षे त्यस्य किर्यास्य विषयं में त्राप्त स्वरं न्हिंग ब्रुट-७२-माध्य-१५६८-५८। ब्रुट-९३४। (हे.धे.) माध्य-चॅर्ने नु तह या है हिर स्प्रे की विना महोर नह या की है क्षेर क्रे-क्र-क्नि'न्टलक्रि-क्सम्बन्धन्यः सन्देन्न्यसः <u>न</u>ियनः दिन्नेससः । । सूर्याका मिलाप्टन, क्याका क्षेट्र भाइरी क्ष्य क्षित्रीय वका तूर्र भी क्ष्य. सिर्याक्ष भर्तर रचा लान है ग्रामार्थे एके लिया। सिर्या सर्भ कर्म है र

श्चित्र नार्केर नार्य म्यू असर निस्म नक्य के वार्स नहिंग दिल निर्मा की गर्भ मुंभःक्यः न्नानः स्वानिः चः चरः रेमः चर्मे र मुंदः दुवः वरुषः वरुषः वः नान्तः । त्वेनश्रर्भा वेर मुं के मही मिंद मी सुं रुष खु मुय शुं दे रहा मूं श्र सरीय त्याद त्या प्राचिता प्राच नर निर्मानुद नीय विराद्ध र प्राय्य निरादि र प्राय्य निर्मान स्तर प्राय দী'নাম'খের মি'বর্ল্রা র্নিম 'ব্রীর বিশ্ববম' মা'নারনম 'ল্রী স্থিতি বিশ कराह वनाव प्रश्निया ने मेर वर् राम् का मार्थिय में वर्ष रामे र्नासक्षर-निर्देशहस्यावहरान्गान वासुरा क्षेत्रात्र वर्दे र्राट निष्ठ र ता वहा निर्धा में ज्या १९०० वर भीना क निष्ठेन चुर ना स मी नियान नियम केरल भी मिर्द्य मीमा माइया वसा नुरार्भित्य सरेता देर वहेर नुने रहे पर वे केंस नु नार्स सुनुरा परेचा हिंग् ०७०३ वट रहेरे हार में वन रट कुटम स्वना नविना है स मक्ष्मस क्रिंट प्रमिर पहिंदे प्रस्ति । ये हिं है । स है है ब्रुच बर नार तक्ष्मश सीना निष्ठे र हर बुर लिया वे र गुर वे र नाबुर मीस.कुटस.लुमा.टु.ल.६.एड्र.१२४१.५२म ।८नुब.इ.८८। कु भैवे सु र्दन वस स महमस है दिनास नहीं नाम न देनास न देनास ने देनास न न्ग्ने स्र्रिपास मा रिने रिन्द्र केंद्र में में न मान सम्मान से म नुर्स्रवसः त्र्नानुदः वसः नु वना भीसः स्ट हमास नर्गे र्यादे स्ट स् क्षेन देश व्रावर वर वर बुक्त केर खनका विहें पर हेरी व्राकृत वर् भुद्र, रट. चीचेश ही पेहम, श्वे. त्रेव. त्रेव. त्रेव. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. व्ये. मर.त्.त्र.१८.७ र्बे. वक्त.त.५८। क्रिंग.पत.संबर.रेत.रेक.

च्र-नःमुल श्वेते मूर्यामवुव नहेंना पर्ने नुष्टा या ने हिना मामेशा ह्या यर द्वि 'झे 'सर 'यहर 'य र स मुक्त मु र मा मा बुद 'य व र मु के हि म मा ৻য়৾৽ড়ৢঢ়য়৻ড়য়৾৽য়য়ঢ়৻ৼয়য়৻ড়য়৾৻৽য়য়৾৽য়য়ঢ়৻ড়৾৻৽য়৾ঽ৾ৼয়ঢ়৽৽ वस्त्राह्मिर वस्राध्या प्रतिर रेपेर यासे व रहेर | देर स व र हा से स वें रें कु र्या देवर राष्ट्र वा प्रति के प्रति है । प्रति के प्रति मानीर्नामानसमार्से तिर्मर स्पर्नामा नित्रे हर हैं र दें र हें र हर इसथासानुदानाद्दा। सामर्कमसानुः रूद्रम्यसामानव्यास्तरसञ्जाः नर्देर्भगरूरम्भायास्यास्य सुन्तुराविदा। कुमाराबदान्तुराहेने स्नुप्तं ल्राम्भागास्त्रेन्द्रसम्बद्धाः मुख्या कुन्त्रम् वस्त्रम् नुप्तराकः स्पर् क्यान्तर्भित्र्भित्रम् वित्रास्यान्त्रन्ति देशस्त्रम् बरामिराल्र्राक्षेत्रकार् स्रिंग्स्रार्थर नावसानुदाना रेग् हेसान्द्रिण्र परेच १४७०३ जू. प्रिंट वंश झे. शर. रेशची. रेवेट . व्ची. परेट . प. जश. र् .लीय. ४ ज्ञार. कुर. ज्ञारी स्थार कुर .लाम. यथ. यथ. र व्येत. हुर्य. न्मना नर्वे इत्सर सहया तस्त नु तर्ने क्वी तस्ति वार यह एतर वे न न् वेरः नेबः अप्याप्तमान अपन्य दि । वेर् प्रमा ंबर,रचुव,रअच,रातवय,म्लादिक,मिट्स,मिट्स,मुक्त,द्वीर,कु र्यट.भक्ष्य.चंद्र.स्याक्षास्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य र्यो अहि द्वाराय प्रति रें ने निर्मा बुद्दार के द्या स्मेना के ना यवना है। अपन्न र्रे र र्रे लपु सि म म प्रीमेश हैत्य मिल क्य प्र र र पर्य सि स भगु.रेश.सैंचा.सच.कृट.। चयारा.रोचा.रेटा कूचेश.कुरो झ.रुटेश. र्नार मिश्रम दश ग्राट रम सुना स्टार ने रिट्स रहेण देश द য়ৢঀয়ॱदेरॱवॅद्'पशःकुषःश्चेते वटःद्वटः ठदः ठः ठटः अदः प्रदे प्रदे मूं अः

समुदःलिना वलना यः रेद्। केटसाधिना देशासा सर्वस्या दृदः। र्हितः मैं व्रेंच घट इससामस से इ तुसारा देता केटस सेना देवे वट ५ वी र म्बिट्नी नगा २ तिहित्र से २ ४ ने दे दे विना मुलास्य न वर १ नग सुरू ग्रेट हु चैश भु वे . त. चेश पर्या शिम क. रेर मी रेग मी श्रेट चाट.लट.चाराज.रोष्ट्र.भुंट.र्स्चरा.सु.चीज.सु.वीस.भु.वीट.राजु.र्सिट्स. श्र.ची. यता. मोर् चोश - कुटश ल्या. टु. चुर्हेल प्रेंह्मा. हुर प्रसंत न्तुव हेवे नमन नस्ट व्र वर्ष स्तुर नवेब नुर । दे हेब पहचार्याः कृतः नारः प्यासुभाग्यं द्रायः सः रेता मुःद्राणः नाजुरः नीयः बट.र वेर.हर्. कूट. ची. त्रूच. बट.र र. मी.बचा.च बंट बंश ही चैंश. वेंश... म्बर् देदे प्र देवेर वर्षे के हिर्म किया ने निमाने के समाने नरे १. नेचे १. हुंचे क्र्यः में क्र्यं वटायेचे त. वेश में भू रेटा अवेश हुँचे ... इसान्तुना। मुला हुते मूंबा अह्य दे हिंदाना निमा केंद्र व वेद्र वर म् अद्र नियम् करे दूस्य अना क्ष्मर नेश ह्माय क्षम । निवेद हेल हेल खूर परंदर प्राप्त निकाली पास हैत। अपका हेर न्त्रेश्ह्रेर्टा इ.स.चेश्र्याकातालयः वट्ट्यटानुनावात्त्र्यः यदेः र्स.भैचरा.चेचा.लुसा ०००० ज्.र्डिस.इ.चोड्रेस.स्सामीस.भवेस. ब्रिमा नविना सन् रह नारेश मार्था स्रीता हे मुका हो है र सर्वा नाया ट्रे.च्र्रालस्बुल.च.व्रेट्रान्ब्र्स.व्रुच्यात्व्युः व्याःच्युः त्रेट्राः व्याः मुर्थः सर्वेषः पर्देशः मुर्थः सर्वेषः नावेषः रचाः क्ष्रः मिनः पेनायः वेषः नशः सः ट्टू व तितारी में भूशायन जुर मी ह्र्मी रेसट क मेट लंद

बेर्ध्यप्**টेन दे**रामुकासम्बेल्बका स्टॅर्डिंग केर्प्या स्ट्राह्य स्ट्राह्य चूंबासवुन नेनेबार है दे खुरा हु 'सेने 'सुन संस्तृ है स्वा विरंख मीर्नम्बाक्षात्रस्यान्द्रम्ब्यानानेत्। खुन्दान्नामीहिरानदिखः र्दायदे केर हेन यहेर रे गणस्य में मेर यार्टा वर हैर लेगा *दे*त् देवै:वस्त्रेय:दश्रातु:बन्सी:सदा**र्यःअर्**गदवै:न्खुन:बैसानी: व्याप्ताञ्च : रहराने विराधरा भेरी प्रतास भारती सेराहस है। इति र त भू जेर र ते । जुलारे सार र द्वर मार थर थेर या त देत्। माबुरादेशस स्याद्यराखेद् सेन् क्विकान्साकुराई स्व देव र्स्वरम् ग्रेप्ते अधेरा छेरा छन । वर्षा कर्मा वर्षा कर्मा वर्षा कर्मा वर्षा कर्मा वर्षा वर वर्षा 5=1 द्यः निः देश संस्था सं विना दे सिंद्र हुंद पर्दे सं देवा महिना हुस ब वर्ष प्रमा वा बना प्रमा १४०० वर की प्रवेस व रे प्राप्त से बिन्स यदे हिन देश है। के व के व कहिया हमा है विकार भेग पना ग्रमा द र्राक्षेत्रक्षित्राचेद्रं नेद्रं देशायह्यं नादा अदा सुदा अद्राया सामेत्र र्डिकाक्षेत्र विनावित्र वित्र विनावित्र वित्र विनावित्र वित्र विनावित्र वित्र वित् वर द्वा क्षेत्र के प्रतिमान हो दे के निमान मान मान हो यह हा मा ५८। मर्डिन्स् मर्टिन्स् नर्मी प्रमुखानारी दुर्मेर हिटा रेड्सिन पर सुनिक्ष मु प्रदेश न है दाय सदार्थे वुदा स्प्रेन साहे किंद खुन सुनिका यदै केट केन वेंन क्याने देव हुट हेन व्यद्भार नाम वेटा देव हमान्द्र में में नेर्पिय मुस्ति मार्थिय निर्मे के मेर् मृत्स योग्स वें भेर् यारे र केंद्र भेग नासर यारे स नारें से से र स्वयः उ.स्या चेर् ता मे च्या से त्यूर हेर देवे व हेरा चेर् ता मरणार " पद्मेल.च.चेर.कें.ट्र.चर्बना.च.च्रेरी कें.भक्ष.चेक्रच.ची ह्यां.भद्र.क्रटस. ल्मनान्दरम् न् निष्ठश्रस्य निष्ठश्रस्त निष्ठा मार दर ने निष्ठित निष्ठ स् मल्यायादा महास्यायाची विक्रांत्र्वादायाची महास्यायलयाः **च**र पहेर्यस्तर्द्र नेुन्स्र स्थानस्य हेन्। साम्य र्दा वेद्रद्वर पर सुन्धा गुर्वेषाय दे छोट यह दट यस मुन्नर बटानाबमार्देनाबाचुन नार्ट्याद्यां नाटान्नरायटा। केटबायेनाः इतर चेंद्र वर्षा कु वना नो खुद्र हं रव जेर देंब प्रहेद हेंद्र पेंद्र पान रे**रा** ५नुराहेन्स्यर ५नुरायरेस दुस्य सुम्यास्य स्वास होना सुराय देन <u>त्र्राक्षाम् मान्याप्तराज्यस्य</u> । हुन्याचित्त्वरता रहेयाहास्त्रेतास्याच्याच्याच्यास्याच्यास्य स्रोत्याः कुःस्रोत्यायः द्वित्यः स्रोत्यः स्रोत्यः स्रोत्यः स्रोत्यः स्रोत्यः स्रोत्यः स्रोत्यः स्रोत्यः स्रोत वि=। नेर-महेराकु'रामामोशन्तुर-६'न्दःसःसःनुप्तिःसःसःगुर-महिरासः लूर्.मिटा मी.यंचा.मुका.चूर्.जातव्य य.जहंता.टेका.गे। टे.जपु से कालटा वश्चर व्हेंस सेवस नायर द्वेंस हुट विटा वेटस देर कु नार दे र्ने । इतः सुर सुर देन स्वयं पर रेन १००० ते से रेन नमा नुसर क्षास्य पर्शेष्ट्रा स्थाहिते मुलारे स्थाहित्सा हेरा स्पूर् हिता १०० व्यमु दमानु र व्यम् पुर हे चेत्वर मेमु हे ये प्राप्त प्राप्त प्रमा कें दे र्गोय मिं कर रे कु रमग रमग र्चेर केंट वर रम हे चिन विटा वर्रात्र लर्रात्र लयात्र स्थाया क्या के सार्वेश के ना व्यास में तेया सवर श्चेर वर्ट हे वेर रट र्वट रट वर्ड वार्ड ट सर ...

मीर,तार्रेरी ४००४ वेस. ४००० सूरमी रेकर मिसार्चर वेरायद वे पहुरासानुबादर नुके तरा निवर्षा सर देरवर दिर स्वर स स्द्यालरामुरी मीमुपुरारवित्यात्यनीस्वर मिर्धियत्र रिप्ति मि सःबुन्नरःतसःसुरःबेनसःगुसःवेर्तिरःतरः स्टानदः सःबुः मुलाम्य हेना क्षेत्र सर्वे महस्य यञ्चनहान्। विया क्रिना ऋना ऋते व्य हर मि अन्तर सक्तर स्वार हे ने राम स्वार स् **दुना-,**'क्रीन्यर'च्रित्रें ह्रिक्षा डुना-दर्गेन्,क्षेत्र' इक्षा डेन् क्रिक्ष हर दिन् कु प्रेमाळ वन्य नियम सम्बद्धाः मेश सम्बद्धाः म्बुयः सब् एक्वी सरमास्य मृत्य देश का देश सार सरका ुका क्वी सम्वेत से क्वा शहेर्हित्रमहर्दे वर्षियं देशकर महरूर क्रियम ह देर चुर्ने ने स्टार्यटास्टायद्रे जूनावृता । स्थायार्ह्य है शास्त्रे <u> इयास्याच्याद्यसाप्याः हेरामालेश्रीयाम्यो। वयाकरारीहराष्ट्रा</u> महिनासूर स्रिन्ध्रमार्टे स्थ्रात्राच्या । यर स्रम्भास्य स्राप्तास्य स्राप्तास्य कुरश्राक्षत्रानाराभ्यायवनात्ररायहेराराष्ट्र हे र्रेट्यर्राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्री <u>रवदारदावद्य, ने पूर्वासदेवाची माहितु, नोश्याहेदलाल्त्द्यानीमाहै।</u> द्यरामानुरामानेता २०२३ इसामात्र (त्रित्र) मिनामीनसामात्रा तित्रार्धराहेन्यू रान्या कुमेने सुरहंगमेन परिक्षा नि र्वेश्वर्र्ध्यार्थ्य् राम्ब्रीयायिषा स्त्री. व्यामश्चिमायाय्यायाय्याया दश्राभाद्यात्रह्मश्रामुश्रास्पुर्द्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान वर्जेस'य'नेवे दर्दानु देश हेस वें ने के कें र के के विस्य प्येत हुंस नरा मु सेर वेर् दर मे र र र्वर र वेर र वेर र देश य र वर पहें द व स र र न मु दन अ . क्व दन दस में स म्युद दे त्य में न सर निस येद पुस गुर दे ...

<u>इस्ममुःद्रना मित्रम्भ स्नेत्रम्भ तम् न</u>्युं स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स বর্দ দ্বীর দাঙ্গির রম মিল দ্বাম বর্ণাদ উল । ক্রম উদা ভ্রম দু **भैना देर भेट दर अयोर्न पर देवे वट नम्ब**य कु बन मे वें पर प मीसःश्चेदः द्वासः चर्लेद् सेदरः द्विससः श्विमासः व्रेवा दसः मुःदवाः चीः विद्यासुरुप्ति प्रदेशम्बद्यासुर्याम् एषटा**र्वेन** स्वार्येन दे:खर'नश्र्'कुंद'२दे क्लॅर'ब्रोट'ॲंश'द**म**'चुट'श'कुं'केश'वॅद २दी'कुं' दना नी क नश में ना भेद रहें भारते हैं न गी भेद गा में द द द मा से दे र्यनाः भ्रम्यर नेर् द्रयाचे नुसानुसा सेर हिरा। रसना केदान्हेसा पर्ने अपसार्था भरा चेर् पर मानसार्था खारारे हो। चेर पर्मेर मी मार दशः क्षु दना दु दशना समि वे स्थ सुद निर्दे स्वत्र सुक मुद निर्दे स्व यामारेदा नुसाम्भवसादेरात्रहेमान्त्रीयान्त्रीयान्तरीयान्तराम्या मद्रश्निद्धःश्चेतःनुर्वः पद्गःत्रभागःनुन्यः क्रे.नुष्यः क्रे.नुष्यः **अवसः दे**रः दे : ५५ : विवा : देशः परः श्रे : दुर्मिश्यः यः श्रे : युरः सर्वेदः की : स्रेदः . . . न्त्र विद्रागुर स्रवस रे कुयानव नावर न्त्र ने ना नी हो र स्टस द स विदर **૾ૼૼૼૹ੶ਸ਼∣⋠ૹ**੶ૹૄઽૹ੶ઽૢૺ૽ઽૢਜ਼<sub>ૺ</sub>ૢૻૺ૽ૹ૱ઌ૽ૺ૱ઌ૽૿ૢ૽૾ૹૻઽૢ૽૾ૡઽ૾૾૾ૺૡઽૹ૽ૹૢૢ૽ૺૺૹ૽ૡૢ૽ૼૺ૾૽૽ नर्मान्तर्वरात्रा हिंग्यर १०५० यर देव हे से स्टर्स पापदेखेल मिना मी मुं द्वन हैं हिं न १ १ में १ मुलाद्र 'लटामुल प्रयानविदाद्यामी मुलाद्र 'द्रास्त्रमाट्र पञ्चेदस ल्रिन्यन्ता विवावताने के वे क्रिन् शुक्षण्यता हिन क्रित्ता वा

स्यान्त्राच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात

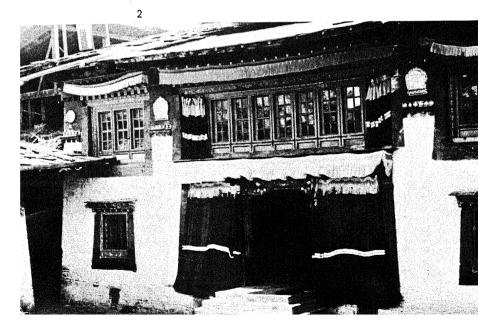
१००० लूर.में.भु.५सूर.सेन.ट्र.सर.क्र्य.सेंट्र.स्

द्वेन है। मुन्दना दुयः पुनाय हे विदा नेद स्थय दुयः पुनाय वर नर्-रुकाञ्चनकात्नात् प्रकायामु स्वरादेन्-रुपर्कत्त्रह्मामुकानद्रे-र्नुसःभ्रवसःचुदःयःवर्नेतःस्वेयःधेतःणुदः। रेःवित्रे वेदःणुः कुषःरवस रट.चर्रायः वृद्र्ययः मैं येचा.वे.च्यर् राजद्याः वेदात्ताः विदाल्या मैं मिट्य.पिट.पट.लट.सूरी ७७३९ वश.रेश.टर.७७४० जू.चर.पूर्ट.चस. मुभास्य मुल्यान्त्र सुन्द्र द्रिंग् द्रिंग द्रिंग मुन्दर रहा यह दाया ... लूट्य.श्र.श्रे.सिट.कुट.। ड्रियय.पीचाय.मी.चार्यस्टेट्य.मीट. ४७३४ वट. . र्ष्य्रचार् म्बर्ग्यार्थात्या मान्यास्यार् र्मात्मा केर मुल हो दे विस्त दि सम्बाध के लिना वा प्राप्त निमान्य कि निमान विश्वालूर्याचार्या स्थानी भक्ता द्वारा स्थाना स्याना स्थाना स्थान बिरक्षा, नामाया छत्र में क्रियाया नेया। १०४० स्ट्रायर परेत्या मुख मर्दे च्रेर्-द्राष्ट्रिस्य सिवाय जेर वर्ष्ण्य हेर से वास के स्वति के स्वति के शुद्धान देते वर है न सक रहेंद्र वा १०१४ वर मु से सबर सेंद्र वित्रभ्रवसः वित्रणे नावसः स्टाय के निर्देश दे र में पर दिवर पर प्रवर्गः क्रिश्चर ट्रास्ट्रिस्ट्रिस्ट्राच्या । विषया समानिया क्रिस्ट्रिस्ट्रास्ट्रास्ट्रिस्ट्रास्ट् बना विद्यानिन्न गु द्याय बद्य परि मु अर्वद बुख पुना हा उद सिद मन्त्र। देर महेत्र १०११ - १०११ मु माद्य द्वार दे द्वा ने सन्तर् ब्रे-र्ट्य-र्वे-रटा हिम्बा-तिम्बा-मिश्नामित्र-म्बा-ब्या-मी-व्या-मिश-ज्रचाशःश्वीर टर्ने तर र त्यक्षित्वी मुत्रायय केना स्पर पश्चिर ख्र्राप्तेची. कुश क्षेत्र श्रुट विश्व पर्येगी

## ज्ञेड जित्राचा पर्वश्तरहिला

क्षेट्र नक्षेत्रक्षेट्र प्रस्ता क्षेत्र मुक्ष प्रस्ता क्षेत्र क्षेत्र मुक्ष प्रस्ता क्षेत्र क्षेत्र









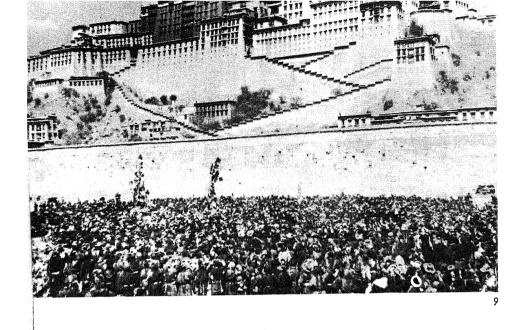






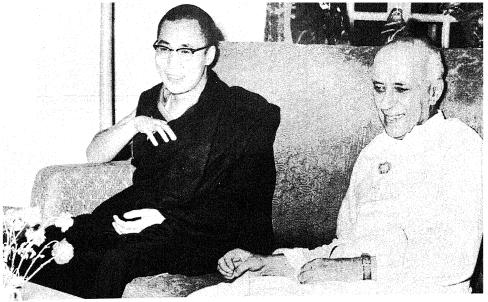


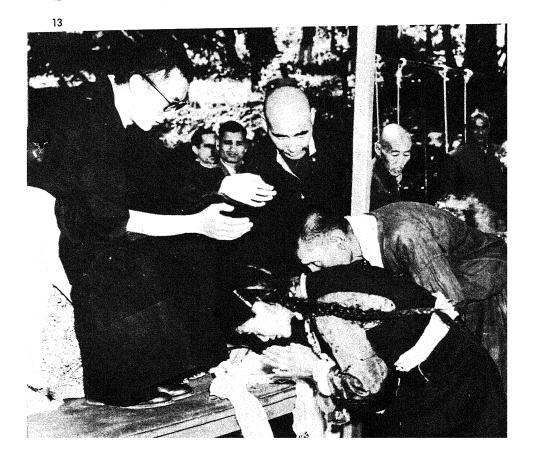












अमिर्दर्ग काम्परी 2646 विष्टिए **के た(むの(** \$01/10/(mo) givi माममा के (न हर्ने त्र का 14311 Little ma परिवर्गाक्षकां (वर्षात्र) m do La Minimi 12000 ब्रिक एप (केर glimmi क्षर्ण्यः न्यम् Jypyte 500 ممررمار छ। ५१ वरपर

क्षेत्र. बे. प्रवित्रः में इ. प्रव्यायन प्रवर्ति । प्रवेष हे. प्राप्ति में मी. चीरा यता.सीता.पदबा.तर. रूत्रीका.रथा.बी.वसीता.कुरे.सी.क्वा.कूत्रीका रियो... चढ़ी चर्सेश हुन । सि. १५८ ११ . से. ११ ४४ . भ. हुरे . मूट मी मानव है . १ ६ मिलिदायादार्के दे रदाद्वदारदायस्य गया हे सामार्थेदायाद्वा 🏻 🍇 लय अव्हिर अन्त । प्रिवेश मानुष्ट प्रशानी नार ल र द यह व स्थुर वेश मर वहेत्र वें न कु सा करे किया सा वाय न दा वहस रें मास रस हो न . . . वयकान्त्रात्रात्रा विन्तिः केंद्राः केंद्राः केंद्राः निर्वा निर्वा विवा में इं र के हा। कार्यान विहान का मुहाया में निकास मुक्ता मुक्ता में टार्क्ट दे स्मु क्र व र्टा के र व्रथा से र त्र्या । त्रु मारा मानु टार्कर टार्कर ध्रुंच हुंब विश्वानाशला ने। ची.चार चिवार वश्चारचा तुष् रूचीश रथा ही राजी विया या नाम मार्च रायहर या राष्ट्र । मार्च राजा वह ही दिस्ता वयश्रासासी प्रायम १२०० व्योसास में स्वाय है । स्वाय है । सी सामिता स्वाय है । सी सामिता सामिता सामिता सामिता स चित्रायः भूनात्रा क्षेत्रा चर्हेद् स्वरायः देना द्वा द्वा का यत्रा राष्ट्वी नाहिना सुराः मावसाया वेस हे ग्रायुट्या

सीयर.क्ट.भ.मैय.क्य.यहूरे.तरःत्रदेर.झं.प्री.कुर.सूचे.चेश टु.हुस सीयश.क्य.प्रेट.खंटा क्य.ल.प्रदेश.झं.प्री.लट.ट.ख्रं.प्रटा चातर.स्य.क्य.ज्य.खंट.प्र्यंत प्रट.तर.ख्र्याश.ख्रं.प्रटा चातर.स्यायश.ख्रं.प्रट्यं ट्रे.ख्यश.प्रटा चायर.स्यायश.ख्रं.प्रट्यं ट्रे.ख्यश.प्रटा चायर.स्यायश.ख्रं.प्रटा झं.ट.ख्रं.झं.स्य.थ प्रट.खंट्यश.प्रटा चायर.स्यायश.ख्रं.प्रटा झं.स्य.खं.खं.द्रं.प्रचा ट्रेश.ह्यश.प्रटा चायर.खं.प्रटा च्यापर.स्यंत्र झं.खं.खं.खं.खं.क्य.यं รมูนารุมๆ วัรุารุาสส าดุรู่ณาสูญาส า หิรุแ่ รมูนารุมๆ วัรุารุาสส าดุรู่ณาสูญาส หาริรุแ่

स्थानक्ष्यात्ते द्वा कृष्ठी मार्च विषय क्षेत्र क्षेत्

लूट,श्रेचक्ष.झे.कर, चूरे.चीबेट,वक्ष.झे.रेट.। खे.घ.कु.चिवी.कूर,श्रुंच. हुं य. वेश. हे। मिट एक द्व. पश्च व. प्रेय. प्रश्न. हें य. प्री स प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प च्रं.मु.रचार.रचर.संर.रक्र.रहर्र.रच्या.यहूर.वैर.र के.संर्.तिर. तक्षुय**ॱने**ॱक्र**ॱ**नुसॱ५ॱ५८। क्षतसॱने र दः स्तित्वरु नुना स्थास स्वर् लिटा हर्या कु र्स्निय माने र प्रांचु स्मर स्वायस्त्र स्मर स्मर स्वाय प्रदेश ब्रीट.ची.चोरसरक्त.चेस.ची.कट्.खेट.। हीर.ट्र.ची.३मस.ब्र्ट.चट. षदः सेद्। देर'यहेद'दस'र्चन्। सर'वगदः न्ना'वः नुवा'वः नुवा'र्वदः न्दः । सश्यास्त्र मिष्टिशान्त्र मिष्टा मिष्टिशानि स्तर् यदेवारा के त्या व रक्षा यक्षा प्रमादा प्रमादा है । विकास के प्रमाद लन्, मः भः भः मुंदर्शास्त्रं पुं, तेयर मुंता द्वा गुं, तेस तीर हर हर हर हर हैं दे नावुद्दानी कवा केदा असका दसका क्षा क्षेत्र पर्येदाया ददा। स्वर्धीय ४.७८.**%रस.८.७्र्** पु.चित्रेट.यट.भु.चीये.तत्रु.चायस.क्षेत्र.वैट.बुट. क्य.श्रेर.श्रेंट.केटअ.मेट.भेशका.मेट.मीट.हे.श्रा.कता.क्रा.चरा.ट्यारा.... नवराभागाँभाववयाचेनावरी नुयानीनानु क्षेत्रयार्भेना नाळावर्ष पहिंताची हे बर्रा हु ते हिन प्रमान है ते हिन प्रमान है ता स्वार स्वार स्वार है । याद्वरायान्या अयाकी करामका क्रियानग्राचेन सुवार्व म स्य द्या में केंग हिंस पर पहेंब केंग साम केंद्र केंग साम प्रीता मानि निमानी दे तर्व था कवाश केव वसामुन मविव मुस सर महेव ८.९ ४ मिण रतस्वर मी चोरस क्षित्र हेव ते चे वर्ष स्वरं रदः ने तम् । तम् । त्राप्तः द्राप्तः न्या निष्यः । वर्षः निष्यः । वंर ज. र.कट, ट. लुर, मेटा कट, टिंदे, टेंश, श्रेंचंश रे. सेंच प्रसेंट, स्मी रट.ट्स.र्स.चंट.सैय.ग्रेस.रट.चो.सट.राजु,उच्च्रिट.सुच विस,

त्नाक्ष रुष मी मु द्रमर मी पि प्य मेरे प्यते प्रमाप प्रमाप दे में नापेद र्टा नरुषा तो र र में वा नुटा । शुनाषा स्था स्था स्था हो सह र ही स्थान व विकार् निमाल का का माना स्वामी क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा का माना माना क्षा का क्षा माना का क्षा माना का का का क শ্রীয়য়র্বর বল বর্ত্তর দার্জির রবি শ্লির বর্ত্তিম মন বেন বল বুলির বে শেরী श्रेयका पर्दर स्वराची माने राज्य स्वरा चिंद दे दार्क भ्रेस यह ब्राट मासेन हे क्रिंट श्रु त्रु मार्च प्राय मार्च हा मानदः ने स्वयः। मु से दे नियः दिना विद्यासन हि मानदः सदे स स्यादेर कराणी पद्राची बैरानी श्री किया श्राश्ची खनराची द्वरा कार्यर न'दर। न्विर'न्यर'म'मु'द्यर'मी'द्यर'द्यन'द्यंर'न'न'हे हे । ८८६४ स्मा ७४ मी नावस द्वाराम हैन ना नी नेन संस देवे वट मु नसर हुं सामहूर नासमारी टाष्ट्र साम्रामा स्थापन हुं सामर ह रदार्यदार्श्विर केर स्मिद्देश महिरायले बातु के बाती र्यदा का विस्ता त.रटा ४ट.३र.बैट.बैंच.रभ.चर् १.छ्चा.रे.चलेचा.हे.रभर.च् त. अ. म्रें र. म्रें र. म्री. मर्थर में भी भी मर्थर में भी भी मर्थर में भी भी मर्थर में भी भी मर्थर में त्र नहिंद्र देनाश्चा नेद्र मुंजना ने क नियाम नदेन पर हैं से विद्रास <u> इचाराम्यत्य दे मूर्त्या स्थर स्टायमाय स्यापन्त</u> म्युर्धित स्थापन्त मह्र्र हुए। डे.च्याहर झे.यर में रेयर में अंपर में व्या झे.वर परे ह त्ते. में बेट. में देशर. में दिन ते में ते बेचा संमें के ति हों दे वस्तुभ ने दे द्वाँ स स्वास १८ वा । वाय श्रेद विंद दस यस दें दे दे त्युच ४ मेर् में मेर मेर मर् म लेग हों मुके हिस पेर पुरा पर्या यर मिट नीस ने दिर अट से दे पहेंदे और मिट ने पर समय प्राप्त

मुक्ष'क' क्रिना' केव' प्पर 'मर्चेद' माम माना मुं मेदी 'प्रकर देव' देव' वंतर्यायहर् निर्मासमाविदानी यस त्नातर भेताय भार द्वारे दे या क्रसःसबुद्दानुष्दान्द्रसःपद्वा ।देसःनुःसदिःस्वाद्वाःद्रसःवरःदेः झ सर दर्विर <u>ह</u>ेश क्या सेदी है श्राम है प्येर पर र्हेर विच मास्याम श्रुप्त मी वर्म । स्रवसादिर वर्षे देव पर् देव वर्षा वर्षा वर्षा सहस्र होता मीताष्ट्र्यायास्त्राचेयास्त्रम् स्त्रीनास्त्रिं स्ट्राट्टि प्रयम् स्त्रा स्त्री स्त्री स्त्र लंबाह्य के मार मी श्रिव के बिर ले स्तापनीय बादवब र मु प्रा मी. श्रु. वंश्रामित्रे, वंसीयाहा कुर श्राम्येर मीट ही वर्षे वर्षे स्त्रा स्वयं प्रेश ब क्षेत्र है। कव सर् वे नसन निर्मान है। वना नावुर व को नो एमुलायमार्ह्याम् मृत्युटायटा : ५.क.स्व.४८८वसारमारमावाह्यास यर यहे ब. र ट. र जु. र वर किर की. भहत सेंचिश उन्नेत लगा वार क्... यश्चर मार्स होर पर्रेर खर् खनासरा मेर् रसमा दहन प्रवार हराया इंसरा क्रेर श्रुची रचेर्या मी रमने चर्र सर नद् र एई या ठ्या पा क्सस सुर त्रे र त्रों र त्रोंस सन्दर्भ नहेंद्र र प्येशा

अवश्चेरः निक्रं क्षेत्रः त्रित्रं क्षेत्रः क्षेत्रः त्रित्रः त्रित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः त्रित्रः क्षेत्रः कष्टित्रः क्षेत्रः कष्टित्रः कष्टित्रः कष्टित्रः कष्टित् व्यवस्तः कष्टित् वयस्तः कष्टितः वयस्तः कष्टित् वयस्तः कष्टितः वयस्तः कष्टित् वयस्तः कष्टितः वयस्तः वयस्तः

भ.चैट.व.लटा चर्णाय.चना.वंश.चह्र्ट.वंब.कु.चर.चंद्रेव.भवर.वेची. चिट्ट के ते दे ते ते त्या ३५ तहें न विश्व प्राप्त के विश्व के विश् लट.लट.लूट.ची.लूटे.ची टन्टें.ची टक्ट.यट.चढ्डें.ची.चश्रम.ब्रैज. ल.ट्र-रट.व.मब्रि.मडियास.इट.बिया.क्युर.चार्यका श्रु.भट.ज.रेगार. हेर.ह.तर.वी.त्र्य.धेत.भवेस.वे.ह्य.तर्ट्य.लेर.वी.त चर्-भे-क्र्स-र्-पत्स्व स्वः सुर्यान्ते नीन नु स्केर नहेन् लिटा दरा रट.हेर.ज.श्रीट.श्रीच.वेर.चेर.चश्राच.जश्राक्षय.क्षेची.त.श्रासट.वस.. नत्ना नहेश हो द में में में देश देश देश देश देश देश हैं में ही न विस.चेटा भ.ब्रे.च्रेट्.श्रेट्.ख्रेच्.ख्रेस.चर्ड्र.चाडुच.ख्रंच. र्ह्य नहर न्या की सार्वा महिलाहे व्यासहाम गुराहें हु स्थाय के कुससा हिर्द्धाती कर नामुरी मिर्चे केशाम रेचर के क्राम हैं रे ते ते ते ते ते विष्ट्र अवत्र नु ने न वहन विन । देव नाय नैव नु के वे वे दे दे नाय स चर्चित्रास.ट्र्स.ज.इ.चर्नेर.स.रेच्र्स.बेस.सटचेस.द.क्षेत्र। ज्यूचर्छे. चक्रदे, मूर्म मी. कुरा पर १.८६७. धेचरा. में त्राप्त मी. भाइ. चुचरा. धेर...... नाथम् क्षेत्र सर्वा है । वैद्या में त्या में निर्मे निर्मे स्प्रा है । विद्या स्वाप स्था है । कु अह्र स्नुन रुष नासे - र ५० व्यक्त स्व मिर्ट र निर्ण लेख ना न स्नुर पेश्यस.चे.स.चेस.पेचंस.जिंह्स.की.प्टेट.कु.जु.ट्चीट्र.इट.प्वेची.त.... देश.सर्वर.ट.कूर.ट्रांस.भाज. कुरे.त्.वैट.। स्ट्रेस.ट्रांस.वीय.कूर्यंस. कूर्यक्ष. कुरे. वें हुरे. हुरे. कुर . चूर्तहीर . कु. चुरे. तट . प्रेथ. वें या हैया. चूर क्षेत्राची व्यक्ता मुक्ता मुक्ता मुक्ता मुक्ता मुक्ता त्रेया म्य द्वाया वे नदेव नदे नावस खोग हे वर छी देश हैन वहीं लूर

क्ष्मार के त्र मिर्ट्र हैं मुं मिर्ट्र के मुं मिर्ट्र के म्या के स्था के स्था

मिट्य. ट्रैट. हो। ट.क्. प्टार्चट प्रटाचद ये खुर ते चे के चीम ता हिष्य.

माद्र प्राच्चा तापृ श्रेचका श्री प्राच्चा विकाल के चे चे चीम ता हिष्य.

माद्र प्राच्चा तापृ श्रेचका श्री प्राच्चा विकाल के चे चित्र के चि

माड्रिमा सुर् अं दे प्राप्त के प

त्रिः भेटा <u>म्ट्ट्र् नृकृट</u>ी ७००० नृज्यं नेन्द्र प्रित्रेर् नः नेता त्रिः भेटा <u>म्ट्ट्र् नृकृट</u>ी ७००० नृज्यं नेन्द्र प्रित्रेर नः नेता नार केट्रा मृत्रे ने केट्र श्रे क्षा क्षा प्रकृत केट्र केट्र केट्र प्रकृत केट्र केट्र

र्स.लेर.इट.च्रु.इस.च्रूट.क्रु.सर.क्रुट.ल्या.इर.वस.स.... मर्निम्स ८ क्रिंम्मिट क्रिंस है नुस लेय नासम नेस हैं नास स नुट लेट । अवस.रेर.चिट्क्स.क्षेत्र.स्ट.बि.चाशमा चिट.क्ट्र.पेर्ट्र.चेर्ट्र.वेच. क्षेत्र वेया वेद केद देश क्षेत्र मेद्द म्यूम संग्रहा देव सर मु मैदे मु दंव दें हें मुंदूर गुमाया दें नवा पर् में मामर दें न १९ मा से दे सु द्वा नाई ने दश देंद दंद नह विद नादे में दश स्वृद ... हुर हुश भूम हूर त.प. हुर अट मूं नहें र वेश भूट। ट हु हे से द्यः द्व्यः त्र्रं रटः वद्यं प्येषं तियोशः वहूरं हे विदशः श्रीयः सटः वृत्यं लूर्.योट.। मी.भूब.ट्र.हैट.व्य.लट.भ.चें.प्रंथ.तर.भवंट.भर.मी.भूब्य. वडः वर्डेस' ग्रैस में संस्मित्र अधुव डिन देश देश देश वर्ड वर्तुव पर्ने प्या विवा वर्तेष हे हे हे झन होत प्रवस सेद पति दस तमुर पहुं हिए। देशाद हैं ते सुर्द्धव हैं सामस्रमान्दर तर्दे व मान्दा माने विहें साने न वड्या पर व्या मिट क्रूर नमत तववस नट। क्र्या स्व वहूरी मिट. कू पु तिश्र ह्य्यो जपटा पहुचीश क्षेटा मधील चूर् भा भटा ह्य्यो ये. ति इना भुगमा के दानिह मुद्दे मारम्यूर मध्य है दार्ग ने ने मुद्दा ल.ट्रे.श्रॅर.वेर.ट्र.चढ्या.क्र.पट्या

स्ट्रिट्ट द्रायश्च श्चिम स्ट्रिया स्ट

ष्ट्रियः स्ट्रिट्ट्री।

स्त्रियः ने वित्रास्त्र स्त्रियः स्ति स्त्रियः स्त

न्त्रानार्यः पर्ते के स्वार्थः महाराज्ञे द्रात्ताः के साम्बादः के स्वार्धः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्

म्रिक्त क्षेत्र प्रमान् विक्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र

क्रि. मं त्रि. मं त्राची क्षेत्र में स्वयः में स्वयः में स्वरः में स्वयः मे

मिट दूस नगेर्न पर में स अवुद मी तहस अनिस हर सेर नादस सेट नदे रे न हैर हैं र अ लिया प्येता में अ सम्रुव भ से द र न्या स न में र है स र्रामिन एक के सुरक्ष के सिंदिर विक्र निर्देश न र्भना र्वेर् माट हुर छिर झे श्राप्त से क्या प्रस्त खेला नाराय हिटा मृह् चूर् नर चुर्ने वस भूर तर मी नर नुर्ने लूट मी लूर् स रेरी भ्रवशादेश स्वर वृद् की शासक्सर वट में सूर ल्यूर हटा में सूर में मर दि वर् मु माबु मायर कर् सूर्यस मिट वर् सर व्यस्तर पा मुस्तित्वतास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्त्रात्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त भेदे द्यमा द्यं द्यमा द्यमा द्यं माल र द्या अवेट स्ट्रेट से द गुट र्भन्य नम्म महिंद्र निर्मात स्तर मेरी मिंद्र मीम सहत नहें दिर र्या तील मी देश प्रीय है. पर् ल्वा हुर् में लूब रा. लट श्रेश ग्रीट कूरे. **र**यना र्गान न तेना हेता मुँस सबुद देर सेट देनास नगेर हेस दि ঀঀয়৽ঀয়ৢ৾৾ঢ়৽ঀয়ঀ৾৽ঀয়৽য়ৢ৽য়য়য়৻৻য়য়৽য়৽য়ঢ়ৢয়৽য়৾য়৽য়৾য়ৢ৽য়ৢ৾য়৽য়য়য়ৢয়ৢ৽ मेर्पारम् मारापुष्टि वालेनासायर सर्वेट लिटा दे मेरासवार्द्धवा न्त्रिर ब्रोट हर्न सट व नुस्र सबर नुस्रमा नुवर्ते ने स नुवर पर म्नेन हूर् क्रिश सिट्- मी क्ष्म तिवीर ता परेचा रेशर हेर हैं विश मूर मूर्यायात्य वियस प्रमुदायना निया वस है। सेव वस प्रीता स्व देवे के में र दर्विव य विवा कु यह्य व्य द विवा य देवें य देवें या है वे या है या विवा के ते या देवें या है ये या है कट. बुची. में मिट्र. जा भहजा पद्ध . बुटे की विश्व मिट्र वस देव . येट्र . पट्ट. भ्रेभःमी.सूर्याः वद्याः स्वीतः मीत्रः तर्ते तर्त्यः स्वीत्रः स्वीतः स्वतः स्वीतः स्वीतः स्वतः स्वतः स्वीतः स्वतः स्वतः स मर्बे.रमने.स्चांश.मु.रेपांठे.रपांठे.य.स्त.कुरे.क्ट.सर.र्बेर्-र्केचांश. म् भ्रीमास विसाय देता अवस देर मिर्ट ह पर विग स्पर् सेर हस स

८ कें दे द्वेंद रे नाम मुंद कम द्वर सेर मुंद म कें दे हिंद दु मु नेंस तुर सर्नि नरा गोन लु है ह्वीन उद में दायर से स्थाय मादर से ए स मु नासुम्न न । मे नियान के निर्देश समस ने स्र नहीं मु की दार दरा नदर सेर दे नशस हुत हम हिन रेत वेद मुद्दी विदे हैं न्निरं वट स्वर में स्ट्रिंग सर तिमें र स्वर्ग नसना निर्मा है सहय प्रस्ते द्यात्तुर उदाक्षे केदार् है असस न्याद्युर सेन्य विवादन्य। भैं मालक मार्केश के मिट्नी र्मा का दिन भी रामहित महिता मिट्नी सामहित **डे**.पैट.ची.त्र.ची.ढेच.कैंट.वैट.चष्ट्र.वेट.चूंश घरेव ची.टह्र कुचा केट ख़ंब च् पु.मैजानन विभाष्टर कुरे त्र पु तराने जुना मैं अने कारिस्टर परेसी. केटा वहूर केन रे तारे नुसादस से पर्दे रा वेना स्प्री स्नर वहूर दे निक्त वस गुट दे दमा अट निक्ष र बेर मी वर्ष मार्मेट साम मोर्बे हैं है। मर्टा ट.क् पुं.संभय.मु.मान्याक्षाक्षात्रात्मेशासर नाम्रामान्यास्त्रात् महतात्र वर्षा महितामधुका के सम्बाधिक वर्षा महिता महिता महिता महिता क्षे.सर. ५ वृर् स्थानशामी . ८ जी नशामी . र जी ता क्षेर ता सी हार ता सी मर्चेष्.कं.वेटु कुं.जुब्.चोट. बच .बे.ट्नेष्र. स्व. व्याचगाय. येचा.वे. यटचा स त.केर.प्राप्तप्राम् अस्ट.ह्म.में हैं में रिका ट्रे.पणेट.पेम वेश.स्पर नशुः लुः मामदः नगानः ह्युरः मा के या देरः ह्योदः नन् सा ने रे हुन हिन । से रे के रे हुन चुर्-८८। यग्र-पंचायश्चिरामास्याक्र्यास्र्राह्मातापर्वे । याः **दे**.क्रुंसम्बर्धान्द्रेरिमेटसम्बर्धानुदान्दरम्भागान्द्रकृतान्द्रम्भान्द्रम् यार्देशस्ते मुङ्गिनामा दुराविशानिह्न यारेत देरामहे बाराळें शार्थेना **यत्. यत्. क्रेट. क्रेट. क्रे. मी** याय्या द्वेया ने या ने या हे ना या प्राप्त होता या या या या या या या या या या

स्यान्यान्यक्ष्मान्त्री स्तिः व्हरः यनत्र नवतः नवतः नवतः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वतः स्व

त्नाराह्म व. बंचन वर्षे रचना वर्षे र के मन्दर र मिस्ट्र म नदः अदः विद्राने देव। दर्नेश स्मिन्द्रस्य दः हिं दे द्वा विद्राने वंशामुरातेन। असत्रात्रेर मुर्गेर मिर्गेर ने विद्यान्त्रात्र विद्यात्र स्थला गुँ देश में इस्य पढ़ प्रा अर में इस्य प्रा प्रा प्रा प्रा मोबरायान्त्री मोटास्टार्यक्रियानाश्चिमान्त्राव्यान्यान् रहे के ह्या ह्मान रखन्त्रे हेन्सा रुक्तायरे दसमान द्वासारे व्हर हरा बुक्य समित्र रहे सम्बद्ध हुन हुन हुन हुन हुन हैं रहन इर्रान्स इन्स्मायर्नेन्येनसस्यासहस्य सेन्यहर्षात्रः त्र्रे हिस्स् नावास्त्रे न्यायास्य स्याची विद्याता । विद्यातास्य स्याची मर्भे बेचा ने अनुस्ति । अन्यस्य स्ति । अन्यस्य प्राप्तः स्रीयाम्त्री बीर्यस्यितस्य प्रश्नित्रात्री हिट्हू हात् प्री वसमान्दर प्रायाप्या नाप्रायार्ये सारम् हे हिरा हिं भे ने गुर्भा कार्र हेन तल हो करा नु स्ट्री । वहु स्ट्रिश हो दिनी ग कुंत्रान्त्रीयाष्ट्राट कुंत्राचयातेष्ट्रताते हेर्त्तीकाचा हुटाटवे क्षा व्या द्यात्रीय त्रात्री व्यासी वित्रात्रा में प्रदेशक हैं विषय है या रेंबर्रेस्ट्रिसम्हरिक्त हर्मातना प्रश्निकाल्य संस्था

स्त्राधीयरामरास्यक्षामान्त्री हिरायकारह्मित्री स्त्राधिकार अह्यास्याप्तान्त्रामरान्त्रीयाच्ची हे हेस्स्यान्त्रीय स्त्राप्तान्त्रीय स्त्राप्तान्त्रीय स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्राम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्रम् स्त्राप्तान्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त च्ट्र-प्ट्र्-प्रमान्य्रम् मृत्य्येनस्वेनस्वेनस्यम् द्वेपः द्वस्य व्याप्तेन स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर

म्निस्तिह्नं मिट्हूं हिट्टर हु ते मिट्टर्स स्थान स्ट्रिस हे त्या क्ष्रे मिट्टर्स हुंद्र क्ष्रे मिट्टर्स हुंद्र हुंद्र स्थ्र स्ट्रिस हुंद्र स्थ्र हुंद्र स्थ्र स्ट्रिस हुंद्र स्थ्र स्ट्रिस हुंद्र स्थ्र हुंद्र स्थ्र हुंद्र स्थ्र स्ट्र हुंद्र स्थ्र स्ट्र हुंद्र स्थ्र स्ट्र हुंद्र स्थ्र हुंद्र हुंद्र हुंद्र स्थ्र हुंद्र हुंद

बहुर शक्ष क्रिटा क्रिट्ट में क्रिया हुई हु क्रिया महिर क्रिय क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिया महिर क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रि

मु से वर् नु पर्ने यह समुक्ष द र्हेर नुग्न दय प्रदेश ने प्रन्य मुंबाताया मा है विद्याता में स्वटा वेश विट हि रेटा। वेर्ट्र पर में प्रवत तः पीचाश्व. कुर. अम्. सब्दे अटीचा । लाट. मिट्. वश्वा श्रीर. सरेट. सार्ट. माता खेर ग्राहा ह केर मार्डेर तमात के च लिमा मीर हिर है। राष्ट्र हे श्रॅर सेमब उर मु द्वा या सर पश्चिम्ब महिंद प दिने वा सेंद्र सेंदे हेंस ५५'ल'मार्रेन् डेटा वर्ने'ल'के'न्मव'च मुन्कु तिनुमा डेकामहेन् तनुमा देर माट डिट्ड्या के सट दश दना द में के हो र पर कु के दार में नहर म हरायर द्वाद में भे हेर सम्बद्ध के नावुद देश नावा ... <u>२ चत्राचिक्षाकेष क्षेत्र क्षेत्र ५ ५५ वर्ष के के क्षात</u>्र के कि मत्रात्रात्रम् ते वित्त्राह्मा क्षेत्र की भीना केर विन सामान कर दे. ५५ वर्षे १ देल. वस्त्रम् अ. मुं ५ वर्षे ५ बेर दे सिंग अवस सिंब द्यीय दु सु मलश वर दर के केंग डेश दिन् """ ल्रे-इंचरा च्र-वंशर्ने त्याचे चर्ड्स त्रेचा क्रम्स च्र-हेना चुरा त्र्नी रपु. चम्रमः तर . दे. जासी भू. सिर. सि. बे.स्यम विर. लूरे. ग्री.म. J51 ===

त्रेन्न्न्यं लेश की अश्वाचाप प्रमान् स्वाप्त स्वाप्त

मार्ट्रा श्रीम्य मुन्ता मार्ट्रा हुं प्रस्ता मार्ट्रा मार्ट्र मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्र मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्रा मार्ट्र म

क्षेट्रस्य द्या न्यु त्या क्षेत्र क्ष्य न्यु त्या क्ष्य क्य

नस्तानी क्रूचीशात्रे केर् म्यूची मिट प्राप्त स्त्रीत हिंदी । द्वार क्रूची मिट प्राप्त स्त्रीत हिंदी मिट प्राप्त स्त्रीत स्त्र

न १२. स् १. ४ भश. ५ च्. ५ जीचीश. ५ ६. ५ ची. भु. भु. ५ छ. २ ची. ५ चूर् ५ ५ ८ मर्खे रुभः देशका मिट रेन्ट्रे प्रमीचीका मिशामिश स्था सर्वे अरा देशमी देत्रे देश.... मह्र्नम्बा म्र्निम्यम् द्रम्य प्रदेश्य प्रदेश प्रमाय प्रम प्रमाय र्साक्षायनसार्यम्भाराता देवे वेरावनसार्या च्रारसमामार्वे हुः पर्ने सथान श्रुत ग्रुक्ष 'ख्रा सर 'कुं 'सेदे 'नुसना 'झर 'दर 'सुँच 'श्रुव 'नुहर ' निर्मा ने क्यामिंट के से से दे नसना क्षर नु के के है हि स्थाप से न हुर् हेर विय सम्बद्ध या हेरा

नु त्या व्याप्तर त्या स्टर त्या स्टर्स त्या स्टर्स त्या स्टर्स त्या स्टर्स दे वै दर्गेक देव केद भामका से व धुन मन्दा स दे द के ब दूर । वस। मु वना नु मू स स हुव ने दें र देव न हु न नु व भ से ह न न न स मि र क्ष्मानी,भुःष्ट्र्यानहूर्तान,नुंत्नी,हाष्ट्र्युं तुःभ्राःभहावश्वाधशान्त्रां विश्वाता मेरा मूँशमातुरादर ने र्वा दंव दमसाय वे मु रसर रह हेर दस लट.लट.पंचात.पंचेश चूर्त्तर.क्र्येचात्रार्टेट.च्री.शुटुंद्यम् वेनानु भेरी अ.क.दे दशका चेर् नानु हाता ह्वेर निका गुहा ह्वर भेर् यासारेता वेद्राया वित्राय हेटसा वुसाया है। वर्षे अविया हैना सामित्रा लै'नरे' नेंस' सेंस होर **भन्या मु**'सेने'र्यु हर्मन 'रहेंस' सु'स' वेंन 'रु''' यद्य तह्या द्या रेता वेत्त्रमा मुन्यमा नुप्य हुर सूर् वहेंस वहुर ब्रेंट वेंद केर वह कर वेंद के होत या मूर्क महुक वह मार्थक ल्री वर्ष्य वर्ष्चर दे ल वर्र क्षेत्र द्वाव क्षेत्र के वेद के वर्षे दे हैं । श्चेन विद्नारम् । त्रा प्रमानिक विद्नारम् ।

मुं सेरे दसना दर्वेद केंस वहेंद नासता देव नायद दे दना नाय केंद म् भुरा म्रेन्मान्य वर्षात्माना नि निर्मान म्रेन्स म्राप्त म्र म्राप्त GAR!

डेश.रटा लट.च्रिंट.क्र्स.चस्त्र.पेक्ट.च्रेंच्.चीस्पा च्रेंट्.च्री.चीता. .पंड्याश्चरत्य्राक्षात्रक्रात्ता प्री.चिट.तत्रा मी.शुरु.चेर.क.पद्धः ब वर्ष प्रमा मीरा सव की रेषा हे खर बुद ब दि के वे केंद्र नी रेषा डेस:दरा दर:करे:भूर:स्र्राम्चेरःभ्रवशःग्लाहरायः। वेर्-न्नुःसैशः वर्ष वर्ष वर्ष मुक्ष बेर पर परे वर्षे या प्रमायक प्रवास मिन् प्रमायक प्रवास महिंदिन देर ही दिस्ते देश है ना देश के लेगा नी कर्गे वा यह दस है गा वी चंडनी वं वा सिनी भारा से भारा र लूरे शिका शि. रे . र ट . जन शु ट . मूरि . मूर ल्रा विवश सेर वास्र रेर हैं स वहेर वार्र मुन के विव हिं के दार् लाटका केटा हैन नाश्चमार माहेका रूमाया पर् पर्दे न मुं संकार है पर क्रिनास पर्ने मूर्य पर्ने मी

त्वृकाको कॅ wc पश्चर कॅ र पहें र कर स्नाय का प्रमाय प्रवासी र वेश.मी.विट.तर प्रहूर् नेशला हिरे वेश विर शट विशेष्य राष्ट्र याप भूम.यट.बूर.अविजावैट.भु.४२ेची.चभ । ७४.४चूट्स.भुजा. है. इस. इस. तर्। मी. चि. तर् हुर् भ नेर जन पश्चीर पहुर भ पर र पर हुर्। यहूर्मश्रमा नार्श्वर्षात्रात्र्रात्र्रम् यहूर्म् के हार्रात्राह्यात्रम् लुबी चूरे तर ह्रिस्थ श्री में श्रुश पद व संबुद देश क्षित में ट. से संब वुद्दान ने सर्वेद् सेदे : स्वा से से नस पर : से दाया है । माया है : दसना श्रीसद्भागिदः देशः प्रचीरः द्यान्यंद्यः मी र्पटः दुशः यहेट् । प्रेची

दे.त्रात्सना नृत्यं त्यं कृटा हिटा हिं नजेंदा ह्या स्वापार ही हिटा 

िया संस्थान, जिलाय, बाराजा

व विश्व वृत्र वर्डे र हर्ष अर हरू हेर व व रहा मुहिर या वसाय हर ब्रेंर पर्वे र प्रोंस द्वें य द्वें यदे हैं अर विश्व हें पर ह्वें पर तमा र्रे.जर्र.चे.सस.टस.र्रेट्.पविता.वेस.त.चाक्रुचीम.ल्र्ट्.य.जस. त्यर यस झ्या य ख्र्या ग्राट यहिंद यो स्थेता हे से द सु से साट रहें र नगरमारम्प्रेर्भेग कुःकैरे नगराभक्षे १४ वना केरिक्श मुश्रुद्धःयन देर मूद्दर्श्युक्षःयर प्रद्रद्धा मुक्षःवह देश ५ दुः यर्कीः वश वैद्वे रिर्धायम् युः वेर तिस्य दुष्ट प्येर् स्वय देव नावर् दे हैं र पर्ना ह्येर मानदर लेय वहेंद्र पर्ना किंग्स पर्ने दे र र र भवेरचार.लर.भवेर.वर.गून.व.इरी प्राट.कुट.लेश.क्षेत्र.ट्रेर. र्नेन नामा कृतानु मन्द्रा प्राप्ता ने हेश सुन ता क्षेत्र लु लेना नन्द्र पर्मे वरा शुःस्यायम् वर्षाराकुषम् सम्बन्धारानेपानेरावर्षाः साम्यान मूर.गु.जबार वर क्रेट.र कुर र कुर प्रकाशनाय मूंबार मूंबार मूंबार है महर है . क्रेर च गर भना नुरा नि गर भना स्था है जिस्मा है समा है समा भागा समा स्था है जिस मा है समा है समा है समा है समा है समा न्न्रियान्तु व उना क से सार्थियान समान्त्र मुद्दा सुद्दा स्वा मान्स क्या रेडे सबर बुना ख्रम्पर नार केना घर र की समाना ने गारीर ..... रेज्याताचेटा। श्री पट तथा क्षेट क्रेंच्या हु रेज्या में सूर पर पर पर वर्ष विश्वादा हुर खर् पर्ट्ड, अहर्र शर् प्रमृत्य ल्यू ग्रीटा लट व मी निराम श्री. म्बुर्वसम्बद्धाः प्रदेश अद्यु मेर्वे द्वार्यका मुद्रेर प्रवेद नेत्रमुद्भाग्नेस्र देत्रा

त्र तिश्र सूर्या के स्ट्रिंट को केश त्राचि कर त्राचि का स्ट्रिंट के स्ट्रिंट की स्ट्रिंट के स्ट्रिंट

लुब.य.चोशज.चू.श्रबूट.चु.लूट.च.श्रश.यचश.श्रे.कूचोश.चुचा.टुट.म्

न्द्राम्बद्दिक्तं विक्रिंदिक्तं क्ष्या क्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्य

यश्चरश्रायी ए त्रिं, ए विमा मेर क्षा तकर , प्रार्ट्य सर , लूर में , प्रा ए हिर्दे परिवा विद्या सक्त्री कर्ने माना परिवास सुद्रा स्त्री की सदा होती. मुँदानुबु अँदानी देन दार्केर दे त्यसाम् हेन अँदाया दे मुँहा सम्बद्ध वदा पिकागुरे नेवातप्रे देश करे हैंची तेवा में लुचावा प्रक्रा प्रक्रा पार्श्वर मार्थाः लूट.च.चुर-गुन्थां लुशारे सुना छ मुं दशारेता ट हूं शाले सट इरायष्ट्राध्ये क्षेत्रव्यक्षात्रमा ने वर्षे क्षेत्रक्षेत्रक्षात्र वर्षेत्र वाबमालेना मरा द्वरा खरा बदा दं मार्थेन प्रति में मार्थेन प्रति में दे दे लानार बन के दिन में का मी की ने रामके कर ने तका ने व ने ने ने ला केराम वैराय कु पर्याम् मिरानुराया । रमार्य द्रार्ट मेराया हार ड्रीपास मुनायासा केला सुनास प्राप्त स्था सहसार हिना हेता है। चन्ने.वचश्राजु.दु.श्राटकामुका**ण**.क्रूब.रटा.लटा.सरीचे.ता.ख्या क्रुव.बूटा दे त्यास्त्र रदार्थर केशानी दा अवास्त्र या साअत दिशार दार्थर ग्री क्र्यासियां मा तियां नी तियां तिहिंदे त्युत्र स्टेचरा दे त्या यह तिह्या भारिया .... सवु सेन प्रेवा द रहें न्स्यन निवस निवा से वि से दिन स्मार्शित हैं प

यक्त विरामिर मिर्मा स्रोत् स्रोत्र केर पहिंद पा देशस र छेट् ॥ यक्त विरामिर मिर्मा स्रोत् स्रोत्र केर पहिंद पा देशस र खेट् ॥

टस.धु. नम. ८८. चयाच. तेच. चु. चसम. पकर. केर. खुर. खुर. चार्डेश. सरायम्र द्रोट्श वु.व.र्मेश वहर्डिं। श्रेर हिंद मार्टेश दे सर ८त्तर, ८व्रूर, श्रेवश, वि. चरे चोश, चेरा, चेर्ट्श श्रेश, चन्धा, भेर्-पना रेर हाम वैदा कु सेरे नहार वर्ने मा केर खुया दु सुर हैं श्चर स्थ्रिय है प्रमुख है प्रमुख स्थ्रित स्थ्रिय स्थ्य स्थ्रिय यर दिनोष दे यूर प्रशास स्थान ले व वर्षेत्रे वर्षेत् इत्येग्याय स्टिन् देत् देहेश तु माराया मुंगिर रु केवरा हे श्वेर हो र गायर पर। रगुर व अर्थे पर दे र स्नियरा द्वीर्यानुबायसासेद्रान्नुमाबार्यो हिरा द्रान्यसायासेद्रां हेर नार निक्राल्या श्रेषका हा निहा १ १०० श्रेष्ट्र वेस. **प्राम्बर्ग श्रेन् हो । हो प्रवार वर्षेश कु शैका वर्षे । यह गानी का हो । हो का** धुन से पतुना र्ने नार ने धना सेन दुर धुर धुन समुसे पनान सेंश हुर इ.ट.कूर.१स.५वीर.हेर्.इटश.स्वर व.रच.रे.हेर.<u>श</u>्रा मी.श्रस.चाप. न्यार्थे.यसभातेष्यः यहूरे.यासमारी चुर् क्रि.यावेट.वियस्तरा मी. रैनाश केंद्रया देसे रमावर दमामी प्रमुख से केंग्स य विमा कु उना नृपन्दः वे के अपन्दः स्टान्नदः हे प्येन् त्यावः **क्रो**रः चेन् त्रह्मान् मेरि वेसः वगानुः अर्भेर वद्य कुर व्यान हेदा यक्षिता वितापन्ति पारे न्या कुरा য়ঀৢ৾৾৻৴য়ৢ৾৻ঀঢ়ৢ৾ঽ৾ড়ৢয়য়৸য়৸য়৸য়৸য়ঀ

दे.हुंश.चर्च.ची.च.चे.वी.चंत.चेश.च.लुंग। रिश.पृत्र.हुं.ची.च्य.देश.ची.चंत्र.ची.चचंत्र.चचंत्र

## क्~~~क्~~~क् भेतु-दुन'य। कु-से-मुट-स्व'वटा

मृतिः त्रिन्देर में हिन्द्री मुज्या मी हाहि समादि प्रेत्या में

त्ता प्रमानिक्ष्य प्रमानिक्ष प्रमानिक्ष

तत्री मुस्तामा श्रीता। द्वे मार्थन से मिया में स्त्रीय में स्त्रीय स्

यद् विकास निर्देश मुद्द मुद्द मिन्द्र निर्मा स्टिन् निर्म स्टिन् निर्मा स्टिन् स्टिन्

चिनाने द्रान्ते स्वान्ते स्वा

र्देशः स्मारुमः पुरेषः श्रेषः प्रमार्थः प्रमार्यः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः प्रमा

द्राक्षेत्राच्या द्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता विष्टा विष्ट्र प्राप्ता विष्टा विष्ट्र प्राप्ता विष्टा विष्ट्र वि

मेने त्या प्राप्त हैं है प्या है त्या है है ता प्राप्त हैं है ता प्राप्त हैं के प्राप्त है के प्राप्त हैं के प्राप्त हैं के प्राप्त हैं के प्राप्त हैं के प

प्रकेर वस्त्र वर्ष सहित्य देस स्राम्य द्वार स्त्र स्त्र वर्ष

मुख्याके मिना करे हिटा ना है सागादे स्पटा हो र हिंदा साले पुरे र हुन मत्रे मु स मार्थ होत् हिरा प्रा हे द रे म प्र देश होत् गु रे पर हार हे स नामुरी तुर्वी, मुबेशवरी क्षापीचां क्षापीचां कुरा ही रही रावचां करेंग यमायेनासाचायाँ यां नित्राचायते । यह तेन हेन ची के प्रमा र्श्नेभवं भन् विं वृत्तक्षे विवास्त्या संग्रहे तम क्षुत्र हुम सहेस मार्यदेश्वियामानादात्वेद। श्वीक्षे १००० दटानु वैश्वार्येद्रान्यद्रवा बद्धाः श्रेल हे तु से स्वड महामान वामार पुरेदाव द्वार द्वार हुए हुए ह नुभवे द्वासासाम नुमासायो जिल्लाकरा ने पहर हे हैं हिंग हरसा हेंद्रेर नन्यन्तुरह्मार्भेर्द्रन् श्रेद्रिके निर्वेद्ध्यानन्द्रन्तिहेन श्चीर पुरायर यहेर अनुसार यहारी साले रहा है। हा है साले हैं त्रेश्यविधार्श्वराक्षां स्वत्यं स्वत्यं द्वार्थः द्वार्या न्या स्वत्राम् । चना रक्षमाचिराच र देशान् राचिर् ह्रेंदशासी र केश सार्वशासी र रेटा मार्थाकुमारीप्नामिक्किकेरानर्दियस्य दे मेनामार्थाम्बर् इसरायरा ग्राम्बर्भरावि के देन्स्मेन्स्एक्स्माद्युवायरा च्रिकेष्ट्रवामुक्री द्वारवास्य सम्बद्धा प्राप्ता हाका गुरेका गुनि समुन यन्त्रमहत्वास्यास्यास्य स्वत्रम् विद्या विद्यास्य स्वत्रम् स्वत्रम् कुं जैवे द्वार दिन् संसद्धस्य रात्य होनानु हिंदा सेवदा हुं हें दे दे रा य ने ना स है । ही व्या १०३४ व्या ह्म रामा के न व्या है । दार महिना स है । ही द स सु'ना मेनास' ५ न्या

न रक्ष व्याप्त निर्मान के समित्र की प्रमान के प्रमान के समित्र की प्रमान के समित्र की प्रमान के समित्र की प्रमान के समित्र की प्रमान की

स्वयः देश त्राच क्षेत्र क्षेत

मानुद्दान् क्ष्यं स्वत्य वृद्दान् स्वयस्य ने स्वत्य स्वत्

१०४१३ व्या विंद द्रनुदार्व्य क्यु प्रविद्या स्वेत्र प्रवृत्य स्वास्त्र स्वन् सुन्त

त्या ने विवय अवश्यास्त्र में सूत्र में के चे के में का महिमा सहया हैटा भूवराद्देर वग्रहासुराद्वीर पदे परा वेदार मामाना कु सेदी द्वीर इन्बाल्या मार्थित हिंदानी निवासी द्वारा द्वारा द्वारा मार्थित वास क्षरायर यहेर क्ष्य ग्रिजी अन्य र्स्या वृत्र मुं सहर होर खेवरा गुरा मश्रास्त्राने क्रिन्तु से द्वा माराजेन वनाय नियमे द्वार परि देश त्तुर वृद्धार्भेत् विद्धान्त्रमा के दे त्रित्या हेन हेन विद्धान्ति स्तर् त्रात्मभन्ते त्र भूना विक्रम्य प्रतिस्त्र प्रतिस्त्र सहै सर्वेन स्त्रेन सहयान्यन् रेपने क्रियमा चेवला मेना सह लाडु हालेन ने छेना मद् से विश्वस्य हैं असे न देन न के अस्तान हो से किर क्षेत्र. में स्वास्त्रेत स्वास्त्र ने मार्थित होता मार्थित होता मार्थित होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र होता स्वास्त्र स्वा वित् स्र में नारशक्रियाद्या व्यापने क्रियास सम्माना म न्यायायहारहेन्द्राचेर्र्यायायुना महिनासूयारेन्द्राहेन मे नवसामु महिन्द्रिं द्रस्य द्रोस महिन सहस्य से र र महिन में दिन साम म् वर्षेत्रमः हेर्ने केर्द्यम्बद्धाः मत्त्रकृत्य वैन्धूः। मि विभिन्नसम्मान्यन्त्रिस्मित्रहर्षान्यस्भिन्यभेत्रम्यत्रम् न्न्राचायलेशक्ष्याचेमाशाचे प्रमायात्ता न्यायारा केत्यकेश बेन्स्यायस्य यत्नावन्त्र वेश वेन्तु वेन्द्रस्य स्ट वेस्यता प्रजासिन हिराह्यात्राम्यान् नुन्त्रम् सिर्मा

स्तरार्ट्राच्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र सह्यस्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्

र्धर प्रवासी सर्वर पा मुदावादीर प्राप्त हिं प्रसार्भेती मी सुरा मिं: प्यार्श्वेच स्वर्ग सुन् चुन कु व्यन् परे पर परे बाह्य कि से समुन परे " मार्का द्वारा वहेर पुरवहना व्याप्त के देर वहासाय से तुमा माया है विंट ५=१ विरानी है अप्रवास क्यार अपार अपार मार्थी हुए से दा प्रेस प्राप्त स्थाप नारः सूर् रं सूर् ने मुर्राद्र पर रहे जाया वे दिसा सूरा ही मी सुरा ही रवश मेंद्र सदी पुरा केद्र साध्याय इससाद है दे से रवसादिर छेद है भार्केर् हेरा राभमावेर् भेडिंभ कुष्ति प्रति पाडेमा भी महिन रक्षाचिराक्ष्रियामञ्जानसामेराक्षिर्द्धिम् क्षुराखश्चर्मासाक्षेत्रामे सुरास्पर् मानेत्। देत्रगुरामहाळेदारेदाचे छे सळेलायामानानाराष्ट्रासेत्। हुन क्रें इन्हें सुद्धा शुक्षिण क्री कुरामहानुनार क्रिया क्री प्रकर क्री क विकास देश सर देवर में दशक्ष हिम दे कर के दुन दिन ग्री ग्री हिस स्टर्स वसारानी केंस र्रेर है जुराइर ही हार्खेर इर खेराना वर नी से प्राचस मान्यापारमेत् पर्के नेदीरात्रात्रायात्रमयावृत्ते हेत्रात्रात् इटाया क्षेत्राचा भीता । चे हिटानु पर्वेहराञ्चन सामा जिल्ला वा विकास मान्या प्रति । इटाया क्षेत्राचा भीता । चे हिटानु पर्वेहराञ्चन सम्बद्धान समित्र सम्बद्धान सम्बद्धान समित्र सम्बद्धान समित्र इता श्रेड श्रेड गाउ खार क्यी दे से दे के दान के दान है। के दान के कि

मिल्रान्ना अटासे निरुधा देशा है। सेन्य निर्मान निर्मान निर्मान स्मान स्म मालर दमस दे सिंद सुना दरा। निर्देश हुना सामा सम नेद हिना स विना मी पहुं स से स्वेन स रेंद्र। विर हें स विना वर्ष स्वा द्वार निवार वनुरलेग र्रे र र्गे अपनाव न ग्रिनुदार अध्यक्षर ने र के र वस्त्र य.वैट.लट.। श्रेश.मेट.च.मेर.च.मूर्ट.मेट्ट.भारय.सुर.संचश.कि.स्चेश. व्यूर् स्रें । भवरा पर्रेर मुं सेपे रवेर रेग रा भीना वेर मुं मुंद मारेव हेन<u>, स</u> है र ट्रे. सु. बुच जा ख्रीट. भूज ट्रे. जर विश्व जी वा स्ट्रेश वैट. महीना इबानी पर ना ।रे प्यटामीर मार्बेन मार्के मिट पार्माय महीनेर कुर भ भ्य तहूँ भ श क्रीश चिंह लालना च रेच श चेश चर हिंह रेची से सा वृद्धः भ्रे स्री महिना त्या देश देश मिलु दाना सर या तरे ते ते ना स्रीत या वर्माम्बर्देशयम्। भ्रानेशःभ्रेत्सं वर्मायद्वासम्। विवस्यसानेः केषु उदा अर वे रिन्नेमा दे क्या वे देश के देश के देश हैं विज्ञानासर पार्टर देनाव प्रमान निमानेरा मिस्रारे साहितानासर प हे:ॐ**ढ़**ॱदेश:घर। वॅर्-झे:देश:मु:झे:बम:ॲंट:य:ट:कॅंट:यम|:दह्यश:गुः चियानाश्चर होना अधि अधिया चुरा बेस ग्वर मेर मियायस हिंया मुस ने त्वीन्यायम् प्रदेशम् <del>व</del>िष्यादिम् प्रदेशस्य प्रदेशस्य प्रस् दे दिवास्त्र र्टा विष्कुर रूप हा कुरामी १५५ स्थामी स्थान हे दे माइवा मेशत्यवेषश्चरम्भुतिरशः देशतम् मेर्टरियं दुर्। क्राममुखः निर्वेषशके प्रशन् प्रमान सम्बद्धा हिन हिन है ए ने दे दे है ए ने दे है करा क्षयासुवादना-वास्तादस्नीनावातर्जनाकेटा टाक्ट मान्याप्तरस् क्सराव्याक्ताम् अदि कटा देवायाक्स्ययाच्चित्रा स्था गुरिदेवयानश्चित

मी,परेमा,परंपरंपरंप्रमान्तरा वैरा। क्रमा,माबेर प्रमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमानमाने प्रमानमाने प्रमान

केर मोकेश मी हिंश सर्वे हे पुट वेंना सर सहया प्यून मुदा परे स्राप्य न् त्यम्भार्भरायहेराम्भाषुयायाविनार्येत्। सहव्यात्यूत्वि सु मुभन्भे भ्रु के निम् कें मुज्न न्तर में दे महिं पहें ज्रामा सहया द्युर ... वेदाख्यामु प्यसामदादे देवा सर्वे हे नुदासक्तानु द्वेव देवासा नालग्रन्नास्यात्र्नास्ये विद्यादेतास्य के नार्वे विद्याये विद्या के प्याप्तिन । स्वर्पारम्य अन्तर्भात् स्वर्पात्र स्वरत्य स्वर्पात्र स्वरत्य भर्ते. कु.रेट. म्री.मिश्चट.भूज.यटा व्रट्. मुश.मीज.यट. क्रीर. जूनी विश वन्ता दशक्तुवनानीक्षेत्रक्षानु व्यवस्थानु स्वत्यस्य विदार् सुवार त्रा कुरमावराचेर्थाम्य प्रतिमानिकानी सम्बद्धाने कुरम् व्राप्तरमुक्षानार्रेटमुः भेषाबेटा। ग्राटकेटासुः द्वा यदासेटामारेकाः ८.२८) च्रें मे मर यार् निकार माने र हेर है न न न मि मुं हिन पुर विर था वर्टावारेता मिटार्के वर्षाम्बराद्या के सराधेना द्वरावस्य के तुरात् कुर्यान्त्रेय लेखास्त्रम् सम्हर् छित्। ५.२ त्रित् वसाग्रात सव म्रेसिय मह्ताम् न्यान्य न्यान्ति वर्षात्र न्यान्य द्वा नुष्य द्वा नुष्य न्यानी मु क्रॅसः द्वे प्दर्रे, यर क्रे ययस यदे रीष्ठ यस मुसास मुद्रा रक्ष मेरा

द्वे प्रसम्भायम् दे दे द्वाप्त नम्बद् के द व व व व व व व व

स्था। क्ष्यान्यम् क्ष्यः यट्टा व्यान्त्रः त्यन् ग्राम् त्यन् ग्राम् क्ष्यः यद्वः स्थाः व्यान्त्रः व्यान्त्रः स्थाः स्थ

दे हैं अ निंद्र द्र अहा अवि द्रय पा की अर प्रदे की की दे हैं की अवि द्रय पा की अर प्रदे की अप अर प्रदे की अप अर प्रदे की अप अर प्रदे की अप अर प्रदे की अर प्रद की अर प्रदे की

श्चित्रातः के व्यक्ति के स्तर्भ के

क्ष्यायन्त्रान्यात्र्या। क्ष्यायन्त्रान्यात्र्याः ज्ञान्यात्रान्याः ज्ञान्यात्रकः वह्र्यकुः अवाः व्यान्त्रान्याः ज्ञान्याः ज्ञान्याः व्यान्त्राः ज्ञान्याः व्यान्त्राः व्यान्त्रः व्यान्त्यः व्यान्त्रः व्यान्तः व्यान्त्रः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्त्रः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्त्यः व्यान्तः व्य

रात्त्रक्षः चिर्ट्राट्राः भ्रास्तुत्रः चाराः भराः सेत् । त्रित्तः स्वार्त्रः स्वार्व्रः स्वार्त्रः स्वार्ते स्वरं स्

क्ष्मा अर् त नात चे ते प्राप्त नार प्राप्त चे त्रे प्राप्त ना क्ष्मा क्ष्मा प्राप्त ना क्ष्मा क्ष्

यर-गी-मोबर-र्वेब्हुल्लुब्हुर्-तिक्ट्र-निक्नित्-च्रीन्। स्ट-गी-मोबर-र्वेब्हुल्लुब्हुर्-निक्नित-च्रीन्। स्वा-क्रि-निक्नित्-च्री-निक्नित-च्री-निक्नित-क्रि-निक्नि

म्हेश्याम् स्ट्र्यक्ते देवाने त्वे स्थाने स

मंदर्। विश्वशंबिरक्षेत्रामी इशंविष्य में तिर्मे विरम् मानमहित्त्वस्य मिन्द्रम् स्वर्थित् केसे भिन्दान्ता विन्ती मर्थसार्श्वराबदानादाल्ये देशसाह्याचर स्मृताहुवा की रेन् सूसायि ..... ध्येद्रकेश नुद्रेष भूति । विद्राह्म प्रमुक्त देवा विद्राद मार्य पर्देव द्ये वंश्वरायर विंद दश्यवद्य भुग्रा कुश विंद् प्रदे नुष्य व्यव दिया श्च नहें शक्ती मारेद्र प्रथम मानुदा हिश सु में द्रात मु मेरे प्रमिति दि क्रुंश्यवद्यं, नेपुरं, नी, होट. विशासनी, मुब, नुट, नेश्र श्रेपश, नेपु, चरासा श्रेपा, ब्र्नियाध्येयतम् क्रियाण्या। वर्षयः नव्यः श्री शुः श्रुर्ने स्यव्रे हेः नृत्यस्य निष्यत्रिक्ष्यत्यः। जीवार्स्त्रियः व्यत्रिक्ष्यः यत्रे हिन्यस्यान् नूद्राधित से देवे विनाया मेर्ड नाया के विशामत । स्वताय के देवा मात . स्वरंत्रयंत्रात्राद्धं अस्टार्ययाभावदायां होगा चुटा विटार्स्ना सर से विटि ननशः दुरः शुः स्रानशुः तर्भेरः श्रेनशः वृशः युना । तर्मेरः स्रिशः । म् वग्त्र र्यं खुर खुर देट से टका त्रमात प्रत्य सुना तस्त होट से से सुर । भवश्येग्याच्रेणु अर्द्धायदेश्चर्म्यावर्श्चर वैट.चतु.वट.चूर्.लेज.र्.चट.अग्रिचांका.लर.चेंथा.चंट्रट.चें.चोल.ष्ट्र.लुव. अर् नहर्ने की पर्म । रशक्ति था द्वे देखिय खट हे से खिया की रा ८ क्ष्या ने अप्री व्या श्रीत स्त्रीत स म्री द्वां नाया में प्रकृतिक स्तरा स्तर मुख्या में दिन मुख्या में प्रकृति स्तर स्तर स्तर स्तर स्तर स्तर स्तर स **श्रॅ**र.संश्वश्र.मिटारचू पहुंचाश्र.चेश.लूरी \_ रट.चैट.श.चोट्र.चुर.झॅर. **गुः भर मु**रा निर्दे त्याय केना अर द्याय द्वेर मुः रेनि कर रस द्वेरि .... क्ष्यास्त्रीयस्त्री

में अन्यत्त्र त्या में १. ने तह्या में नाया में १ द्या प्रमुद्ध मे

स्राम्या स्राम्य स्राम्या स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्या स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्रा

सब्दाः श्वास्त्रः त्रेत्रे स्वास्त्रः स्वाद्यं स्वाद्यं

में क्रियं में देश क्षेत्र कषेत्र कषेत्र

इसक्तिस्तर्भे स्वरावित्। स्वर्वस्त्राचीत्रास्त्रीत्रः स्वरावित्तः स्वरावितः स्वरावि

म्बान्यत्वसंहेनुत्रिं स्वत्विक्षायात् सत्वस्ति हें स्वत्ति स्वति स्

मी.भु.देशस्य रक्ष त्र्रात्र राज्ञे प्रेर सर्गेर्य हुर सट. त्र निमाने प्राटन गीट त्रं, ग्रे. ज्यामर र्टर केवल वर्षेचाल ग्रेश वार्ष्य हेर् खेवा से य खेट । क्ट स. त्र्मी लिया ज्रासाना जेसा सनासार दर समुद्रा पर प्रसार किया के वे सम्बेद में ना दर समुद्र या सुद्र या वेदे र दर के साम में दे र पेदर *बुद्भादेशच्याचेशच*्छ्यास्य प्रतिस्थात्य स्थान्य स्थान्य स्थानी लुरं स्थिती टाष्ट्र तुं स्त्रेचीया वंदा चांदेश के चुरा करें न कु हुना का संविध स्त्रीता. मुन्त्रन्यस्य अर्द्धर् प्रवर्ष्ट्रन्य द्वा मुन्त्रस्य मुन्तु न्या विकास मुन्त्र ब्रुक्पर्टम्पट्सवुद्धराध्येद्। भ्रवहर्द्दर्भवे हे पुटार्क्वव्यक्तु सेवे **नविंगर्रमास्य अरावें रिं सेनसं गुरावेरा।** विराहे वे श्वेन देशान वरावें र्ट्नेयाप्रिनी नहेर् १ अया परया सर्द्रिट देव स्तुटा न्या स्व देन्त्रवेशक्ति मुंभहर् में नार भर मेर्गमुटा देन व्वेश मुंभिक्त म्नीनान्त्रसर्टा वर्रानुत्रम्भवस्त्रहेरानुवर्दि।वात्रसामुः इचास्यम्भैचास्य पार्टि वेश सेटा। हट स्ची मी खेचांस मूर्य लाम अस ग्री युद्दर्गोर्ष अर्ह्माय त्युयावदै अर्ह्य हमाश्र शु हे टा दु हट वह र देवें र .... श्रुमार्ल्य। अन्यार्म्यादे अर्थे हेरीया पहर स्थन श्रीप्य वर्षा संब वे. मुग्राया मुग्राया मार्ग्या मार्ग्या ।।

शर क्र्या श मी पर्वेषाच हे क्रियर या मुन्ता में वर्ग के सर प्रेष्ठ श के दे र्द्धनाराक्षेत्रमिः वैनारात्रु मुर्दे द्वाराद्वरारा विनारा स्त्रा ब्रीद्र देश क्र्याय देश अस्य ब्रीट विया साम्य विश्व स्मान स्टर प्रमुख क्र सटाविंदादे.द्या<u>ट्</u>रिपिट.कुदेत् तुट.कु.क्रट.त.के.वेट.सहट.क्रिंतियीटा ट्र-रट.लट. वची र्यट.ची प्रमुक्ष प्रकार विकार विकार विकार के कि वट कर रे रे रे विस्ट केर वे का ब्रम्बेन किंग्या पर्वे प्रमुख द्वारा मि. अपु. जिया अ. केर. क्षर केर श कर साथा मा साम मा साम प्राप्त कर मि अपूर्वा मु से के वि वे त्याम् पुरार अपनी साम प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प यते त्रष्ठु श से यम् श सेंट ने न्म दे ट लाश गुट टक वट कर कुंग के य क्षेत्र क्षरा। मिट्र हे दे क्ष्य त्युर त्यानिवाय क्षेत्र वहर्षात्र हे दे क्ष मुै'खे'व्यॅन्'क्ष्म'य'वनुम्मिर। ह'नुष्ममुै'नुषार्वेन्'क्षेत्रसम्बद्धर्द्धन मालाला प्रमुन् हा भुन् देश गुरुष्तु प्रमुन् सद्रें भुद्रित्ये अर्घेट द्वा प्या केर नहिमापारे ना मिट के श्रीट स्थ ৾ৼ৳য়৻ঀ৾৾৾য়৾ঀয়ৼ৾ঀৼৼ৾য়৸ঀ৾ঀ৾ঀ৾৸য়য়য়ৼঢ়য়ৼ৽য়৾ঀ৾৽<u>ড়য়ৣ৾</u>৾ঀ৾৽য়য়৽৽৽ मिश्रिस्यान्यस्त्रित्यस्त्रित्यहेर्न्ते वित्रित्यिः पत्रान्यान्यान्यान्यान्य विटार्के से वे विश्वसार्श्वयाहै पहिंद्राया बद्द्र सामारा अदा सेद्राया दिवेर नायाने त्रष्टु राक्षे प्रनाद म्याणे राज्य राज्य राज्य है । बुद् चैटलट अहेनारे परीकाश्वरेशन स्वारा द्वारा द्वारा ने श्वर प्रथा तकर यालेगायन्तरी रेमम्मिक्नार्केनासान्त्रेग्निंग्नुनासानेसामहण पर्स्रक्षर्भापरान्तीनारानाकेशास्त्रमीत्र्मावशासीयास्त्रमीस्त्रमानार्द्रः **ग्रे** व्यद्भाग

क्र्येयश्चर्यास्त्री,क्र्येयशः श्वरः श्रेयशः मुन्यूर्यस्य र्योत्यश्चरः द्र्याः यद्येतः वेरणे वर्माण्यः। रसरमें वेस्मित्रःमीवर्राद्धारेराव्युरायः ल्ट्राचनसन्त्रात्रार्थाः सर्देरात् हेन्सप्तु हेन्द्रास्तर र्द्वेन्य'य'ने र्द्वेर'ने व्यवमी निम्बिन यत्न सुर्य से दः देश हैन या वयः सम्पे मे रे नामा महेर बर मुर पास अता व्युक्त मे सर के कार है के व्यन्त्रम् वर्षेत्रं निर्देर्णुटः। निर्देर् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् ल्चित्रम्हेयाहेशःकुःनारःमुःद्वनाशः ५५५देशवदः ५म्भितशः इसः ५मुरः सः तर्नत्वेन सर्वेट वृत्। कु वनाने श्रेर रेव ने नह सुर वेर स्ट्राय के स श्च्रित वित्रह्र सम् नार मु त्रष्ठ स्त्र मे र्यु स्तर हिना द्र संदेश स्त्र मे राष्ट्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स ररमी'नराम द्वामार व्यून मर नहेर् रात्रा मिल्ट वा मुंदि नहेर् प्टा हिन्दिन् अन्ति स्ट्रिं अर्थेट प्रकेट प्रक प्रकेट प्र इरासि.प.बुचातरीच । पारी स्तर त्यर ब्रेट के जुर स्त्रेर से प्राप्त निया कुंत्र पर्दे पर्देश चन्तर ग्री कुंतर नु पर्दे र पर भेता मिंद वर्ष र ने स्मा स्मा मन्यातुं स्तर्ते द्वाराये केटाव्या क्रिक्टिया वृत्ता क्रिक्ट विकास क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक्ट विकास क्रिक क्रिक्ट विकास क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क ढे**रा:ब्रेर**'वरुवा।

प्यत्तुं सेते सेत् दें कें न्य प्रत्ये प्राप्त स्व कें त्र कें से स्व कें त्र कें ते कें ते कें ते कें ते कें ते कें त्र कें ते कें ते कें ते कें ते कें ते के ते के ते कें ते के ते के

केवः प्रशासन् । युर्वे प्रशासन् । युरायवः प्रशासन् । प्रशासन मै।मर्डिन्दिनम्बिर्दारान्समान्दिर्द्रान्द्रिनाकेशासुन्द्रान्द्रेनाशायनु दशः सुरात्र मिरामुद्रास्त विदार् के व्यापन के विदार् के व्यापन के विदार के केर.चीरश. वट रे. सुराश पश्चर. सुराता लुरी यादी त्यार त्यार हुर्ट. सर. लूट हुं श्रर शत्राय प्राया प्राया हुए हैं हैं से नाइस देवे दशना सर मी क्रांच पार विनाय क्रेंना सप्तर्र प्रसिद्ध पार क्री देर भ्र.चीरमःश्रीसःचर्मे.चर्छ,चर्चे.चरःपरेचीतरःच्रिट्रम्स्यम्भेष्ट्रस्ये क्ष्य क्र्याञ्चारा पर्नेरा त्याना स्त्रीया राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्त्रीय स्त्र विसःस्र्रः। श्रेनसः चुनाः कु क्वैयः क्वैनान्तरः रूवः श्रूवः श्रेवः क्वैरः वेरः नायः क्वेः नवेः भूर-पहेर्-र्रेश हैंग्र-१२ ते भूपराणी मेंश राखेंद पर भू हिंग <u> बटारस्तर विराद्धा विद्यु स्रीय स्त्रे</u>चेश चाटाक्रोर शक्ति वेश राष्ट्रिय र्स्यूश.वृद्ध्या सहवा.वे.वीट.चेब.वीवट.वीश.लर.क्येश.चटेट.क्ये. सूचोश, यक्नेचोश, यहूर्, वैकारे, भड़ेची, यक्नेश, सूटा। कूचाश, परेटेर के कूरे. किश्यात्रम् कुटा मुट्यूम् मुर्द्ध्यूम् कुर्द्धा कुर्द्धा मुद्द् मिंट नी स्त्रोट सिंश नी हेना दिने निर्दान हो है स्था है र कु हिंद पत्र ह है र नहर्भा मेट म्यून इत्त्रं दे दे में भेर भेर भारत नावर नावर ना निट वंश्रम मि रेन्द्रिम हुम मि त्र्नि मा विद्रम्य हुम सम्बद्धे के सट व र्भर स्वे नी लुरे कु त्र के पश्ची रेनी नी कु ने श कु र र श कु ट ही ट ... यदे प्रमुख से यमे स सेंट हैं 'से दी सर रें। सर्वेट ब्रूट या मिंट हैं हैं य वट.कर्रतपुरदेशतम्बरमाटालट्कातरेचा ।प्रिट्क् पुरदेशतम्बरातः मी पर्ना

मी त्राम्याम्यान्त्र केर मिना त्रा स्वास्त्र र ने त्र में स्वस्त्र सार हा यसम्बंद्धानार्द्धमानु पर्सुर मुँग्पेर्द् पर्दे दूर हेर्द् स् पूर्व । ज्ञिमासुस इट.मे.बे.बे.मिजासमार्थामची.ची.रचीर्यत्य दा यञ्जी जन्न छेट.क्रूप्त या बेटामसामात्रमान्त्रमा स्रितामुन्दास्य रिमास्य मान्यास्य भान यश्चर वेशानर। क्टाशान्यर प्रदूष ख्यानी भेवी अवूट वेट। रेत्य है सट त्रिमा तस्र पुरा परि वट विषयि । वश्र प्रायमा सेवरा में स्रोत हो वि इन नेस न्नान में नुस्य न्यान निस्य न क्षयायवित्वित्ता हुर्द्वयाववारावी श्रीन्द्वितेनप्रत्यश्चितहुर जुनाश.सू.पटेचा ।चिविट.चु.पाक्षचिटशक्षश्चसुच,पड्ठि.लचा.सू.रटा नुर पहेंद्र केद वेंद्र दुन शिर पहट अस हैं या पार्क पर्देर पाविद्यारा वे व अर्थेट विद्या वर्षे वर्षे अर्थेट अपकारी र वर्षी नाम करा व्याप्ति निया नियाम्बर्भियान्यम् क्रिके के के के नियान के मुक्रमा विना सर्वे मु तर्ना । मुद्र मु द्रिया सर्वे न मे वर्मे असम्बर्धाः केर्यास्त्रीरमः नेरः सर्वेटकृतः केर्युवा भर कु श'र्टा देवे देव घट अक्षें म चे लेग दर्गे स गुट भर कु स देवे र्नेन न में रहार हर में में वे में वे महा व्यवस्था हेन स्थ साम मानु स्रेट लिए। मिं वे वे क्रान्यायाने वे क्षेत्रवाकी विवानु विवान विवास के प्रका मिंद के वंदा अःब्रॅन्यद्यायान्द्रःब्रॅ्ब्यसःश्चमुरःब्रेटा। युवःन्दरःनुवःगुटःब्रिं क्षित्रकृत्या मोट मूज वहूर केटम पर अवेटम विर केटम पर अवेटम च<del>ळ्य.प</sub>र्नेची.बुं। चब्रम.क्</del>ष्य.लट.तेर्य.क्ष्यंत्य.क्ष्यं.बेस.क्षेत्रा ट्रे.पेर्य. सन्त्रीत्रिस्ट्रिट विवशामिट सुरे जा चिट कुश सबूट विव वा वे से बीका

म्हिन्द्र्या स्ट्रिन्द्र। मुन्त्रान्य मुन्द्र्या ते सुन्त्रान्य स्त्रान्य स

मी, यंचा, ने, यंची, अंच माड्ड चा, ची, यंचा, मी, यंचा, यंचा,

द्र ते. त्रम्य क्षेत्र क्षेत्

लायम्बर्धान मुक्ताने वर्षा मुक्तान क्ष्यान स्थान स्था

क्रुचारा सार् दे त्रित्र क्रि. इस रा द्वा सुन । त्र में न विन । वुरा सारे । द्रा रा ववियाधित स्वत्वे प्रशाद्य स्वत्य विष्य में प्रशाद्य स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् में स्व क्ष्याध्ये हिन। दे दे प्रेर्च्य न लुट ट्रिंश दे ध्येश वह नहिन द मिंद या है। सना रेटा क्रूबासिनाश्वासना क्रि.शटाकूनाश्वासा मोमाशास्त्राक्षाः स्वस्था द्री ची.श्रुश.मेर.चश्चेता.कुर.स्यांतिमा.मा३ श.इर.परीश.श्रु.चश्चर. ल्या महिमाक्तासर् पर्दे पर्दे द्वारा महिमाक कर् च्र-पर स्मिन्य सुपद्धनायाय नेर मेना सर पद व प्रद्रिय प्रसा व्या चॅर्मिलुम्या कुर ह्विर चुम्येर यारे थिय। महिमा यह के व मामरे क्ष्मिश्राया है वर्र कुर्वे वस्ति वश्च श्वाय दिन शास्त्र । दे ता पह के दश्च न्रिं रेम नु मेन यवे श्रेन नवर श्रेन निर्दे प्रेन पर रेन वर्षे मे स् सर स्र प्रते मु सेरे द्रिंद रे र स्र स्र है। हर सर वर्त्रे मुल्म भेर पर मी.रेचा.चिंदामी.चयांत.प्रसिंतार्च्यूश्राचार्र्या चोश्रर.रे.च्च्रश्राचत्र. द्रा द्रुप्यदेश्च सदीद्राहर उसुर वर्षेस्र मे नेद्रि के सामि हिर् रटावनायाहै। वश्चराम्भात्रेमसावर्भाम्बनानुराध्याद्भारे वसायसाद्वासीयायदेशाय्यायदेशाच्याक्षेत्राच्या क्ष्मसःवसःचावसःव्याःनगानःक्ष्मासःचरःनःवस्तःन्यःवःवःवः=न वसाम्रेन्'गुरादे वायमासेर'व्यमसावहसानुन्दाक्र। दसागुरा

हेर 'चहेत् मिं चें रट खाय मुं मत्य रहेयाय स्था । द्रिय मो 'क्षमा' स्व हट जा क्षेत्र चर चेद 'क्षेत् यो में स्व चर स्व हिंद होते । द्रिय में 'क्षमा' स्व हट जा क्षेत्र चर चेद 'क्षेत् यो में स्व चर स्व हैं हैं 'द्रिय स्व हैं स्व हैं कि स्व हैं

## 

इस्राच्यायते वहें रहियामि दासानि निसानि वहें रासानि सामिता स्त्री सामिता सामित

व्यक्तिता दे मिलार्ज्य मालिना यह हा सारमान प्रशाद हार व्हिंस मॅं अर्थे हैं र व्या विद्युष्ट में अर्थे हैं र क्षेत्र हैं र विष्य हैं र क्षेत्र हैं र विष्य हैं र क्षेत्र हैं तर्नाकेटा सिंदार्के समस्यत्वर केवार्च पर्ना विक्रिश्वराह्म । ब्रैट'प्रसासकुराद्रियामु।'प्रसादर्गी'यद्धन्।साम्रीकार्यान्। सं दमाय केंस्र दे त्यां क्षां ययसायात्र द'दसा ग्रेन्' की मि तद्वा । मु सेदे तकर देव दशरा सूच केद से दश पार्कर पार्व न निर्देश है सूचा नु निर्दे कुं अव या झान्यें वे केंवा ने स्नवसावसा ने साक्रे विन्या वि में में है से दाय है શ્રુ. થદ. નું . ઇનું, છુંદં, ઇન્રાઇ. એશ. રેદ. ભદ શ્રીદ. શ્રુખ. વૈદ. વૃદ. કૃષ્ટ્ર . જ્ मीट में में मूर्व रा महीट नावर ने हुँ रासट महूर है। रे.क.४ नं रा श्चाहे के दूरा वह द युनाय हे सूना नु पर्ना खुया हेरा स्नवया देरा मु सेदे र्वेद रेम् शर्के र्राया स्वाप्त स्वर्भन स्वर्भन स्वर्भन स्वर्भन स्वर्भन नुद्रान्निंदादाया। मुद्रान्तु मुद्रानु हानु द्रान्तु द्रान्त्र द्रान्ति । व्यवस्य सेद हिरा देः भराम्बद्धानुमारा ग्रीस स्रेदानर द्यासुसारेसान्दिर हेन न्म्राचामात्रन्। सामान्याने मार्यामान्याह्रयान्या। मेर्के ये प्रसमा क्षित्र.चाच्चेश्व.जनाश्व.जन्त्र.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य.चूर्य गुट्। वैक्टि:वस्त्रचनिर्देटमी सम्मवस देर स्पर्टिमी निम्न क्रु. मुर्-मानुशास्त्र विस्। स्रेमसात्र हरानर परेवास्त्र में स्मा मुै'मान्**र्यासु'मुर्|** सिंट र्से दे से सरानी पस्रमार्स्याय पान है पर्हिना सेर् याया स्वारेता रातुराकु र्वेदामी हैना द्रशानी है नाया से सह मी पर्रेर प्रवस लेर् सेर मार स्र ला पर्र रायसूर तमा सेर होर

चार्यस्य स्तर् निक्षा स्तर निक्षा स

स्टितात्रे हुर मिष्ठसार ने स्ट्रा स्ट्रिस स्ट्रा स्ट्रिस स्ट्

क्षात्रात्मार्थः क्षेत्रः विस्तर हिन्द्र स्त्रे स्त्रात्मा क्षेत्रः स्त्रे स्त

च्रुंत्रिक्तिं स्वरं सक्ति स्वरं सक्ति स्वरं स्

ख्रैंट.र्हेचा.पुर.चरेट.हे.ट्च्र्य.चायका.ह्रेट्य.मुेय.च्ड्र्म्चे.ट्रा।

अकर.चि.चीट.लट.कु.ट्च्र्य.चायका.ह्र्ट्य.मुेय.चु.ट्येचा च्रिट.क्र्र्यचा. च्रिट.क्रेट्.क्रेच्.क्रेच्य.च्रुट.च्रुट्य.च्र्

वुदासाध्यवादास्रवेदान्धे द्वावार्वे वुदा। रदार्मासाइसराणीयारदा म्नी मिन्न स्वास्त्र स्वरास्त केर प्रेर प्रचित्र मिन्न रहा खेत्र प्रमान हु:शर्<u>चे, हु:शर्चेर, श्र</u>र-हुं। अवर में रेथर लाट में जैसा मुख-पैंड छुटु. द्याम्भं दे स्र्र्याम् रायर सर्वस्य प्रविद्याय द्रा वर्षे प्रवर प्रयोव रे.चरेट.कु.इस.श्री.च्रिट.ब्र्.चट.ब्रिस.रे.ज्रूच.वेश ठचाठ.वेश.झे.सर. मु मेरे परंद मिद्दे पर्ट में भारत स्राम्य सार हिंसी हिर पर दि। रह ले १.पे.<u>श्</u>रेर.में.म<u>ब्</u>र.वे.में.माश्रर.क्षेट.क्र्यंश.ख्य.पंचाय.पंश.में.चार.. नु नव व मुँ ता नु प्यार व मुँ र स्यार व से प्रेर से में र से में र से प्रेर से में र से प्रेर से प्र से प्रेर से प्र से प्रेर से मौत्री बट, तुर्द, स्रुचा मो प्राप्त प्राप्त स्त्र महिल महिल प्राप्त प्राप्त स्त्र स्रुप्त मा মহমধ্যম অচনাৰ্শ অচ মান্ব মান্ত্ৰী মূল সামি নাইল দু মূল मुख् दे खनश नद्द न्दार द्वीय क्रिया मुग्ना निद्र द्वार निद्र प्रसान है? ने प्रव**र हें अ व्यद**्रम् पुरा गुरा गुरा पुरा प्रवेश प्रदेश मिरका गुरा व्यद्रिया मन्त्र। वर्म्युमिक्सिन्द्समिक्स्यूनिर्म्भावन्तर्भावन्तरः रदः केर चर्र में प्येद या रदा। यदस मुख मुं कें साय नास रेर हैंद दसमानेसानहरूने नित्र विदाय ना स्त्री में प्राप्त न्या न्या निर्मा नि कुँ खुन्न मुःर्के अणुट**ः देः नत्नै ४**-दुः र टः नी ना नी**सः श**न् सः नाडे सः खुटः नुदे र मुं व्यद् यदे व्यद् हें संबद्ध वर्षेत् य प्रदे द्वा य प्रदे द्वा विष्य विष्य के के दे दि दि की के के के के के कि दश्यन्तर्भः स्नाप्ताप्तः प्रश्नात्रः स्वरः स मीट संबं बुना लंद नवे रे स्वयंत्र होत् की लंद ग्रीट । दे बेदे कर मी रेशर मिश्र सेवस पुंच हे हेर विश्व ग्रीट विदश देव में नारश करे रा देव इ. भटे. रेम. लट. यूज्र. मृतः तट्टे. मृ. मूर्य स.मैश. युक्रे रेल्ट्री

बी वेना वेश न्रेर वर रेखना त्रभा नेशर पा वक्कारा हेते त्राया वर्षायायात्रेशामाळेशसीयद्वास्त्री करात्रामुखाळीयाद्वा यमानु य.१५८८८ चरार् लट.लट.वर्डल.लट.ची.वर्च ।वेच.क्च.रच. कर नवस के बिट खुर्न प्रमापि हरा अस प बिना कुस प हिरा है त्वीतार्म्यासाक्ष्र्रस्यास्याचा र्ह्न् नेन स्वयार्ष्ट्र व्यावा वर्षा स्व र्ने के र वे विवादिता परिवार वार पर पुरानासका वे दिन मी पर्वे । अरस देर मु दैनाम के दे भ्रद् हर मुगर दर मुगर प्रता तहुव पु पर हर मुगर मु त्रुम । वर् भे दस्य दे प्रदेशका वर्षेत्र प्रस्का वर्मा उद्गाप पर्दे व पर्येशयर्वेशयर्ते प्रस्ति । प्रमानिका निष्के प्रमानिका निष्के । प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका प्रमानिका । ष्टाने नसाके न विना नुस्य न्यावर र अपन्य । ने दे विषय साम क्षिन्सा महिमा क्षेत्र में र में र मिन प्रति मानु १२ में र भ्रम्य । अस्य प्रति स्थानु स्था वर्जे वर्डे सं होन विषय १ देन हिरा। हार्डे के हिरा देसस होने नु कहा यमूर्नि मुक्षाहेका में निर्देश दिया करा दे दे विकास के वि ब्रॅं.वेश.वेर.बंचल.ट.क्ल.टे.केर.विश.टे.पहचल.टेट.। क्रं.धूर.के. य.ल्र्ट.श्रर.चक्रे.चब्रेश.चर्हेर.चर। वि.चेश.व्हेर.चर्ह्नोर्.हेव.श्र्रट. वहिनसःमिरुना असः र्वना पु राजेंद्रि सुस्र सु रहना सु रहेद में प्राप्त स्वरूप असः यथु.भुर्-त.कन्। हु .क्र्र ड्रिट्स.सूर्। ८हृतस.दुंवे मि.लू.तस.र्टट्स तक्यः ग्रेसः मुनः नमेनासः नसः हे र र हितः सुनः सुनः स्ट । वहिनसन्दा विवर्षेत्रे वे के निर्देशमार्थः मेन के निर्देशमार्थः भूम. कू. रटा चश्मा थे. बरा हिंचीमा श्री. जिमा तर हो । विरा हिंचीमा श्री हर् यदेश रूर के वे दरावकर वहंय के शक् से वे सम्बद्ध मार् मार विर मधुद मुद्दे सम्बद्ध प्रति दर दे द्व पर्य पर्य प्रति

यर अर्थर विद्या । विद्या में श्री मा स्थिर के मा प्रेंच के मा स्थिर के मा प्रेंच क

ययश्य मुद्दा होता विकायाः नावश्य द्वार विकाय मित्र मित्र भारत्य स्वार मित्र मित्र भारत्य स्वार मित्र मित्र

पश्चर स्तुर पाध्या। प्रमाय प्राप्त प्रमाय प्रम प्रमाय प्र

पहें चे अ. ते दे अंदर अंद्र चे अंदर वे प्राप्त के प्रा

क्षात्त्रक्षक्षः स्ट्रान् क्षेत्रम् । प्रमुक्षक्षः क्षेत्रः कष्टः कष्यः कष्टः कष

दे देशका क्या सर्दे प्रकृषका चर्लीका स्वर् क्या का निर्मा स्वर् के वि सट देव क्रुचिक मिट्क वका है। चाड़े का या में भूका पर्में दे पश्चेता पद्य परेर दिना मु मेश है पहेंदर त्या मुव हुँ र मे हो र प्रमु मेर देर। दिन गुप्तकतः सर् वे व्यष्ट्रसः से व्याव व्याव व्याव स्त्रा हे नाय गुः मिर्ट्स हे क्रुं त्यस नुराष्ट्रस स्वानु द्वानि रेत्। मु रिनास प्रमुख से स्वि मिन त्रं भे भे ति वभाराष् मित श्रिर निः ज्ञा तश्चर तारे श्रा श्रेश हिंगाश रेर । व्र्यम् भुष् अभिष्य त्राप्त राष्ट्र रा क्टाम के भूभाव वट क्रिंगा देवेर व मिले स्ट्रे ब्रैं र पुरा केटाम मी.रेशर. प्रेर. ७ ब. र्रेश. क्यां शाया. रे. मीचाश. त. रेश. प्रांट. तैश. क्टाइवे रिवास तार र्द्ध सम्बूस वसूर वसूर वर्द्ध स वर्र में वर्र मुन गुर र्देशनायः केषः च वे भेगारायाः नारः स्यरः केष्ट्रीयः अवसः से विरः क्रुंश.चर्णेर.वैंश.वेर.र्बंटश.क्रुं.शब्र्ट.रेश.चर्चेर.ध्रुं.प्रेर.क्रैं.प्रेरी स्ट्रि. ॅब्रॅट**श.चो.सै.मे.से.१.क्रू.५.शे.च्र्.चर्सर.च्रे.**क्षेत्र.६ घ.चेत्र.टे.चे२४.४चेचस मुर्रर्भ्यत्वरम् क्रियाबायर् दे क्रियाबाक कर्मा माम्ने द्यार्थे स्थाप मै ल्यूरी सदाल चूर के रेवएक लूर वह स्थान द्या रहें रावर हुरे । र् नोर्ड् प्रह्रें मी मेट ब्रेना पर नाम ल्रेन् मेट । वना नार्ड् ने मेर मुक्त या क्षानु दगान म विना रेता।

माल् ए स्वयं नमें वैंश हें र मी मी ही मा है र कूर माश्य मारे र में या ब्रेंश होन केन से अर के अर ने केन अर ने केन अर ने कि निर्दे के मूँबर्केन्थे में मुं सेने वर्गे बेन्द्रेन्हें र सून्य नेने बरा वेंन्द्र वर हर दशर र मी कव रीन हिंद दुल दिन पिन पर यहेद मे न स्थार मु हिं नि नि क्षा त्र क्षा त्र क्षा त्र कि मु हिं ना स्व कि ना स्व नि सि माव न से ने प्रस क्षेर नर्श में रे देश अनाम मध्य मीम नहें भेर ग्राम में में सम्रे सिनास समुद भव पद नियस से में दिन या क्षेंस है। नगान हों द द महा प्रेंदि . वस्तिशानुसानिदा। देशागुदासाहिना पर से सदाहिना सानि से या वं वं प्रवेश खुर अर वहेर् युरा। वर् नालुर दश से पर्रे पले र न इ.क्रुची.चोशर.त.खेची.चूच्या.च.च्या.चा.चेर.था.चची.चेर.श.उचूरे.वतथा. म्प्रेन मुद्दालिदा। ने अर में अदार हैं नास प्रनृत्य द मुना स गुरा पहें र यक्षेत्रायन्द्रक्षा क्षेत्रहान्त्रीयस्याक्ष्यं वर्षेत्रायनेत्राक्षं सुवायः ग्राम्या व्या विद्रार्थ । विद्रार्थ अने न्या मार्थ वित्र वित क्षेत्र न रेत्। न्युष्य र्तुया देन्त्र १००० वि दे क्रेन्य अप्ताम्य दर्गी पहिंचात्रा चेता विद्या हा सरा खारा पा हूं श में हर हा ने चेता पर हरा. त्युर रे हे केर कुष्ठ्य रु प्रबंध है। मिर के वे श्री रे वे प्रिक्त पर्म्याञ्चन पुरायदे हैं प्राप्त देना स्पूर् हैं रा दे हैं मुब्र में अस वेद त्यक्षद संवय म् क्षट स्ट्रिमाट स्टर क्षेट्र पदे के स्ट्रिम न देना मिंद के केर दें र पने विहेर भेर खनस वहर य परे रना रूव हें किया ने ने दें दें के के ना दें ने के माद में महर के माद में महर में महर में महर में महर महर में महर महर में

बुक्ष प्रमाश स्व प्रते मादश स्ट्र शु मुर प्र दे । वि क्षेत्र स्व प्र मादि स्व प्र स्व प्र मादि स्व प्र स्व स्व प्र स्

क्ष-दे-क्र्याक्ष-बर्द्र-क्ष-घर-मी-वर्ग-वर्षिद-विकारी नाबयाद्यर-प्रहूर-<u>४.भु. त्रापा. ष्र. कुर्यः पोर्चशास्त्र स्तर् ह्राप्तः यदशायरः</u> सिट सिंदे र र निष्य पर्यान सेर यर सिंव केर पर्टेर से संप्रा केर श्रूर.चग्रेथ.तेमा.वेश.एषु.अह्यूर.व्यंता.केर.मी.श्रुष्ट, रेचा. तीचाश्राता. तर. मूल वेर मैं र रेर्ड तवश स्रेर रा अब्र र है अवश र है श सट हैं र ट हेर ब्रोट छेर र्नेन्स यन्दर व्यट मी व्यर्ग प्राचार विक् के श क्रिंग् रेन्ता इ.च.र.च्ये.चहर होर.ल.च.चेंबर टेंबर चंचे चाली में स्केर में रा टेंट्बर ट्रेंबर ૢ૽૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼ૽૽ૼૹ૽૽ૺૼૻ૽ૼઌ૿૽ૢ૽ૼઌ૿૽ૢ૽ઌ૾૽ૼૺ૾૽ૼઌ૾૽ૢ૽ઌ૽૽ૼૺ૾ૹ૽ૼૼૢૹ૾ૢઌૹ૽૽૽ૺ૾૽ૺ त्यःचगातः निमा दशः तम्भि । यस्य सः से चेतः स्रवः सेतः स्वेटः सी स्पेटः सः त्रः । मुन्यामान्त्रमान्यमान्तराह्म है दे राष्ट्र राष्ट्रीय मुन्यम् राष्ट्र र ৰ্ষা নৰ্ব বেইনা সাদৰ শ্ৰী ষ্ট্ৰনাধ্য ক্লি নৰ্ব শ্ৰীব হিন হস নাৰ্য শ্ৰীক ৰি ल्र यारेन श्रेमहर्के वे र्न नुष्टिया हैना रसामुद्र विद्ना म्या नुर मुद्दे प्राप्त द्वार है द्वार द्रा प्रमुख रहे हे स पहेंद्र या की है व. च्रिट् क्रू. प्रेट्र प्रवस्य विट खेर प्रमा ग्रीट । विश ववस्य श्रीमा क्रू. प्रेट्र न्त्रस्तुरावर विंट हें सास्त्रायम् सामुकावहि हो ने वि टटा वर्ष्ट्राय हेता दे देशका स्वर र ट ट्रंस की निर्धालिक लार ट पहेंद् पुराया केंद्र केंद्र । युष्ट्राच्यु व्राप्तर द्यावहरानीय विंद क्रियानुया वही दे हिर विंद् हो

विता तर्ने तिष्ठित्र स्थान हिंद है ते सुनि स्थान हैन त्या से प्राप्त स्थान हैन स्थान स्था

वनीं विद्या है के वे ने हिन दुवा है सा हो । न सा क्षेत्र सा स ग्रादर्भातरायदे लेना मुदायदा क्रिंग प्रसम्भवसः श्रेन र्ने मुं १ वर्ने सु सेना बेर न र वर्ष पुर लिया ना न र र दिया है । िंज.इ.क्ट.अश.झ.चुंश.त.झटे.त.झे.वेर.चीर। ची.त.चरेश.कूचेश. कु.चपु.श्चेर्,जश्र.कर.मेर्न,चर्चर.कूचल.श्चेंचल.मुंट.मुर.वट.रिज.चट. सर हुर भेग सर वें क्रियारा भे ने दे हैं दे दा मुक्कि हुर विन होर रमांका वेर् दे वेर वेर केरे प्रवा देश हे अ वेर पर्र परे र रेश म् सिदे पत्ने हेर हैर दिकर कर मी हैन मास से प्रेर में पर्र परा दे १२ १ ४ अ . वृद्धः अत्रयः तात्रः त्वनः अतः वर्षेत्रः गुरुषावः नार्थेना द्वस्यः यणवःचनानुःवनोवःकोः व्येतः स्नायः देरः कुः स्वयः सः स्वाः वनो विद्वितः मोर्डे. च. मास्रम.मी. श्रीट. पत्ते र. टिस. हे. र. मास्रम.मी. स्त्री मा स्त्र स्ट्रूट. पहीर. मुर दि में में में दे ताहब दर्ग श्वर खेन दम्रेमस साहब नक्य मुं बर ल्रे क्षेत्रकाचनाय निना वस हिटा नाश्चिम प्रहार प्रवास प्रहार ૭૮.\ ત્રિષ્ટ.જ્રુજા.c.જ્રુ ઇ.પ્રિમજા.ઇનોળ.મોદ.ભદ.વૈજા.ઝુટ.પ્રેટ.ો <u>ત</u>ુરે. क्षसायहर्याचेदासायस्य में क्षसायहर्याचेदा हिससामिट्राचे मुं ल्य अन्य महर् स्वयं मिट क्रिंग न्या में क्रिंग के नेया है त्या है त्या है न

स्त्रीय (पर्ना वी विश्व स्त्रायां साम्री सेना देना सार देन हैं स्त्रा है से सार देन हैं सेना देना सार देन हैं सेना देना स्त्रा प्रदेश हैं से सार हैं से सार है से सार

त्या पहर्ट तर्रेता। कार्य कार्य विर्ट प्राप्त क्षा प्रमुख्य प्रम

त्रस्ति द्वारा त्रस्ति । त्रस् श्री द्वार्त् । त्रस्ति मेश्न मुं स्थानी व्यक्ष क्षेत्र विमान व्यक्ष क्षेत्र विमान व्यक्ष क्षेत्र मुं स्थान व्यक्ष क्षेत्र विमान विद्य क्षेत्र विद्य विद्

चीट.कुर्य.चीरंस.कैटस.जू.चेस.ग्रूट्.जश.ष्ट्रस.क्रेंची.वे.कुरं.लूट्.च.

देर खरा दे . य . व . चें व म हु . वि र । से . दमा द से . द र . द र . द र . <del>বল্লুম ঐ্ব বাবি বেশ শ্বিব ঠব</del> স্ভল্লেন বিজ্ঞান বিজ্ঞান বিজ্ঞান কৰি কৰ क्ट्रे.बुर.चर.चराम.बु.लूट.बीटा देव.क्षेत्र.बेचा.रट.चरुराय.बुच. लट.चस्त्रेर.७च्.क्ष्येश.चेट.। ट्रे.चर.क्ष्र्ये.मीट.क्ष्यका.खे.चठ्र.षथः र्थात्रमुचिषायते,पर्दात्रमुद्रमुद्रमुखायामुच्यत्रस्त्राम्यद्रमा (केटा) सेटार्स्सामी रहा हीटा मा हीना होते हिनासा दे प्याप्त प्याप्त ना नि शहर नर न्या न द्वार र अधि स्थानी वर सुराय साहित मा प्रविद्युत्रक्ष्यावयम् हर येना दु मुन्दिस हिया र् अर स्था है । वस दम विदेश में भी देश के स्था वन महिन् माम्बाहे सदा नु गुरा स्वर रदा है द बे द ना निया है द गुर पर्दे र या ୬<mark>ଟ.ସ.୯୮। ୪</mark>୪.ସିଧାକାଲବ.ଖ.ସିସ.ଘି୮। ୨.**୯୯୪.ଅ.୪୯**.୭୯.**ଅ**୯.୬ बद्दायम् अ.स.च्या प्रमानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् अ.स.च्या स्थानम् मुराजुः वर्षे वरा सुरावारे रावारा कावल्या वारा प्या हो। की भट मेश रेम स्र भेरेट तर्टर टक कूथ हीट मोडेक के गंक देश वर्ता गं ववसावर्णेर् निहिर नमार्ट नेर खुरा दे दिरा भारती मु से साहि वि दे श्चीर देव वर्णे र प्रिष्ठिर की बुबा मुनाबर हुए दु महिंद वर्ष रें भें ना बहा वुरामुः र्वेर पर्टा नुस्र सर्द्ध द्यायम् स्री स्मार मीस द्या निय सेर पर वर्मानामुद्रिः इष्ट्रमः निकाना द्राप्ताम् भाष्ट्राम् भाषान्त्रम् । निद्रापा श्रेर्-च-वज्ञ कुरे कु श्रेरे व्यय र्द्र की मून्य यव र नु वम् वत्र प्रेर प्र केराव्ये विवाही सीमान्यायुरावा सेरा गुरे प्रमित्र हैं। स्रेर्ज्या न्याकेषे क्रिया प्रेर्ज्या प्रिर्धित स्रेर्ज्य प्रिर्ज्या नम् न विषया से न विषया हो न विषया हो न विषय है न विषय हो न विषय हो

प्रमा श्रीर दें र प्रमा क्षेत्र में के स्मा मा प्रमा के स्मा के स्मा के स्मा के सम्मा के सम्मा के सम्मा के सम्म

न्द्रम्मित्रं बुद्रम्मित्रं द्वेत् त्वाद्रं द्वेन प्वेत्रं द्वेन प्वेत् प्वेन प्वेत् स्वेत् प्वेत् प्वेत्

## त्रेष्ठ प्रकृत्या **मु**ःसरःस्वस्यः

सिर. श्रीमर कु. जार परे के स्था कि मार कि म

मुश् हु - नेश कुर श्वर कुर ने ने अमीर प्रमूर नियमित कुर हुर ॥ मुश् हु - नेश कुर श्वर कुर ने भी भी नियमित कुर हुर नियमित कुर हुर नियमित कुर हुर नियमित कुर हुर नियमित कुर हुर

के.से.लुशा क्रि.स.२८.से.१.४०००। - सूर् मु.स.५.मे.मे.से.लुश्या मा.से.लुश्या स्तान्त्र स्तान्त्र स्त्र स्त्र मुद्दा स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स्तान्त्र स्त्र स

स्वीयामादशार्द्वयादेगारमार्थे विश्वति नावशायाद्वि से नेश। स्वातः स्वीयामादशार्द्वयादेगारमार्थे विश्वत्यादेश निश्वत्याद्व स्वातः स्वीयामादशार्थे विश्वत्याद्व स्वातः स्वीया स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः

म्या क्रियं क्र

हर्-रह्म म्याद्वा हे. में स्वाहिता से स्वाहिता से स्वाहिता स्वाहि

दे खर द भारत वर्षे वर्षे अर्थ या निष्य वर्षे निष्य प्राप्त के न

वर् र न न मार्थित स्मार विकास विकास करा करा कर मार्थित वेद्-दि:कु-दन्-निकुट-नै-भु-द्ध-निद-प-नेद-सम्द-दसन्-द्धि-वद-श्रीटायाटशादे सेंद्र वर्डे वर्षेर विश्वायालेश मिट्नीश मेंबी सर पहेंदी मोश्रमी तकर व्यानहर् होताहरी दश्रामश्रम प्रकर मामेरियेश के. श्चेष्ट्रयाचेरायदा। र्देश ५ प्यवंशयाप्ता श्रदाक्षराचे रेदेश एका व्यवंश्व द्यावयश सेर ग्री देश तचीर नाशक म् . ५र्रेश मी . ५रेच । मिर दंश मी. मार-द्रायदे वहनास ग्री वनाव विष्ट हे प्यत्र का वक्ष्य वस स्वयस ... मिमानाबर्द्धा अस्तित्रा निक्रान्ता निक्रान्ता मानेसावसार मुद्दामा मुना क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये व मेन्यायम्य में ११ में १६ संबर्धिय में ११ में १ में १ में १ में **5स.त.र.त.क**रेश.रे.टपु.र्न.पु.क्टर.रे.कुरे.सूर्तं दे.रेस.िट्रचूस. den. what ig a lot ig land a land a land land ig a lang a. क्ट. ट. **. हो** ना स्त्र महिना स्व की मोर नो बेट . मो मोरे ब . बे. सुर से देश सक्दर .... **ब**र्बेट्रा कु .चनश देश श्रु किन किन निर्देश दे निराद में निराद के निराद क 95मा

ल्ट्रमु सेयायह, योदस क्षित्र भ स्तित्र प्राप्त होता विकास ला विकास क्षित्र होता है येट्र क्षित्र हुत्र हूर्य साम विकास क्षित्र होता है येट्र क्षित्र क्षित्र है येट्र क्षित्र क्षित

मदे स्वी देश १००४ व्यापक प्रति के कार्मी ताता राज्य । रेवें के देश ह्युर्ट्रे क्यु मेर न्यु स्था मात्र द्राय द्राय द्राय द्राय हिला है स्था है स् मिं व ते भ्रु कंव के नशाय प्राप्त प्राप्त का का का कि का मिंदि का मिंदि का कि का व्यक्तम् मुर्ने मुन्ने निष्याया स्त्रेश विषय विषय मुर्ग मार्थ हूरा पर त्या स्नु र्य लट् है. पहूरे में शा में में में में प्राची की में में भी हैं हैं हैं हैं हैं से हैं हैं से हैं हैं हैं हैं हैं पत्रे क्रेश महिमा हेर क्रुंट पर्देश पर ८ पर्टेंट हो। स्र १८८। स्र केर रेश वर्षे के सदस मुस द्व मुस दे पुस केश मु सु सर्वे पु मार्ग पु नाप्त लु द्धम.सम्बद्धम.मा.चेष्ट्रम् मा.चेष्ट्रम् मार् हेर्यं नार्थस.प्रेस.पर नसमःनिह्नम्साग्रीसःस्त्रान्दान्त्र्त्रां वर्ते प्याप्ति व से से व विषेत्र व विष्या विश्वावहर्तित्रमाचर ज्ञाउट द्याद विश्वा मु स्रामाद्व विशेषाम मेर् कुरासुर स दुष्य प्राचित्र पासर न ने दे हैं स भेर हें र जार । स्रायस देर मु मेदे दमन दर्भि छैश स्राधाम नहेंद्र निरामा स्राद्ध दे मेर क्षे.क्रॅ.मी.चेर.भे.क्य.तम.च्रॅ.मु.पचीठ.बुचाल.चह्र्र.ल्र्र.क्र्र.मुस. म्रीट मेर हैं है । मेर जिट मेर मार्टि के मानना नाहर मेर हैर मनस मेर जैट मानु चुर मद्रा मार नेर मिं में तम् निर्मु निर्मु मान्य श्चिमा मु मिय मु से सार इसस दमाद र्श्वे के द से द सम्मा

ध्या.वेश.वैट. ड्रे.ज.ट्स.४ ट.ट्.कॅट.कुर.च्.वैट.क्री मैं.भक्र.व्. इरतंत्रत्रत्र्यं क्र्यं व्यक्त.व्या.व्या.लुरात.कं.वेपु.श्र्यः क्र्यं म्रीट.भूज.इट.च्. योर्थ.क्र्र.भें.क्य.कु.चें.स्यायेट.व्रश्राची.येच.वस.चेल.कंपशे.कें.पेंट्र इ.वस.क्र्यं मैं.यु.चें.श्रीया.वेश.चेंटा झे.स.वंश.भ.क्र्यं मूट.चें.भ्रत्. म् त्रित्ता म त्

स्ट्रियं क्रिंट्यं स्वर् ती स्वर् ता समीर क्र्या ज्ञर तरीया। क्रा स्वर् क्रिंट्यं क्

पश्चर में ब्रोट खूल, ब्रह्मा, ब्रेट, टे. तथ्य, तथ्य, ब्रिय, क्रिय, व्याप्त, व्याप्त

देशस्य स्थान्य क्रिं प्रत्य प्

त्रक्त्रिक्षेत्रम्भात्रे व्याप्तिक्षात्रेष्ट्रम् स्वत् द्वात्रात्रेष्ट्रम् व्याप्ते व्याप्ति विकार् लम.वज्ञ.वुर.वर्.क.चना.चना.ल्य.च.रा ट.कूर्ट.व्येल.श्रट.वे. भेदै दसना सर में संपद्ध विव विव पार्य में मुदे देव न देव ग्रेट.इस.गोर्डा.झ.स.र्स.चे..बर.चर.चरेर.चेड्रेस.चेश्रेस.स्स.रच्यूर... यभै भन्नुव्यायस ने न्या के ना सुस म्बेर यमें राष्ट्रयाय द्वारा स्था वस्। मी. भूतर मिर्श तपूर वट, हेरे चिश्व सूच वरेर । जमातर मबिश्रामा हुत्, छे, वर्षे था के बा भी विर स्वाद ए तु हुन्। स्टर्स विरूर ... पर्वे मुद्रे मु : इस : लेग मु से स प्रेंस ते दूर ति निर्वे से स गुद् नीजें निव्युद्धि है व व हे अपट द है अ अस न है कि ब स्वर्ध सह्यी क्र्यातिष्ट्राद्रियात्मी के शावशायस्य प्रतापक्षा के बिटासर स्वरसः नक्षरं महत्र केर्नु निर्मे निर्मे त्यम त्युयरे के भेर् ने दि निर्मा थका जा.कि. पश्चित्र था.ची. हु.ची. पश्चित्र सेपशाह. सू.के. इष्-मारश्रद्धानमुत्र्वस्य स्तुत्रम् नियास्य भारत्यम् वित्रस्य प्रदेश मुक्त कर स्पर् हरा वन रे नार अदे हे सहस्र संस् अपन्य हें अं क्षु देवे स पानस ऑट द्वेंसा दे द्वा हो दावि नादस दे नेवर्गर मुःखट वे पहेनास य वड यने महि वेर् दे सर्वे र मे वर्गा र्ट्ट.श.च्यामक्षमक्षासुर वर्गेर्गुक्षस्नाकार्ट्टा स्नारम्बाकाहर मेट बन्ध रूप में सार नहें हैं विवेदें रूट ने होनसा स्था देर रूट प्रमुद्रास्त्रम् स्वाउदानी से हिंगास्तर प्रसासुया सुदा सुद्र पेर माइससा प्रमुवायार्के दे मिलाक्षेत्र पुरा प्रस्ता है व पहलाक्षेत नेटा मालक ना मान के ने देवा नु नि मान के कि है न कु स.क.क्.ट्रॅर.क.बुटा व.चॅ.लटस.चुटाचे.कुर.चे.वटा बूट्टट

मेन्द्रभान्तवि प्वृत्ति व्यक्ति विष्ठित् विष्ति विष्ठिति विष्यक्ति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्ठिति विष्यक्ति विष्यक्ति विष्ठिति विष्ठिति विष्यक्ति विष्यक्ति

३. सूर. मृत्यीयालस. सूर्य स्वस. मृत्या स. मृत्या स्वस. मृत्या स्वस. मृत्या स. मृत्या मृत्या स. मृ

व्यानुदायसम्बर्धायम् । विद्वति । वि

चर्ना महिर्मातम् वर्षेत्र प्रति स्थाप्त स्थाप

 दे वसामु मेर्दे वर्णेद वुसे वेद मान्द सेद वेद । मिं दें वेस पदे मोर्माभेवशामानीर्रे चैटामाश्चरावन देनात कूरादे दराहर रात्रवसा विटर्न ट.कूश.ज.इर.लंड्चेश.श्रेपश.ह्ये.शर.चरिश्व.चर्चश्राचीश्राच इदसं वेनास से प्रुमाणुटा रेम प्रविश्व प्रविश्व कर हैं रणुव हैं विश्वयसाने स्था देश वरा पर्से दे हुए। सद्य सर्वा ता क्षेत्र सर्वे स्वर स्वर में क्रि. स्वा, पवाय वक्ष अर वर्ष था चेर अर ब्रिटा चेर रेट कुर तुस मैक्'न्'नक्षेयामके'रेमा'नु'र्सेट अटा। रे'र्डर'न्ट्रिंगत्नेयासहेत्'सेसस प्रमृत्य हिटा मुं सुरक्ष भु पर्य देश प्रमृत मुक्त मिर प्राय देश टा रहेर. र्मान राज में भूर न सेय हिरा रमान रूर में भूर म के केर मुख्य म वित्। साभक्षस्य सी. नेत्र महत् प्राची विश्व हित्स मैज संस भक्त्र्ना दक्ष भक्ष्यक दूरी है तो व नाव र । सु अधि द में नार ना बिट वहा क्रेन्यद्वन्यस्यव्यस्त्रें व्यास्यास्य द्वेन्यस्य स्त्रेन्यस्य स्त्रास्य स्त्रेन्यस्य स्त्रास्य स्त्रेन्यस्य स् वहेंद्र यनो समाविद्र दर। श्रेद क्विं। मुम्मर माबुर यहसानी समीद क्व.मे.ह्म.वस्मस्यस्य तट्टे.चोबट.बुट.। संबराज.चूर्.जियोस.मे.पि. न्त्रम्थः न्तः मु न्तरः मु त्यायः स्वयः यव्वरः के र्नेना नी खेटः नः नस्रा दे वसासर रस्मान्द्र प्रमुद्द ग्रीसासाम्द्रे दिना पुःसुदादसमा मीसाळे । नब्रें नुसरे देन के स्कार देन विना नु प्रमा विद्या के नाम के देन मर्के वर्नेर र्व मार्डेना सेर स्रेर उसा

क्रे के ब तर्म हिंदम के वा मानि हों ने वा वर्ष हिंदम दा

मी.चीर.विर.तिचीश.सी.पचीतालस.रूथ.वेचीश.सेचस.स.चीश्म.स.स.स. वस म्राजिर मी रनार नश्च ने राजान्य है सर रे स्टर्सर हैर। मिर् ने हैं यश्रम'यर देर्'रदारदाखुत्यानु व्यर्'यान्नु वु व्यश्च कु मुलानु व्यर् प्रदे इंट.च.चइंट.च.कं.चैर.चैर। शतामु.चवं.व्श्व.वंश.ट.कूश.चंड्र्र.च मलना है निहे र निहर निर्देश देश है जब मुन्नर नु स्पेर् मिने के केर्द चित्रह्माराक्ष् द्रायम्बार्यस्य श्रिक्षायः। सुराष्ट्रीराम्बादा वसारवसार्के स्वाचितात् रा। चित्रां स्वाक्ति से एके एक मावटा द्वार यश सरवहरावित्र दशक्रिके हे विरानी करका वित्र वरा हर पुर क्षायाम्बर्गित दे म्रिनाम्बर्गा हुयाया महत्व विमानुदाय है। देवे हर चारुवातात्रद्भार्वेद्धात्रा इराम्हेबातावेदागुन्दरस्य पर्वार्डेटा एकॅ.मॅर हिर ही प्रामा नहें गृतु से केंग्स है। संस् चित्रातिहर तर प्रतितिषा विवासर विवा स्थारवी स्टायर व्यास्त मरासं क्षेत्रीश्राद्यमसास्त्र वसायब्दाराये ब्रास्ट्रे हारावे प्रदा क्रा की महिना सं द्विनायान् ग्रीयावसाञ्ची स्टान् मिया है साहुम है। देश्या स्ता व्या गुप्तर क स्वया है। तुप्तेरी प्रशास है। वा वह ना वह ना वर्षे मा। व्यवस्थित मिमाहर ने प्रमुद्ध स्थाप हुए मि सुन् में स्थाप है। से स्थाप स्थाप हुए हैं। भ्रत्भर वश्चर नुरत्र निष्यायम। मिर्म भर वश्चर प्रवस्त विभाने हसायाञ्चना याञ्चेसानुहा। दे याजानार की त्र्नासाय वितासाम् हर् हैट.वैट.सूट्। चोरंस.क्षेत्र.ल.भक्षर.वर.ट्र.मी.चेर.चस.मेट.भर्च्ट.न में बॅर्निव वें कुर्या

मद्भारम्बे तमा प्रमुख दे। दमेग्रा रसय में महमम् विनादः

सुरे हु दे जु जू जून असे नम भेनम र ने व ह किर जून अंतरा र द रवट. वर् की की मोर मोशर वर हिर राष्ट्र की या शबी है हो की में रहे की क के प्येद : नु : वेद : प्यादे : द्या मार्क मु वे : वद : नु : श्रेद : वह र श्रु मिल्रिनिग्रिर्रारामिरार्वित्सर्वेग्रह्मार्दा। ब्रेन्स्रिरिस्वित्सानेडः इस्र.मार्द्धस्त्रन्त्र,चश्चरःहर्त्रन्त्रचर्यात्रन्त् । १८५८ स्वरुमः नुःनावसः मूत्रेष्टार्वे निवे से रे मोबुटा ढंच पर्या क्षेत्र तहे हे बिक्स मोबिया 5-1 क्षेत्रमातुराजन र्हर रिष्ठ्र केर कु भेर खगरासु द्रा कुना मीतिरुमा मिंदावसाङ्कोतिहराकुँसासुलाहरास्य सार्वे देर्वा देनासा कुर्म हिंद्र श्रवाह राष्ट्रिकालकंक्रका किना नुप्त ने याप अनु वास मुद्रा स ह्मेवस १८५म मिं वे वे यससम्बर्ग र का है वे सु तव व्यक्त दस से न ल्रेन ने निर्मे स्रियंश क्षेत्र वार्श वित्र है। दे वि मे ल्रिन के देनी रे रिमार्ट कर यहे हिर्देश हो रहेश हेर स्टब्स हो माउर नाय केर व हिगारे रहाम यद्र १६। कु केरे मानुस्क्र स्थित स्था स्थित स्याप रे हे ब्रेरिवेरियान्य सेरियम विवासी स्थानार के प्रसंदान विवासी स्वीत २.चलना,४२ेच अिचका,र्यः मि.चरा.से.उच्चेत्राजका विष्या में क्षेत्र क्षेत्र 24.2c.11

चय-वश्चाश्चर-मे-अन्म । त्रमाश्चर-क्षम्य श्चित्र-स्वय-अन्तिर-क्ष्य त्रियान्त्रीय प्रत्य-तिस्य त्रम्य श्चित्र-स्वय-तिस्य त्रम्य त्रम्य स्वयः स्वयः प्रस्य त्रम्य स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः क्षत्र क

स्राया वित्ता वित्ता वित्ता क्षेत्र क्षेत्र वित्ता क्षेत्र क्षेत्र वित्ता क्षेत्र क्ष

ते.ची.पानंदेर रेश शरश में श. में जा जा कर हो का में रेश रेश शर श में रेश में पानंदेर रेश शरश में रेश में रेश

स्वात्त्रकृत्वा। स्वायः स्वायः निवाद्वाः स्वायः स्वयः स्

मिन्द्रिं नुद्रान के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म

द्धेन कर ने स्पर्धित च लिए हुर ग्री स्टेन हुन प्राप्त हुर ग्री स्टेन स्

तर के त्रार क्षेत्र क

चस.च्ट्र.टे.चोर्स.क्ष्य.वेच्ट्र.चेर्य.टट.हुट्टेट.ज.चें.सम.चेटेट.सुसस.कु... चोश्चट.जरे.टे.चेर्य.वेच्ट्र.चोर्य.टट.हुट्टेट.जोश.चोसरे.सुट.वर्य.सबर. चिट्र.रेथ.टे.क्ष्यत.वच्च्र.सेर्य.टट.हुट.चोश.चोशरे.सुट.वर्य.सबर. स्री त्रित्त्रसाम् स्राम् निकार निय

मीशःशःमोट्ट्रावयमाध्याप्तत्रः पट्टेर्णयः साचितः।। ताष्ट्रभभः अपूर् हेर्नेद्राज्ञात्वेतः मोड्जूणः विभावधिका बुरावा स्थापसार्थाः स्था

भुष: प्रशाहेश: गाँउ : ध्यदः त्यदः व्या की विना निवा : विना । माने वि च वित्वत्त्रक्षेत्रं वित्ता मुक्ता र्वे मुक्ताम् केरान्नि से दे मस्रित र्श्वे विगःनुः अर्मोद्वः त्येन् स्मिन् । सिंदः माक्नेशः नदः। यादुः ध्यदः व्यवः अहसः तृ ब्रोट क्रिंग चुट ते अप चुट ते प्राप्त के । मार्थ मार्थ के प्राप्त के प्रा म्रुन । नहे रचे निर्भार के दे ना नुस्नो समा हो र मा केर स्टब्स वेर् वराम्री । हैं गुराया महें शामें रामरा मार र देर माराया स्वर हुअ.श्रि.श्रेचश.र्र र श्रेट.श्रूप.हु.वैट.स्थाप.चहुर्याथला र्सरवस्त्रराये हेरे व स्वामुक्तालामाया हेरे वित्र रहे प्रमुख ल्याहेगानु यहे प्रहें भागुरु दायहा। नाक वेन प्रायम के के के इन सन्तित्वे वर्षे वर्षे द्रायहार हेन स्वाया विस्के सम्बन्धाः र्ग्यावर्के हैं। वर्षे व हर र्ग या वेर हुँ गुरावर्त हु मैं भवेश सम षर कुल ने र्रेट बुव सम्बन्धि वर्ग के र्द्ध र यह ना **ब्र**िक कुल की रा न् रामे श्रीत्रवर हेर के रामके केर र याने खाल क्षाने स्वादा प्रा केषाञ्च नियास्य स्वास्त्र केर खेर होर दें की केर होर प्रशासना वेर रा अनावर छे. सर् दिन्द्रियायासेद्राचर द्रामाप्त्रिय केद्राच्या क्रिया मिरास्त्र म्नानोस स्नास में वट सन्ते ने देश से साम मान से वन मीय से रूर **न**वट वश्चर छेन वाने र से वर्ते वा छेन सम्बर्ध के वर्ते से नवट वृद्ध के व्राय रेम'प'इमस'मेर्'पर'वेर्'मे'सद'र्गु स'स'इसस'भेर्'दुल कु'मेर्ने

द्मन्द्रिट वर्ष्य सेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर स्मिर स् मक्रम में ना दश में श मधुद ना शर पा ले ना था में ए देना श द में दि द में श क्या बेर सामन भट से सार के भी त्या व्या मार से सदी यह मी ही बी केंस में मार मी प्रथम देया द्वार में देन में मेर पर सेन मा में दे पहेंदे... बाशकार्त् विशापर्मा अविदास्त्रा है हिर होर श्रेष्य गार्थ । स्वा र्यापः स्थान विष्या । द्रिमाप्त्राचा विष्या विषया विषया विषया विषया । बिटालायहूर्नामाला द्रांत्रपु.सि.महारेवटाकार्ह्यामुबर्दा वूर्वटा खुट द्रोंवा मंत्रे केंद्र चेंद्र केंद्रे विदे द्रेंद्र पार केंद्र पादे के रेवा का का व्यट व यह केद म् मन् कु दना नालुर नी श ने द क्विर ने द द दे हैं व्यथः र्रेश-वरः में मुक्तः मेरि नर्रे प्रता वर्षः में प्रताय मेरिकः मेरिकः ब्रैन्यनोक्षयर्द्र्द्ररे हे सन्दा महिना निस्तर सामावस क्रियस हेर वश्यान्यक्षाः द्वायाः स्त्रीकार्यात् मीकार्यातः तथाः तमातः स्याः मुद्राः स्थाः ल्रे.से. १८। अ. १४ ४ त.मी. पत्रत पत्रते रूपा था त्रामा पत्र्या ने पत् **५८। वर्ष्मिश्चर्ष्णे अशर्षे र्रम्पायम् वर्षे प्रमान् वर्षे प्रमान वर् प्रमान वर्ये प्रमान वर्षे प्रमान वर्ये प्रमान वर** इस.च्ढ्रेर.देव.चेब.चेब.चेब.चेब. चावका क्षेत्र.क्ष्मका कर्ते. हु.चेट.ज. श्रेय्रसेट मीश हुँ ना सि त्युट मिल दस्र या पा हुँ ना लेय है र मु प्येय ले या दरा र्रिट्विट वस नहर्ने नामा ट्याप्स मुच नुसार देस शामि हिन इसम्बर्धनायेदार्पनेयामुःभेदा हिर्द्धमुःगरःरुपन्नमहा वर्रें . लूरे कू प्रबेश कर प्रतिवास । दः कू शायन त्रिय है . वेशायान है है . र्योश नीय रे.ट.क्र्स.लच.जुर.ह.च्ढ्रेश.स.चेश.र.में.रची.चां विट.ज. अवर विंदः नीशः वहेंद्रं द्वारशः णदः होदः हेंदरः देः वतुत्रः लु कु नारेना स्पेद्।

सटायान्तर्भे स्थित्वरान्त्री प्रत्ये न्या स्थान्तर्भे स्यान्तर्भे स्थान्तर्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्तर्भे स्थान्तर्भे स्थान्तर्भे स्थान्तर्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्तर्भे स्थान्तर्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्तर्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्त्यत्यस्य स्थान्त्रत्भे स्थान्त्रत्भे स्थान्त्रत्यस्य स्थान्त्रत्यस्य स्थान्त्रत्यस्य स्थान्त्रत्यस्य स्थान्तर्यस्य स्थान्त्यस्य स्थान्त्यस्य स्यान्तर्यस्य स्यान्त्यस्य स्यान्त्यस्य स्थान्त्यस्यस

्रांचि,त्यरं जयं वीचा उद्धरं हुशारश्चि,चार वर चिलावर जाना टे क्र्रे र्देर'वर्भे रिनुष्टिरो मुर'वर रेट'खन्यर्न्टा रट'न्वट'न्य्रहरू न्हें दे र्राटा सुन्यादेन प्रकार्दे ने प्रकार होता स्ट्रा वॅरेप्नार्चेनामर'मर्वेदापुटा। देनाकेशागुःष्ट्रायरादेशस्यानाचहदा वसुभानुद्रायद्या राम्स्याद्वान्त्रामुक्षानुद्रायादे रेदा मि विदे त्मीअसात्मीयात्रकराचित्रेच्यू <u>च्यूम</u>ियाराब्दाल्यूम्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्या क्रू अस्त्र में निविध्या के निविध्या त्राम्य स्त्र में निविध्य में ला सरेडी लाहरेरी सर्घन्न हें है नदेश स्रोध होरे स्वेयरा म्बे त्रिके केर त्रमर प्रतिमान्या मक्षिण महासार मिन नेते वर्षेत्वम्यम् मे नद्दे वर्षेत्र न्यात्र नु निष्ठात्र नु मुन्य महेत् मे प्राप्त निष्ठात्र नि तक्ष्यकारा रे वेका है रे का पश्चित विका वाक्ष र र यका मु । पार मु च ग्रें-१मा इता इस स्पर् प्रेंन पर्ये गाम तर्ये वा हिटा सामे वा के का की किटा केंद्र दे.रचाल.क.र्नेश.जश.रचाश.पर्र.भुत.वट.र्विता.पेक्ट्र.पर्विचा.चीश.३अश. क्या.चार.पश्चका.वैर.परेचा.ग्रेर.। में.वार.रट.रेवट.ब्रुच.हंबा.दे. मिमस्यदः देश्यम् राहरः मरः रटार्यटः माऽयत्येवसः पुसः यादेशः मार-नी-मान्य रहं या ले परे दे में स्यास्य देन मुद्दार देना।

सिर्फ्सिन्टा हें है मानुकार्स सेर वेंद्र से मानुस वहार पर हेंट

मान्याकेर क्षे प्रा । जिरासर हें हे मार्य पुरेश से वाही क्षेर केया क् वृत् वत्यं द्वतः स्र सर्दे हे माद्व के केंस दता वेस देगा नात मी कः वृद्या के साम्बितानु साके राप्ते दे दारा की मान्य सामके मान्य है सहया पर्देर स्य क्र हिते न्या द्या भेता दे । भरा वा वा दे दे वुन या वर्ते दे अश्चरत्रात्मीं गीर विर क्य कुर तु जीय अर प्रचूर सपु शिर पश्चर इस्। वर्रेर्स्यक्रिस्त्र्रस्य अस्ति। वर्ष्ट्रस्य अस्ति। नशित्राम् कूर्माराम् हेराम् मुस्ति सर रूपामिरानस्य प्राप्त र र र हेर् मर्द्रियर ह्यायातर शरम में यही वियाय है के वित्वावर निया र्मुर यदे अष्टिश्यदे स्वित्र केया महारा नदे हें र्ट दर्स र यदे हेन सन्त्रिमःमु द्वा मु द्वा गु द्वा गुव द्वा नाया नर स्व दे हे तम् गुव र द मीका क्रेन्प्रिमिं विषद्भार्य स्वर्तिन त्यारे संभी सामित्रियर स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर् मर्टेन देते ब्राट पक्ष नाट में मर्ग दुर दुर र क्रें नासुम मुख्य मुख्य पर्य पर्य पर् मार्का प्रति भ्रवक्ष देर क्रिंचिते स्पेर् ५४ ५८ । मार्खर मी प्राप्त देव स्नायर द्व यदे र् न नुश मुश स्थ मु सु वेंद्र न वेंद्र न वेंद्र र त.शरश.मेश.मे.द्वेश.प्रचश.मेश.क्ष्रश्रशतपु.र्वट.च.टैट्।

श्र-र्वाद्य-प्रतिन्त्रम् स्वर्थ-वित्तः स्वर्थ-वित्तः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः

वृद्द्र वृद्द्र म्यू स्ट्रिय क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्ष्

देन की त्या महिता महिता

पर्नेद्रम्दः वसुद्रावसः साम्बिसः से होदायः सद्रः हे नुदः नीसः यान्यः ः मेशकात्र्र वैदार्शका बुर हिटा जिर्दा में वर्ष्ट्र सुन् अवा नहिन अव च्रिक्षामु अर प्राव रवश्व में लु वये नाय र दुव ५ पुट के र मी सेर वर्ते ज्ञूल. रे. परेची प्रिट. येश. वहूरे. चोश्राना प्रा. हैंची चिल. वंश. हूर. मार्राषु अभागेर् केरायाम्यारेर वेर केश हेना ह्वेर ग्रैंर ग्रैंर वहेर स यश्चर्यं जानीया थेया च्रेर हिरा रसारे श्चेर प्रथम महिनाया चेया प्रश्नेय दमत्तराम नहूरी या सैना ने में नार निट नकें र नूर् में का सक्ष्म स्तुवी मियादेर वर्ष से माट प्रकास सर् पर्टा प्रमाय प्रसाम सेवे स्वर यश्चर वृत्तात्रका वृक्ष वृक्ष स्था स्था रहेता व्यवर विदः त्रका स्था वार्ष्ट्रियः हुर् के वेर वहूर चाराजा में चार में रेवूर रूपाश नेपाव नेश थे छट. भना चे भूरे गारा ननाय नमा भन्न कर भर्ते कर भूरे के नमा नुबर् निर्दे निर्दे च वेदर्भिश स्मास वहूर दे खेट स्मान वर्षे रामान व वट वटन देखर खेर विनामित्य भेता देवे के के स्ट दें के वन केर खेर हैं र **इर वेवस क्षेत्र होर्द मार्वद पात्रमा द्वर्द के खट हेर पा स्दर सर अट हे** देन वर्ष वा प्रयुवा पु खेर व्येन प्रवीहा श्वाह गान । वाह वा हा हो हो व दे.लट.चभ्रेर.चेश.चेट.बुटा ८.टेट.चूट.चुरा शुर्हे.चाटस.काचारस. ब्रस्ट्रीन्दा सेद्वे हुटानु वयस व व्विकेर वेद व्वित् वेदा केस वदि कु भूत्री मार्था द्वा त्वा प्रमान प्रम प्रमान प ब्रोट हेर् जेर पर्रेट स नुटा दे स्नवस टर दे उने ह्वेंच हें बदा गड़ स्तरं तरं वं वं हुस देरा हुस की चार वे वं चे चिर ता विश्व ले वे चे स व्यायसम्भानिकान्त्रसम्भानिकान्त्रसम्भानिकान्त्रसम्भानिका त्रिवः वैदः भ्रवसः दे देदः विकायेदः नादः यः द्वाराः स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रा स्ट्रिंदः नाद्वारा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा

**ल्ट्र** अन्य महेंद्र य क्या

**क्षेर-म्यक्र-**र्रथन्ध्रद्धर-द्वाद्ध्या-द्वाद्ध्य-दा-क्षेत्र। म्यूनक्ष्र-र्दे-द्वे-धर-पा <u>र्दा कक्ष्यान हो गृत्या विस्तिष्य मास्यास्य विद्वित्यास्य स्</u> द्रटार्च वे र्ह्यू व व कु व ना नी क प्रथम मेना की व प्रथम नी लिटा भेदायदे सामाद सामाद सामाद भेदा यह यह दाने दे में के के नामाद तार्द्र तहर्ते ने के लूर हेशन्ता र रेट हिट मेश मेशिट श मेशली मु द्ना मीश वर्ष भ्रेन प्रमर व दे दे दे द शुन्भ द्र सुवा ने द में व दे प्रमे यसमार्द्धभार्मेर् मामकार्द्धः वे ह्या पर्मेर् पामा मेरा हिसास्य होतसा मिंदार्केर दे पद्वे पद्दे पायर व्याप्त यामारेदा विवागार देना प्राप्त विवा वश्चर वर्डस वेर पर्देर स्पेर या रेर हे सर्दा मिं वे श्वाप्य प्रदूर वृद्ध श्रेर दे देश मंश्रिद्ध माश्रामा श्रेयश देर दू व्यक्त हा सामा प्रदेश व्यक्त मह्त्र मुन्त्र गुः क्षात्मुर दृष्टा वर्ष गुः वर र र द्वर भावहे वहन नेरामुरी मुक्ष मेरानुका मर्दे क्रूर मिंदा मानुका मान्य मेराने र र्केर से द के समान्दर द में सं में दा ने र द दे दे से सामान है द पश्चरम्पर्ना विद्यात्र प्रमानिकात्र प्रमानि

वुषाय द्वा भी प्रदुषा

मुः अविष्यः देः देने द्वार्यान् वित्रः देने क्षेत्रः क्षेत्रः वित्रः वि

विनायकै प्रविद् यसुभा छे द धिर के रेद द प्रविद्धाय कु नार धेर से विकास वैचाशकार्याप्रमूरापर्येच ।प्रिंदायंश्वा ची.चारावु.यटाद्यटाच्यात्रीकात्राव्या वर परेश्या सुनानी से हैं भै प्रशंस हैया पहेंद्र सुर सुर गुर प्रमेना में वृत्र हेस द्रा नाय श्रे हिंदा गासुना दु विवद्य पर्दे पर्द व में नार म्बिट्रक्षासुर्म् सुट्रम् क्रीमा प्रकृति । त्रष्ठुक्षा क्रट्र हिंद्र क्री में देवा महाट्रमी २५न । गातु : अर मी अर सूर्य : क्रूर न अर अर गार गासू न ५ . जे कुर वना नहिंद नुस य केवा दे दना श्रेद देंद मिंद स के कि चॅ वे खुभ कु के कट के वे सर वर्षे र्वे सर दे के सर के से से से से से से के से वनाव विना खर पा प्येर पर । देवे जिना गाव प्यव प्यव वश स्त्रेय हेव निरम्भः वृतः यर विदेश स्वादेर दिवर्भित् ग्रीसः साह्तवादेवे वर्षेत् मे कें विचारव्यन्तिकायाकाञ्चन क्षार्कानकारवे व्यविदानीकाया विचारकार पश्चर अ.म. १९ त्या में वारे में वीरी विष्ट कु त्रायश्चरात्र हि. ह्य. मुनार नु नस्त्र वे तोनास परे निर्देश प्रकर विना देव स्र से हिन **ब्रॅ**र.ब्रोट.ब्रुज.श्रट.ब्रुज.<mark>ब</mark>ेट.। चाट.केट.च्र्र.बट.च्री.चारकाञ्चेलाक्षेत्र. के.ब्रीटा वि.हे.ब.टे.बिर.ल्ट्र.स.ट्रे.केर.लटा वि.स्वासविट.ब्रीका तिशालुरे विशास देशशालना जुरे ने प्रेजानि में से वशा ने देश है। महिना ह्यूर कुरा वि नवे व्यक्त वंश क्री मि र द्वार हुन पवे व्यव नेस-द-निस्मन्निन नेद-मुर-सेसस-धनानि दः वस्न-पुराय प्रशा

इ. दुर नाटशायवशक्ष प्रश्न व्यक्त स्ट्रिंश वाटकुर वर्ष कु नार दुर कु नार दुर श्रामित हैं। प्रश्न वर्ष कु नार प्रश्न वर्ष के वर्ष कि नार प्रश्न कि नार कि नार



## ज्यात्मा हिन्द्रम्

मः प्रकाशिक्षात्रमान्त्रमान्त्रभः निम्नान्त्रमान्त्रभः निम्नाः निम्ना

दे ः <del>कु</del> ऋदे दमन दर्वे (बिन) दें ४ वश्व सदे छे दक्षु गर्**द्र ५** हु ४ पर्न मिर्देशरमगार्श्वे निर्देशमेर मिर भेर पर्मा प्रमा द्वेर केद्रम्बरम्बरम**्भित्रभेत्रभारतेत्रम**्द्रम्बर्म**ीरनादार्व**र भिर्म्य ने मुक्त में मुक्त में अस्त न व में मूर्य मिन के में में मिन के रेत दे न्यसमिंदान्डिन सुम्मेर्पनाल्य द्वा गुद्ध मुद्द हिंद णुरा मिर्रार्स हैं न्मरावें वे क्वेगानईना पन्मान्डव छी वेंगानु हेंन निविश्वर वहेर एक्टि खरान्निश्चर सरावें नेदायवस्था क्र वे न्यूस महिमादे १ १०४८ व्याट क्र वे प्रदय द्रमम् मिट्स नुमास दे स चर्नार्रे द्राम्भार् मुर्मर या रहत मूर्य मुर्म पुरा द्रामर बट. तब् ब. चुँच, च. चेंंच, चुंच, चूंच, चूं ५-१ मुभःही मिन्सामा हे स्रान्धी मुद्दाने र ५ स्रोट स्राथ दसरा र द नर्रे हर वहेर हैस लेरी वेद के कर मिड हो रेरा देस का मह लेर अस वर्षे हेश शुक्र दाने हा में भारतस्य र दान देरे हुन अस वर्षे बैदै:इग्न:वनुर:हे:दर्:**वे**ग्न:वष्ट्रश्ची:व्येद:बेद:वर्:वर्देद रामाइराने मार्थसन्। इ.सर.स्रोट.सून.वेश.व.ष्ट्र वे.वट.रे.७००० व्यक्तित्वावसार्वर् रे. क्षेर व्यव्य विश्वाच वशाम विषय में भारत्य में च्र्रायश्चिरक्र्राटशःकृष्णुप्तान्द्रिष्त्रम्याद्वर् न्या मह्यूर हिर्माम्य सेय पर्या पर्छ मिंद हे में सेर सेय खरा ८.कूर.वट.ची.४८.देवद.लूर.दावी.४८.कूर.कूट्यावह्रेचेश.चेत्र.वरा. लेब प्पॅर खुन ब दे र्ना केट चर त्युन वनस व कंट सम व्यर् पहेंद नेर रम्स वस द्व क्र विषय कर में च्र वस नेर श्रम कर में वर

स्पर्वश्चरमानु नुर्दे प्रस्त क्षेत्र॥ स्पर्वश्चरमानु निर्देश्चरमानु स्पर्वश्चरमान् स्पर्वश्चरम् स्परम् स्यापरम् स्परम् स्यम् स्परम् स्परम्यम् स्परम्यम्यस्यम् स्परम् स्परम् स्परम् स्परम्यस्यस्यस्यम्यस्यस्

श्चैर मुरादे दमा तमा सेव र पाता में हार हैं वे मुद्रा में तर में दें वद्वेग नुशं गुष न्यूशं अनुगर्दे कंश वर्ष वर्ष राष्ट्र समुद्रा वर मीरदाद्वदाव्युदाश्वसायाव्यदावह्रिंगादाश्वादार्भायाध्येत ह्रिया सर्वे कर मुं सेरे देस प्यार माराय देगार स्य मुद्द अटा हेरा हा मुं सेरे यश्रमःष्ट्रीयः द्र्यायः स्तुः स्तृत्यः सुः नुव्यः स्तृत्यः स्वयः परः द्रः प्रदेशः व्यवः स्वयः । ली न रा. इ.स. च बुर मा राजा हुन र मा राजा है । मिं क्री मर दें हुर पीया हुट भुःभरःवशःमीःभुरःप्रिः,प्रिः,प्रेभःपनीरः,सूवः संरक्षः अपुः सुः वरः रेः विवायम्या विदायको हरा यम भेशह्या था विदाविदा। देवे कुं सक्या वार्डः व्. दे. व्र. पर खेव र जे श्रे क्यर देव खेव या श्रे वरद र होंया र जिंद मील्र्यायार्वे मी मी क्षेत्र होता वर्ष में मिल्रा स्वासार वर्ष मा रदान्बुद्धिद्धुत्कुत्कित्तुद्धार्थिके क्षेर्रानु स्रिन्द्धराह्मा ल्ट्र-यन्त्री वर्षे,क्.चर. दक्कि.च्ट्र-हुमश्र.श्र.मिल.टे.के.क्षुट्र,हेर्ड्रेट्र यना भेत्र हो द के द यथा वर्षा कु कटा व कद के हो दे यथा प्रदेश या है ... विद्याप्तर हु तु. श.वेश. पुराहेत्य श.विंदा है। इतत्तर स. ब्रेंश तर पूरे. राम्बिर्न्मायायाः स्रिन्दिर्ययम्पद्रराष्ट्रराष्ट्रराष्ट्ररास् केन्यं वृद्ध्या देख्याके अदावी के वदेर् प्रदेश वर्षा द्वार द्वार कार्य नर्षेत्र-पेनाश्राक्ट्र-इ.श्रम् इ.शर्यर-पंगिर-श्रेचशामी भूत्र श्राप्तीर-वृ.

मान्यस्य मा

देश्यः क्रुंश्वर्षः विद्यां द्वाया। देशः विद्यां क्रिंशः क्रि

म् त्मे नार मी तके श्रेर इश हिश श्रे (बेनश वे . २४ . के . शर में देश हिश श्रे

क्षत् सेट देन दुरा राष्ट्रेता देने मु सर्वा स्वाय मु नर वट हिट मीयाङ्की **खेत** नाट ज्ञन नार्य टान नेते हुँ यासदान्य मानु है के दार्थ सानु सा न्त् वर्षितामी, नवशास्त्राम् स्रका प्रिट्मीश सर्गाम नाइनाश द्वांशभुव प्रेत केर देव र भेषा मिर मीश दे या लया वले स नादर लेटा য়ৢ৾য়য়৻য়ৢঢ়ড়৾ঀৢয়ঀ৾৽ঌৼৼ৾৽য়৻ঀৼ৾ৼৢ৽য়য়য়৻য়৾ৼয়ৼ৽ড়ৼৼয়য়ঢ়৽ बट,लट,चेश्र.थ.वैट। ट्रे.ल.चे.शु.ध्यश.दी.चेल.ची.शु.श्रे.शूट्रे, मामरादे रीमाशामिर राष्ट्र दे मुर्श्वेर याहें ना लेव होरा नु वहना वस सा Àद'**स्**तशाहेशासु'हे'स्र-'चेद'सेद'यसार्स्यार्स्सर्केद'द्वप्यास्यादुवायाः द्वाताः हिना: ऑर्-राय: वित्यं वर्ष: नुष्य: सुष्य: मानुम्बर्ध साय: मु:सस्य वर्षे स. इश्राचश्राम्ट्राची वर्दे विह्याश्रास्त्रेर विचान विहर से श्रुव नेरा वर्दे श्रेश विंद ता वेद हुने शुद अपित दे विषेत्र के जी शहन वि वहा दे श मर बि.मैं.लटा में.भु र नद्दे त्र्याव्य ह.में.भु र प्राप्त में त्र र में न् बिक्षेर पर्व र मे होर भार मेर विर हो नहे लेर पर । श्रेंच हेर ही पर्हण वनान्तर सेन्नु नार्रेन्न्निंश द्वरा।

वश हुट्रस्य ग्वान्यः येटश श्वीद्रशावस्य देवे हो ह्यूट्ट्र्स में अपूर् स्याय इत्याय स्थाय स्थाय

रिविट.रिश्वनी.ज.रेश.श्रेवश्च.दुश.श्रुट.ग्रु.४४व.सूल्य.हुटश.प्रेटश.श्रट.त्. चैशाल्र्र्डिटा में भुष्टुर्वेद्दिरान्सना नीशाय्त्रुशान्दा है। नर्देश्कूर क्ते<sup>-</sup>रेन्**सन्, यन्नेर्धेर्न्**ग्रेशन्द्यन्यन्यम् प्रवादसन् यन् साह क्रूर वर्षेता मुन्नेश वशायर हुन्य शायते मुँट प्रा मुँट महोता प्रमुद िमनी नु निवास प्रदेश से स्टाइन से सिमा प्रदेश के देश के देश के देश से स्टाइन से सिमा प्रदेश से सिमा प्रदेश से स मिर्देशकी मार्च प्रमान मार्च कर मार्च मार् कें स्र निवास है देवर मुर। स्र मरा। से मर मी तिना निर्देश विं त्र्यापार्केर प्रमान प्रवेशका प्राप्ति के महिला मुका है। रेम प्रवेश महर चार्डर् क्रीश र्स् गानाश्रर् पराया शालीर रस्त व रस्ता परा। इ के के सु क्षेत्रद्रायानाकुत्रामिक्क्षादम् नार्विनायानुद्राद्योत्मावि हेक्षातुमायान्या सद्यानुस्य वर्षे अत्यान्य वर्षे अत्यान्य वर्षे अत्यानुस्य वर्षे स्त्रीश मिर त्राने दरा विशर स्त्री प्रवाहिश हे हे तर वह वाह वह कु.विश्व.चूरा श्रुंच.मौ.रिचा.वैरार श्रुंक.यमुं श्रंश वर्मेल.चर्चर अव. विश्व प्रति । विश्वेत स्वार्थ । द्वार प्रति । विश्वेत स्वार प्रति । विश्वेत स्वार प्रति । नन्म पदे हार रे रहेश नक्र रे हैं रे न रायदे हैं दश के येर तम हिर परे भग पु स्रेर् पर पुसरे अपर मार्श हुं भरे वा पेर् से हैं .... पर्देर् चयस सेर् पदे दस प्रमुद्द हेन वे प्रमूर् राग्य परिवा दम्स था में महेद्राय हे सुद्री महारा शुमुर ह्रियरा कुरा महिद्रायाराया हेदी श्चेर् त्यीर वेश र्वेचांश क्रेश श्वासट में १ कुर विवासित भारीट स्ट्रिश वग्नासर स्मृन्द्रमध सुर वर्षा मुन्दर मुन्दर ने नासर स्मृन्दर

मि. अपु. रेट जार श्रूर जि. र श्रूर रे दे दे कुर हे स्वार हिंदा रहे ।

विश्वाति स्त्रीति स्ति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्ति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्त

क्षेत्रर वर्ते प्रमुज्यमाम्यसर्दाः । खासर् देशे म्राम्रस्य कुरः श्वर-मि.डे ग. १ श. लूट पूट्यार्थ र्था वेट. चेश-चुना क्रूर टिट्र- मैं रे क्रूर रा. MAME स्यास्त्र हे दे नाशर विद्रापत्र व वियाना ना सूना होता मु सर द्रम से वे दे में वाद में वह न का ने दे न आह कर में पर पर में महारा । क्रिं स्वयं ने न्नायामु मेशान्ना थाया नुसार् निया की या मिट कें र खुट हुँ न लूट्य बुंब भ्रे. शट वंश यापि क्या ने हैं श्रेव प्रयात बुंब के हैं । मुं से हैं ৢয়য়৽ৢৢৢৢয়ৢয়ৼয়ৣৼ৽ঢ়ৢৼ৽য়ৢৼ৽য়ৢ৾য়য়৽ঢ়৾য়য়ৢৼ৽ৢঢ়ৢ৽৶য়৽য়৽*৽*৽ वु**र तर्ीष्ट्र** जुरावु कर विषय के स्वार का प्रत्य का विषय के प्रत्य के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स नुरक्षेर वर्षेर विमालिट के वे क्रूनियेट ले वर्ष नुष्य विमालि वर्षे ने नि क्रू तु.मुं.चेलट.क्रेट.व.श.जम्बु. वचमा श.चैट.चर.चट्टे ब.चरच.कर्तु.श्रेट. र्भाम्यसम्बद्धाः स्थान्यस्य विश्वेष्यस्य देशे विश्वेष्यस्य स्वित्रस्य स्थान परेचात्रा में.श्रुक्षांमक्ष्रज्ञं के.सुं.लु.मुं.टु.परं.खु.ग्.विच.चर्सेचार्कावेश. लूर्में बुरामें अक्षानार वैदार दर्यार वर्णेर्ने ने विकास में के लानी मञ्जूर्यारेर्॥

न्रान्तेर्यमायः विश्व क्षेत्र क्षेत्र

र्देर्पयद्रायानुस्यत्रेष्यसम्द्रियोग्यार्यदेश्वास्यस्यस्यस्य षा.भः पश्चर हैं, प्रचा के ख्रेचरा ताहा क्रेर चीर तर्चा विहर क्रे दे प्रथश यर दे दे पहेर नहा नु के रे तक दें में हो होना स विनाय नहें द द क क्षा सर पहर के सुवाधनसामें किया नार मुदासना को कि सामुदा है न व्यथा खेद्रप्यकादे : अर्क्ष स्र अ वा जेट विषय के हि प्येट स्र हे स्र विषय है । यश्र मिन्त रक्ष केर हर् दी केर अंश्र श्र श्र श्र श्र श्र श्र हरे हेर हिर देवी यद गरा विदा द्वार स्रूर हैं किया हैं पिया पूर दिया न स्था न से साम हैं साम स्था में साम हैं साम स्था में साम स वात्रस्मित्राने महिता तम्तरम्यावयावराक्षेके अराधाहरा परेचा । सदाकु:पादु-हुस: ब्रि:पह्यार्सना मिट्र खुन रा दे खुर खुद यवर क्षे.शर वेदात्वश्रक्षात्मराध्ये रूर मे स्रोहर हिर्मा नुष्टर देनम् रापनापुः द्वीरावस्य अराज्यवद्वा नादशस्य स्टार्स्य स्तुरा वरावहेरास्तराभटार्झे नाभेटा छे।वरा छे.वु नाहिंग सेराग्री रणेत क्रुन्या ग्राम् हे के हे स्था न्तुन्तुरा क्रुन्या न स्था न हेना न स्था न हेना न स्था न पहर्मम् अमित हूर मि च पु अग्रूट श्रिम नवट से लूरे है। प्रिट कून क्रॅ पर्मा महास्राया स्रेति वर्षा श्रुप्त हर्मा सुर्मा सुर ब्रॅंशन्नर्दरस्त्र्रायि क्रेटस्ट्रंक्षके लिट्न व्रेट्न्नर स्ट्रेन्य ह्या नुर्द्धा यवे मु मेने मुर्दे दुयादकपार दे दमा सु विमामीस में संग्राह्म गाहित र विकासीका *बे* :इन्ह्रें न वे श्वेर न दिन्दिन सेर सुर कुर स्था और श्वेर पार्विमा के का सम्बद्धा हिंदा हुं सार्च त्याचे मा सम्बद्धा हुं निर्दार सा की देश हुं मा त्यर में नबर हे में भूर स्था होर स होर ग्रे जिल्ला मार है र श्रुर श्रुर मुँच नुद्विद्वित्व म्राष्ट्रया स्वाप्त विद्वार्थित नुष्य देवा विद्वार णिट दस्य केर्निया की जेन् अवस्था सेन् पुटा।।

न्याणी नियार पानि के विदेशां नियम के मान के मान के हिस होंच ष्ट्र-न्यायः याद्ये प्रात्ति क्षेत्र क्षेत र्'उ'स्'्रे देवित्राशुः भट भट स्टि मि वे दे नश्यायर। मिं नीय र्ने दार्वे से निष्ठे त्या ने बुन सन्में संबेश होंने होंने ने बहार हो। सम केर-देन्द्राम्बुर-देश र क्रिंग् देश मार्च पर्दे मार्च पर्दे मार्च है स्वर प् पक्र.च.चेश.च.मोरेष.बंश.भ.पंजीचोश.स.गुरी जमा.मुब.चोरंश.क्रेज. दृद्धः वृद्धः सः मिल् गृह्यः स्प्रदा विद्रात्ते सः स्ट विद्रात्त्रः स्प्रदा र्खु र स<sup>्</sup>त्रभाभा**नु** से सास्र र मिर्डिं ह्वयस हे द हे भूर पुराया दे प्रति हा विद्याञ्चना सुका इससाय दराहे सायर परिमी नेदा देश द विदेशी स्रियः क्रिया विद्याना त्या त्या क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया त्वनक्षेत्रत्वर्वेर्वेर्वेर्वेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठेष्ठे मिल्र-प्रमुद्धाः में द्वित्या देश यर दम्मिश यर प्रसम्भ स्मारमाद प्रमाया मित्रसंदिर वर्गे हैं एक रेट्र के प्रस्ता हुया में रहें देश वहें र में र सन्त्रसंभीता। यग्राप्तगप्तसंभित्ते स्वत्रस्य दस्यामी प्रेमी ेुद्र र्द्धसः त्यो क्षेम के के तेर केर के ना का का दान के का केर के दान के के कुट वि गर्नो क्रीना इस परि विन । वहन रसमा है वे में सर्हेन उस पहेंना युक्षादानु वेद्यानार भरा वेदि र विश्व भेद मुँद भव र दा । नादका वर्षे राषदावर्षे रातार्थी मी.श्रेष्रीयशाम्बर्गेन् रेषे.मी.हेब.कार्ष्ट्र हर् म् सर्क्र राम्नानव्य यादे त्यकातहत्या मुत्री हमात्वीर प्रक्रिय विद्या मि जुद्धी विं । सरे रे रे रे रे रे मार्चि के प्रायस से ए है । सुर पुरा हैसा एसस रे नास र्दे वे गॅ अर्दे र प्येंट्स हॅ नस न टेस सु है स ह्येंन न ने स के प्येंन पनु न .... गुरा मिस्र र रेनास सु २५ लेगानी य गुर दे त्या ही संस हेर इसर सर

श्री-तर्रु रूर् मिट् क्र्यां प्रकाय क्रायं प्रायं प्रकाय क्रायं अव क्रायं क्र

श्राम् भ्राम्भेदाता अत्राप्त त्वाम् स्वाप्त स्

सुन् - चर्ण्ट् - वैकास्त्रा निक्ति क्षेत्र निक्ति

५-५८-मायाके नदे नार् देवियाता कुष्यक्षाके प्रकेश सम्बद्धा कः ते ख़ूंबर्यायपु दिन **वि**ना कु खेरा पर्देश सूरी हु पूर्व खूर का देव हुने हिन वर्षेट्यावर्र्यायन्द्राचित्रामित्याकुःस्त्रे द्वान्ये द्वान्यावान्यान्द्राचन्द्राः कुं लें व नुक्र प्रे र प्राप्य का चुर था। प्राया व क्रें र प्री कें र हेर् ह्मा वर्षम्य हेर या वर्ष मुख्य कर महा विद् के वे स्कूर वहर्ष परम हुँ । ब्रीट वे अर अवत वेर पर केर र र विव हे अट र केट । दियर वा यगवःवनानीसः सम्बद्धाः सम्बद्धाः स्टासः साटा स्टासः द्वारा द्वारा सम्बद्धाः स्टासः स्टासः स्टासः द्वारा स्टासः शन्तरशास्त्रश्रास्त्रभागी में सहूर्या मार्या श्रीत रसमा है तहित सार हिन यश्चार्च ना हुन ना हुन जीट नमें उद्गिर विन जी कार्र पर नहें व में की नमें स्वासरात् हे तिश्रस्यां वस्या नारे द्वारात्रात्रात्रा हे र पर हहू हा यानदेव:निःमानीरमान्यराधेव कुराधेवा लेका समारानहिर्वन । हैं दे के कर या कु के राहे दे खुया नु नुष्य कि के न्यान राष्ट्र के के सव र क्षेर्र नोर्नेट कुरे रेवे त्या र टा १५ के व्या पा प्रतानी के दिन मुश्रेशादार्के वे ना नुदाया हुई र रहेंद्र हुद्रारा द्रार क्रमश्रे ना । इता द्रार त्रेयमेर 'गु'नर दम्मुल'रेट 'सुन्हार सेना होना हुन्। हेर हो हिट क्रिंग्दिश्निर्द्राच्या अर्देश्या अपया ने र विद्राया प्रवास इट जिनेश राषु वेश जैनोश ने ने बेश सुरे रा हु श सर सुश स्वी ग्रीट । मु नर नु जर् यदे चेंद्र भे तन्द प्राय दश प्रव मुल हर सुन स परे सर के के ने किंद के से प्रति ता के ना ति तर है ना त के सार है से किंद के से ति के कि यदे शामर याद्रा देद कु महिद या हुम यह देव उत्ता कुम मि मीयःश्र्याशःभारमीयःभारम्भारमीशःमिरः भूतः मिरःशः वशः सरः न्निंशकेर। वहेर्न्ने देने त्यादेन ना वना वना वहा के वित्र दर्नीमा हैन

दु.व.स.से.शक्तवेशाक्षेत्राच्चारावित्राच्चात्रा क्यातच्ये मैंद्राश १४.स. रे. मुच्या चूर्यावेट चार स्वार्टा के. भूर रेवर विकास ह में वी दे केर खेंद्रा मुं केश विंद है वै वि वर्ष अश नेर धर अर में कहें द सूर् मुँद्रामुद्र दर में दहेर राष्ट्र विमा दुर्द समा से सर दुर ने दिर के स्रविताविची दे.सूर् तपु.मी.सूर्टा विम्रीतालसाल सेट सुरा नेर में जर्म दे-भेद्र-पदे-प्रध्नाका के ज्यका देंद्र-कट का चेंद्र-मीखिट मी प्रनाद प्रिया स्मित्रियः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः मट्युनेर्वडम् हे मे सट्छ्रा चगव नम्बुल्या हुर् वर द्वेलव चेरशम्बराधिश्वकारे । पार्क्षम्बराधि चेर् क्रिंग्नींब द्वाराहें । या र्टा अवशरे में भेशरम्बेयवन्दरी मिट्टू में सर्व मुक्त है निहर मैं भेरी अस्तरानी हिंद् ने हिंदानाहर्ने के ता निवाना हिंद र निवान हरी र्मनान्त्रे वदान्द्रास्य द्राया द्राया द्राया वता व्याप्त व्याप्त व द्भानार पुर्ण ( जार देर सुर सं वृद्धिर वाधिवा हो र देश में दाय हो । यान्द्रस्य मुद्रासदे हुने क्षिण्यर दुने सेन्। डेसप्ट्रिन प्रमाने है। सुद्रा स.र्मास.तहत्त्रवा.सिम्मेष्ट्र.दे.। च.२०.१.च्याच.च्या हे. भुश्ह ! अबुर रा भुश्व वेशक्षेत्र रा वैदा।

## প্রেক্ত কর্মন প্রেক্ত কর্মন প্রক্রিকা

য়ৣয়৾৴০৴০ ব্রানার্সান্ত্র ক্রমান্ত্রান্তরাত্র বাহান্তরান্ত্র ক্রমান্তরা हरे ते ते देश हे अ हिंग में अर रियाय उत्तर में मारी हैं अप सामी सहर म् ते देर दे स्वास्त्र स्वर नहिना यना हिट पुर्ले । भवस दे र एक समस मु मार्य इंद हे अर्थे र होया नवे "वट देव है मारावे ह्वेंच हो मी मुमाया" र्श्वेर प्रसार प्रेजा एक र होर रेन की हैंना पहेर सार्गाद राया प्रेर पदे श्रेनशासुपार द्वेश ग्रे ह्विनाम् हेर सु अधुर ग्रेस में दिर दि श्रेया वजार में व हरा विवर वहूर है सेंस होर खेल हर देस रे र र जेद व स ना ५-दूराष्टरदे रूटाकेदा नाय शेर ने स्नितस तुराद अट रेश मार्दशासर चर पर रात्रे स्मामस प्रात्रे द्वार पुर पुर प्राप्ते सि दश देश के मुर्मेर । "" महेर प्रवत विग विद पर्देर स्पेरी प्रमोध मन्दर हैं दहेंद हे दाय हरा क्तुराञ्चे रादे । द्वा दे :स्याया प्राद्या मुचायायी द्वा विकार विद्या द्वारा के दिल कुँ-५ दुषः खः चर्चे 'श्रेटः दे र र विषयः निष्य । दे . ५६. वे . दुषः स्नद्यः दे . दे स्राप्ताकृतायाक्ष्रानु नायाके देना क्षरायान्ता वित्र खुद्धार्श्वी सद्दा ने प्रकेर देन नुका ने राम्य प्रकेश के प्रकेश मान्य की मान प्रका की प्रकार की प्र ॳॖ॓1.g੮.gਖ਼.सॅ.प≡८.ज.भ८.८४.सॅ४.म्री.पेश.मैंटे.लूट्श.फीट्र्स. चृरः**श्रमश**.तर्रःरचेत्र.च.चरःश्रःपृशःसः**वृ**रः॥

**२ चेर्र** चर मे**र्र** अर मुक्ष महत्त्विमका बेर मु । प्रत्म । मित्र व्यास्तु क्रेटे नमनाञ्चर कर क्रिंचार लेगा **नष्**र क्रिंगे मुंक्षिमा क्रिंच पर्दे साहर देते. र्साहर्समान्द्रायमियानुरार्नेसानेसा वर्रास्त्रेरानुरार्मानुसा म्रेट दिन है र नमरे हिंर दश द्वट । स्नवश देर दें ना र मावर मी श्चर प्रथम में नार्र मियाक विद्यालेटा। मिट नार्रेश ता रेप पर स्थर हुस.भह्ट. सु. हुर तस्त्रारेश प्रथ सैट उद्येश टह्ट रार्टी प्रिट ने हुर **ॻॖऀअॱ**नुबः ढ़्रेश्नःषञ्ञः **श**टः मान्दात्रियः नर्मो घः खन्। सः खुः दुनाशः ग्री घ**ःने**ः **त. ५ र्द्र चरका मुद्रे ग्री. क्रे** १२ दुना ग्रुट । अट प्रमुट्ट अर्हर म्र्री मुद्रि व म निर्मिशन्तराहेसनान्द्रतिहैतामे मुन्दरहितामहितामा रमना द्वरावरान्न राज्य स्वरायातिक की हिं स्वराप्त सामा दे द्वर स्टि समाय दे दे भामकंत हो द्या गुदानमना द्वर मिट र्ट ट्वे सर ऑट ब सम्हिन्स यन द्वेर क्सर द्वेस अर् हरे 'यस' मेर प्रमानु पर्मेर 'में 'हेर। क्या गुरु महा है न्या गी 'सहर' म् तु क्षेर् शर रचारा मन्त्र कु ल झे व नविदे वश श्रमा लट व है. विव समिय स् रेचार विद वर्षेर रेश लूट रेचेंशा

त्राचेद्रव्याम् भ्राप्ताः भ्राप्ताः स्थान् । स्

मि. भुरं सी. त्वर प्रच. र कूर अभय होर मैंचे त् ह होर विरा

बार्ड्स साम् के द्वास प्रदेश प्रेशान कर्री साम स्टार्स स्ट्रास महिता में स्टार्स स्टा

लहान्त्रका कुरा तहीर ला ही ।। संत्राता गुर्केट नाया हो हैं। हैं। में श्रेयरात हो सामक कुर हं समा ती में श्रेय में श्रेय हुता मार्थ हो हैं। हैं। में श्रेयरात हो साम हुता साम स्त्राता ।। पहीर कुरा हे बा ही साम हिंदी हैं। में स्वर मार्थ हो स्वर ला ला महीर लाये। महीर कुरा हे बा हैं। खें साम हिंदी हो साम हिंदी हो स्वर ला ला महीर लाये। कुर किया किया मार्थ हुता मार्थ हैं। स्वर मार्थ हैं। स्वर ला ला महीर लाये।

मन्त्रीत्त्राच्युत्रम् पुष्पायाकेता देवे १ देवे १ देवे देवे देवे प्रति । स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा

महर्नित्राच्याः स्ट्री होन्याः स्ट्री

व तंत्रर अभ्यात्वेर स्वा । नाद्य द्वा विद्य क्षेत्र व देव स्वा स्वा व द्वा स्व क्षेत्र व देव स्व स्व क्षेत्र क्षेत्र

त्राचार्त्र म्याप्ता मुन्न म्याप्ता म्

पहें , तर्सा। वहें , तरसा। वहें ,

मुं हुः सद्द द्वेद वा दम गुद दा मे प्र प्रे प्राप्त पात पर्योद दे द मन्द्राच देश हिंदा था हैं तहन है दे प्याप्त हैं हर हुद है। दे अदा है चयःदे.धु.खे.भुष्ट्रं सम्बाह्मर ख़ी.लस्तं मिटस.ट्र्रास्ट्रं भवतं भक्षमत्राः थः ल्री ब्रम्भी : यस मिटा नी तास द्या सर स्त्रे ता है मि अप क्रिं हैं । दे द्वा वद से माले र साम र हैं दे पर्दे हुर से प्रवस्थ पाले गण्ये रा केत्। व्याण्या क्रिक्तराचे कुमिष्टर र दें सावेद क्विंद हेदायाया क्षु सदे से सद हुन। वह र से बुद य से दिन से दिन मादद है वर प्रेड़ इटा द्रायदे हा सादेव दा मेवस द्रश्रियम देव वसस **४**० देव देव प्र भासक्षत्त्व गःदेव दे भामे सामानीस वर्षेत्र प्रवस्त से हिन्दा है हिन् ्रट.चुंश.पुल.चंधूंर.च.लुर्ग हैचं.तर,टे.लट.टें.जंधु.चे.भ.भें.शेट बेद'यर खेवकद्विका के **फेर्**द द द द दि रहा मुद्द के हा फास हद'' त. हुं च हुं। विश्व ह्यू वा केर विश्व दे र जाते हैं स नार है विश्व कर हिर श्रीत्रस्म, हे. ते. इ.जि. क्षेत्र. तकर हुन्। ख्रतमा तमा तम्ब तिवा तीवा ते प्रमा भै वर्त्रोभक्ष वर्ह्य मान्ने देवीं नाय श्रेर वर्त्ते अनाम दे द्वा स्त्रिं छूर । र् वश्चर वर्गना छेर र में शर्र दे हैं सहद दे मा से सर वर दे से सर वर हैं स महेर् र्विशायर पर्वाक्षम हे सुर्दा सर्व रवेर के स के मेरे रमन न्वेंद्र'यः **कु** सर्वद्राहः भेदः नाहुद्रसः नाद्रदः भेद्रायः वे व्यातुसः ५५ न । द्रेः द्रेद दे रिना केंद्र भरे के वेर हैं संग्राट मिंद्र ला डिट ही वर्ष निवर नीर है...

प्रह्में क्षेत्र होते के प्रति क्षेत्र के प्रह्में मार्था नाय श्री के स्वा निक्ष क्षेत्र के प्रति के

त्वातः निश्चात् र नामः हुशः निमः द्वातः स्वातः त्रात् व्यातः स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः स्वतः स्वत

દ્રેલે.બદ.ફ્રેલ.ગ્રે.વુંક્.સ્ત્રું વધુરાજદ ઑદ ક્રેડ.ક્ર. લગ તર સે.શેંદ. र्मण्मे'नम्बर्भवर्दितम्बर्भवर्द्धाः विष्याः । केष्माः द्वस्यः गुटः द्विमानक्षः दशस्य वर्ते वर्ते प्रकर पृष्टिय वर्ते प्रकार के वर्ते वर् वक्षा मु मार्थमाय कुर क्रमार नी भेर नी द समा नूर र समा मु . मे. वर्केर कुमिस वहेर् रेश कु है। रे अस वर वन्य है वर्ग रे से सुप्यर वर्जी वर्भेर श्राष्ट्रमा र पे र श्रमाश वशक मी विश्वस तियाश लर्र श वर्ड ... 수리·형·외다·지·[B 리·도를리타.은 수인화·교통수·선수비·용다 / 청소·원·다. र्ढे वे वसम्रायम दमाणुद्दे द्वा में में मान विकास के किया के के किया के किया के किया के किया के किया के किया के ग्रीटा श भटावंदा दे तार्त में अपना में अपना में दे केंद्र में दे विकास में दे व्यक्तु सम्माना वर्षेना नुसारे ब्रॉडिंग के राहत वृहा दें सम्मान नममाने निराधिकारेर हैं समानिमान हरी ने राधिक है निराधिकार वु दे ने द ने दे ने सम्बद्ध के द में मुरा कु मेरा सद द दे नह महित मैं १. पकर मध् . सूर जियस मों र जिर बर मीट मी मार कुर व व व र दे हैं द में द निर्दे द द । व न से से द मिर्दे से सरायाद द द स स्मा दरा वळवावळ्वाहेळेरानुराष्ट्रेरा छै। है रहार्<u>ट</u> सम्बद्धाः सदे से खवा के वशःद्रमःकुःभेदैःसूर्क्षरः ५ वर्षे कुरे ५ ना हे बर ५ मा द्रार बगाना .... 

स्ति क्रि. क्रि.

लार तर भ्रा भार क्रूस र ट. प्रधुर मुक्त संभार मान प्रदर प्रचान प्रमान मान प्रदेश प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प

पहिर्ने में भूत ने बिट्स भूने लुर पर्ने । अब्र स्थान । अज्ञ हुन लुर प्रेन स्थान हुन स्थान हुन स्थान में अप प्र अब्र स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थ

क्र. पर्ट. पर्टेशा भ्र. पर्ट. पर्टेश. क्र. प्रेश्च. प्रेश. पर्टेश. प्रेश. प्रे

ক্রী রাদাবি, বিশ্ব না সূর্ব বৈত্র শ্রহান্ত না শ্রহার সামর সম্পূর্ব কর্ম নি প্রামান করে। সূর্ব স্থান না করে। প্রামান করে প্রমান বিশ্ব স্থান বিশ্ব স্থা স্থান বিশ্ব স্থান বিশ্ব স্থান বিশ্ব স্থা বিশ্ব স্থা বিশ্ব স্থা স্থান বিশ্ব স্থা বিশ্ব স্থা

पत्र-विद्य-द्रिन् मानुकानी विद्य-प्राप्त क्ष्य-विद्य-प्राप्त क्षय-विद्य-प्राप्त क्ष्य-विद्य-प्राप्त क्षय-विद्य-

लत्। सर्पत्यानिन्यायदेष्त्रुपस्तिग्रुपेदेवसर्वेत्वस्य स्थान्यव ताबुर्तार्मा वृश्वास्यायर नार पद्धार मुक्तिश्वा अनुबार्श्वर " न्या हैं भ्रेते से से देश देश र से र दे र पर लिया में से र दिया है। है हेट दट हैं न बट में शाम **नश्चेर न्यू अ**हेरे और देश शेट संस्था. स्थानवर त्रिट्रीर्ट अस्र स्राहर त्र्वेण वर्षे रवर प्रथ मान्द्रायदे प्रदेशनाद्यायमेंद्र ल प्रह्मायना खेरकाय द्रमा गुद्राय के रात्र त्त्व ।देर-कृत्किर्ताः क्षेर-देर-वशादेश्वर देश्वर देशे वर्षा निरामित प्रक्रमा <u>नेद</u>-कुर-कुर-मेंबर्थ-प्येद-य-केर-प्येद-ने-यमश्रदश्चास्त्र-र-वेद-प्यक्कित-मः वत्। अनसर्रः त्रिक्षा ह्रान्यस्य नाया छरा वर्ष्णा पुरा रूत्र, े. अस्त्र, श्रेचद्रा, रेस. यिष्ठ, श्रेच्य, यह द्रा, वह दे, हेर, हेट रा. कुटा। न्दर्देते'युन्।'यर अर्द्धश्च श्चिर्वस्थेर उटा अन्ति नेवास य**दे**'''" **५वे**टसः स्थः १ प्राप्तः वर्गाः वे राज्ञे १ रक्षानायवाये राज्ञे राज्ञे र प्राप्ते वर्षे । ङ्गटारस्य स्थान्त में क्षेत्र के प्रमान के स्थान वर्त्वरायेटा वर्रकेटारे स्वाह्मायं रेशहे हुर म्रीट हो रहार रहा मिटा**राबटा हुँ राज्यू बढ़िशालूराचा। मुराद्यामी** सुनिषाणुदार गुराजूबा गुःद्वयःळ्र्यः नुस्यःवसः अससःद्वादःवदेः दृषःद्री सः नृष्टिः सससः बर दें हूर जे. मैं भी में बार पुर दुवे ने बार हूं बिर दे हू ह पर देव ने पूर्या... स्यानेट द्वेते त्यात्र्व सम्यानस्य द्वारात्वस्य द्वारा ङ्क्षेट-'बर'पड़ें 'स्प' बि'यरे " क्वेंर्रायरे '७३' उर'र्ग'र्प 'हा के ना हेव ' चन्। खेनशाल (चाक्का अर्ड क्वा अरा, पार क्षेत्र में) मी प्रमुर क्कि प्रथा क्वें र

शह्रमास्त्र में में अह्र स्वर् ह्रिंस् पर्टे ते स्वर् ह्रिंस् में स्वर् में स्वर् में स्वर् में स्वर् में स्वर में स्वर

देन्द्रिः अस्य द्वादि अद्याद अप्तर् स्वाद स्वाद

कु.मे.शुर्धां प्रिंतां का तर् तर् की मित्ती मो.लूरं तार्टी कु.करं त्रा में स्ता की स्

क्रि.ट्रे वे.क.क्रूट्टमी.क्ष.ह्र्मा.चापर.चना.मी.पविश्वाश्च.चलट. बर.रट. **ब्रैतुःनरःमार्द्रेशःइत्रः**ग्युरःवुरः**नु**ःश्रेतेःत्र=दात्रिरःदरःवृरः**न्त**रःतुःभेर नर्म भि.भु.मू.पूर्याप्त.मह्य. श्रेपमा.मू.मा.पूर्या स्ना हे केर के राजरा नगर से राग है या है या है यह मी नजिया दया से बदार्दार् स्ट्रिं मुर्द्रान्तिर द्या केर मुदाकी तर्हे का मान रहेर यश्रम.ब्रू.में.श्रम.श्रीट.तपी.ध्रिट.४८.च्री.श्र.५४.थट.ध्रिट.४८.। मी. য়**৾ঀ৾৾৾৾৸য়য়৾৾ঀ৾৾ৢৼ**ড়য়৾৾**ৼয়ৼ৾ঢ়ঀৣ৾ৼ৾ৼয়ৼ৽৸ৼ৾ৼয়ৼৼয়ৼৼ** मुर्। नक्षमं वं दे हे कर नगत में दिन नम्मेर न के दिन । विदे दश में इ. मूं श से र. में . बूं में में में इ. पूर्ट स्वयंश में इ. में इ मिनासु प्रतर वर अर्नामाया। श्रामा है नाममायर से हिर ने मु भे ने भी मान रा। मु भे ने प्याय मे ने देश पर्वे न प्रिन मे न मानदात्रे व नदान्यमा है : श्री निहन नी भार्ते वि गान विशान स्वापान विहा दना नेश गुरारें अट यें नाडुंश रें नाईना नशम में वे अर्गे वें रेंगेना बे द्रायेदातु मुद्दा मिंदालाका यदा दु मिं के साम स्वर्गे कर के दु केंद्र שלאיים אבישואיאלמאילדי בנאיטבלישופלם שניו בלימאיפל. म.बुना.बेश.सु.सम्बोश.बुर्.तम्बिन.वेश.म.चुश.मक्षमसःसु.तमादः त्यस.मे.स.स्ट.मे.चोर.कूट.र्यू.सट.ची.स्ये.सट.र्.चक्रीज.एरेची

ची स्था। ची स्थान स्था

दे. बंश तिथे से चे. श्रांते देश श्रांत में हुं के ति श्रांत में श्रांत के श्रांत में श्रांत के श्रांत में श्रांत के श्रांत के

यग्रान्त्रामी प्रमुख के के दर्श सर स्ट्रेट झवस देर के सर मेहा **अन्।**विद्नुने नाम्याणुराम् विद्यानुमा विद्युक्त मुक्ति निर्मा मञ्जूर सर्कमरा देश्नी दृष्टा मु मे मेरा दृष्य दे मेरा कर है। चुरानेरायामळस्य दहेनार्नोर्याक्षाकाकी रेपर्दे निराया देना देता अर् से में वेश गुरेश में स्रामी देश प्रमुद्द सहित है स नुद् नशमः दुवायमः दमः नेशः हेन्। श्रुवः हिता भ्रवः देरः मे मदः नीः नमम द्वारे द्वारवर्षे मेर्ने प्रति र हिर्देश है ने दे नुदानकी कवामर्रावयम्यायाक्षार्यकेषि हैवे सुसकेदाधेकाया त्वन्यंशायाद्वेते अपि । कृताब्रेर वासेर स्वावते प्रवेद स्मारा भीमा क्री. मराद्यार् उन क्रियानस्त दे प्यता भारे के ने क्रिया मार्दर ठेटा। देवे सुद्धार्द्व मिंदा दुदा इवे अहं**दा क्षेत्र खेव**श स्पेत् या खेर स्प्रेम मिक्षा, श्चर भराकुमार्का नार देर पर है हैं राह महिमार सामिर देश में स्थ होरे १ स मिया चुरा में यो पुष्त रेया मुं में यो भी भी भी भी पूर् निर्देशास्त्रा विरुव्धार्गराची से सन्व विना चन्त्राया भटार्जान्यात्वर्त्रात्रे त्रे त्रात्रात्वराष्ट्रात्यराक्षात्रात्यरा

ट्या-ट्रांट्र त. स्ट्रिट्र त्या क्ष्या क्ष्या च्या त्या स्ट्र त्या स्टर त्या स्ट्र त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर त्या स्टर

द्रमात्रम् त्रम् क्रियान् क्र

दशक्तिभेदे प्रवेशिक्षेत्र खात्र शास्त्र स्टार्श्व होते.

निश्नाहर्ष्ट्रान्तुन्त्र्यं वात्त्रान्तुन्त्र्यं वात्रान्तुन्यं वात्रान्तुन्त्र्यं वात्रान्तुन्त्र्यं वात्रान्तुन्त्र्यं वात्रान्तुन्त्र्यं वात्रान्तुन्त्र्यं वात्रान्तुन्त्रयं वात्रान्तुन्त्रयं वात्रान्तुन्त्रयं वात्रान्तुन्त्रयं वात्रान्तुन्त्रयं वात्रयं वात्ययं वात्रयं वात्रयं वात्रयं वात्ययं वात्ययं वात्ययं वात्ययं वात्ययं वात्ययं वात्

ल्या. में र. की. सं. परीया

कुर्के र मिरु गार्य माया पर्ये र ने मार्थे मार्थि मार्थे स्वरामा स्वराम स्वराम स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वराम स्वरामा स्वराम स्व सर्सर केरिने नार्य खन्य है दसर रहें मुंद्र स्पादर नादर मुर्दमश्रवर मिः मिनुः से वे से वे स्राप्त देन स्रवश्रम् से वे से वे क्षेत्रदावर के र ते गामश्र देखा भदा की नहीं र वेद वहना भी मेद केरा। क्षेत्रमाक्त्रसाकुष्यसम्परास्त्रप्यादिकार्यसम्ब श्रुवाया वुराव तुना **र्वेद**ाव गाया क्षेत्र **द्रावस गोधा से स**र या रेवेस न केराणा वर्त्ते में क्षेर वर्र श्रेर में श्रूर में श्रूर मार शास्त्र स्टर् पर हरे पर हरे ने पर हिंगा (बेच.यहूरे.चेश.तर। भ्राश्चर मोश.संब. प्रटस.र्यूर. बट.स्रस.र्पूट. २**अ**.र्ट्रेसंश.ग्रीश.र्.र.प्रसंदेखिय.पंटियो.२अ स्तेटः। त्रुव.र्ट्रेश.स्थ. हिंश नगान हो रे के प्रांट निर्मा हिं निर्मास ने हिंद स्त्र स्रम स्रम् स मी, परिका मा, ब्रांचा, वंका पहुरी, चोकाना हूं का मी, मुका पर वे प्रिचित में श्रूद तिर्मिन के के द्वार में सिंद देश श्रुद दिसमा पदेश श्राम पश्चीमा .... म्रीशास्त्र संदर्भ सम्बद्ध सम्बद्ध स्त्री स्त्री स्त्र स नग्राञ्चर् देशहे स्रमाम द्वीसायहै ख्वित हेर् वर नु हस सेर १०० प्रह्माओ दश्रास मुस्

लक्षा चर्णात्र.च्चे र.चुं टक्ष.चूं स्थेक.चे.चेंट.कु.चेंट्या इ.चेंब्य.चर्चात्र.च्चे र.कू.चेंच्य.कुट.। चिंट.कू.चेंच्य.कूट्य.कु.चेंच्य.कुट.व. च्चेर.चें.च्येत्र.चर्चेंच्ये.कुट.। चिंट.कू.चुं च्चेंट.क्य.कूट्य.कु.च.

दे. हेब. मी. नोबंबा क्या है. मैंट. श्रेंट. खंब रहा खंब खंब श्रंबा ग्रेंट. म्री: श्रुट् स. मुरा ने में से ने देवें हैं रे हें स. मुटा है ट से दे हैं . चर्नात. सुन् क्राकाला विभाग तर्हे. येथा हे. वसार्थान रे त्रे स्वरं स्वरं स्वरं सर्वतुर्वेर त्य्य है नदे द्रम पर्दे अत्रवादे है प्रायमुर त्रुवा। रमना र्वेद मिट रेर मिट स्मानश दश मिट मि हेद वे अटश २५ना डुस.चर्मत.मुंब इससामीस हसासी मोहारस चैटा मिट रेमी जैस है. चश्चात्राच्यात्र ह्रिक् द्वाराया हे. मुश्चा द्वारा चुशा विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या चेश-इट. मुंचैट. जेष्ट्र है. देवे बेश जेष्ट्र श. चश. चूट. हैं. वहूर हो देश. वियासरामध्यात्रेत्रहरा। माप्रास्त्रेत्रहरामससायदेत्रे मेर्ने देश्याधार सेन् यदे सुरु हु। चग्नेन हुँ र च**ग्नेरा य तुर**्वर वृत्तर सुरे वित्तर वित्तर सुरे रे. बहूरे. चोश्रमा र्रे. क्षेट्र में. अ.टे. इ. ट. प्रेंश्र. चेट्र सेटा श्र. भ.वीच.तार्यु.चायका.पीचास.रटा टेर्चोट्स.श्रुका.पुंह्टे.तर.ट.क्ष्.चवर. ब्रीटा र्ने अप्तान्त्रे स्थर केवस प्रेट्न हेर् वे स्प्ते गुरा से सर मेस ट्र.च्राल.चेनाश.कुश.मुद्रेश.पद्धर.पद्धर.च्या.च्या.च्या विनाव. हुर.चलर.चर्रस्य स.मिट.मित.श्रूर. ४ मुज. चर्चर. १४ ক্স. ইম গ্ৰ. শ্লিব. দ্বী প. এল্লীব. ক্লেব. শ্লিব. শ্লেক প্ৰথ. প্ৰতি প্ৰত্যক্ষ প্ৰতি ক্ৰিক ক্ৰ नुमन् द्रम् मिट हिंदन नुप्तर ने मेना ह द्रा विदासद्दर रिना सर्ना के विर मिर किया ग्रीन के निश अस प्राप्त है निर पर देवे बट.लर.धर.धट.उक्च.वेश.सक्षक.चेच.वंश.हेच.चर्च.चेश.दा...

क.विश्र.लट.वश्चर.धर.वर्तरं,ट्रं.टंग.वेट्रं.टटा बर्गेट.धुर्युङ्ग. वर् अ.जून हूर पार्ट्य अर में ने का विश्व विवर 551 मीर् प्रति प्रमान्य मार्था मिट दशामिट मि दे दशापन प्रमान वनस.मुरे.तर.भटूब.लट.। मै.भु.रथस.४ट.चढुब.मुस.प्रम. केचन विद्वानीमालग्नियदानु विद्यानी भारती हैं केंद्रा हर्षेनानार हुवनु विश्वी और यारेना दमानु केंद्रना मे वट चेर हुँ र मे छेर पर हैं हैं हैं न हुन में मद में मद पर पर पर वहर देव श्रीट चं के वर जालट क्या भेना नु से सट भ्रीना यहनास वर्ष हे मु क्रिय पर्ना हे द केंद्र हैं निय हे द वह मा य द । स्मार परे हें ल्राम्बस्ययदे बर्दे र क वहु दर्मन कु सेदै र मा नर्गेर र र वेद ही र श.वेश.वर.रं.क.ची.भुरु.रेवर.वर्षेर.चीर्त्र.चीर्च.वंकर.देश.हैंना.च्. मिनामा स्ति । अन्य स्ति । दसना देवह नावर ना है सार्य मिट्टे दिट क्रियेश अविष् के ये पहुँदे पर्या विष्ठेम मेश पहुँदे नास्या ळ्नाःब्रेट्-चःद्वटःअःब्रेट्-**कु**र्द-नुषायःनवसः**य्येन्। रा**नरःटः**ढे देः** मीविट देश वर्जे में से प्रवास में प्रवास के प् व्या विश्व सर परेव र द्वार मिया विमुय हेर कुर हिंद् के मुक्किया मेरा मुग र्स्ट्र डेपा डेस पहेंद्र पर्गा

वहूर्यवसारे द्रमा भाषा के द्राप्त से स्ट्रिंस के स्ट्

**४.श्रेचश्र.प्रेच.चूर्.रे.**चट.लट.श.झेचे.त.लूट.चै**.पं.यश**श.झे.प्रक्टिंग ब्रीता सिंद कुश प्रमुद्द तिम्द मुद्दे विषय गुरु प्राप्त सिंद प्रमुश स न न्द्र हर दस द्रमा द्रवेद देर दहिंद माराया हिंद है से वेद्र है : रसदसन्युवार्के वे नादसायनासायेस देश देनास मुनारा मेदार नक्र्यं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं हं द्वा के क्ष्यं स्वायं स्वायं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं हार्स् चार्चे स्वीत्राम् द्वारा विश्वस्य त्या विश्वस्य द्वाया द्वार में स्वारा म्रे र म्रा के श मु न्यम ता में या ने हिर थ में न स्था स्ति न नि **८६८.लूट.चैर.प**णेर.पेची.पेस.चेट.सैंद.केश.धंचस.पुंश.टेस.एसेंश **बेश्राप्तराम्**राम्याद्यात्राप्तराम्यात्ता मुःस्रेते रसमारम्बेरः स्याप्तराम्या द्र क्रिंग के र दे न दर ते र तु अ क्षे ति दू न मिंट के क्षे अ अ अ सिन त्रक्षपाळेदाचे दे प्रारम् द्वीस द्वी द्वी द्वी द्वी दे ही दे समाय दे ही हो दे ही है का समाय है ही है कि साम दे ल्चा विश मेट । अपस देर से सट वेटस केर ल्चा के राम स देवर केंद्र वी बेना ने श स ज्ञार ने जुर केंद्र दर्ग न जुर मेंद्र पर्म र ट.क्रूस.इस.श्र. जंबा द्रेचीयाता श्र. ता. हीर स्त्र्या हीर स्त्राचे स्थान दे क्रूय होटा कुष्यर दे स्मानुर कुर्र मुक्षेन तुस सर्पाय रेता हैंन सप्तु देर म्रीसासपुर देवे कराय है साम क्षाय के स्थाय के मार्थ पर के मार्थ कराय है साम के साम के साम के साम के साम के साम न्या कुशिक्षेराम्बार्गियाख्यायहेर्म्यान्या नेष्ठिरारमी स्वि कुळ्यात्र्वादमार्थनाम् भुन् लव्यात्यत् देशम् वित्रास्यासी स्टार् न व क अर्र निया विषय में वार में वार में अवार में त्रित् सु शु र प्रमा सेते त्रु स शे संग्रस द स देर ही र द र केंग्रस .... 

वाश्चे स्थानिव श्चेर तथा तार्टा हिट कूथा मिट र कर्ने शान्यान भूत र्यट प्रश्नुर विश्व लेव भे जेर पर माश्रव प्रश्नुम श पुरा द्वा । दे हे शक्तु खुट देसना से के देश गुट द क सु से वे नगद नगेंद्र चहु .... रिप्ट मुद्रम् सेर द्वारा मुक्ता मार्ज्या या सेर मुक्ता द्वार स्र-१ म्र-१ क्य. म्र-१ म्या म्या स्या देया है। इस है सर् क्षे. मार्था क्षेत्र ह रेगा के रे ज पर रेगा हे स्मा ने से तर्गे पर रामस नेमन्द्राचर्तितिहर्स्य कितहम्बेदस्यम्भन्तित्व्रित्रिक् हर पर्नो अटमार हराया भेरता । अवरा देर में सट में दिया मु केदे चुर पनसाय भेर हैंनास निवान के बर बहे कर सि मु क्रिं भाषात्र वृत्र सेद् याकृषुर सुर। दे १३१ दर्ने हर्दे द्रमाद्वेंद्र वदार्गदासदादसायदात्रायाणाना होना पान दात्र होता है दे है है हा रियो, र्या, विवास वंशायबिट ला. मी. के हिंश मिश्रिश मिट्ट हु श विश्व पड़े च्रे. हे. जुट तिविधाहिस लागा कर हे. र्वा के संस व्याकादे भेडा ट्रैल. वर्से गोश.ल. केंच. शुरूर. क्रदे. तर . पेट्रे वस क्रेस. पेसे मश. वर्से गोश. कर्ष बॅंड्याने। द्यामु सेदे प्रमाह्मर वृद्ध स्प्रेन हेर् प्रमाह्मर वर्त्राच्या ग्रामा व्यमा ह्रान्या है सार्द्ध हो स्वाप्त विकास सा रटा। अवर ट्रे पर्टेर ववरा सेर विदेशका मी के विवास मी नार न्'नर्द्रात्रित्'न्या सन्या के स्टिस है या सन्या सन्या सामित्र हैं न य.र.री नावशाक्षित.पर्न.रना.मे.स्व.नीट.संव.ज.रनाव.संका.ज्र. त्रु.सु.मुल्याय्यर स्वाप्ताय प्रयाप्तायर प्रयाप्ताय स्वाप्ताय स्वा ल्.चेट्टचे.द्यासी.ह्यासी.र्चेद्रचेत्रहें अस् .ह्यासी.संस्थास्ट्र दर वहर्ता स्वाप्त वसामी स्थान कार प्रशासित है दिना दे परिवा

स्वा निर्म देवे स्था ने ने निर्म सहय म्या मा के स्वा ति स्वा निर्म के निर्

स्त्रीति से स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्व

पविटः हेबाक्षण द्याक्षा प्रति त्याका प्रयाद हार्या हेबा त्या हिया प्रति। मार्या स्थाप प्रति स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य

बिर. तेम. त. जा. प्र. चंश. पंथेश. पंथेश. पंथे. केंट्र. केंट्र केंट्र. केंट्र.

त्रीनिसानुद्धार्थित्यर द्धारविद्धार निमानिसान्य प्रमानिद्धार निमानिसान्य प्रमानिद्धार निमानिसान्य प्रमानिद्धार निमानिसान्य प्रमानिस्सानिस

वस्तुरः बुसः तर्ना। वस्तरः वस्तरः सेयः सर्वेदः केना गुष्टः वन्निः सेनः वस्तुः स्वयः । वस्तरः वस्तरः सेयः सर्वेदः केना गुष्टः वन्निः सेनः वस्तुः स्वयः । वस्तरः वस्तरः सेयः सर्वेदः सेनः वन्निः स्वयः विवः बुधः वस्तुः सेनः ।

कुर्तालु ब दुरा। नाव श्रीर मु के सारे रामा मुर विषय मेर रामित ववसः दैः व्हें वृदः नुपुदः २६ना नीसः नुः अदे व्रायः १६द वहः छेनः । द्वसाल्ट्र हस्रटा। ट्रिट्विट द्वसावहूर नामण मेश्रानश्चना लम्। पट.मी.भरेव.बंट.रे.यहरश.र.वहरश.ल्.य.दट्। प्रिट.हूर. नीय हिंद होत सम्बर र वर्ष स्वा श दर् ही मना में हिंद मनसा हा अर ... दे.चढ्री.विश्व.क्ष्र.तिश्वाश चि.शुश्च.ट.व्रं.श्रुशश्चित.वि.कुट.वि.के. केर.वेस.क्र्याचा झ.सड्.धु.भट.चुस.ब्र्वट.ब्रैट.ब्रेट.वेर.वर.रेचाना. क.लूट्ट्र्ब.इ.लूब ड्रंब.इ.च.चंट्य.च.च.च.च्यंश ठेचू.वंध्रेट.कूब. दें से व अवस्थित माना प्राप्त निस्ति स्व स्व स्व से विस्ति से से देवे त्य स व. १ व. च. च १ व. हैं थ. व रहे थ. व रहे हैं ये हैं . बु.भट.बुर.श्रूच वुर.कु.२८.जुर.भ.वेह.। भ्रेभ.जम.२८.ब्र् मेश हे किर पार्टा क्रिया है से पार्टा क्रिया है से पार्टा है र निर्दे ड्रेन्च्राई दे न्व्यानिहर देवा बर नक्षे विश्वासद खून हि केर वैद लट.जू.चेट.बेट.बेट.अष्ट्यम.पेड्च.कु.चेट.वर्चेचेथ.चेस.स. 357

यहर् द्वांश्वाच वृत्ता। वो ले चरे श्वर मादशास्त्र पदे रे प्रदेश मोश्वर सिवाश हे द्वा स्था अस्ति व्या अस्ति व

स्वार्या वर्षान्या में स्वार्या स्वर्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वर्या स

वित्र में स्थान के साने कि साने स्थान स्य

न्यायाः व्याप्ति ।

**रमण र्वेद वद ल्दा सद के सवद सद र्ध के वह स्टा**वे हैं स मुश्रुम् पत्रे केस पश्च नुवा केद पत्र माद्य प्यद दे केद र ट प्यत् । हैस सुनु सेस भे मो ने मा देश गा पर परे पर द सप्तुमा गु टा सिमा क्षेर्र-ने निर्देश्वर एक्ट्रिंग के दिसाया यह र यदि यो मो लिया व्यक्त पा हे देश मूर्माना भर रहेर मे पर्मा विश्वामी मार्का देया पर्मा पर्मा वनमासानुत्। मित्नी थे नेदि वत्र के ले ने स्मित्य मुर्गान् ते ते त्रापर्वे विद्वा विद्व विद्वा विद्या विद्वा विद्या नकर दूर क्षस महूर मिनास महिट द्वास पार्टा में सट मी द्वार पियुर्केर प्रमेण वना निक्र रनो सामरे मक्षेतास कुरा मुद्दा र र्नेट मिट मुश्रानहूर् माश्रामा शुःशराम् श्रास्त्रानुर नेर मिरावसाय दूव प्रिति गुन प्रकर मिले द्वारा व्यक्त केंद्र पर्देश केंद्र विकास केंद्र मिल केंद्र परि केंद्र विकास केंद्र परि केंद्र विकास नालर नर्भेर खेर तम् न केर में स्थान में की मार्थ नहर देश ल्ट्र अन्य में ५८। म्याने द्रमाञ्चल व्याप्त ह्रमाया श्वेत वाष्ट्रा देटानुका क्रिया ह्रिये नार्का द्वांत्रावरी के वीत्रांतर हूं का तूर्ते हैं . वीत्रांत्र का लाट की मित्र के का ता ५२१ मिंद वस माय शेर से अट मोस स %व व देस ५८१ सु श्रुट हिंदा विम्यानात्रम्य भ्रम्य द्वासारी स्टास्ति वराम् विम्यारी मानुस्य स्यान्यः नारः भवे दशना द्वेरं स्वरं गोर्वः स्वरं ता दसः नास्रतः नास्रापः नास्राद्धाः ने व्यक्ति त्युर श्रेष्पर याम्र केंब केन्द्र केंब केन् अपाय लेख या नि 95ना

दः के वि:वसमार्केदः भूरः शुःभीशः से इद**्द**्दाः वै:मदः भूरः श्रेरः श्रेरः स्पिद्

सव्यामान्या

त्रमार्थापर्मा म्हें स्ट्रा में सके ना मार्था के मार्था

देन संभावद्वैसः विट द्वाद विदे प्राप्त है । इस विदे दि । विदे प्राप्त है । विदे प्र

श्चै त्त्रामार्ड्यायपे के सम्बद्धात्त्रा के मले प्रदेश स्वर् के प्रवास स्वर् के स्वर् के स मायशादी के अंगहर केरे के मार्ट में के लिया है नहीं कि लिया है मार्ट में मार्थ माय है मार्ट में मार्थ माय है मार्ट में मार्थ माय है मार्थ मार्थ माय है मार्थ माय है मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ माय है मार्थ मार् शर मीमान्याय प्राप्ति पहिंद् हर। दे वह दूर कुर में हर है से दूर री क्रिश्चाक्रां श्रद्ध मुद्दाष्ट्रिय द्वा । क्षेत्राध्यय रे ब्रेट्स मुद्दाया हो ह्येत्राय में के के वे कर होना डेर में बेर खन रात्रा अर वे पर होना स अज्ञायनुन सम्बाह्याम्यासम्बन्धानुन पुरापुराकुष्यार्थे विवादसः। म्ह्रीमार्था वयाप्रिन्दिष्या हे हिम्ति हिम्सि से से से से से से से से <u>रः। के जैबाम्बबर्गे देनक हे शुक्त बहुर दः। दस्र के दस्र</u> केश्यक्काकेश्यवादिवेते। तुवाक्षिके विष्यादिवेदा के त्रकार्षे का विष्या अर.चीश्रा:उर्धेर, देश. शिवांश। लच.डे.इ.४.चेर . खेर श्राः हुंस .हेर्ट. षाप्तानी प्रशानितावयाग्रीया है पद के मर्ष म्यार्थ म्यार्थ पुरस् क्षेत्रक्षे मूर्षेत्रके स्वायाम्यक्षेत्राच्या । ह्यायक्ष्याम्य म् रा साम्भिराष्ट्रयाच्छात्वेद्रायिताम् म् मेर्ट्राष्ट्रयाः स्रिराष्ट्रा मूलकाकृताकुत्राकुत्रान्त्राः क्षेत्रास्यारे या स्त्राके में क्षित्राने क्षेत्राने वेंर ब्रीट कें बट निर्देश हैं है है त्वाब नु कि केंद्र में बट मुंशालियार्रेचांशानेरायां अस्टाप्यंतार्थं र देशार्यं गर्श शासर

स्वत्रह्म ह्यारच्यवयायाच्यार्थात्रह्म व्याप्तानास्य ने न्यार स्वत्रह्म ह्यारच्यवयायाच्यारच्या ने न्यारच्या ने न्यारच्या क्ष्या क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष

क्षे १९४१ हो दे तुर केर मी माइस हो देश दर। यगाय भागी अहेर वहेंस

क्षातानार्यः क्षार्रात्ना तु स्मा स्वयः अराष्ट्रा सुराष्ट्रा क्रमान्यस्त्रम् स्त्रम् भीना प्रसायर में नसूर प्रासू वि नावर दें वादी वि हार इर वर्ष्य वर्षेन प्रवस दर्। मे मर इर ख्ना मर दें दे दना खेंना सुवः छेर विवसाहै : व्यूर के दूव मादर महिना मुद्दे । व्यूस वनाम्ब्रिं विरासागुराम्बेना शसासे दारादे दे रामादा भना दसासे ..... बट क्षेत्रक ले तहनास क्षेत्र लेना तेने विषय स विष्य विषय हिंदि केंद्र ... ट्रनामिद्रें ह्रिना क्रें देश निव्हान पर दा सुना स्ट्राम लेख में से देशमा र्वेद्रायालु पश्चित्र होर कुरे रहारेदा देर पहेंद्राचात समा दसाहे वर्त्वतारास्त्रेरातालामी प्रतिरादवी दिः स्रास्त्रेराम् दिः न्वराद्यमात्र सुराहे हो राह्मा राज्ये व हिंदा हुन्य साम्या दार् मिट के दिनहम दिर देना नुपर्मों मुदेर रे य मेन पा मेवा देश मु सदे **ब्रॅ**रक्षर-२, पर्ते वैद्राक्षर-एक्ट्र वेश.यीटात्रीयाश्वर शान्ति रेप्ति में अटाक्स संज्ञ सम्बद्ध निर्मे र दिशा भेर् स्वस दे । भारता विकास म्ल्र-विता स्पूर्यक्रितितर्वर पर्देश्चित्र होत् में लेश समान विशानहिंद्र याद्रा व्यानी दे द्राम अक्षानु मास्र किन् नी के मी विना वश्चर हे र खेर् वस मादस अद महिंद हायस हे अपने हुँ र निर्मिशा तमा म्याचर के मेर माम विमाल मीर देर दिव है के मेर सिनाक नहर्न । भी ने दे कर महिंद नदे मु महद के मि महें दिना न्यं निंदा सेस्र रहा अन् निष् केंद्र नु प्रमुद्र केंद्र प्रमुद्र पर स्था देन वार्यम् मेने मेने मेने मेन निया है या वरमा मा निवा है। रर्द् श्री सर श्रेम स्रुर्ग दुर्ग महित में दिनीय प्रतस श्रे दे व सर प्रत मी स्रेर बर्टिश ब्यामु येवे राम सेव हे नियम येवा हु र्य है नि

र्सेस् तर तथक्ष के किट्ट इस सुर तर ह रेंचा मी से तथ के कि किट के कि से कि से

म्ब्रिंग्स.हेव।

देवे अव वदेवस द्रा वना महेंद् ने चये अस वन् दि वे मंद्रमान्तर अर्थन अरा। श्रीतिमार वस्तु प्रमीर क्यांशानेहमांसा न्ता प्रदेश हें न मान्या प्रदेश मान्या अक्षा स्ट्रामा स्था सेन म्मकान्त्राद्राद्राहरा द्वारा कु से वे र १ के दाय के स्वार प्रति विश्व के स्वार प्रति । से दे के का सामुक्त के साम के स्वार स्वार के स्वार स्वार स्वार सहयासर प्रकेष्ट्राचा दे प्यानम् द्वाची वे दे दे के दे होना नु प्रकेष बारी वर्देर मासु देव से दिहा। मिं बेंडम से प्रदेश स्था सर्वे अ निमारमारोदायानुमार्थोद्दी वद्दीत्रविदेशस्त्र निमार्गोदा हैटा मिरामा का लटा में भेश पदे प्रथम प्रमाण मा मा का मिटा पर्न द्वार तम मून पर्म पर्न पर्म होर द पर्न है एक मोद हर। अस तर्यक्ष राष्ट्री स्त्रेर क्षा वर क्षित्र पर्दे हो 'द्रमा क्ष्म रहे द होद सिंद हो द यर बिर में हे साहर हे वेंद्र मी र महर पूर्वी के सूर् र न के वेंद्र सा इंभावानुदा देवाने द्वाप्तमा द्वाप्तमा द्वापादी मीनुदार्व देवामा द्वाप शुः मराची पर्टेर क्षेमदर स्रामधेयाता नेयारेच । केट क्रूय राजा है में सके सु श्रमा के मेक पु का केर पहें का पार्या रूपार के सके में मेर् मर्द्धर द्वास समा चूर शेर्ड स्वा निट हे वर ट्स पहर मीस है तस महिमासूर के याने एकामका भेराम इन्तिन मिंद है र वसमा यम्। नायाश्चिद्राद्भैत्युसार्श्चेनानुःसैदै सर्हेद्रादेनानुःस् क्रेंसासुद्राद् वॅर् कु र्श्वेन कुट कर वर भीर केश हेर य रेगा

देर पहेत्र पके पर्व प्र केंग व 5 दे हु भे दे से सदि हु भे द दे हैं । भे दे से सदि हु भे द दे हैं । भे दे से सदि हु भे द दे हैं । भे दे से सदि हु भे द दे हैं ।

श्रेर श्रे अद दर मद्भे प्रमान्ने वे में ने अर्ग देश में सेना सें परिश नर ने र ने मूर न र । स् नि ह कर मुंदा है से सन मुंदा है र कहन न्त्रींशायर प्रश्नश्रशः ने 'क्षा क्षारा' ने 'क्ष्मित्रा' नाहेर् केरा या के र्ने नावन कर ह लेगा शेव करा अवस्थाय के में र की मावन दे र रे वा तुना और इत्सर्देशन्दर नेदर् नेदर् केद में हिना भेता वर द्यार स्रिक्ष मुर्थ मुर्च हो हिन द्वार मेर्डिंग महर मुर्थ मुर्च होन होन स्राह्म य अद्भा नाम हे इस्य द्या व्या वेदा वुदाय की हाद द वेदा खुवा ना ह ह ल्री प्रथम मध्यम् मुक्स मुन्न महर् स्ट्रिय नमा अर द्रेष्ठि नुभाविगार् भ्रवसावर्षा नाट दसावेंचा नाय श्रेर्टिस कुर्य मु लट.थे। ट्र्य.ब्रेश.व.ब्र्स.व.श्रु.शट.वंशस्तिवंत्रेंह्र.टे. सुँ १ रे मार वर्षमस नेमाय सुँमा सुँच द्वर मे को स्पेर मेर् हे हे दिश्यद । न्द्रेन्सः चना मार्डेर् 'द्राप्तः प्रदे दे दे दे निकास के स्मार्तः प्रदः हो दे दे के दे दे के दे दे के के दे प वैः। शु.ष्ट्रामर में शुक्षांशु संस्ट्रें स्ट्रें न्युंस विवृद्धन्य स्त्रिं स्त्रें श्चेत्रा निवास्त्री, तसानस्ति तास्त्री वे स्त्रास्ता के पत्रास्त्र त् कु देश प्रशिक्ष तर् प्रश्चिम से जाता क्षेत्र प्रति के प्रति वाता व्यवस्था चर्र व्यार्णोर् सर्हे गृत्य नास्त्राच चर्च है त्वीं कुर धना नाहेर् पुरू या:भूश जम हूबे.लूट्नु हुँरे जम है। येथे यह दे दे प्राप्त मुर्दे के

भुगान्द्रीयालमा श्रीमाने २५ वे.च. मु.ने मान सेवा वा वैदारा

'सेंदश हेर मोट ने पर्मे न दें। में ने सेंदश ह स्थान सह दे महिंद्र से द्वा गुद्र कर क्षा र प्राप्त का नुष्य प्राप्त के देव गुरे के प्राप्त कर का प्राप्त के कि ल्ट्स.पेह्रदे.क्स.चे हेश.देटी चेगोठ.ह्यूर.च्ह्री चोश.चडर.जंश.हुर. श्री श्री विस्ति हे में हा है निर्देश है निर्देश में प्रति से पर है निर्देश में प्रति से पर है । भ्रेसमार्दर मुद्दर मुद्दर महत्त्र भ्रवस मेदा अस्मार् महत्त वें कुट केंग दे प्रक्षेत्र नदर प्रनुन मिंद दे में हर र हैं स्पर्दे नुवें मिकेश अर्थे दा होना में दश हे अप प्रमुद्ध क्षेत्र पर देश दिहें दा दे रे दी भुंशुद्रास्त्रत्रद्रिं में स्तृत्र मुंग्याद्र्य के मोठेद सं अदा अदि। महेद प्रचार्रेशाला इ.र्टा चार्रुचा चीरा रे.ज्रा चार्टा स र्ह्या हर. ब्रीट क्रूंच मुर प्येंच दे खुर ब्रेंब विसे केंद प्येंचे केंद्र हैंदा दर्दर मुन्या हुन्द्र स्वरं स्वरं देवा मान्य हुन स्वरं देवा मान्य हुन्द्र देवा मि मेरी में ने बार कारी मा मेरी में मेर हैं मेर के मार है मा मार में न्यरामु नेर्द्रन्यस्य दुर्ग स्रिक्ट स्रिं रु मु सेरे से बुव सर्दे परे त नेश हेनाश केट व श्रूट श्रुव की देव न के हिट ख्ना अट से टेश टर भवेश.पेर.स्वेश.ल्ट्.हुट.हुट.। दे.केर.सैट.वं मे.कुश.कूर.टे.कुर. मार्क्सरक्षाक्रमा केना हुन अन्।।

द्श.देर.चोट्ट.कुर.तपु.तर्.चोच्थातच्द्र.थर्ट्श.वेट.। ट्रा.दश. विव.चश्चेचाल भु.२८.तपु.चोर्ट.चोश्वत.च्र्र.थर्ट्ड.कुं.च्रिट.कुश.ट.कुर. विश.चर.च्रिट.कुश.रट.े्ट्रे.पंट्रेशश.लंह्चोश.वेट्.शिटर.कुश.ट.कुर. ट्रा.दट.। च्यांच.खुश.श्रद.चो.तच्.वं.वंहिर.कुर.च्रा.चत्रीर.

च्यूभ्रेनस्य.वेट्॥

च्यूभ्रेनस्य.वेट्णस

न्तित्व लेगा ने श्वे अर्देन लेगा ट कें अश्या नु स्पेन पामित मार्ट स् वे पामित स् ने स् ने प्राप्त स् ने स् ने प्राप्त स् ने स् ने प्राप्त स् ने स् ने

क्रीत्रीमा क्रीत्राचार में क्रीक्रा के त्या के क्री त्या क्री त्या के क्री त्या क्री त्या क्री त्या क्री क्री त्या क

स्थाल्या व्याप्ता म्हिंसाम् स्थाल्या मार्थे स्थाल्या स्थालया स्यालया स्थालया स्थालया स्थालया स्थालया स्थालय स्थालया स्थालया स्था

क्.क्ट्रेट्यक्षेत्रीयास्त्रेट्टियास्त्रह्नात्राह्मात्राह्मात्

या या ते से वा क्रिक्त क्रिक्

स्थान्त्रमान्ने से ने ज्याने स्थाने स्याने स्थाने स्थाने

श्चें दर सर द्रमन से महिना दर। क्वें यर सर द्रमन से महिना यरस ह्रासीचा र्रेटे अमावटेचा ह्राह्म कुर कु जुरावशका माथित हुना. ब्रिट्स द्रम द्रन न् नाम ने द्रमन मेदे हरा नहू स ह रहा न न होंस। इसना से देंश दि हेश शुः प्रेटा दि से हे दे व कि के के ना नहें हैन न्डः वि क्रेन् इतास्मारम्बद्धार्मे वि स्वारमान्त्रवि हिरा वे र श्रूम अम अम्म विविध्य मार वर्षे र की विविध्य मिर मार विविध्य मुकालियार हु हु रहा डिचायार वटाय हु है शिटाता कु तर कियान. वर्षेरं नीश्र वर्ग्ट हे मिट रट हो दिए वे दे वाना प्टा रेह हो न व्य मारेश में पारेश पारे र प्रामाय साम र मारे हैं है। मारेहर र्वे इहाइवे कर्हे दाहर दहा अर्थे के विष्ठ कर कर कर के श्चेत्रसास्रह्मसानु दुराणुसामुसादर्राञ्चरायसारे उस। श्वेसाहरा १८। अभूरकी श्रुप्तान्त्र मन्दर्भ प्रवेश अनुवास पर । मि च्रिन्। दसना में निवर निवेश कुन कुन साम साम ही र हैं पकुर ही र चित्रे बदायश सुरस रे सु अवे से विषाना नु सुर बेदा से अहा दें सहित में ने स प्रे केंद्र द्रादि भेग ने सहद भेर इतर सुदे स् चक्कात्रवाद्वालीचा वरा प्रमानकी र महा

महर क्षेत्रे देश प्रदेश क्षेत्र क्षेत

## মেন্দ্র বন্ধ নার্থ করিন। মেন্দ্র বন্ধ নার্থ নার্থ নার্থ নার্থ

चैमान्त्रश्राम्यम्भ्यम् विद्यस्य विद्य

सन्तर्भेत्रम् क्रिंत्रम् महत्त्र । मुन्द्रम् त्रिम् व्यक्ष्मसम्प्रिम् स्वर्ते ने स्वर्त्ते व्यक्ष्मसम्प्रम् स्वर्त्ते स्वर्ते स

देशन्त्राचीयः भूतः देश्वर्याचीत्रे क्षेत्रः क्षेत्रः स्त्राचीत्रः स्त्रितः स्तिः स्त्रितः स्त्रितः स्त्रितः स्त्रितः स्तिः स्त्रितः स्तिः स्तिः स्तिः स्त्रितः स्तिः स्

टाङ्काम् नदे स्पापिटाक्षायम् यास्त्रीत् स्थापदे प्रदेश्य र्वानु वर्षेत्र स्वयम् क्षेत्र सार्वेत्र प्रेत्र प्रवास सामिक प्रमूत हैन। लूट्याचेह्र्य देशातार्टा। चयाचे मुंद्र सूर्याक्ष मिटा चीटा अस्य न्टर प्यूर् विटा विट देशक दु र्वर ब्रीट वंशक केटक प्रहर हेव रार्थ र मुक्षाचम्यायाल्ये ना द्राम्यादका महिरायमार्चना भरायेवका मुक्षायर् श्चिर ह्या प्राप्त प्रमानित प्रमानित स्त्र के प् कि.स्टर वीचार नार्या नार्यर । वाद्येय नार्टर में शा का के में अंदर वदे निर्दे मुद्देश से वश्च कर दवर सुन के रेर केर व वर वर दिन तमिर नश्चिमार्ग विस्तरा देसना श्विसा ह सूर वसार हू सिना हूर रिस तर्माकेटा क्वें नवट भे नेश गुट देखान । तर् के मे केटा दुर्बिक म्रिट विश्व पर्दे क्रि. मिल्स विदे मार्थ होटा स्मिन्स मिनि हैं. र्स् खर रेट के शेरे के हिंद हिट रा ने से हिंद दे दे पा ने रा पट हिंद रा न क्रेन्प्नेन पर जेन्प्रे होन्दर स्वापने नाल्क युक्केट हेन्स सन् नु पुर यं ब्रेच । क्रेव मार्के अहं सार्व मार्चिट अस्त मिंट यह गुर दन्गा

सर पर्लेश्नर प्रासीन प्रस्ति प्राप्त प्रमाणित। स. कश्र क्टा प्राप्त प्रमाणित प्राप्त प्रमाणित प्रमाणि

मिन्या में देश होन हे में अक्ष की नुस्य है नियं स्था की नियं नियं की नियं की

लभ ते. त्. बुच, लश मुरी तथा हे हु नामश हिंचा श श में नु हूरे हर नु ढेरे ह्या पनु इसस स पम सर सर्वेट नी र नु प व्रति। त्रामानी प्राप्ता क्षेत्रमा रे विष्ति। त्रित् ख्रादमा क्टाम्ट्रिं दे द्रमा में स्नाहा के स्र्राह स्राहे हा है दाना सामुन वस.मृ.वाल्ट.वैटा ट.कू.वहीट्.व.च्ट्र.कूस.चेस.वे.जस.मृ.ह्र. पड़ित्रम. मुन्द्री र्रेट्ट. हुर्यन्ताम गुट हेर्निम हे. दर्वे मीट इनारुट ह देना मी द गुम हर वहा यहीं दिनोंब पर मीट इन देर के मुक्षाचित्र मुक्ति के प्राक्ष वर्ष हैं हैं हुन वेर में बुद्ध कर में प्रत नेरास विया की तर्मा हैटा माल हे किट्य मिर हे नर विया करें व दे ने मिन निष्ये के ने मूर्य के अस स्वेट स्वर्षेट हेश अम ने ने निष्यु ृ वर्त्तो र् रायत्त्रिं वर्षा वर्षा है यह दायत्ति वर्षा वर्षे वर्षा की वर्षा वर्षे वर्षा वर्षा वर्षे व इ'यमके केर है' अर मक्षर खेर केंग चैंद दर्गेश मा अर चुरा हवे केंग ञ्चन्य हें र्ना नुःविभाष्म्य सङ्ग्रा स्नु र विष् नु के प्रशामी प्रमानी र कुंब चिट लटा इवसाले क्वा ताम्बद में वे का अर हे लटा मास कामिलेट के सम्भित्से हे कर मुर १ १ मा १८ केंस सुर समीना शुक्तिन्तुं में भेश मार्केर लग पुरा दे प्रशास के ते प्रमास है। व्यन्। नलुरे मूर्वि प्रवेद प्रमर प्रमायमायमा सुदेद प्रमाय स्मिद् सं सार्वि सम्मायमायमायमा स्मिद् स्मायमायमायमा हेस शुः ऑर ने ऑर अस के क्रम व चुर हो दे दन ने वेर दिन प्रमा औक

८५न हरा मिट्डॅंश टार्डे दे प्रमुवासी दन् प्रयासमा स्ट्रास

द्वामुद्दान्थाः करमा क्ष्याः स्टून् स्थान्यः प्रदेशः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्

भूर. अश्रात्रित्रगुंशानाद्धः व ते स्यर स्वेनासाङ्गे स्टावकृत्रनाः वि

स्त्राचीक्षा क्षा अ.च.ष्ट्र वं.चर्चेर्.तम.सैट.से १.चेर्चेत्रात्राची स्वार्थः वित्रायः वित्रा

ब्रामीट ब्राम्य वर्षा प्राप्त वर्षा वर्षा स्थान वर्षा वर वर्षा वर् वद्गार वर्षे कुरे पश्च हैस नार अर बेर हैर। वेर स नार देश सर्हरमुरेरेन्द्र-इत्राचीर-विक्राम्ता नारकर मार द्वाराय हैं कुन . त्रे गरावश्व क्षा भ्रमाण्य नार ने त्रे न्य मोडेट जमानमार में नि नमा वर्वः हेशःवाना वर्गेना वुस्र भेद्र स्वयः दे हैं दस्य वर पदे रे प सेन योजुका झे.सर्. हें. रटा हैं. येर हित्ताका तहीं रहटा विया ट्रेर प्रश वर्चे द्वार परे दे स्थानु के द्वार म् म्या मुद्रमा का सर प्रेट कुर दग्र कें न्य भेर्ने न रेदा वहर दग्र न वदे अप्य भेर द् निस्रसः देवायः दृष्टः। द्युसः वाद्यारः से । देवायः द्वायः द्वायः विवस य के वे नियं के क्षेत्र में हैं वे विन की हैं मियं दे के दे विन प्रमुद् हे स' भ अवे दे चकुर महिं चे द्वापक्ष व द्वापाद । कु मार के शासक्षमभाक्षेत्रभाव गुर्ने, यदे त्यमा छटा सरावे व्यून वर्मेन समाने । न्नादेनुसारवसामार से दे दिर वेद् त्रमुना ने द्वेर या द्वेस वेद होत नुन् चलिव स्पर् हिमा ने मनदेव नावस हुता हुना क्या खु हुना व के दे नु व मुन्य सुन्य मुन्य दे त्यम देवा नु य देवा नु व्यर् पाय वा। मि च स्वा हैं चिया ने सर स वर्ते र में र हर स स प्राप्त प्रवा मार्ड र हैं ने वा क्रें माने वा ते वे ना तहें ना माने वा मुक्त मार्के के प्राप्त के में के वरेद-विवाधकुःलूट्यर-टेट्डियाम्लूट्रेस्वस्वस्वय्विद्रःच्ट्रियः

वर्त्ते म्यन्य पर्ते के प्रत्ने म्यन्ति पर प्रवा

ब्रिट्यूर.लट्ट्रे.पुंच्यूर.संट्री नामक्रि.पुंच्यूर.पुंच्

द्विम्बन्नवर्ट्यम्बर्ध्यम्बर्धः स्वाप्तर्थः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स

बुट्रियम्बर्धरायास्त्रेव। हर्रेड्रेस्टियाम्बर्धरायायहेर्डेर्नेयामाना लट.भुरी चिष्ट.कुर्.स.र्ज.वे.भुर.चिर्दश हुर.चरु.मुँह.चक्ष्य क्ट. ह.बुग.उन्म । मुग्न.नूर. टट. दशक्षेत्र कूर् हेर देर देर विटा अवसारेर मान्यान विसाह सेनायास सुना उत्सारी हार्ये वार्तुत मीभा महिंद् पति हार्र साहिताये ये मार्थे पति हा के दिवे सामर से सर च् बिनावना स्टाटेर पर्क नशु सुना ने रहिष्य न पाय से देन देन टाक्ट म्यूर जुनाय है हिन् हे सर वित्र स्वया से खुट हे न्यूस से हिमस्य र्थनार्टा मूट्नेश्वनम्भ्रित्म्र्थन्यम्भ्रत्यः वर्णरम्भिरम् व्यायान्त्रात्न्न्यास्यार्थेरात् कृतायाः सरात्त्त्त्न् । दे के दे रहात्नुत्र मी.चंत्र.च्य.श्रेपका.श्रु.चट. ट्रे.क्ष्य.चंट.कुट्रे.चोरंत्र.क्षेत्र.क्ष्टे.क.चर्चा. भे न उट हो से सस ही नदी देश प्राप्त में न हैट। ट कें न लेन ने पहींन अवस्य मान्य वर्षा महित्य प्रवर्ष मुन्य देवे ए किस्स्य अवस र्ने म् मिया मी मूँ ट मिस्रेया अवेट या केमा साधित प्राप्त । सेटाया स्था शुद्र मिर्वेट्स स्तित्र ति देश कर श्री के श्री स से हर गुर स्वयार क्रुम.चीर.टे.बुरे.च.लुरी कि.चूर्य.चम्बन.चर.बुरे.चे.च्रूट्स.कु.चूट. नासेन-देर-दुस-रनस-सट-चे दे-देद-कु-व-दूट। तुःके मन्देर प्युर्के न ने निमान कर निष्टे मुनान एक मन्दे नि प्याप्त के नि व्यर्पायर प्रथम। व्यर् है। क्षेर श्चामकेन प्रथम व्यक्ति विश्वर्थ य में भूत्रा १८। अस्य भुग्य दे मूर प्रेन्स मधुप पाने सु नर्न । त्मारं नर्ने नुस्र सेदाया साक्षेत्राचर र दार्श्वा स्थायहर

मुक्त बहुत हुर हुट हुँ व हुर हु एक प्यन कथा व जेश हो जर्॥

ब्रुर-नीत्तर्ना व्याप्त क्रिस दे के स्थाप के क्रिस क्

स्यामीरामान्यान भिर्दाने मेर्ने ममरारीनाराहर दिन्नियामस्यसार दिना निर्माराम होता हुन होना नर्टान झे.सर द्वेर जूनाम विच हुट। वसर मार्टर में रेसना नीय त्वव. ८हू: स.चेश. तिवाश. श्रूर. देट. । हुश. सूट. हूब कुथ ८ कर. सू. पदमालेयार् भाष्ट्रीटाम्याचिटा। है वसालियारार विक्रांत्र वसानिट हुई: न्यंसर्थता. लुपायर्सर हुन्। विष्रे . रे.स्. तथा मी. पाष्का र्षेता कु सि सर म् अष्ट्रेर मी देना नार्रेर म् तम्हर दा दीश मुद्रेर सिनाश मूर् नार्थ प्रेया दे दे किंट ने अस होया था दश में हिंस दुरान की राज्य म दशासुन्द्रमार्सराहेशार्र्साह्रीराष्ट्रीयुरायेनास्त्राह्मराह्मरास्त्राह्मरास्त्रीय मी. हिना परिस्ति । विद्राक्ष स्थान सामा वित्वाद प्रतिस्ति । विद्राक्ष स्थान समा तायश के.सर.रेची.चर्य.संचरारेचें साशीचीर.शक्षशाही विताहर शुः भें र दे र भाग दे र भे ने दे दे भे र न विद्या दश देश र दिन र देश मिट वेट ब्रीट वट प्येर अवस वे क्रिंग व के वि पर के प्रमानिक ... श्रास्त्रश्राचिरात्रनेता १३४.पश्रान्ते विरामिरान्ता सम्राज्य चुदा नदे से माल्य द्वा भी सायसार सा सो द्वेर दिन मिन स्वस मार स्टूर चैस.पीट.ट्रेंब.सर्स.चैंट.चठु.चोर्थ.क्षेत्र.घ.क्ट.ट्रे.ट्रेच ब्रिंच.चोहाल.... म् व्याप्ति ।

तिरा 3 श्रूर ने ग्री प्रचा परका पर के स्विका मेरका कर ने नि कर ने के प्रचा मेरका मे

चबुर्वतंत्रास्तर्भेचो । क्षे.सद्गुन्त्रास्तरः हु. इस. चसर् स्यान्य दि । च. श्रीस गुट वहूर्य द्वाद भटा दूर हीट ने के वट दु के रे बूट ख्वाद न्द चेश्र श्रव्य में स्प्रें तर्वे । विर्मे में ए वर्ष प्राप्त में स्प्रें में प्राप्त प्राप्त में स्प्रें में प्राप्त प्राप्त में स्प्रें में प्राप्त में स्प्रें में प्राप्त में स्प्रें में र्बेर-(बेटा) ब्रूर-मीट-वश्नाय-वाट-व्यान्तर-वी-व्यायमार्वना मार्वना मार्वन क्र्यमाचिरासूरायान्या ग्रीराष्ट्रियायरायान्यायप्याच्या श्रेर पर्येन संश्रद द्विशं निष्यं जना निर जस सम्ये में विपर ज विनार्श्यान दिन के मेर हैं नियम मर में से मेर हैं नियम वर् वित्रवित्रवात्र मुक्ति क्षेत्र कन्या केवा वर्षिता मिर्मे वर्षित नुद्राति मिट प्रति क्षेत्रास प्रताप प्रताप में मिल्ट में क्षेत्र मुन्दा मीवर ह्या । रसमा है अस मिट्या ल्या वट मी मिट या में स्था नवस तर हूर निवेश्व के त्र नुकाव नि हिंग्स सदेव निवेश हे से देट वक्षः मुख्यः वद्गे मुशेर र्शेट र्योद् वद्गे स्थानद देर खून विर्दे के से स वर्ष्ट्र हिंद मु अन्य द रे के प्रमेश वर्ष के प्रमेश हैं वर्ष वर्ष हैं वर्ष के र के नहिना अना मिट दें। के र दे देनों वि वदे वट र अट देंबे. मेर् हिर पर्वेम दे हिर विश्व भेर् पर देश।

 यर पदादेवे सर्वो उन्हें र देना विषा तुसाया सर्वे पदा है। देन देश सामक्ष्राय के निवस सम्बन्ध स्त्री से विष्ट्री स्तर हैं । यह प्याप्त स्त्री

ब्री पु नश्र रेविर निवे कर नहीं संगुर में र निवेश रे स्र पुर निवास है। द्यापरा श्रम है पुटाय दें निय बेदायान्य स्वरं पद्र पद्र हैंद्दा हिट क्रुश हुंश सुर सेर सेर मेश माने शाम मे हिर हुं श हो न है । के श में न के से मूरिष्टिर दरा दर्बि स्माम हे हुन हा दहर सहे र है है से सर מחוז ב לב שווקרון שַׁוֹצּאַ זַּאַריַ פּריב פּאַ מאי אַק ינין דרי פּקי श्चित्रश्चर्तरा विश्वर स्थानित्रमाराज्य स्थावितरार द्रार्थ केया कटा हुं : स्ना अट दें प्रट केर ] र अर मार्स् छ या रेरी वहनामा ८८८**अ.**२५.की.चेश्चरश्चित्रत्वत्तर्भान्त्रत्वत्तर्भान्त्रत्वत्तर्भान्त हत्ते वृष्यक्रमाहेना स्त्रियाने साहेना साहिता वह । वह राष्ट्रिया वृत्त है व न न न महामान मान महिन्या मान कें द्राया अपने प्रति कें में मित्रा सामा प्राप्त के साम दान के किया दश्यर मुर्केन् महत्त्र हैं कि के कि कि स्वर्त स्वर मेन्सिक है जा कि के कि न्यरावह्नुराहरायेक् के प्रति वयसाविक गुकायादे क्येत्।

तत्रीतर्। भवर क्षित्र स्थान्त्र पहर तहर विदेश प्रवास है । विद्रास क्षित्र क्ष

म्तिन्द्रस्य स्ट्रास्त्रस्य स्ट्रास

## মন্ত্র দা<sup>ূৰান</sup> শ্লুবহা বর্ত্তমানু শ্রীর বা

म्या क्या क्षेत्र क्ष

महर्षेत्रवस्यरास्करिति विराजित नेर्पित्रवर्षरा ह्रेचमा दूस.रट.शैट.शैच.चेश.च.चश्रम.ल.सेचेम. हु.कु.चहूरे.च.च.... त्रद्र। दे क्रिं निवर ने निवर में निवर में क्रिं क्रिं वर में क्रिं क्रिं वर दे । ह्मास लेस श्रेर वर्षे पुस म दे दम ग्रार कु श्रे में कार्र प्रार पुर तर स्रुप्तसः प्रहेष स्रुप्त प्रवे नावस्य सन्मा गुट ल्रेर वर्ष्ट्रसः सु पहेर य भेवा दे अपस्य मिंद के शरदा नी य विस्तरा वि नुवादवा के **गै** पर्टे व सेन्स ले परे र हिंद परे मि पर ४८ स मु से र टे के ल मै . केन्-नु-ब्रिक्य-मन्द-विक्राय-र-मन्द्र-विक्य-विक् श्चिं रहें र मु कु नु स स्थर प्रिया हिटा सिंट र द र हैं स गु ट सु स सु र र र रंबनात्यत् ते.मी. प्र. थ. नीर्ने श्र. वंदायान विश्वेर वंदा अर्वेट वं लट । सिट के दे निवस खेल रे नकी सिन र है दि है निव के मानिर्निक्ष। दे श्रीदायर तिष्य रसन्। वेदास गुरु द तोनाक प्रदे हिन हुर.वेश.वेट. डी.स.रंब.चो. व्स.ये.वंस.व्स.वंट.चे.थुस्रांच्यश. द्रश्रना नार व्यद्र गु.र.र.त्या द्रश्रन ने द्रश्रन निकर व्यद् वर्ना .... मीनेश मि. स्. जम्म मर्गेट् के हेश हुन हुन तस्य र स. स. श्रूट वर्गेना... क्रेन खेर खेन खन्म से सम्बद्ध कुर मु

क्रियानेर क्रिया कर्म क्रिया क्रिया

पना स्वत्यः श्री निष्यः प्रच्यः स्वतः व्याः प्रचा स्वतः स्वतः व्याः व्याः स्वतः स्व

तम् ति.पचे. १ थ. (हेच. १५८८) अ.प्रायः (हेर.पश्चारः हेट.पर्देपश त्यूल.रंयाठ.**बु**टा। के.मुट.झु.सीयाश.बिश.सा श्र.घट.सपा.कुर. मार्ची वूर ने कर नम्पेश स्तर भीना ने लहे नर हैट। दुर्ग ग्रीट हिंद कूरा.चोरस.जिवास ट्रेर.चजूर.जिंदर.रेट.। कूचा.जुस.चहुर.तैय. सेय श. ज्रीसस. हेर्यस. भ्रीश. हों से सस. ही द. प्रता . सर्दे ना . पर्ये वा . पर ୢଌୄ୕୵୵୷ଽ**ୖ୵୶**୰୷୳ଊୖ୷୷ଽ୲୕ଌ୰ୢୖଌ୶୷ୢ୷ୄ୕୷ୢ୕୷୷ୗଽ**ୢୡୄ୕୶**୷ଊ୷ଔ**୵୷୰ୢ୵** के.वेर,च वेचास.तर सेचाश. हु. कु. खेरा किट. द हूर् विटा। टपु. प्रमा म्यूंचास त्यार विश्वामद्द्वाद्वाद्वायः अद्वाद्वायः श्वीत्र स्वाद्वायायः विवादा हूर्में वैदानर लट्टेचेर कुट परेबे दिनर ट है ए प्रम तमीत्राचनात्रेयासूरा। सु.मितारी स्तुर् रहते सद्दे सद्दे सद्दे स्तुर के.शर्व, ब्रुटा प्रिधिव, म. म्बूर्य क्रिटा क्रुटा ने दर्व, सीव था व्येता हु. विमानेया नेर् में पारमानेया के लूसी जुर ग्रेटी ट कूमारक क्रेन्य रदान्य साम द्वार मुलार प्रदेश माद्य माद्य साम प्रदेश मीदा नासर विज्ञार मत्रा विना विना विदे परित्र भीति वाप परितास है। रत। ल्.र्न्यिक्के.श्रुक्त.गिताहरे.ल.च.क्.श्रथंत्र.ध्रेथ.च्. दे २५ हेर के व्यत्पार दे वे यम में का शुर अद सर्वे वससाय विदे नमः नुता नाभाने दे स्रेर दार्द्धसानी सादा आदा शुक्षिना द्रारा आदा मक्रमानु प्रदेशाना नेद्रां श्रवसा मेद्रा स्वत्र सामा प्रदार स्वत्र सामा प्रदार स्वत्र सामा प्रदार स्वत्र सामा

प्रमाश्वास्त्रभ्यः भ्रमः मुद्दा ।।

प्रमाश्वासः भ्रमः मुद्दा ।।

प्रमाश्वासः भ्रमः मुद्दा ।।

प्रमाश्वासः भ्रमः ।।

प्रमाश्वासः भ्रमः ।।

प्रमाश्वासः भ्रमः ।।

प्रमाश्वासः ।।

प्रमाश्वसः ।।

दे हेशहर में देंगर केर राय सेर से प्राप्त रेन स दर । रामादस

सन्तर्भः देन स्वादि हैं देश विकेष हैं देश हैं

मे. भुरा हसाय देर. चेट्ट. में कु. चेरसा शिचासालूर् संवसा सट्र.

मम्मा केव में दे हिंदा मिट हैं अ महत्यार दें हैं हिसा दें विंदा देर अट के नित्र वित्र प्रेटा अन्य देर ट क्या दे हें व वि सुव भामेद्र यदे द्रिंश देंदे में मादस समाय दीना दृष्येद पुर्वास मुद्रा देनेक्व वे वेद्वर्र राह्मायन दुन दुन पहर्ष मुझेशहेश परेद् मिर्टि कुर्दा देर मर व्यन् सर र्ममा द्वरा सद व व्यन्ति । खु= क्विं के देव पु वर्ष के प्राप्त के मार के कि प्राप्त के की की कार हा र्मोश्रामाल्यापार पुरासे। दार्के गुमार नुपर्से रहेन त्रवे क्षेत्रं श्रेट. बि. कृटे. स. सञ्च्यस श्रे. पसा हुटे. त. नोट्रेट क्रेंट ह्यूं स. वनी... यदर् । में नार मोनेट देश नगार रिल्लाम निटायर र ट महमसा मेंसा म्म् मुर मर्दे पा मेद। द के दे रे प्तृत के मेर कु महिंद प्रुव महिंद मा सक्सरा में में नार में रिवर रेना मा धना है रिवर देर ना दस खना स बि.सर्येस.**मेश.पर्यः प्रांश**का हु.**चे**ट.**ब्री**स.प्रीस्त्र.पे.स्**र्याः श्रदः।** सेटा म्रिं हैं दे विवाक हैं र वह मार्ड स हैं वि हेंद हे सामस्ममा सा नि र हैं र वर् गार पर्देश द स सद्भार पर स्था है द्वा है दश स्पर गुद्रः। यमः गुन्नाम्मदः नम्भः स्याकेरः दे य्यशः स्यान्देना समः रेदः यः व्यक्तियाँ सेना

सर्में देरविष्यं द्वारा। विरादिरविषयं द्वारा। विरादिरविषयं द्वारा

नावर खे गानवर भेर न्या माध्या माध्य माध्या माध्य माध्

र्ह्न कु चुन क्रेन वाने ना

हिर्रास्त्री में स्वराद्य राज्या राज्य राज्याचा विष्य स्वराची स्वराचित विष्य स्वराची स्वराचित विषय स्वराची स्व र्दे वे के केंद्र पति पर विंता दे है र म केंद्र पा है या में खिल पत् केंद्र ल्र्नान्द्रेद्र'वित्याद्रमन् मेन्द्रा विम्रशः देन् मार्के अद ल्र्ना खुद दशः रूट् निर्टा न्युर् र्षाराचे ला हर पहिन्य। दे है व नवसानिसः इत्साचे वर्मा गुरा दायदास वर्षामा सामक नामा सामा वर्षामा याद्मार्थानुदार्भुनार्था हैन विसादेद दे प्रति दे प्रति प्रति प्रति विद्या ८:क्रॅर सिना नेल **भेर प**नु ८ हु त्यस सेन स्थनस ना दस देन त्ने ना केन रक्ष'द्रा श्च'रेट'वें ढेंबाश्चबामनावामामामा । वाहेदेराट के दे हैं हिं खुवा दु को द के दा है नि हैं नि हैं नि हैं नि हैं है ने वर्षातामाश्रमामु द्वारावित्र हैशास्त्र हैनार दे वे श्रम सुना सामादाः द्वैरशः वक्कदः भेरते प्रताम । दः के से दंशमा मारकः के द्वीया दुः ववसः हे स्वयः द्वेरः च्चनाः ह्र्यां कृषः कृषः वृत्रः दृष्टः वर्षेवसः हे स्थिवः ववसः हे द् नेद्रिता द्रमन्त्री केंश्यो सद्द्रायन हे द्रायन हे क्षा हिंदा मेद्रायन लिल बुना म कुन कुन में में में में में निकार के निकार में कि त्रपुरम्परकानुभाकाक हुमान्ना हिमानुम् तह्र प्राप्ति मानुमानुस ब्रॅर गुनि। यो द्रायर पर के वे विना तर कर पर प्रश्निद्ध सामर परे वाह मासाहि। ल्रेट्ट्र श्रिक्ष गुट कर्वेट का श्रुवा

स्तर-वेचा चेसा चाटास्तर क्रुंडर वा सामार सह मिस्सिस ने विश्व से स्त्री स्त्री

ल्वान्द्रा।

ल्वान्द्रा

लवान्द्रा

लव

५.२८.ल्थात्रत्वर्त्तात्रत्वर्त्तात्रः क्ष्यात्रः कष्यात्रः कष्या

देवे अपास दि हैं द्याय पुरा दाय है सार में दाई महि में सा दयायान्त्रिन्यानुर्वे करायासुर्धरायर १०० च प्येद सामा दे वेद् नि सःकुं लिना भेदः लिन्। दे तायमें दि तासा निकेना यसा सेदाया दे माहस्रसः त्रद्रा रक्षमान्त्रः वर्षे स्वाप्ताप्ताप्ताप्तास्य स्वास्ताप्तानाः स्वीपानादः व्ययम्भित् पर पर विदेश र किंदा मुझ्या मान्य प्रमान्य साम विद्या स्वि वास वयदश्या मुन्दरन्दर्भवहरूद्वा वर्षेत्रवर्षा ् वयस्र भूती श्रामोबसाईरा योषभायोचुशासेया चूसाचेया वैदा। वयोज वर्भेर् १२१ रेशकु मुर वर अयान अर दर वें की कर वें हैं नह त्वे मुर्द्ध विवस्य तम् ने विष्य श्रित्य विष्य के के दिन हैं के के दिन हैं के कि स्वर्थ के दिन के x4.3c.dx.mx.acsids,30.3.2.2d.... विगपुः श्री है शामुशामुदा। विश्वाची विनाश्ची मनुमा संशादी मार हिमा सुर र्ह्रेर्-र्ज्ञार्थन्य-वेट-वेट) सुर-मावर-र्द्ध्र-साम्य-र्ह्धर-साट-र्गाव-दव-दे.चबुरावेदातरेचे ।कार्ट्राक्ट्रेटाअक्ष्मश्रावेदाववेटाजिशाम्बार्या ୕<sup>୕</sup>ୢଌ୷ୖୢଌ୷ୢୖଌ୵ୢୖୡୢ୵ୠୣ୵୴୕ୡ୶୴୶୶୳୷୷ୣ୶<del>୵</del>୕ୡ୕୕୶ଽ୷ଌ୕ୢଽ୴ୢୖ୳ୣ୶**୵୳**୕୳ୡ୷ **美烟花大城**[]

पश्चिर्भ्यः विदादाके वे तरेचे हिंश क्षिशः श्रेश्याच के शारण हो नोपशः मार्डेर् श्रुप्ताच के वे तरेच विद्या क्षिशः श्रेश के वे विद्या क्षिशः के विद्या क्षिशः के विद्या क्षिशः के विद्या के विद्य के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के

सर्वत्याचेत्रत्याच्यान्त्रिः स्ट्रिं स्ट्रिं

ल्यान्त्री।

बार्यान्त्रीयः वित्तान्त्रीयः वित्तान्त्रान्त्रान्त्राः वित्तान्त्रान्त्राः वित्तान्त्राः वित्तान्तान्तान्तः वित्तान्तान्तः वित्तान्तान्तः वित्तान्तान्तः वित्तान्तान्तः वित्तान्तान्तः वित्तान्तः वित्तान्तान्तः वित्तान्तः वित्त

 भृष्टीर-य-यद्धानीश्वामश्वर-प्रम् भिष्ट्यान्तिश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्यः विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्यः विश्वर्थः विश्वर्यः वि

## ज्यात्म्याः । स्ट्रास्याः सार्वेदशःय।

मुक्षत्वाद मुद्द विद्वाद स्थान स्था

देल्ट्र स्वायह्र्य पदे दे ह्यू स्वर्य ह्या हेता हुर ह्या के प्रमान के मान के के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वय के स्

ल्ट्र नेद्वतिवृद्धार्मित्र द्वा द्वेश ल्या केद्र माक्ष्य हेश देश दे हिट ने ह्वेट वहर्ष्टिन वर्षे वरा रूपि क्रिके स्वीति वर्षे क्षमास्मर्हराज्याद्रा वहूर्द्राष्ट्रायाष्ट्रराज्या हराद्रा सम्बद्धाः चीट च क्षेत्र द्वेस द्वा विट हे वे नश्य हुन् शास्त्र स्व हु स्व हो स ब्रुद्धिय के अपनित खनाया नित्ति ब्रोट नहेंद् वे स्वत वस नहेंद्द या सेव पद्रविमान्द्रतास्त्रम् राज्यस्य विद्यास्त्राप्त्रवृत्ते प्रस्यास्य द्रमश्रदेवै दर यदेव पद्रमा छेश य पद पद्रमा । अपमा देर मुने यद्रवामुक्षार्द्रतास्त्रम्थाया प्राप्ता मु मिन्नेदार्द्रतासम्बर्धा मित्राम् द्वेदार्चेद्रायदे द्वाञ्चयशास्त्रेव। द्वेता नीसाद मिर्दा वद्गाया स्वाप्ते यदे द यर कायहेंना सा नुसा दादे दाना यदे दाय होता सुरा सहेंद होता में मार मोविट मी महिस पहिंदे पा ब्रीमा बहा है और त्यं प देवस अय वर् वुकार्भेर् यारेन कुं क्रेकार्क र्याया प्रदेश पर हैं के ना हुन के वि वन वदेवरा नेदाय पदेन दे वद्ये हो हे दे वदा दे दार दे पर दे व सेर् गुर मु से स परे द पहुंद मिं दिन परिंद पारेर केद महाहिस देश दशन्त्रासर सम्बद्धेर होट नहेंद्र माने स्वान नुस्ति विन नुस्ते होता यहूर् हुन्। भ. ८, ८ न। १८८ ४ १ मुश्र यहूर् पर नाश्वण यस्ने नाश वेश या... ष्पेया

त्युंत्रित्व्यक्षः दशः तद्यंत्रः कृटः मुक्तः स्वरुद्धः तद्यंत्रः स्वरुद्धः व्यक्षः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्ठः विष्य

मुक्तानहरूष्ट्रस्तर्भेर्याते कुर्यं स्वर्रक्षा विद्रस्त स्वर्रक्षा स्वर्रक्ष

द्रश्चान्तित्व द्रश्चान्त्र हिटा दे दशक् नाम द्वान्तर स्थान्त्र प्रमानित नाम निवानित्व स्थाने स्थान

स्कै:इ:रम्भः सः त्यर 'खुद्दः सुरु: तुरु: त्वुद्धः त्य बहेद देटः स्वट व्य र हिंदः । सुरु: स्वरं सः त्यर 'खुद्दः सुरु: तुरु: त्वुद्धः त्य बहेद देटः सट व्य र स्वरं नार हिंदः

ट.ष्ट्र.भ.श्र.इर.४र्वेट्र.३.भ.इट.तर.मे.चे.चेर.हुर.खें.बेचश.हे. ॐॱदेद'धुंनास'त्युद'**ॸ॒**ॱयंवहाने<mark>मिँद"द्दाभारतश</mark>ुरःब्रोदःस्रॅक्स**ध**ुद्दार्देदाः विमेर् स्थापर दे मार्चाद स्पूर्ण मुक्ता वर वस्त्र स्ट्रिंड क्रेन्'ॲर्' यश्र'यश्रम'निविष्य द्व' '५द'मेशुः नुँस'ॲब' **ब्**विष्ठिस'गुः '''' य नुसःतरः देर्'व्यामु से मुटःत्रव'व्यः ब्रोटः वहेर् देवा वह्न् माटः अटः पुरुष्यान्त्रेद्राणुद्रश् वर्द्रद्रश्चर्यद्वर्द्रम् वर्द्वर्त्रम् वर्द्वर्त्रम् वर्द्वर्त्तम् वर्द्वर्त्तम् वर् चूर् भ्रे.चर्था क्या इ. वर इ. हेंचा रे. चीर क्षित ची. हुर भ्रेश रहिवाश.... द्रद्रस्य मुद्रित्य दे कि मुक्त क्रिय वना नार ट परुष् के इ प्रवेश महिद्दे नाराय है के र के द है है देश द स हो हा ..... महिन्द्र द्र असी नेन्य अनु सेन्यु । विकित्त मिन्द्र दे दे सु क्वायमः है 'वेदादाद्वार देवार देवार विकार के क्याय है । ୢୢଽ୷ୖ**୶୷ୖଽ୷୳ୖୣଽୢୖ୶୕୶ୢୠ୶୳**୕୷ୣ୵ୢ୕୷୷୴ୄ୵ଈ୶୶ୡୄ୕ୢୠ୳ୢୡ୷୶**୕**ୡ୕ୣଽ यमः वर् नाया है मिल है के में हैं या है या है ना देश में देश के निर्देश कर ना देश क्ष्यात्मार्ट्न विन् ने ने ने क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र निविद्यं कर, चिंद्र कुर हू, नहूँ रेज सुरा अधि ने ने दे में कु राज्य प्र का त्रा त्र पर्देशयाधीया द्रानुदासदादार्के दे द्रपरायदार्के द्रामार्द्रेशाय दे मूर्स सप्तुदः देना पहेंचा पदेंद्र 'दुसः मान्दः दुः स्पेद्रः ग्राटः **कुः स**रः यसमा दुवः दे स्थः दृर'येद'मान्द्रद्रसम्स गुरुष्यः र नेद्रा

मार्थर प्रमुद्ध स्मायन मी क्रिया था प्रमुद्ध र देव र देव र विकास मार्थ र देव र

 वार्षिता में क्षेत्र प्रस्त स्वार स्वार क्षेत्र क्षेत्र स्वार स्वार क्षेत्र स्वार स्वार स्वार क्षेत्र स्वार क्षेत्र स्वार स्वार

मार्थित स्थान्त द्र्यां स्थान्य प्रमान्त्र स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान

क्रम् नियम् नियम्

द्राक्षे दे से स्मर स्ट्रेंट के प्रश्न स्मर प्रमा स्मर के दिन श्चर्नास्त्र,चेश.व.रंटा हिट.क्र्स.रंशर.व् ठु.इट.क्षेचेदाल.ट. चेल. विशः हुन्। साम्यः इति अद्रः नामन्। वहून। देश चर्मा न् । अद्राप्तः नावसः मेटश्रक्ता लटा यो कें यहरे वेटस पेड़े मनाटालट मेरे पर दश्रा हिंदा कु अड्य मार्ड में दे है। मिंद ह्या दें साह्य साम पर्दा परि की स ध्येत विंद हैं देखें प्रदेश मुक्ति सम्बद्ध महा महा महा पर्वे मा यिट केट जात के जाता ने अन्य तम् ने शा के प्रकृत हरा पर्वा के वर्गन । क्षेरवहेश । क्षेरवर्देशका अवस्थात्वर्रामा शक्रवर्ष्ट्रका वरः ह्मान्द्रिया क्षे.मोड्र स्मारामास्ट्रिमाशाद्यमा क्रूमारा क्रीस मय्या स्रित् हेरा देर्मा स्टार्म वेमाई स्ट्रिय द्रार्म स्टर द्धनाया के अर्थे: यर वसद पारेदा र्धना मार्थे दे है है : वेदा सवस नावेद चर्दे हा भूनाबर्टा हिस्र महेंद्र हैं नहाउ नहना है। सर् के क्षेत्राचा नेराना का खेया श्रेमा सहें द्युटा नदे से सामहें पर्मा स् भूति हिंद्यां नामूर् अवसर्त्र नेराश् क्ष्र्यक देवा निर्मा स्थानित इंबुवार्डें सर्राचीय अर से **द वेश के सम्बद्धान व**र्ष चुर वर्ष वनायम् व सर्वे सम्बद्धः महिन् द्रमा में यह स्वर्ग । वि मेस वे मन म् या केंबा मुंद्र प्रमुद्दे मा द्वारा पर की महानी दिहाल दूर में मा पर हैं महारा वर्षेत् द्ववाबेर हिटा सामार्के दरा हमायर मुक्षाया र वेद वेदेर वद्रीयमें सामास क्रूर सदर मिट्ट रेमा के स बरेट में हिंदी मिर्च रामा बन्नेब वहनाय दरा विटार्टें र देविक विविध्य दरा वहरायहैना है द य। दे श्रेष दम् द्विन नी त्रम वस नहिं से पुन परि है द हिंद दर्ग सह क्ष्या के स्वाप के स् अर मार्श्याका क्रकाला त्या श्रीका में कार्यात क्रिका है क्रिया मार्श्याका क्रिका क्रिका क्रिया है क्रिया मार्श्या क्रिया है क्रिया मार्श्या क्रिया है क्रिया मार्श्या क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिय है क्रिय है क्रिय है क्रि

सम्बद्धम् में नेद्र म्यद्धन्यद्धः ने नहेत्यः म्यद्र न्यसः म्यद्र । स्याप्तः म्याप्तः म्यापतः म्यापतः

त्रश्च मध्येत्र्र्यं स्थान्य विद्यात्र स्थान्य स्थान्

त्रेच.ग्राः। चीत्रवास्त्र्यःग्रेटःबंद्यः देन्त्वाः भ्रेक्षः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः देव्यः देवः विद्यः स्वरः चीत्राः स्वरः चीत्रः स्वरः स्वरः

च. मू. ग्रीकार चार्षे त. चर्ची संचा भट च्या मूं र पड़िया प्रीका प्रमाण में स्था मार्थे त. चर्ची मारा प्रमाण मुर्चे त. चर्ची प्रमाण मुर्चे त. चर्चे त. चर्ची प्रमाण मुर्चे त. चर्ची प्र

द्याल्या व्याक्षा क्ष्या क्ष्

स्यादेवसानु नार। वयरामा मानी सेन्द्रा हिंग्दर छो प्यादेशः पीप्र.लभ.र.प.र्ज.स.र्ज्ञ्याज्ञेय.कृत। स्याप्त प्रमाप्यमा प्रवाप्त प्रति हैस मेर्पानाराय विजेश के प्रेर स्वस विष्क वे प्रमानी देव मही इनस मु पहुर हैर पर्वे र लेर पारे । ले पर र म है जिंद हु से स पर्द रे.पश्चात्रं वा.सर.पुर्धं संचानाचेशक्षात्रं स्वासायक्र हर हिं क्षेत्रे वसमाध्ययानु स्पर्नाचर स्पर्ना केसस्यो । भवसाने राविदा क्षेत्रा हिससासपुरानुस्य वर्ष वर्ष निर्नु पर्द राजुनासामुसा अपहर हिन पर नमश्किर। श्रेनित्रा दयवायहर्षे के वर्षे में रहरा हैंद वहर है हो द जिंद ने जिंद में मुक्त कर महस्र द । इना यर माश्चमायादिर पर्देश वद्यायस देश पर्देशना समा सेव कहमा हिंद हैन """ **र**नांश **उ**टाय देशा

तत्र त्रकर त्रवित् के महस्य प्रति प्रति के महस्य क्ष्म क्ष्म के महस्य प्रति के महस्य के महस्

मिक्किट्ट्या स्थान स्था

म्ला देवे हालक् नक्य क्रिमान्द्र क्रिमान्द्र के स्त्र खुमान्द्र के खु

ब्रुंद्रान्त्रं त्वहेत् त्वहेत् क्षेत्रं केटा। दे क्षेत्रं क्षेत्रं त्वहेत् व्यक्षं त्वहेत् क्षेत्रं क्षेत्रं

द्भिन्म 'खुक्ष' ५६दे दे दे दे दे दे दे दे दे हैं से खुक्ष' कहिन्का परे खट त्रवाकुत्र त्रकामा त्रव्यामी र मिनार निविद्यशार्मिश र शानिवदः... अं डिटा मा रेना अपने में के बहु पत्रे में प्रेम सर में अपने सम्मान त्रभारवह ते त्यस ह्रव्य ने दावित स्पर्न गुष्टा नुष्ट के हिन् हे सर दार्क री मिन मी के रहे मुख्य मावक **र्वे र मुज्य र नाप र द्यार पर र पर** इत्यामुम्मरम्बुट्यस्यदेशाद्वित्म्म्ब्रहेर्द्वे देणुताद्दर् मूराष्ट्राचर केन विंसेर यदे सामनसामना नुमिल्स कम सिरायवसा नित्तिक्षार्थित्। देशायायारे देशाद्राच्या शुर्भेत्र प्रवे देशाची प्रता क्रामान्त्र सर वर् से दून में वर्ष सूर वा यह स्वाह सर वर्ष प्रमा नेस क्रिय हिंद मी पर्जे मा पर्छ महा साथ स्ट्रिंद दि। खा श्रम हिंदा पर्दे के चल् स्ट्रिट र म न स्थि अ कन स न स में न । ५ - ५ - दिश मदि स न स्थान स न्ना प्रहें व्यायहोद स्प्री केट या चेदा से वावा मा शार्के र मेट महिंद वा स्रोत वदेश्वयम्भीयसामान्दा वर्षेत्रायसक्षेत्रक्ष्यास्त्रासा महित्र्यः व्यत्वर्त्त्वित्वसा व्यक्तित्वर्ता व्यक्तित्वर् न्युवान्तिर में सिन सिन मन मुन सिन में जिल्ली

व्यत्वकुर्त्वास्वरम् वर्त्रस्वास्थरम् वर्ष्ट्रस्वास्थरम् वर्ष्ट्रस्व वशयानी स्थाय प्रत्र हैं न लेगा भेग व स्वारम्स र ए खेल र द के । या के न व्यान व्यान के निवास के नारम में सार्वा न स ह्यें अअविश्वास न्या देवा मार क्या देवा में स्था क्रियाद्रानाया हो । व्याप्त व्यापत श्चनश्चर्दिन मेर गुरनदर्गाय हेर चें जेता वेद दर व्येद पदे सुना क्रू. मे. बुरा द. भर्त. तार था उर्जेच न्य हिन में टायर ही रहु ना शास ना श्रा हिट मीय वर्षे में वराय में श्वान्य ने नुराव हुर वरा में सामी वर्षे भी वर्षे ह्य १ क्रियामु अपेरे व क्रिन्ट त्योर सामुसाय सामिर क्रिन्त निर्मे करा । मिटा ग्रेटाझर हुट अना सन्तर इटा नाय हा य वर्ट खेना कटा है कू सीटा न्युरक्षमः वर्षाः रेत्रः से दर्ग देरावहेत्रः संरवस्ते सामवेशः सवेशः देरपुषानुभार १८ व्यद्गानदेश्वराष्ट्र गाउँ गावद्गानाय केशवर व्यद्गास्त्र सु रेटी चिट्डू हेटाइस संक्रिस मेट ते तुस संक्रेड्स में हैं है से संक्रेड द्र.वर.प्रग्नूर.वी.र<u>ू</u>शा

त्यर र त्राच क्षण्य प्रत्य क्षण्य प्रत्य क्षण्य प्रत्य क्षण्य क्

प्तरा क्रें द्वा प्रमानक्षाणा हिंदालेग । । क्रिंट हैं शा वहम हैं ट क्रें शा वहम हैं ट क्रें शा वहम हैं ट क्रें

ब्रुव'ले संस्र'यदै पुष्पार्देर मुग्नर मुग्नर मुग्नर मिस्स स्वर् यद्रा न्द्रान्येद्रायवेद्राद्रम्यक्रिक्तिव्यक्ति सर्द्धश्रामुद्दानु द्धन् द्धरान्त्रम् नाहेश्वरहे निष्देशस्त्रम् स्वरादेदार् सुर्वश्वर्यातर्गार प्रदेशित्त्व चि.वार वितिवश्वर्य राज्या पिट.च.चीक्रेश.चोलर.क्रीर्.चीक्र.च.चे.च.चीक्र्यिट.खीचा.चश्चवीका.चर. देनु भी भी देव में बुरा तमाय प्राप्त में प्राप्त हैं पार्टिया त्रीमानब्द्यानम् अर्थात्राच्याः स्त्रीया वर्षेत्राच्याः स्त्रीया वर्षेत्राच्याः स्त्रीया वर्षेत्राच्याः स्त्रीया वृद्य महिक में दर्य मिर्ट पार्ट बिर श ग्रीश देना स वेद सामक हैं स विभाद्धाः हेर् हिर्द्धाया सेवार्विसः समि इससा वरसा विसानी "" क्वेन पुरुष्ट्र समिन्ति कं मी व गुव क्ट मी निर्दे र नगर हिर धनवर रे विनाम महिमाना मिट कर नुस्य नहें या नहें हुन्ति में शहरी है से से मार है है है है से लेश ने से से हैं देश ्त्री श्रीच्या मेलर हमा हु नहत है है त स्वस ह र स स त्यर वेंद म् स्त्रा त्रा स्ट्रा स्त्रा स्ट्रा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र

महत्ते हेर् गु. १५॥ ज्ञानर नाश्चर के महत्त्व स्थान के स्

स्ति । अर निश्च स्ति । स्ति । अर निश्च स्ति । स् स्ति स्ति । स्त

नाश्चर.रेटा। देटिजासालचा देशसालवा हुन्। साम्पुरानुटा। दे स्थारा हुबे.चहीर,वेस.ब.लटा ट.टटा टबे.चीवेट.बंश.चव्य.चूंच्यु. न्ता सार्वेदसायवै विन् कु देव पु प्रविश्वमानि सून प्रविश्वमा भेटसाहें न होट्यायासेन् नावसायायात्रक्रियान्त्रस्य त्रीकृतात्रस्य व ं ने निष्णके अवस्य निवास निष्य हैन निष्य । वर्ष अवस्य निष्य के स्थार साहिता दशारा के वे के समार् नाया के दार्यर विदेश में अपूर्व के सामी सहिदा की **इम**शः वेर्-पु-प्रदेश्यः केर-पु-द्वि-पु-प्रदेश-प्रदेश-र्द्धन् श्राप्तः । म्य-**तु**शःखुन् श्रुश्नः र्द्धन् श्राप्तः त.ब्र.च विदास्त्र में में संक्रा में में सरके से में साम में सरके से में साम म ८.७.१८८३८८४५८५५५५८८७। हर् स्स र्रामि क्रिम की खेंच खेंच खा मधुर के स के रामित विकास रामित । देरा नुसान्द्रमान्नीतान्सात्म स्वराक्ष्यकार्द्रन्य अहिन्द्रम् स्वराज्य स्वराज्य वर्डेन नाम्युवा छेत् की व्योत्। दे व्येन सुनाम नु व्योदा स्रवस सेत देन कीन द्यादः मीस्राम्बद्धार स्मूर्यः तुर्दे खिस्रामुद्दारा के राष्ट्रायमा स्मान्यः यहेत्। यहस्रा त.भ.भ्रा ल.सी हुर.री उहरास्त्रां अ.मे. मार.तयाय. तथाशासीर. वर्तः। इस्तिनस्निन्द्रमीःश्रेःश्राप्तापः विनान्दः म्रोदःस्ताः भ्रवसः नार्वर्टा सर्वर्भावस्थानस्थानस्य वर्षे कु.मी.हमासारक्रिटाः तुना खरें नारे स मझे महिंदा खा मझे प्रशा दे ते हे दे दे दे स्वर मझे व हिंदे हे न ततु. ह्या अ.लुश देट.रेश प्रे.श्रट अटश केश केश केश केश तार हुश **त.रंथर.**४नुप्तश्रीर्थ.पंद्यांश.चुर.तद्यांश्चेतत्र.४ द्र. शरश.मेंश.से... इट्स कु क्रिंस नासुदस्य दार्दे नाइस एपु अ देर देद दस ना हो द हिंग स स्ट्रिंस ଞ୍ଜି**୴:ୠ୶:ଦ:ୖୣ**୵ଵୖୣ୵ଵ୕ୣୖ୶ୢୠୣ୴୴:ସ:ସ≅ଽୖସ୕୵**ଊ୕ୡ:ଦ**ଽ:ସୡୡ**:ଗୁ**ମ୍ବା

द.कर.भड़न.मी्नेश.शट.तू धु.रूनश्चरश.फ.टड्डेबेबरा.ट्रेटेटे भभारे. वर हुंश. वेत. त. कु छ उंडू. वटल. ए गुनिश. व्या वेट. व. लटा वेद्की खवा है वादुश देना दुषर व्याप्त सुवादय दक्ष व्याप्त के अवसःचयःहो हे स्यायाध्यदे मुदाखेंन्या मुद्दे है देव द्राक्ष्य हा हिटा योश श्रिम मिस अवर यदी वर्षन र इन्डर चुरा देन का विदार वे मम्भातिचात्रानाहरे.रे.कु.पहेचा.र.व्भाजनावतंत्रानावेथे.कुरी रूटे. स्यवन्द्रम्ति लेक्षाचन्त्रन्त्रह्रम्लाह्रम् न्त्रावरत्यास्त्रमञ्जादर। वह गरा चेंद्र चेंद्र दर्गेश च स्त्र क्रिया चेंद्र ઌૢ૽ૺ.ચંધજા.ૹૄૻઌ<sub>ૢ૽</sub>ઙૢ૽<u>ઌૢૢૢૢૢ૽</u>ૹ.૱૱ૺ.વૺૹ.ઌૢ૿<del>.</del>૪૮.ૡૹૹ.ૹૺઌૡૺ.ઌૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺ गुदा वेद् दे प्रदेश ब्री द्रायदे रदा मी ब्रेंग पु स्पर् हेटा वेद् यह कें लुरे.तम्भः वर् स्ट्रियाशास्टायात्रात्रात्रेशास्त्रागीर्रास्त्रेराववटाला चट.दा. भूटी चिट. पूर किया टक्रिजा हु वैट. लट. मुकारीयी देशती. पृथ म्कृषायते हे यासु से न्द्र सु लिमाया अटावदे पद्रवे द्वाव सूना गुटा खे खें कें बेटा ५५८५गाव धुनादेवे कुराम कर पर हैराई प्रबेत ह्या संयुद्ध केट **'खेद्र**' या **रेद्धा कु स्नार** के देखा<mark>या दश केर खाना सा</mark> पुरुणः वर रम अर वा वेद्रामे हैं हर्के साम सादर वडमा समेद दुमा भी वर खुना वश्यादे दना क्रुब कर खेरा मर खेरा की रेपा देरा वदेब मार्के व्हा की नायर हाँ रापटी रामा मालमा पहिला मिया हु संभा खा ने र व्हाई की सा वह्माच्चीः स्त्रामदायाद्वर्यस्यात्र्यात्वातुः हेत् वर्वेदार्येद्॥

यस देत्र पदे द्वा है हु । वस म नूस पदे मानद हैं स गुट भेस प

सान्य साने ता वर नियम् साने ता वर साने कर नियम साने साने ता के सा

निर्मित्रेश्चार देश्चे निर्मित्रेश्चे निर्मित्रेश्

**રેવા ૨**.કેતુ.તદ્યાંથીદ.નું.નોવાજ.જ્વા.તટુંત્ર.તટું.કેર.ક. કૈદ.ધ**ાય.** मिटा देट्रातम्जानात्रात्राद्राद्रात्र्रात्रात्रात्राचार्या मिल्रास्त्रात्राद्रा द्वायाम्बिन्यान। वेर् द्वार्यन्य वर्षा केर् या वर्ष द्वार कर मंद्रम् सु स अव सर मु केरे सेर मंत्रि में के केर मु ह पर के रूपा वर्ष्याम्हियानुमामवसानुसान्तुमा १००० व्यानी सेदान् मीबिट.मीश.ट्र्य.जशका.क्षेत्रीर.तत्र.बत्या.चेश.च्रेचा.चेश वी.येचा. रबर वृष्ट ज्र्म व्रेर हुंस पद्ध व वहंता दे रामा श स्प्रिमाश व्य रामा वॅर्केन्दर्भेन्दर्भेन्दर्भ भेश्रातम्बर्धाः स्वीतः क्वाराद्धाः द्वारा स्वाराद्धाः विवार्षाः विवार्षाः म् अर्रे नु हुँद् भार्द्र नवश मुद्द वर्ष भीद केश सेद द भारा। मु **बे:रब**र:वॅर:कुन:बुर:बे:वेर:बड़:बेर:र्-चुर। में ब:बेरं:देर:कुन: ह्यर प्रवेद के केंच मार्थ देर रहार्मिय ही के में कुर में प्राप्ता देश कृत्रां पुरायक्षेत्र वयस स्तेत्। मूर्ल क्षेत्र हे 'ते 'ते ना ना नत्र प्रयेष स्त्र स र्वेचर्या मित्राष्ट्रचाक्षात्रवेक्षाक्षाः पूर्वान्याः क्षुत्रचाः क्षुत्रः च विद्वान्याः क्ष्याः ह्र्यामानामाना ह्र्यामानेट युरे त्यु निमा चीमा हुन सिमस ह्र्य हूर्या. लेवार्क्षेत्राच्यावर् पुरसे देवायास सेन् ग्री हिस्या क्वामा ग्रुटावर दिया रहर्ने विश्व श्वीय ग्रीट न्यस्य नेस स्पूर् यास देश

स्यो हुराशिक्षर जरे ५ देर्। लाज प्र प्राण्ये वसामित स्थानि स्थान

द्रिश्चिराहुंशःश्चेनशः प्रकृतः ने स्त्राः प्रकृतः स्त्राः स्त

द्वै-शै-मटार्डे-रंग्दानुष्य द्वि-व्योमसानुद्वि स्विन् देव्य दिन् में विक्रा दिन के स्वर् दिन के स्वर्थ दिन के स्वर्य दिन के स्वर्थ दिन के स्वर्य दिन

स्वर्ति न्यस्य पर न्यू स्वर्ति न्यस्य स्वर्ति स्वर्ति

स्याम्यान्त्रस्य स्यान्त्रं कुर्ने स्वास्य स्याप्त्र स्

देर पहेब हु स्पर्व स्वास विश्व स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स

म्बर्ग नेद्र वने वेत् वः भेता नगर हिंत हैर प्रवेत नेद्र वे सं रेन्य स श्च महा नेद दर्महा। भ स्थाप्त-विकास के स्थाप्त के स्थापत के स विकास के सम्बद्धा के स्थापत के नक्षेत्रहेन्य विद्यास्त्र विस्तार् । विस्तार मा निर्मा विनास विश्वस्थानम् कृष्टान्त्रभावान्त्रयाः है स्वत्वे सेश्वरीत्वर्गत् ब अब्देश सम्बद्धान के जाने के दिस्त हैं के दिस - र्वेभक्ष के के ब्रेट के अध्यासमा ने ने नया बीन स्था है व से नित्राप्तिक रखिति । अष्टिमिनु किर स्पार्थित कुर्धि पुन पर्व। सी PARTY OF BUILDING BUI नन्त्रित्रम् गुरा मध्याम् निम्न मुद्रेन् स्मार्थन क्षा श्रेत्र किंद्र अस्ति हिस्सि कंपनाडमुद्रावर्त्ति कर्पन्न विकास के जिल्ला से स्वास के लिए हैं के दिन हैं। न्निम् रम् तायदेर निम्ना सहस्रे हुन भी हिंदे हुन सहस्र सह नुस् । सुक् अन्तर्भाक्ता क्रिया हैंग हैंग निस्त्र में क्रिया के स्वर्ध

दे .कं.वे.चबट. ४.८५४.८०००० दशाश्चा श्वा हे हेट.रेश.ये. उद्ध्य मीट. वर्वे मिनावावसायवे पर्नावसाय द्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स पर्ने निवस स्नवस से वित्रे पर्ने हिन् की विदे पा होना दिए पर सामा विदेश श्रुर्भिर्द्धिया के . हे हूं सामेदा दे दूर सादी सार्य द सार्य है सा भेता वर्षायने नात्रसार्वया सम्वेनासात्रात्रस्त्र होत्रदे त्या त्यात्र सबरायम्हित्याचियातार्द्रम् म् एक्ट्रिकास्यास्त्री दाक्र्यास्त्री ह्यूर्र द्वींश य नाय नाय र के में श किर स्वर शेर पुर दे लका न लग र पश्चरावत्राक्षराहिता क्षाक्षरादेशदितामात्रकार्याहितामा त्रैं म्रायमा येव प्रमार्थेन वर्षिते मावस द्वा मायस येवास रसः विचार होता टार्के दे नाव सार्खका दे विनाया हे सामे दार दे में होना में दा श्रीटार्भना मुक्षार हूब रविटारिसाता के में लेवा सु हे वेस पेवाया कुर त् ब्नाद्राचना व्यत्स्य स्वत्याद्रमा क्रिक् हर् १५४१ गुरा द्राया । न्त्रात् दे नमामार्चान् क्रिके ने द्रायने विक्रिम्ट संक्रिया द्रायन स्वरू विभाज्ये ना लूट में लटा। चूर्वर हे के मचुर सारीय हम कु श्रास बंधा ग्रे.म्रेनमा म्रा.कू ए.के.म्रेर.नुक्र.विधर.मु.वेत.राध्.म्रेन विक्र. वुद्रसद्धः पश्चमः द्वेषः वृत्ता द्वावः परः सुरः पः देशा

द्धि विष्ण्यावत्त्वा हैन्या है स्व के का मान्य प्रे हिंद् है प्राप्त प्राप्त है से से से प्राप्त है से प्राप्

क्रिसंदर्यम् के सर्देशस्त्रे मुन्युः स्टान्स्य मिद्रम् स्टार्ये प्रेर्द्र क्रुस्ययः लट वैटा नमर वे वे देट अन्यमा कु वन वे टाई वे नम् मार्थे बिरा एक विर्माने का के दसर वे विमाय विकासिना की विद्रादर नि'र्बेर्'**ढ्याश्वयः हो हो देन दे** विनामिक की दिन कर की देन वसंर्स्थिय वि भु दे हे द्रम्य विसंग्री द्रम्य वि दे न्दर्भि दृष्टा द्रम्य शु.उटा-पेश.पुचा,गुझ.चेश.च.लूबा <u>फूट.क्रू</u> टु.चे.ब्रॅट्र.ह.के.च.च्री. देनासायवासि हेसानेसारामीरापुर्दे इंपने रहाराष्ट्रीरापदा। दें सर नेश वनशर्कें (चाम देन। मिंद केंश हिमस प्राप्त में प्रकेश के त्या के प्राप्त के किया है सम्मान क्रुंस'गुट'दे'विदेर'विदेशवनायानेदाने के उट्या टार्केस'व्यस मुं'वहसं व्यः ष्णे र केश मुहे मिंद के ही क नाव्य हु के पत्र प्राय प्राय प्राय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के बर मा त्राय रेर प्रमें र प्रयोगीयीय त्राय मी मी प्राय होते अंग मी प्राय विविराधिता मु अवे दिसर वे वे दे दि स्विर द स्वर्ग्य पड मि हैस दस महिसाय दार्दा दार् दे सारका मुका मुन्त दे न दे में व्या है का में दाय वकु द्वन र मान्य के के ति द्दान्य स्थान देवे देने प्रमान वर्षतायाल्ट्रायावर्षायविमार्थाक्ष्राक्ष्रायान्त्र म्बुस्मान्द्राच द्रस्म मेस मुना।

देट-दुश्-द्रन् क्षा कीट वे के कट अर भी दे की विदे ने में का का दे की की कीट विदे की की कीट विदे की की



## দি: শ্বুর্বের ব্রামান ক্রামান করে। ব্রামান করে। ব্রামান করে। বর্ষ করে। বর্ষ করে। বর্ষ করে। বর্ষ করে।

- १ कॅ.विर्रेट हुँ श.गुट कें शन्नेंस य
- द श्रु.से.शर.र्ड्स.पीट.प्र्यंटीसाची
- ३ द्वेस.सिर्यास.सि.रेटा बेट.तम्हेर्व.तम्.सेर्
- वॅर्-नुक्तक्ष्मिन्दर्भा
- इस के द्वे न निर्मानिता नर्वे मान्ति के क्रेर सर्वे नष्ठ ना
- इना नरे द तिरं नवे दुधान्ता वर्ते नवे ने नवे निर्मानिक निर्मा कर्मित निर्म कर्मित निर्मा कर्मित निर्
- η ८ मूर्.चतु.चै. ग्रेश. व वैदः च वरं. च
- ८ वर्षेया यश्वर वर्ष हैं वे वर्ष या
- अम्प्रदेशकाः मेन्द्रप्ताप्त्रवः
- ०० हेन हैं दे हैं र करिया
- ११ विनाश गुः क्रि. ने जना नु कन्द्र ना
- ११ द्रिन्सूर वदेव ना केस वन्द्र वा
- १३ द्रमः असम्म श्राचेद द्वार् श्रीर प्रमित्या
- ३० **४**स.**३मस.स.**लेब्र.व्हेंस.चे.स्व.२.च.५.च

## इ. ५ ई र हैं स मिट क्रूसर होंसाया

用りののことが

रदारेश देश हो दर्भिया भीदा यह कुष्म दंद है। के पद्दे दिन र्वे लर मुहाहे ४ म मेर् जुटा रे नहिमा सुमानहर है। मर् या होटा ट्रशः **भु**दः स्त्रः बुदः कृटः। अत्रः मुग्नः मुग्ने व्ययेशः वः हे व्ययः मुदः वादः दे . व. दरः के देश न्दरसाञ्चनान्दा वहैन इर मीश हेदास्तर होया है हिन् नम्स नापर्दे रदार्द्री द्वा वाबर कुं ज़ेश खूरी लट मिश ग्रेबर्ड रद्ध मु. **अ.र.सम.रथ्यभीयशामिर्धाशी,रहारान्तु, भि.स. एवट प्राचारा श्रुचीशाशी.** मर्सुर्भारमा तामके रम्पुरानी वृक्षामा इक्का प्रमेरिन केवे रिला र्डर 'वरबायदेन|बालु'यदे व्येड्रिं पुर्न 'यह व्येड्रिं राया व्येट क्षेत्र 'या व मेश स्वतः सात्र हा ह्या नि द्या नि हेसाय हिमा स्ट प्रे से स्ट प्रा रेता न्दिन्द्र प्रति प्रति प्रसार्विक में देस सामान्द्र में पर्दे मान्द्र क्षेर्या वैग्परा मार्र्यक्रम्य पंवीं गार्ये द्रम्य द्रम्य प्रम्य प्रेरा दे न्ना दे कुंखसा कुंदिन चानदे कान्दे के के प्रारं सामित का देश के द मुश्यम् स्थान्द्रे स्थान् द्राम् स्थान्या स्थान्यः । नात्र्यः स्थान्यः स्थान्यः । माद्रश्र भे मुद्राः देश द सेमश मिंर द मी भे द पु नदे प विमायस्म मु चुदावासार्वे के द्यानुवानु हानुवानु विवाद के दार के विवाद के दिन रेत्। ते अ.स.च न्यूराव के क्रिंश की खनसा देश सना से क्राया सा है से अस भावति प्रति क्षेत्र प्रति स्ट के विष्ये के महिरसाम् विभाव विगाप्तवुदायद्दार्केशव्यायहेश्यका स्ट्रांद्र्याका देखा देखा पदे सूनाके दर रु अर मु विष भर्द दर्गिका का दे है के के म हो ए द द ने की द ने दे तका

## हें क्षे सर हें श मुद के स द **में** स प

हरा मृत्या कर्ता वा स्था वा स

म् अव्दर्भामा देशस्य स्त्रीता देशस्य स्त्रीता देशस्य स्त्रीता स्तर् स्त्रा मि स्वा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्

द्भाः शुः नामाश्रायाः स्वरः व्याप्तिः प्यवे दिरः मी दरः हैं हैं । भारता नामाश्रायाः स्वरः व्याप्तिः प्यवे दिरः मी दरः हैं शः है।

तृःमहेम् समुद्दः त्रहासः मुः ५५ म् । हिदः ५८ म् स्मार्थः दम्मे । वह्नं हिष्यः मुद्दः निष्यः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः स्मार्थः विद्याः स्मार्थः समार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः स्मार्थः समार्थः समार्यः समार्थः समार्यः समार्थः समार्थ

स्ट हूर्न न जूनाश भी क्षेत्रमधेव। ही कर ता ब्रेनी जा जू में का पट से पश दे के अपने प्रतास्त्र के अहार हें दे के जो निवस के सामुद्र के के स्वार्थ के कि यंत्रीत्रमायाः भेत्र वायेनामा हिंदा खनामाया है अधुवार्ये हिनामा देश यर वुनःय भीता श्रीर दे द दुन्न रहें भारत सामिद से द मी हिना सामि हैं भारत सामिद से द भेर्द्र तुं त व्यद्देश मेर से से द कि किया या के सम्बद्ध से प्रमाण के। दे **भट भट संसर कुरा साम १ है। सहस्र संबुद मुद्द यादेस केंस** सुन्सा यक्र प्रवास्त्रीवारा अर् पामा अर्थ क्रिस मेर् या क्र राज्य प्रमुखा सुदासी यदान्देश्चनकेदायित है। विदार्के देश्चर देरान्द्रशायकेश्वन **श्रे** किश्राम स्थाप है माहत परिदेश मानु परिदेश स्थाप स्थाप है र परिदेश दशः द्वेंब खिने**ब द**्वा अर 'न्य द्वेन 'दें कु मिहिना 'दें दे ब क्वेंट 'यदे 'रे''' मिर्श्रिया वि.मी.मूर्या क्रूबा जियामा मानव वित्रामा हुमा म्रीमा क्रेरा वर्ष व्य मायका खेला नेस हें माया प्रवादिका देवें देव हैं। मिं वस में दे हैं। वटायदे क्रिंश में रामान्य र्वाया में रामान्य में प्राप्त में प्राप व्यानात्रश्रासन्त्राचार्त्राच्यात्राची देटपुर्वाच्याप्तरामी वर् नार्रेस गार्दे केश प्यूर कर सहा नार्रेस पह संशास्त्र पर राग्रेस हो। विचःम्हिगहा**छेन् हाँ हैं हाँ नहुन हिस्स**न्म देन गुर छेर सामग्रेरी ह्या कर र ने दे र व्याप में मार्च मार्च र ने के र ने दे र ने ने के र यम् हैसःमादः वेम्सागुदः यमः देव ४मः यसः मी देव मार्गे देव मार्गे देव मार्गे विभामाधुवायर महिंदाकिया। देंदाणुदा खेदाकदाद्मान द्राया पदि द्रा देशका मीका मिं वे स्मानी केंबा हो में देव मार्टे प्राप्त है है सार्व है का देव मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे हैं मार्टे मार्टे हैं मार्टे मार्टे मार्टे हैं मार्टे भेना विनामदे त्रमानु नहुर देश पुन सबै रे मार्था दे दे दे ते मार्थ द्धयादिनाः द्वसाञ्चरः ५६ १ रचा ग्राम् १ द्वैशाधिना पुः द्वे यह्युरः यदे । द्वेदानीं । श्च.रन्य.पर्मेश.९ श.बुनानहर्ने.मैं.लुरी ट.कूपु.र्हेर्.न.शटसाचिश. च्**ण.**वैय.त.वै.चश्रेतारा.४ दूर.अटक.चीश.ह्र्ट.श.सूरे.यपू.वट.वश्र. चुढ्ना.क्ष्य। शदश.चेश.ट्रं. ईयश.ह्न्ना.श.दश.शटश.चेश.श्री.तर. ८.क्र्.मे.चे.द्र.सुधायत्रक्र.लुचा अस.सुधस.चे.ध्रस.तस.सुध्यः चीट्र. हो शिकारमा है सेमस में मिलक रियर उद किया पर्टेर समास मार्सर यदे रें दे स्ट्राइस्य सेस्य की र ट यही र या बहार या से र से से मु रदान्ति दे दे दिस्य साम्याद्य प्रमान्य विमाधीदा क्रिक्ट स्माद्देश श्रेमरा कु तिम्र क्षेत्र। दे देत् हेर्व स्ट्रास्य स्प्रमास हिन ही है ? देससा देश वर्षे र पर्व र हे मिं पुर पर्व दे साहमशहून र पर मर वर प्रमान्या रा.**ट्रे.सटस.**चीस.जूरे.तमा ह्यां.म.र्यश.शटस.चेश.तप्.शटश.चेस. न्नेना वट राज्याम्य के वेबा दे राइदे सहय मुखादे साइया है हैं राजर ८म् नदे द्रमह्य देश सुन्त्र महान्त्र महान्य महान्त्र महान बर विश्व के केंद्र श्रद क के र अर प्रमान में प्रवे र देव हा अवद हो दा सहिता पश्चमाना पर्टर सदसा में शास्त्र में में में सुमा श्रुवी मी खूमा श्रुवी हैं मा उदा हैं में सिंहर क्र.प्रविता के हुर् हिंद हा विदा। अर्क्षेत्र मी श्रुभ श्री मे मे म्य मे स्वामा सम्माना मे ल्टा नम्भयायादीलायीदार् अटाचे लेट् यहे नुसाम्भवसायीमा लेवा सद्य-में स. ने में विद्या में विदेश तर दे राष्ट्र स्था में शाम विदेश में विदेश राष्ट्र ह्मास से दा हिंद हिंद हिंद दिन दान स्वाप स्थाप देश पर दिन दिन झेंश्य.श्व.बेचेशता अतिकंशकाता च्रा.लाचंध्याकाषाता

वर्षरास्त्र पुरित्र मुक्रिंग्र्स्य या देशयर विद्वाया नाव वर्ष्ट्रिया वेट.क्ष्य.क्ष्रेट.सूर.चोचुच्यात। चर्टेर.क्रं.चब्रूय.च। शरश.पेश.च। क्रुंश.मु.पिप्ट्र.जू.पश्चेर.य। श.ए४.जला.पेरंश.व.कु.सह्रं.त.चश्च. नाकेशनस्त्र। सद्याक्तित्रहेनाहेन्द्रक्तिया देन्त्रित्रे देन्द्रित् दे.लट.ष्ट्र.पर्सेण.चंश्वराजश.चोश्वट.ची.ष्ट्र.पर्सेजाचीव् .च्.लूबे.संचर्या.... ष्ट्रश्चार्याच्यूर्याच श्र.पविद्यात्री स.क्.हेर्.ता.केपा.हेर.वसिद्या दे.वय.हेर.वर्ष.हेर. <sup>क्र</sup> प्रमध्यक्र <mark>स्</mark>रानिकानी, रहानेषुर, योड्रेनेश हेनील **होर** सहस्य . दशन्त्राद द्वारा लिनाहा सर्र देर निद्य देश स्तर हेन सर्र शरमास्यास्य द्वायात्रस्य दे या नुसान्तर स्वयात्रा स्वयात्रा स्वयास्य चि.अब. ह्यू स. मी. इ.च था. वर्ष स्थारा ना ना हू. ह्यू . द मीटश देश तता शास्त्र चर्दराया चर्ते त्यस्यस्य स्वतः क्रिंस मी विष्ट्रा ते पर्योग द्रा चर तर विस्रित्रर राग्रिया विष्ठेगा हे ब सी रे मारा स्वर र यह देव द्रस्य यान्त्रें वर्रान्त्रिकावसारमान्त्रेवासेन्यते द्वापायसामहैसाने प्रतिर ज्यरायाम्बर्धा र्यास्त्रत्यर सरायास्याय वयार् नार्याय देवी क्रेन'ची देमारा उन द्वार में त्रे चेर स्वार म्याय देश स्वार मार्ड मेर दिया देश जीत्र ज्यामिया निविद्या हे क्षेत्र नी नीया कर मी. क्ष्या पीत्र रहु सामा नी शिष वर्भेर। केर.च.श्रदशःमुशःगुशःहें हे प्रकटः वी सुर विदेशहें कृत्राक्षाक्षेत्रक्षाक्षाक्षात्रा राष्ट्राच्ट्रानुस्या पर्वीर (बेश क्षेत्र म्यूर क्ष्य मी पूर्व क्षेत्र शहरा मुंश मुंश महारस प धृना भेता वर्डेम स्वतः वद्या ग्री वगाव महें सुनास द्या हो होंद ना सुम रटा र्मिशामी हून सूर देश में देश में देश पढ़िर परी लट व में र हा भट्य.च.चक्या.हं हूँट्.चिश्चय.च.च्छ्या। हेट.ट्.पह्या जेश.रच.हं.चस्य.च.चास्य.चे.सू.्यय.पटेल.चा सट्. चं.च.च्या.चं.वक्य.हं हूँट्.यर.चस्य.चे.च्या.चिह्ट्.चे.क्य.विस्थ.टर.।

> मॅर्-5. थर. श्रूब. ८४. थेजा १

वदायरे केंब वेंद्र दृष्ट क्र्य वृद्धाय वी वदानुदा नी खुया वहा दरा वर्षे वेर्रे क्रेंश क्षेत्र स्थापर वेर्रे नुपर मिय सुद लिय। नुश्र न्युर प्याप श्चितः वेदः मः विद् । १२दै वित् सर ५ उटः कुरायः विषासेदः ५५ वटा प्रा बुक वर्रानु कुण्यर क्षाक्र पद्धा कु केर दर र ते स्मार्थ वर्ष कु खु म्म हिर्पे पर् पर्वे र ह्या अपर र उन्य किया हिरा अर्थे पर पर अर्थे । वर् मु . बूर्याचीला झे. हु. चीवरा तब् व अपवा वटा चलेब हुंची अर दें। हु. दशक्ष्यामुक्षाहे प्रदेशक क्षेत्र दशक्षामुन्नर मुग्यहरे ५ दियाप्रहे प्रया स्यास्त्रन्थः स्वान्यान्यः स्वरास्यास्य स्वर्षेत्रात्ते स्वराः नुतः र्यट.गर्थ.४वैट.चोर्थ.श्र्योश.ग्रेश.मैंट.इंट्र.श्रूर.लट.शट.व्.वस्ट्रीर. मुनामहर्। दुःबशामिटार्यराश्चेतकानेमहानुःज्ञाचकान्यातमाराक्ष्या वर.चोरश.चटा शिर.लट.च्र्र.सॅट.ब्रेचोश.टटा हुर्.ह्रेचोश.दश. यस्रायानेशामीसाम्बर्धानाम्यान्तराम् केर्याना वित्रात्तरा रेर्'केर्'वहर वे स्राथ वर्'ग्रेसे उर्'सर वस्य मुनर मी सावस मुव चे चेश.ष्ट्र.व.सट.स् पु. बेचश.प्र.चोर्चेश.ट्रे.चेशव.चशश.सूथ.तश... मील, पर्वेश, पह्रिं ही का सहरे, शुरा। त्रिंह, रे. रे. राज, शर हो, शहरे, स्चित्रासट. त्र. चूरे. टे. कुंचसाडे सर्टे. कैंट. चर्डेर . चर्ड्स सट सू चर्नेर स्मित. सहरी रेश.रचश.रेट्रे. १४.१ वर्ष. चूरे. रूट. १३८.१ शिक्ष. च. शट. कूरी

हे.च्रे.पम्यासः च्यासंर पर्यं प्रमा दिन्या स्थाना न्यामा प्रमा हेशक्श कु मार दर। यथ र दे अवश्य मान्य के य वेर दे वे यक्तराष्ट्रमा विकार विकार विकार के विकार विकार के विकार क न्र नी दर पहुंद दे सामित पादि र र प्राप्त के में में में में न्या केशमाल्यान्यायशेषाक्ष्याचारायायायायायाया वर्त्रोत. दे. कू तु. बट. कूश. ग्री. प्रमीता. कवर. कट. क्वर. क्वर. व्यव. पायट. शहना. दे. शरशःमुशःरटः १८ मी महिटः दशा दे श्रेषःमुमारः समिसः प्रे महिटः इटरा है नहरू वा खव या निस्ना केश केश निस्तु र प्रस्ति या नहिन या द्रेट श्राट मी मुं मार प्र कु द्राट मानेश गादि मिट्स मुं साम्बर पर्टे हुट र्ट विच मोट भवश केंब केंग मर वर वर्षेर रणे वर्ष मान्य हैंय पर्ने नादे विना अदर यो वर्षे सना अदः व दे हेन वहा दह्य रावि वेर थेना वट नी देश नी नम्द ना दिन भेद ने ना रहा विट देश नहिंद कु. ५२म १८४ स. बर् में मेर मर मार्था प्राप्त प्राप्त र स्वार हैं। रेट.शट.शट.श्रु.२५.श्रेर.ह्ना.वश.स्.रेगान.चनु.चानुट.नमन.नश.स्र भेरे.ह्में विस्तित्वेद्धाः हे.सीट ह्यू प्रस्तित्वा स्त्रेष्ठा सीला हे सीटा स्त्रेष्ट सी तरुमा बेरा मार्था द्वार तर्वे विमा र्था देश हैं । वश्य पर विष्णी । क्र्याल सिमार्थिया वेद्याची व्याप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स लूरे.च.मैं.शक्र. टे.चेश.टे.चे.अपु.क्र्य.पीचेश.बुंश.वंट.च.पर्झेंर.चर्श्र बुरिय विनानु दिस विदेश बुरिया दे स्वान वस व्रेराय बुदाय रेता अद नहर्नुर। नाडेना'नुस'द'दूर'तिस्थ प्रेत्र'स्य द्वीट्रा'दन्य. मेद्रायाक्या दानुदे दुर्या स्वयापदे मा वृत्ता मेनाया कालुता  महर्यात्तात्रं हो।

स्वत्यात्तात्रं हो।

स्वत्यात्तात्रं हो।

स्वत्यात्रं हो।

स्वत्यात्यात्रं हो।

स्वत्यात्रं हो।

स्वत्यात्यं हो।

स्वत्यात्यं हो।

### द्वार्ष द्वाराज्य या

नरे वे स्ना नर्या त्यम्या रादे सदेव रादे । वरे वे गुव द दुर त्यह यवै महेब यवी । वर्दे के वर्गेनाय वसन्तर यदी महेब । जय.पंचनंबर.राष्ट्र.यदुंब.राज् । स्निनं यक्त.पंचारार है। विद्रुप्त हैट. र्ह्यत्तर वि जे मूर्या ता अट्ये 2 वि जमास्य तर वि सेना नहारा वेश तर.वे.कुं.पुंधातर.वेर.घुर। प्यापविट.केट.वर.वे.कुं.केट.वर. वर से दा पर्वोद्या या अदे दे पु वु हो अदे दे पु वर से दा प्रमा से से यर वु हो स्र्यायमानुमान्ने साम्ये प्राप्ते विष्ये हेर् विष्या नुष्य हाय व्या युन्दान्वरुषायात्मान्त्र्वारायदे नदो नदो नदो वर्षाया वर्षा तपु मीय सवतं वस्त्रा वर्षे भी वट वं श सक्त्री समार मीर पर् सी माना ्रांद्र, यूर् तर्ह्र्य, तर वि.ही हे, पार्हेच, वर्षा नर्षा व वे जिला हें व त्रश् वैदः (बेदः। अपूरः यश्च प्रश्नेशः तत्रे द्वारा क्रेशः वीदः प्रदेशः त.श ज्रांची सैना तरे र दे छे र शे बेर के मुला हेरा दर्मा गर र र र रादी मिंदानीयदेवारादेग्मार्डेका अद्यादे म्यायदे काया केरा सका मी यदेशयाबी दे विवानुदावयान्त्र पर मिलनायानेर। दे भाराग्वायनु उन्नेत्र अत्राञ्चित्रायसायम्बर्गायाञ्चरानुन्त्राया अत्राञ्चरान्ता २ मॅम् निर्देश हैं अर्थ अर्थ गुट्य वर्षेश हैं वर्ष अर्थ निर्देश मुख्य बंदरान् द्रेशन्ने न्यान्य वहान श्रुटरा प्री ने ने नि नि नि ने नि ने नि ने नि र्वे व्यत्ने विन्यर सुनायस्य वेशय वृह्य ने वश देते न्यू नहर मह्र्यस्य गुर्ति त्यति दे ह्यू र्यस्य हे ह्यू स्यास्य ह्यू स्यास्य ह्यू द्रा वर्गेन्यार्थेर पुष्ठ वर्षे दुष्ट । देवे के प्राप्त देव वर्ष वर्ष के के प्राप्त के के वर्षुदःदशःवश्वरावदेवःवद्र॥

# तित्रं त्रते श्रुं स्वत्र स्व द्रा त्र्ये विते हेन्स स्वर्धाः

ने स्ता विक्तित्त्र स्त्रुवा व्यक्ष्य न्या विकास स्ति विकास स्ति स्त्रुवा स्ति स्त्रुवा स्

म् रहासारहार्वहास्तरायरात्रकार्श्वेर्याक्षेकाक्षे हिकास्तरियां कृता स्थाक्षे त्यारहार्वहास्तरायरात्रकार्श्वेर विद्यासार्थित स्थान् विद्यासार्थित स्थान् विद्यासार्थित स्थान् विद्यासार्थित स्थान् विद्यासार्थित स्थान् विद्यासार्थित स्थान् स्यान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान्य स

### अपूर्यम् भी भी देश में ता स्वर्

तम्राचातर् हे भासाया वर्षे भेरा दशा हुमार् वा यहा हुन गुराद्या मीरेशरे हेर् सेट्रा है सेस्रा मीर्ड चे दे मूझ सेर पर सेस्र ह मुन वरःस्व भाषा वर्षाणुरासेस्र चुराक्रें सेंद्र सारे दरा दे स्मेर्दे र जुर श्रेनशः मृर्वः वे सेससारे देवे माल्य र्नार र् मुराद्या के वे से स्थार मार विदिर रे खेर हे तका हर मार्थमा रा रे रा हे वा हेरे केंद्र से से र नुःसदः भदः। नार्देः वे तिर्देन् कम् श विःसदः। दःमुता स्मा व स्मान लुश देव वट वस मिट पर्ट्र हिट निकेश नार्व मुं से से है। सून अर. रदात्राक्ष्यांशास्त्रात्त्रदासीसारदात्राक्षात्रेत्रातासुना मुदार्नुसार्ने न्द देवः में दे दिर चे कथा तर हिर च 'व व व र । अर र द 'त क न श व पे देवर . मुक्षारदाकुरासर्वेदार्यराम्बद्धाराम्बरामुदानाद्वाराम्बदार्यः देशस्र र टामीश स मेश प्रति हो देशे दार के प्रतु र्से मिश्र मुट प्राव स्थाप दे वर् रेत्। दे वर्षे रत्या क्ष्या स्यास्मिता सुना सा हेव से वर्षे रत्ने देश्यां भाषा सर्वेदायां दशाम् स्थानि स्थानि द्वारामी शासी त्या स्थित स्थानि ८.८.७१८-४ श्रुट श्रुट श्रुर पडिट पश देव भी बार के समित है है. रट.म्रीश.चेश.वेष्ट्र.चोषश.वीचोश.श.चेश.तश.पथ.व.लुबा चुरा.वे. अवतःरनाःरटःयवेशःग्रेशःसूटःयवेशःरःरेरःसूट्शःरेःरटःयवेशःग्रेशः

सम्मान्त्र प्रमाने स्त्र प्रमान स्त्र स्त

### त्रश्.मी.श्रूर.धी

対でしののできる

े.श्रेट्, पेचैंर-की, जक्षा, धुका, देवे, दाना विका, जूर, ता प्रेटा।

पेचैंर-की, जक्षा, धुका, देवे, दाना विका, जूर, ता प्रेटा।

पेचैंर-की, जक्षा, देवे, जक्षा, कुका, देवे, कुका, कुका, देवे, कुका, कुका, विका, विका

### वर.तप्र.ट्. च्.वन्वर.वी

यर पते क्रेर। तिर्मेर पति विराध वहेर रापते हैं निता वर पति हैं निता वर पति हैं

चत्रःसवरः सेना चत्रः मूल्यः द्रात्त्रा।

क्रिस् नेत्रः सेना चत्रः मूल्यः द्रात्रा।

क्रिस् नेत्रः सेना चत्रः मूल्यः स्त्रः मुल्यः स्त्रः स्त्

### \*~~~\*\*

तमा श्रिर्मामा भर्तु स्थाना सुमानमा सुमानमा सुम्यानमा सुमानमा सुमानमा

### इन्।केंद्रस्प्रदा

स्त्राचनकात्री, क.शु. तथी हेत् चर क्रांश तथा से ताला प्रकृता तथा स्वर्णा स्तर्मा तथा स्वर्णा हेत् तथा स्वर्णा स्वर्णा

विद्या स्थान स्था

#### \*\*ヘシの\*\* | 5山からりま: 4七七・七

क्रेच. तर क्रिचंस. जा चेट हु. वर्षे. जूरे च. जूच. म. देशस. जश. चूर. म. भक्त.रे.मीर प्राक्षती है.क.बैट है.ब.चर्राच हे.च.भर ज् लूर्ट तथ. मिश्चरम् भीटा। भूम् मुद्रसम्म पदे पर पहिंद्रश रटारे देशसा श्रेमः क्ष्यासुरहेनामास्टर्मानाम् देश्यामान्ता देरेन्स्मरमा र्वट-कुश-विट-ब-क्ट-वन्द्र-वन्द्र-वेर | कुट-क्ट-बेशश-व-भ-सेव-वस. वैदायालुबी संसक्षरीयायद्वायवसाद्वासम्बाह्माह्नाद्वादरायाश्चीयाम वक्षम् यदः वक्षदः विवास केर् वर्षः विवास केरा महिमा ५८। दे ५८ हरक कैमा'अस'व्याम्बर्'र्'र्'यङ्क्ष्र<mark>'यव</mark>े श्रयस'नेस'तुर'क्कुर'हिर्'पर्दि। हें लट श्रम्भाश्वराक्षाय विदेशप्रदेशम्बर्था गुरुष्मा ।दे लट महिंदी हिन् १८। मि.च। विरामिरामे नवे स.स.र्म.र्ममालामवर् रे.स्र्रेव स.स्रेव ्द्रेष्याक्षे**त्रसासुका**त्यामा**र्जे वात्तुतामान्त्रीतसा**त्वात्रामार्जे वा नर नेत् देवे सहस्र सुय नेत् सेत् नस्य सेवश नक्ष नु नश्चित नन्म मिल्स म नि व विद्युत्त्र विद्युत्त विद्युत विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद्युत्त विद में बिट, या बट, वंश नुटे, या शामीट्रिमीश हिंद, ल्यू. कथा ग्रीश श्रव बंदाश. श्रीत्रश्च न्त्रीतायायाम् व कृत्याय देवसा केव दर्वासा देवसा स्तित्र

पद्र मी देशन प्राचित दशा हेट से प्राचित मी श्र क्रे श्र प्राचित मी श्र क्रे मी प्राचित मी प्रा

## वर्देश्-विक्रेश्व-क्वर्-या

वदेर अन्म प्रवादन्तर व वर्ग र वर्षेत्र म र र र म महेर् सम र शर्केट्र-देट. शर्केट्र. यकुरे. यदु . देह्या. ह्यू. यदे . देखे. सं श. कर्रा ल. स्वेश में श्र. म्केशरे व्यक्ति मान्निर गुन हिंच पर्ने हैं मिन्निन दिया मधर हुना त्र क्रिंद्र, तर्नु . नोशंका . तीतांका . नोडु नो क्रें . नोड़े स . लुट्टें देतर . वी से नोका . चार्वतः व्यक्तः रह्नेद्रित्वो श्रुप्तामाञ्चनः वार्याः स्वतः द्रविष्टः विष्टाः विष्टः यवु निर्मा क्षेत्र र विक्रा या विक्रमान्ता व स्वा या वे से मे मे साम क्रिया श्चेत्रप्रते निद्या द्वेश च ता तुवा ख्वेद स्ति तुवा हमा स्वृत्य द्वा विवा रहे .... नाकेशास्त्र यानते वर्षे विद्यन्ति द्यान्ति वर्षे देव द्या गुवहर्ष क्ट्रेब्यु ट्रेंब्झ् स्विशहास्य क्रियंति क्रियंति क्रियंति वर्षे पहिंद्र अध्य मुनाद्भिंद्र परि देना नेसा कदा अवे के । द्वरेदे दन मदेव'य'द्रा शक्कादुर्दि'याबै'र्देना'नेक' क्षा निके केंद्र देव दे गाव ह्माम्द्रायर वहेंना दिशाया हिंद है दिया वर्नेन प्रदेश वी द्वान्तायदेव यामेवाया दे मेव राम भारत् गुवहूर्य यहेव वर्षे दिनामुर्कार्कार्थात्रमान्द्राः वनानामाना दश्य वत्त्व दाः स्वायाधित दार वहे व व्यक्त दाव दिस व दे हैं वह लेन .... क्षरं क्षटं इट केद्रं च विरं म हिंस हे ब्रीय दां भ नीहें के इट किया सामा ब्रुवःयःन्द्रिम् गुटः सेद्यस्य श्रम्भः उत्रदः वर्षेत्र क्रिसः क्रिंद्यः देत्। दे.क.रवटा सक्रेट.टे.व.चेट.पीय.जबट.च.लुवा क्टूर.चर्ने. न दिन्दरायक्षेत्रक्ष्यः वृद्धायसम्बद्धाराम्बद्धाराम्बद्धारा न्ता शक्षर्रानुपासाम्बद्धार्द्वास्त्रानुद्वानापर्वेद्धार न भेव द्या

## ष्ट्रश्नेशक्षक्षेत्र स्था क्षेत्र प्रति । य

क्रियायना त्रेव प्राप्त विकास शिक्ष महीय द्रीक सर महिता पर्वेव यात्रिक् या दाम देवा भाग मेर या मेरा या है दे हैं के देवा हो मेरा मेरा या श्रेरी बटारेट. प्रमार्थितातात्रमभ में तार्वात्रका बहेट जेसाता देन्या नश्यम् मेर्टर नेश्या असारमा में मेर्टर सर करा भवेब दें तिहना वेस समा हैं निर्देश में सामी हैं स वेस । वर्षे प पर्देश के के अकर प्राट मा पर्दर ग्राट प्रदेश के ने स्वर प्राच प्रदेश नमभानानाना के नमा दर्गार महत्त्र नश्चिम भारति नमा दर्गा पर व्यक्तायासुदावही नाल्यास्य संस्थान पश्चित द्वसानाया के जिसासु ल्डी हर वर्र र वर्षे के लेस के खेर में मान कर देवे र साहा क्रे निश्च के निश्च के मार हिना क हैंद न केन निश्च रामा हैना स है। कुंतिराक्षाक्षेराच कुंताचान वार है। हे नमा हैंस कुंता है ने के ना माश्रादमा मिंसायसमापर। र.व.्रर्यंत्रक.प्रांचा में पाकर क्षेत्र हे.हे.हेर שת קי תציל יבר ישנית בשני שו אי יושבר ו קבו מי מושר יבוברי שבי לא היים בי יושבי של היים בי יושבי של היים בי יושבי हो। ने प्रमार्क्स मेन ने प्रमार मेन माना माना हे दस में माना माना दे प्यट त्रेमीया **येदाय प्रदा द ब्रि**या **देवा** कुवा द ब्रिया के देवा पर क्री र प्रशास है। दे 'सूर पुराधर 'अद 'प्रमुख मुझेन माझेन रहे। सुरा मैयाना प्रवास है। दे प्रशास्त्र भीना के जिलामा ना मुद्दार पर। मि के करा देन्द्रात्राक्त्रात्तेत्रात्तेत्रात्त्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा क्रमासामा ह्या हरा श्वापनी प्रामीशा भीना महिरा भाग हि भूर प्रसम ब्रॅंड-रन्ग अस.च.**प्रे**न-प्रस**.च्रॅंट-म्रेस-म्यस्थ-च्**र्-म्**श्रदस**-च-देर्ग

स्वस्तर स्वार्त स्वार स्वस्त विद्या स्वार स्वार



### त्र.क्रॅ.चे३स.च। अश्यतंत्रतायेताकूनश्चाक्षेत्र.बेटट HW.851

### ATOM TO

मिहासक्ष्माचा देट'नुस'द्रह्माची मोस मो रेखर देखिट हम हे निया हिने रेखा निया त्या मीसायह द तह या या या व निया हिन प्रेंद श्रेश.प्रेट.ट्र.सॅट.वुर.स्थिरश्रेरी यद्दं पद्वत.वर्जूची वरमा.श.वेश. यर वहून थे रेट. य. रेट. । स. विश्वानि स्वर र ट. रेवट खरीट हींच दर्जिस पर भीद हे स विना दस दे र दुस के कि स सदस्य र है सिर दू वैट.चर् नेश्म.जेन त.र्थम.छेट.चर्डे.भ्रेभ.उड्डम.थेज.क्र्मम.श्रे... बि.मी.व. वंचार द्वार द्वार क्षा लाग वर्ष र क्षा

मिन गुम्मिन्यम् मामवास्यास्य । हे कर चन्तु न वसारावे नगाव द्या **बुर.**चर.के.शुक्रकेम.चव कट.क.क्सक.रचट.चर्झर.डुर.उर्ट.उर्ट.कु. ... यक्षक्ष विष्यात्व वित्ति में दे में दे पर मा वित्त वित्ति हिंग कु.रेये.चडी अस शे. घट.च गीर, ऊसियश अधूरे . रे . अह . खे. सर . से. मे. लेग. के. ची.रे . अस. १९६ . पूस. शहता. बेता. है. चर. चडर . पंतुर . द स .... वस दे मेद पुम खुद रेट चे हिन के के के के रेट वे वेन वा कि र् .पर्टेट.ट्रे.पर्**श्व.श्रीट.श्रि**ज्ञाचना नाविश्वता प्रदेश मिर्टेना स.पेरं .प. सन्द्र॥

ब्रु के १०१२ के वे में इस्ताय द लाये हैं मार्ट | के देन केट सबे

ता ३००० जु पू. पूर्यी प्राप्त किया शहर क्षिण प्रश्न क्षिण प्राप्त क्षिण क्षण क्षिण क्षण क्षिण क्षिण क्षण क्षिण क्षिण क्षिण क्षण क्षण क्षण क्षण क्षण क्ष

कृत्याक्ष्यान्त्राच्यां व्याप्त्राच्यां व्याप्त्राच्याः व्याप्याच्याः व्याप्याच्याः व्याप्त्राच्याः व्याप्त्राच्याः व्याप्त्राच्याः व्याप्त्य

२०११ से मुन्दा दर मिया है से मी में हेस स वर्र दर में नमा मी बन्नेत्राच केस स्याच न नवानु वना मुटान्दर में केंद्रिय खन् राक्त केट न वश्चरत्रार्-तृष्टार्व्यर्गम् देशावहेत् अत्यवस्य सेत्। द्वासुर्वे प्राप्त त्रे वृत्युरास्त्र समुद्रात् वृत्यात्र गृत्या मृत्रियास दि साम ह्रिना स् " त्युरार्नुनासामुद्धाः १०८० हायायनुनायान्द्राक्षास्यास्त्र्रायदे कुःहेन स्री क्या कू. तूर् मिबिर मीस ब्रेट स्रूच दिशाय क्या च बर वहर तूर् वर की वना निविद्यात्री अदाया प्रतिया का तुमा विद्या अपने विद्या की प्रतिमा नी प्रतिस मार्डे श्चापने अ हिर पुरस्त अराम रामेर सार्थे प्रमा मार्चे श्चा मार्चे साम मा मीश वर्ष भी महेर पहेंचा पर्देर क्षेर पास रेड़ मुन्दमा से सार है र मुबुदःवर्द्धम्बर्भान्यःवस्यःवर्द्धद्भःवर्द्भःवर्षेत्रः वर्षेद्धः मुक्तिः मुक्तिः मुक्तिः मुक्तिः मुक्तिः मुक्तिः समायान्द्रमात्राकृतान्त्रभाविष्या वर्ष्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे दे देना कामा वर्षेत्र के दूर वर देश वहेंब नुसारे कु बना न्ट दे सन्दर्भ की सावनुना साम्या नि वना नु वर्त्ते समिन वर्त्त की देन माउद का देशस की मार ने स वर्ष वर्त्त वर्त्ते के हुन का वे द्वे सम ती निविधिता प्रेय गुरा दे वे दिर्गार महिता विधान हरायना विषेत्र असूत्रायामानास विर्दे वे केरा हुँ द मेवा मुन्नर नालुटानी मूर्निम् र साथायहेब बक्ष मेर् गुँ र्वे नहिंद या है दरा। मुं बन ने मुड़दार्क्य कु मार रु व्यक्तिया हो दार्किय द में महिन के दु के में अपसा ब्रुन्ग्रदा विद्कृष्टि त्र न्य वदास निर्मेश के कर सार हैं पर दें। कूं कर वर्त्र भूक मेर्ट पर्व राव स्था १०४० में वह राष्ट्र हरा

निवासी स्वास्त्र के से स्वास्त्र स्

नद्रस्भार त्र्रेन् कुर के के स्वार निवास के स्वार के स्व

वित्र भट अर्था तर्वे भक्षेत्र अर्था त्रांत्र के स्वर्ध निव्य के स्वर्ध के स

ट.क्र्स.ची. हेच्।स.वेट.।।

वहंत्राची स्वाप्त वहंत्र वहंत्य वहंत्र वहंत

कृतास्तर्वेद्वान्तर्वान्तव्याम्यास्त्रक्ष्यः क्षेत्रः कष्ते क्षेत्रः क्षेत्रः कष्ते क्षेत्रः कष्ते क्षेत्रः कष्ते क्षेत्रः कष्ते क्षेत्रः कष्ते कष्ते

र्ट्- भीराधित के क्षा का ट्रा के क्षा अवर के धी विश्व का का की विश्व की वि

541

- **92** .

लू. ७७५० <sup>च्र.</sup> ७७ **क्र्स**. ४**८ इस.चेच्छ.त.शटम.ब्रेथ.घवेश.पंग्रे**ल क्र्याक्षा**, क्रु**क्ष क्ष्याक्ष क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष नी बाक्ष सक्ष वे त्रहित्वः मुद्दः सक्ष विद्वार मुक्तः महित् मीदः मिक् मिक् मिक् **ब्रि.चव.स्या.वर्ग्यामा कृत.रेश शेवश.ल्ए.क्रेट.क्र्याश.परेन्ट.म्.चर्ने वर्नेर**. बुर। वरदावहायादे दानामादी का हे केर की माने नाक विराध समा केरा में वना नी रक्षमा निर्माक्ष प्रमा दिन रहेर रहेर या हैन। इति । दि मीनि देश ब. चर् .जम देश.पेत्री अंश. उदाश माट. सू. चेश. चर .चर्व . खूँट्र. म. चेट.) वर्त्त्र मेरे रेग्य द्वा केंग्र केंग् विकात्यर वहेब अभ्यातविकासिक क्ष्यंश्रास्ट बेश वूर् दूबे होसा वर्षर .. विमान्यान्य मान्यान्य देश विद्या निर्मात्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य दः बेसारे प्रदुव नु पर्वेद व्यून् श्रे का १०४० वा मुन्द्रमा दस देने सर मुस्रादन्या प्रत्र व प्रद्या मुद्दा स्वत् व दे दे र र र द्वर क कर स्वर स्व विना विवादियादा दादा दिना विदादस वसा तुर के दार्च विन दिन व्यर्कित्। द्वानावद्वद्वित्नानी क्रमः र केर्द्वानावश्यम्भवाद्वः नावर दशका ल माजवा।

चंद्र वं मुद्देश चुट प्यून वा स्टेश वह दे वे वि से से दे वि के से

चिंदिर देश में का तर्म की मुँहर भवेष मिं मिंद स मावित क्रिंट का मिंद से मिंद

यदी यी व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति विवक्त

द्रा नावसाम्बद्धाः स्वान्ताः स्वन्ताः स्वान्ताः स्वान्त

WY. 2.5 Ell

न्द्रच्या स्ट्रिंड स्वाकित्रा विश्वनात्रा विश्व द्रिंड प्रमानित्रा वि

नार्वेशया विर्श्वेत् सुनाद्ययस्य मर्प्य सुव्य वदेव हेन्या

मास्त्रमा या में देश हैं विज्ञाना यह में देश मार स्वीता विज्ञाना यह में देश हैं विज्ञाना यह में देश में के मार स्वीता विज्ञाना यह में देश में के मार स्वीता विज्ञाना यह में देश में के मार स्वीता विज्ञाना यह में देश मार स्वीता यह में देश में देश मार स्वीता यह में देश में देश मार स्वीता यह में देश में देश में देश मार स्वीता यह में देश में देश

वर्षेत्। द्रशासे द्रशासे द्रशासे द्रशास द्रिशास द्री द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास द्रिशास

भृत्य कुष्म इत्रमेद वर वेद् सेदै प्रमेद मार केद सह

वियान। क्रिंग्रा केश्रारमा समिता मेर

स्थान्त्र में त्रार्थ कर स्वार्म कर्ष में त्रा कर कर में कर में

- २ क्रिश्रम्भ सञ्ज्ञा स्वापार्द्ध न ते द्वार स्वापार स
- हैं जूर १०६० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०६० श्रद्धारा १०६० श्रद्धारा १०५० श्रद्धार १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०५० श्रद्धारा १०० श्रद्धार १०० श्रद्ध
- द्वाः याम्यदः प्रवेशः माद्दः प्रवेशः प्रवेशः माद्दः प्रवादिदः मुनः द्वाः याम्यदः प्रवेशः माद्वः प्रवेशः माद्वः प्रवेशः प्रवः प्रवः

सर्गेष्र ल्लाट्स कियायाय देर तेर ब्रह्म क्या की व्यव होते हों हा साम

- - क शुं व्या १०००६८। १००१ सर विद्युष्ण मात्रसम्बद्धाः है व्यास्ता है। भु खें र विद्युष्ट व्या स्वर स्क्षित्र व्या स्वर विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष्ट
  - भः बद्दा १ विश्व के स्वाद्दा के स्वाद के स्वाद्दा के
  - र नाता हुन, विधिना हुर् . बना हुर् . में . हुर . हैं . जू ं . कड़ जू हु का तर,

- २० क्ट्रास्त्राची प्रमानस्था स्त्री स्थान स्थान
- णश्रास्त्रित्वानुद्रात्ता वर्षानुद्रात्ते केटसास्त्री वर्षानुद्रात्ति वर्षानुद्रात्ता वर्षानुद्रात्ति केट्रानुद्रात्ति केट्रानुद्राति केट्रानुद्रात्ति केट्रानुद्राति केट्र

दश्याः भीनाः अपनार्ति प्रशानि द्वार विष्युः प्रशानि विष्युः विष्युः विष्युः विष्युः विष्युः विष्युः विष्युः वि

१३ नित्रे में ना महास्त्री में नित्र के ना नित्र स्वा स्वर स्वरे नित्र स्वर्ग स्वर स्वरे नित्र स्वर्ग स्वरंग स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर

१३ **समायर थे पुषे वर्स में १००१** त्या पुर प्रदेश स्थान समाय वर्षे के समास्थान में देश स्थान स्यान स्थान स्य

ध्येदै ज्दारी मेना में ज्दा प्रीदान विदास करा

द्वेदम्ब्रुटःश्चुःढवः**कुःदश**ःसुना

र् प्रवेश्व स्व द्वा

ब्रिंग्डेन नम् सुर्वे द्रम सुन । ब्रिंग्डेन नम् सुर्वे स सेना

व्ययः श्रुट्स द्र्याद मी द्रम श्रुवा

से र निर्देश्य देश सुना

**५ना २ : इ.५ में इ.स.चे ५ म** सुना

मुल लेट्स द्वास के द मी दम खुना

मःद्रशा कृत्सःलेनाःदेने,यटःल्ट्रंन्ते,क्र्यव्हाःस्मश्रःमे यन् ताशःमेटः ... कृत्याः नेवः यश्रः कृत्सः लेनाः नदे द्यः वः ३वः पह्नं सः ग्रसः स्वसः

१ ही ति १०३६ वि विन मान्य दा प्रति प्रति । प्रति प्रति । प्रत

अवस्तर्भेट्स हिन्दा श्रुव पर देव महेंद्र व से दिन के मिन के मिन

- महर्नाम् स्त्रीत्रा मेर्स म्ह्रा के मुंग्ना मार्ग्या मार्के स्त्री मार्क
- १८ हैं। व्या १००० व्या की द्वा मी द्वा मि द्वा मि द्वा मि व्या मि व्या
- स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

मान्त्रा त्रिक्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान क्षेत्र क्षेत

- चर् के के नमें राजना निष्ठेर निष्य है मिना है
- प्रेट्टिं के हिने हिने हिने प्रेटिं प्रेटिं प्रेटिं के कि हिन हिने कि हिने कि
- मादर दूर दशस दल अर म्या माद मी। देन प्राप्त माद द माद द माद प्राप्त माद प्राप्त माद स्थाय मी। स्थाय प्राप्त माद स्थाय स्थाय माद स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्थ

मुब्द-द्र-अद:सबुद-द्रमेथ दस:स्य-मुद्र-व्र-नी

- २८ श्वे.ल. १०१८ ल.चे.स्ट.सर. यत्तात्ते म.चस.चेस.त. हेस.सहंत. सर्वे.ड्स.ल्ट्रेस्ट.स्ट.के.स.चे.स्ट्रेस.सहंत. इंद.ट्स.ल्ट्रेस.स्ट्रेस.सहंत.
- २० श्रित्राख्यस्म स्टिन्ने निष्ये दार्गे त्राह्मेर वाहु स्टिन्न विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त स्टिन्स विद्यापत स्टिन्स स्टिन्
- द्रमान्त्र क्ष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्णान्त्र कष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्मान्त्र कष्णान्त्र कष्
- द्रेन्य अ.स.मे.च्रेन्य वे मे.देब.देट्। च्रेट्रेन्ये अ.योट्रे.च्रिश.षष्ट्र अ. सक्षित्र प्राप्त प्राप्

- में स्प्री। भे स्थानिक स्थानि
- ३३ तर्न वस्त्र विद्या विद्या कुष्य प्रत्य विद्या कुष्य दि । वस्त्र विद्या विद्या कुष्य विद्या विद्य

मार्ट्र, र.रेट. केट. रे. की र लूर्स अ. प्रेसी। अप्तरा पट्टा प्रेसी प्राप्त प्रेस की प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प

- यास्ता।

  या
- पहर्मान्द्री।

  पहर्मान्द्री।
- ০৯ বর্ধনার্থ,শ্রীব,শ্রদার বিলে। র্থ,শ্বল,শ্রুল,শ্রুল,শ্রুল। শ্রুল,শ্রেল,শ্রুল,শ্রেল,শ্রুল,শ্রেল,শ্রুল,শ্রুল,শ্রেল,শ্রুল,শ্রল,শ্রুল,শ্রুল,শ্রুল,শ্রুল,শ্রুল,শ্রুল

मिष्यामाश्रमा विद्यान्त्राम् । मिष्यामाश्रमा विद्यामाश्रमा । मिष्यामाश्रमा । स्वत्याम् । स्वत्याम् । स्वत्यामाश्रमा । स्वत्याम् । स्वत्यामाश्रमा । स्वत्यामाश्यमा । स्वत्यामाश्

र्वेर् श्रे अट या नावर देना ऑट्शर्ट प्र देर देर हैंस श्रेर् मुलना

यर्भःत्रात्तरः में स्टरं नेर्पः निव्यः विद्यः में प्रत्ये स्टरं में स्टरं में प्रत्ये स्टरं में प्रत्ये स्टरं में प्रत्ये स्टरं में स्टरं

त्राक्षः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्रः स्त्राः स्त्रः स्त्रः

- हमान्य मुन्य प्रिक्ष प्रमुक्ष प्रमुक्ष क्षेत्र क्षेत्

र्नोश्च लेश वर्दे वस्य मुख्य मुख्य भी

मूल, पर्कर मील, वार्ष , क्या नार्ष मूल, कूर्, मिनेश, वाक्षण।।

कुर्स, कु. मी. सूर, कूर्यांत्र, कुर, वीका, कुर, वीका, कुर, विका, वीका, विका, विक

मूंश्राष्ट्रन्थाः १३४३ विद्युत्यात्वनायः द्वान्यास्य मुद्राः । मुत्रार्द्धनाश्राद्धनाश्रास्त्रेशः चेत्रायस्य स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्व

वर्न द्वं भे स्मरमी माले स्ते प्रमान स्ति स्ति स्वाप्त स्वाप्त

म्भेर्याच्याच्यां, मु.स्ट. येचा, स्ट. येच्ये, के.स्ट. मुश्यात्यां क्ये, स्ट. यंच्ये चार्या, स्ट. यंच्ये चार्ये चार्ये

न्यान्त्रात्रेत्रक्ष्यसः में नावन्त्र्यः स्वाधानसः स्वधानसः स्वाधानसः स्वाधानसः स्वाधानसः स्वधानसः स

- े स्थारा निर्मा नाम्ये क्षा निर्मा न
- के र त्र्रा त्र्रे त्रम्भूय न मु॥ वर्षे त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्र्रे त्रम् त्रम्

बिक्ष-तर्जु। चिट. टे. चक्र-चश्चेष. इंट्र म्रीट. प्रट. देवट. चक्र. भ्रे.से. क्ष्रचा. क्ट. ची. चापि. पर्चेषा. चढ्ढेश

Edited, Printed & Published by at the Freedom Press, Darjeeling.